MUNTAKHABĀT-I-HINDĪ,

OR,

SELECTIONS IN HINDUSTANI,

WITH

VERBAL TRANSLATIONS OR PARTICULAR VOCABULARIES,

AND A

GRAMMATICAL ANALYSIS OF SOME PARTS,

FOR

THE USE OF STUDENTS OF THAT LANGUAGE.

By JOHN SHAKESPEAR.

FOURTH EDITION.

VOL. II.

LONDON:

PRINTED FOR THE AUTHOR,

By J. & H. COX, 74 & 75, Great Queen Street, Lincoln's-Inn Fields;

And sold by Wm. H. ALLEN & Co., Booksellers to the Hon. East-India Company, Leadenhall Street.

1844.

ADVERTISEMENT.

In the description of India, which occupies a considerable portion of these Selections, a few names of places have, on the authority of the خلاصة التواريخ been written differently from what they are in the آرایش محفل: and such uncertainty exists with respect to the reading of some names of places, and a few other provincial words, which have occurred in the Arabic characters without points only, that they are necessarily retained, as found, void of the orthographical marks to define the exact pronunciation of them. But, the like uncertainty with respect to the orthography of many proper names must continue to exist in all local descriptions of India, till, through the well-directed attention of individuals or care of Government, the correct reading of them is ascertained, and is denoted in characters which, like the Nagari for instance, admit not of ambiguity. The indulgence of the reader is appealed to, to correct and to excuse the following errors or failures in the impression :—

NAGARI CORRECTIONS.

स़फ़्ह़:	सत्र्	ग़लत्	स़ह़ीह़
१	२	म	में
१	६	आस्`	आस्रे
१	१६	कसरा	कसेरा
२	१२	कि़स् .:	कि़स्म:
३	१७	राडा	राजा
५	११	हैं	है
५	१४	मुश्क	मुश्कें
५	२०	ह	हैं
८	१७	भज	भेज
११	१२	ह्सरे	दूसरे
१६	३	अपन	अपने
१६	११	ओर	और
१७	१८	प़रफ़	त़रफ़
१८	१४	स	से
१९	५	गन्धर्बसन	गन्धर्बसेन
१९	२१	पृथ्वो	पृथ्वी
२१	१	स	से
२६	१	म	मैं
२६	३	ह	है
२६	१०	ह	है
२७	१	मैं	में
२८	१०	ह	है
२८	११	ह	है
२९	१३	म	में
२९	१७	दंउवत	दंडवत
३०	२	स	से
३०	२०	दोना	दोनो
३०	२२	गय	गये
३२	१	ह	हैं
३२	५	म	मैं
३४	३	म	में
३४	१४	ल	ले
३४	१५	स	से
३४	२१	स	से

CORRECTIONS.

صفحه	سطر	غلط	صحیح
۴	۲	بلِین	بلِین
۱۰	۷	گھوڑون	گھوڑون کي
۱۳	۱۶	مُتوطِن	مُتَوَطِّن
۱۷	۹	گُلزار	گُلْزار
۲۹	۱۵	سالْوي	مالْوي
۵۷	۱۴	تلفُّظ	تلفُّظ
۶۱	۷	صحْرائي	صحْرائي
۶۲	۹	کلان	کلانِ
۸۶	۱	مِثْلاً	مَثَلاً
۸۸	۱۵	مِثْلاً	مَثَلاً
۱۰۷	۱	سطْحِ	سطْحِ
۱۱۱	۹	خلِج	خلِج
۱۱۷	۷	مُعرِف	مُعرّف
۱۱۹	۱۵	بنْدرِدِیو	بغْدرِدِیو
۱۲۲	۴	بکْریون	بکْرِیون

صفحه	سطر	غلط	صحیح
۱۲۶	۱۰	کچْھ	کُچْھ
۱۲۷	۱۶	سندہ	سِندہ
۱۳۸	۱۵	بمرْتبہُ	بمرْتبہ
۱۴۱	۱۴	وظیفي	وِظیفِي
۱۴۲	۱۵	کاؤن	گاؤن
۱۴۹	۱۴	مشْکین	مُشْکین
۱۶۵	۱۶	بھي	بِھي
۱۷۳	۴	مُشْرف	مُشْرِف
۱۷۳	۵	عقابین	عُقابین
۱۷۴	۱۵	رکْھ کرتي	رکْھ کر
۱۷۶	۱۲	دغلي§	وعِلي
۱۸۴	۹	مُوالیان	مَوالیان
۱۸۵	۴	باتِ	بابِ
۱۸۶	۲	کیا	کِیا
۱۹۱	۱۲	بہلاؤ	بہلاؤ

यिह कहानी इन्तिख़ाब की गई है सिंहासन बत्तीसी में से।

राजाओं में एक राजा भोज उज्जैन नगरी का राजा था बड़ा बली और बड़ा धनी जस धर्म उस में सब था जित्ने लोग उस के राज में बस्ते थे सब चैन कर्ते थे राजा राज प्रजा सुखी किसी को कोई दुख नहीं दे सक्ता था यिह न्याव उस के था जो बाघ बक्री एक घाट पर पानी पीते थे और सब उस के आस्रे से जीते थे ख़ुदा ने जब से उसे दुन्या के पर्दे पर उतारा सब बेसहारों का किया सहारा और हुस्न उस का देख कर चौधवीं रात के चान्द को चकाचौंध आती थी बड़ा चतुरा सुघड़ गुणी था अच्छी अच्छी जित्नी बातें थीं सब उस में समाई थीं भलाई उस की सब जग में मश्हूर थी और नगरी उस की यिह बस्ती थी जो चप्पा रख्ने को जगह नहीं मिल्ती थी॥

वुह भरा भरा नगर शादियां घर घर नये नये तौर के अच्छे अच्छे मकान बने हुए चौपड़ का बाज़ार दर्मियान नह्र बह्ती हुई दुरस्त: दूकानों में एक एक उन में दूकान दार सर्राफ़ बज़्ज़ाज़ सौदागर कारीगर सुनार लुहार साद: कार कसेरा पटुआ किनारी बाफ़ कोफ़्तगर जिलाकार आईन: साज़ अप्ने अप्ने काम में सर गर्म था॥

जौहरी बाज़ार में जवाहिर से किश्तियां भरी हुईं मोती मूंगा ज़ुमुर्रुद लअ़ल याक़ूत नीलम पुख्राज जौहरी देख्ते भाल्ते और ख़रीदारों से बाज़ार का बाज़ार भरा हुआ और उस के बराबर दूकानों में मेव: फ़रोश विलायती अनार सेब बिही नाश्पाती अंगूर

से पिटारे पिटारियां भर कर लगाये हुए और ढेर छुहारे पिस्ते बादामों के किये हुए बेंच रहे फूलवाले फूल गूंध रहे॥

तंबोली बीड़े बांध रहे गंधियों की दूकानें तेल फुलेल अत्र अर्गजे की लपटों से महक रहीं और सुपारी वाले दूकानों में पुड़े बुन धनिये सुपारी के बांध कर लगाये हुए डिब्बे मअजूनों के आगे धर सुपारियां कतर रहे बिसाती हर रंग की जिन्स दूकानों में चुने हुए मोल गाहकों से कर रहे॥

चौक चौकोर बना हुआ मीना बाज़ार लगा हुआ तीसरे पहर को गुज़री लगी हुई अस्बाब तरह तरह का नया पुराना बेचने वाले बेच रहे और लेनेवाले मोल ले रहे गर्म बाज़ारी हर एक चीज़ की हो रही कटोरे हर तरफ़ बाज रहे॥

कहीं नाच कहीं राग कहीं भगत कहीं नक़्ल कहीं क़िस्सः हो रहा मअशूक़ बाज़ार में सैर कर्ते हुए आशिक़ पीछे पीछे फिर्ते हुए दिन रात यिह समां वहां रहता था बाग़ बाग़चे सैर औ तमाशे को बने हुए दरख़्त मेवों से झूमते हुए और फूल क्यारियों में खिले हुए॥

तालाबों में कंवल फूल हुए बावलियों में पानी झलका हुआ हर एक कूए पर रहट चल्ता हुआ पनघट लगा हुआ और राजा के चौरासी ख़ास महल ऊंचे ऊंचे दर्वाज़े ख़ुश क़ितअः चार दीवारियां सीधी खिंचीं हुइयां चारों तरफ़ उन के बाहर अन्दर मकान अनूठे अनूठे बने हुए॥

कोठरियां दालान दर दालान बारहदरियां बालाख़ाने

चौमहल्ले पचमहल्ले रंगमहल ऐशमहल अटारियां बंगले तैयार चिलवनें पर्दे हर हर दर पर लगे हुए फर्श चान्दनी मोज़नी कालीनों का जाबजा बिछा हुआ मसनद तकये लगे हुए शहनिशीनों में दंगल और कुर्सियां सोने रूपे की जड़ाऊ बिछी हुईं ताकों पर शीशे बेद मुश्क गुलाब के चुने हुए सायबान ताश बादले के खिंचे हुए नमगीरे बजाजी बजाजी जगह अपने अपने मौक़अ पर खड़े हुए॥

सहन में क्यारियां बनी हुईं चौपड़ की नहरें पानी से भरी हुईं लहरें लेती हुईं हौज़ बेदमुश्क गुलाब से भरे हुए फ़ौवारे छूटते हुए चादरों से पानी बहता हुआ आब जोएं चारों तरफ़ जारी सर्व खड़े हुए और छोटे छोटे दरख़्त लगे हुए रविशें पट्टियां सब दुरुस्त फूल हज़ारों रंग के क्यारियों में फूले हुए हर हर महल में एक एक रानी ऐश ओ कामरानी से राजा का दिल हाथों में लिये रहती थी नाच राग रंग रात दिन होता था और वुह आप यिह सुघड़ था जो बात बात में मोती पिरोता और नौ क़िस्म के साहिबि कमाल जैसे नौ रत्न उस की मजिलस में हाज़िर रहते थे॥

राजा इंद्र उस की सभा को देख कर रश्क की आग से जलता था और उस का अखाड़ा हसरत के मारे हाथ मलता था रंडी मर्द उस की सूरत पर दीवाने थे जिस ने एक बार उसे देखा आप में न रहा जिस ने उस की ख़ूब सूरती का बयान सुना बे चैन हुआ जोबन के मद में सर्शार मोहन का औतार नौ जवान चातुर साहिबि तदबीर॥

उस नगरी में वुह राजा यों राज कर्ता था उस की सैर और तमाशे को शह्र के किनारे बाग़वानों ने कोसों तक क्यारियां बनाई थीं और हर रंग के फूलों की बहारें दिखाईं थीं और उन के बराबर एक खेत में किसी मुराई ने खीरे बोए थे जब वे उगे बेलें तमाम खेत में फैल गईं और खूब हर्यावल ह्रआ ज़र्द ज़र्द फूलों ने और ही बहार दी॥

जब वुह खेत फला और तैयारी पर आया तब उस खेत वाले ने रख्वाली को एक मकान तज्वीज़ किया देखा दर्मियान उस खेत के एक चौका ज़मीन का ख़ाली रह गया है कि न कुछ जमा है न उप्जा है रख्वाली कर्ने को गिर्द इस्तादे लगाकर ऊपर एक मचान सा बांधा उस पर चढ़ कर चारों तरफ़ निगाह कर्ते ही कह्ने लगा कोई है इसी वक़्त भोज को गढ़ से पकड़ लावे और सज़ा को पहुंचावे॥

राजा के नौकरों में से एक ने इस बात को सुन्तेही टांग पकड़ कर उसे नीचे गिरा दिया और मुंह हीं मुंह थपेड़े मार मार सारा मुंह सुजा दिया कान पकड़ कर उठाया और बिठाया ग़ुरूर का निशः जित्ना उसे चढ़ा था सब उतर गया तौबः धाड़ कर्के पांओं पड़ा और कह्ने लगा मैं ने क्या ऐसी तक़्सीर की जो मुझ पर यिह मार पीट ह्रई॥

इधर उधर की राह बाट के लोग जो वहां इकठे ह्रए थे उन्हों ने कहा तूने ऐसी बात मुंह से निकाली अगर राजा सुने अभी तुझे तोप के मुंह पर रख्कर उड़ा दे सुन्तेही वुह गिड़्गिड़ाने लगा

रहे सहे होश ओ हवास और भी जाते रहे जान के डर से घबरा दम उस का होंठों पर आ रहा मिन्नत और ज़ारी से बारे छूट गया ॥

राजा के उस फ़िद्दीने वहां से घर की राह ली पर वुह जब उस मचान पर चढ़ता तो ऐसी बकास किये बिन न उतर्ता एक दिन चार हर्कारे राजा ने एक काम को किसी तरफ़ भेजे थे वे रात को उधर से फिरे हुए चले आते थे और वुह मचान पर चढ़ा हुआ बक रहा था कि बुलाओ हमारे दीवान और अहलि कारों को कि इस जगह ख़ासे ख़ासे महल्ल और एक गढ़ बनावें सब सरंजाम लड़ाई का उस में जम्अ करें कि मैं राजा भोज से लड़ूं और मारूं जो मेरी सात पुश्त का राज यिह राजा कर्ता हैं ॥

यिह सुन्तेही उन चारों हर्कारों को अचम्भा हुआ और एक एक को उन में से ग़ुस्सः आया एक ने ग़ज़ब से कहा इसे जान से मारो दूसरे ने कहा इसे तंबीह कर्के मुश्क बांध राजा ही के पास ले चलो वुह इस के हक़ में जो चाहे सो करे तीसरे ने कहा इस ने शराब पी है मत्वाला है जो मुंह में आता है बक्ता है चौथे ने कहा फिर समझा जायगा अब जाने दो देर होगी ॥

आपस में यिह बात कह कर राजा के पास गये पहले मुजरा किया और जहां भेजा था वहां का अहवाल अर्ज़ किया राजा ने सुन कर पूछा हमारे राज में सब लोग ख़ुश रहते ह और अपने अपने घर में बैठ कर हमारे हक़ में क्या क्या कहते हैं तब उन्हों ने हर एक का अहवाल कहकर वुह क़िस्सः राह का जो सुना था

बयान किया और कहा कि अजब अम्र उस मकान का है कि जब वुह उस मकान पर चढ़ता है एक रऊनत उस पर चढ़ जाती है और जब वुह वहां से उतर्ता है निश्शः सा उतर जाता है फिर अपनी हालति असली में आता है॥

राजा ने कहा तुम मुझे वहां लेचलो और उसे दिखाओ कि वुह जगह कौन सी है तब राजा ख़ुशी ख़ुशी उठ हर्कारों को लेकर उस मक़ाम पर गया वहां छिप्कर चुप्के कहीं बैठ रहा इत्ने में क्या सुन्ता है कि वुह मचान पर पांव रख्तेही कह्ने लगा लोग जल्दी जाएं और राजा भोज को गढ़ से पकड़ लावें मारें उस से जल्दी मेरा राज ले दें इस में जस और धर्म दोनों उन्हें होगा॥

सुन्तेही राजा को खौफ़ आया हर्कारों को साथ लेकर घर को फिर आया रात को फ़िक्र के मारे नींद न आई सात पांच कर के जों तों वुह रात गंवाई सुब्ह होतेही अश्णान कर के दर्बार किया पंडितों को और नुजूमियों को बुलाया और रात का सब अफ़्सानः ज़बान पर लाया॥

नुजूमियों ने घड़ी साअ़त और वुह दिन विचार कर के कहा राजा हमारे विचार में कुछ वहां लक्ष्मी का लक्षण नज़र आता है और पंडितों ने कहा इस मकान में बज़ुत दौलत है॥

सुन्तेही राजा ने तमाम उस शह्र के बेल्दारों को हुक्म किया कि लाख बेल्दार वहां जाओ और उस मक़ाम की तमाम ज़मीन खोदो वे बमूजिब हुक्म के रवानः ज़ुए बअ़्द उन के सब अपने मुसाहिबों को भेजा और आप भी सवार होकर वहां आया॥

बेल्दारों ने जब चारों तरफ़ से खोदा और वहां की मिट्टी दूर की एक पाया नज़र आया तब राजा ने फ़र्माया अब ख़बर्दारी से खोदो टूट न जाय जब खोद्ते खोद्ते चारों पाए सिंहासन के नज़र आये राजा ने कहा अब इसे बाहर निकालो ॥

लाख मज़्दूर उठाते थे और ज़ोर कर्ते थे ज़रा भी वुह जगह से न हिल्ता था तब उन में से एक पंड़ित ने अर्ज़ की महाराज यिह सिंहासन देवताओं का या दानाओं का बनाया हुआ है यिह जगह से न हिलेगा और न उठेगा बल लेगा इस को बल दीजिये ॥

तब राजा ने कड़ोड़ भैंसे और बक्रे बांहीं बल दिये चारों तरफ़ बाजे बज्ने लगे और जैजैकार होने लगे तब बल लेकर हाथ लगाते ही वुह सिंहासन ऊपर को उठ आया झाड़ बुहार कर एक ज़मीनि पाकीज़ः पर रख दिया राजा सिंहासन देख कर बहुत ख़ुश हुआ जब उस की मिट्टी छुड़ाकर गर्द ओ ग़ुबार दूर कर धोया और पोंछा ऐसा चमक्ने लगा कि आंख किसी की उस पर न ठहर्ती थी जिस ने उस जड़ाऊ सिंहासन को देखा उसे ख़ुदा की क़ुद्रत का तमाशा नज़र आया कारीगरों ने ऐसा बनाया था कि किसू ने न देखा न सुना ॥

आठ आठ पुत्लियां चारों तरफ़ बनी हुईं थीं और एक एक फूल कंवल का हर एक के हाथ में था अगर सुर या मुन उसे देखें भैचक हो जावें राजा ने तमाम कारीगरों को बुलाकर फ़र्माया जित्ने रुपए ख़र्च हों ख़ज़ाने से ले लो जहां जहां का जवाहिर जाता रहा है जड़ कर जल्दी तैयार करो ॥

यिह कह कर राजा महल में दाखिल हुए सिंहासन बन्ने लगा पांच महीने में सब तैयार हुआ और पुत्लियां ऐसी बन कर खड़ी हुइयां गोया अभी बोल्तीं हैं और चल्तीं हैं ग़रज़ सिर से पांव तलक खूबियों में भरी हुईं आंखें हिरन की सी कमर चीते की सी पांव का यिह अंदाज़ जैसी हंस की चाल जिन्हों ने सूरत उन की देखी अप्नी आंखों की पुत्लियों में जगह दी॥

तब पंडित राजा से सिंहासन की हक़ीक़त कहने लगे राजा सुन मर्ना जीना इख़्तियार ख़ुदा के है पर इन्सान को चाहिये जीते जी सब ज़िन्दगी का ऐश कर ले यिह राजा सुन कर बहुत ख़ुश हुआ और कहने लगा शायद ये पुत्लियां ख़ुदा ने अप्ने हाथ से बनाइयां हैं या इंद्र के यहां की परियां हैं॥

यिह कह कर पंडितों को हुक्म किया नेक साअत अच्छी लग्न विचारो जो मैं उस साअत सिंहासन पर बैठूं सुन्तेही पंडितों ने विचार किया कातिक महीने में एक दिन शुभ लग्न ठहराई सब जोग उस के अच्छे थे कहा कि उस साअत तुम बैठो॥

राजा ने बैठ्ने की तैयारी की जित्ने राजा उस के राज के थे और पंडित और करावती दूर और नज़दीक के उन्हें न्योता भेज कर बुलाया और आप अश्नान कर्के अच्छे कपड़े पहने पंडित बेद पढ़ने लगे और गंधर्ब गीत गाने लगे भाट जस बयान कर्ने लगे और तरह तरह के बाजे बज्ने लगे हर हर महल में शादियां नाच राग रंग मचे जित्ने लोग आये थे उन सब की ज़ियाफ़त की ब्राह्मणों को बृत्ति गांव भूखों को खाना और रुपए नंगों को कपड़ा और

माल अस्बाब रऐयत को बख़्शिश और इन्आम तमाम शह्र में ख़ैर ख़ैरात फ़ौज को ख़िल्अत और इज़ाफ़े हम्निशीनों पर तरह तरह की मिह्रबानियां नवाज़िशें और जित्ने लोग उस सभा में इकठे हुए थे जैजैकार कर्ते थे और ख़ुदा का नाम लेते थे ॥

बीच में सिंहासन धरा था राजा ख़ुशी ख़ुसी गणेश को मनाता हुआ सिंहासन के पास जाकर खड़ा हुआ दाहिना पांव बढ़ाकर चाहा कि उस पर रखे बेइख़्तियार पुत्लियां खिल्खिला कर हंसियां और सब ने यिह देखा राजा अप्ने दिल में कटा हुआ निहायत शर्मिंदः हो कुछ दह्शत खाई कुछ उसे अचम्भा हुआ कि ये बेजान पुत्लियां जान्दार क्यूं कर हुइयां तैश खाकर ग़ज़ब में आकर पांव उधर से खैंच लिया और पुत्लियों से कह्ने लगा ॥

क्या देखा और क्यूं हंसियां मुझ से बयान करो क्या मैं बली या राजा का बेटा या सखी नहीं या चत्रियों में कादिर हूं या ना मर्द हूं या बेरह्म हूं या और राजा मेरे हुक्म में नहीं या मैं पंडित नहीं या मेरे यहां पद्मिनी रानी नहीं या मैं राज नीति नहीं जान्ता या मैं किसी की मज्लिस में नीचे होकर बैठा फिर किस बात में ना लाइक़ हूं मेरे दिल में शक पड़ा है सो मुझे बताओ ये बातें राजा की सुन्कर उन्ह में से

पह्ली पुत्ली रत्नमंजरी बोली

राजा दिल लगाकर मेरी बात सुनो और यिह क़िस्सः मैं तुम से बयान कर्ती हूं तुम गुण गाहक और क़द्रदान हो जो तुम ने बातें कहीं सब दुरुस्त हैं सूरज से भी तुम्हारे ग़ज़ब की आग का शुअ्लः

बुलन्द है पर इत्ना दिमाग़ मत करो पुराणी कथा सुनो इस दुन्या का अन्त नहीं ख़ुदा ने इस में क़िस्म क़िस्म और रंग रंग के जवाहिर पैदा किये हैं एक एक क़दम पर दौलत का गंज है और एक एक कोस पर आबि हयात का चश्मः पर तुम कम बख़्त हो तुम ने नहीं पह्चाना अप्ने दिल में क्या समझे हो ॥

तुम जैसे इस दुन्या में कड़ोड़्हा पड़े हैं तुम ने इत्ने ही में मग़रूर होकर अप्ने तईं भुला दिया और यिह जिस का सिंहासन है उस राजा के यहां तुम जैसा एक एक अदना नौकर था ॥

यिह सुन कर राजा को ग़ुस्सः आया और कह्ने लगा इस सिंहासन को अभी मैं तोड़ डाल्ता हूं इत्ने में बररुच पुरोहित राजा का बोला राजा यिह इन्साफ़ से दूर है पुत्ली की बात कान से सुन लो और जो कुछ कर्ना हो फिर कर लीजो राजा ने कहा तू इस का अह्वाल कह तब पुत्ली बोली ॥

मैं क्या माजरा कहूं इत्ना ही सुन तुम जल कर ख़ाक हो गये और जब तमाम हक़ीक़त उस राजा की सुनोगे तो और शर्मिन्दः होगे अप्ने दिनों को रोओगे लोगों के आगे भी हल्के होगे इस कह्वाने से नकह्वाना भला है हम तो उसी रोज़ मर चुकी थीं और सिंहासन फट चुका था जिस रोज़ से कि हम राजा बिक्रमाजीत से बिछड़ीं अब हमें क्या डर है ॥

इत्ने में दीवान राजा का पुत्ली से कह्ने लगा किस लिये तू अप्ने राजा का बयान नहीं कर्ती ग़ुस्सः छोड़ दे अब बात कर क्यूं वुह भेद छिपा रखा है तब पुत्ली बोली कि साके बंध राजा

बड़ा बली था और नगर अंबावती में राज कर्ता था बड़ा उस का दब्दबः था देवताओं का पूज्नेवाला और तमाम दुन्या का दान देनेवाला आगे मैं उस की कथा कहती हूं राजा कान धर्के सुनो ॥

ब्रामस्वयंवर उस नगरी का राजा था ज़ात का ब्राह्मण पर बड़ा राजा हुआ तब गंधर्वसेन उस का नाम हर तरफ़ बज्ने लगा और उस के घर में चार बरन की रानियां थीं ब्राह्मणी चत्रनी बैसनी सूद्रनी उन में जो ब्राह्मणी थी बहुत अच्छी सूरत और नाज़ुक थी उस के एक बेटा हुआ सो बड़ा पंडित हुआ ब्रह्मनीत उस का नाम रखा ॥

ऐ राजा वैसा कोई दुन्या में पंडित न था जित्ने इल्म थे सब उस ने पढ़े थे यहां तक कि मौत का भी अह्वाल कह देता और चत्रनी से तीन बेटे हूए उन्हों ने चत्रियों का धर्म इख़तियार किया एक का नाम संख दूसरे का नाम विक्रम तीसरे का नाम भरत एक से एक बली सब जग में उन का नाम मश्हूर था और उन्हें कल्प वृच दुन्या के लोग कहते थे और बैसनी से बेटा जो हुआ उस का नाम चंद्र रखा वुह बड़ा सख़ी और रहम दिल था सूद्रनी से जो बेटा हुआ उस का नाम धन्वंतर बैदों में वुह बड़ा बैद था छः बेटे राजा के हुए एक से एक अच्छा ॥

ग़रज़ अमरसिंह के घराने में सब के सब ख़ूब हुए और वुह जो ब्राह्मणी से हुआ था वही राजा की दीवानी कर्ता था उस से जब कोई तक़्सीर हुई तब राजा ने ख़िद्मत ले ली वुह लड़का वहां से निकल कर धारापुर में आया ॥

ऐ राजा वहां सब तुम्हारे बुज़ुर्ग थे उसे उन्ह सभों ने माना बड़ी आवभगत की वहां का राजा तुम्हारा बाप था किती मुद्दत के बअ़द उस ने दग़ा कर्के उस राजा को मार डाला वहां का राज लेकर उज्जैन नगरी में आया और यहां आकर मर गया॥

संख जो राजा का बड़ा बेटा चत्रनी के पेट का था वुह आन कर वहां का राजा हुआ राज कर्ने लगा और आगे यिह अह़्वाल है॥

एक रोज़ पंडितों ने आकर राजा संख से कहा कि तेरा दुश्मन दुन्या में पैदा हुआ है यिह बात सुन कर वुह भैचक रह गया ब्राह्मण कह्ने लगे हम सब ने शास्त्र देखा है उस से यही अह़्वाल निकल्ता है जो हम ने तुम से कहा मगर एक बात और है कि हम उसे मुंह से निकाल नहीं सक्ते तब राजा ने कहा ख़ैर जो तुम ने वुह बात कही यिह भी कहो तब उन्हों ने कहा॥

हमारे विचार में यिह आता है कि संख को मार कर विक्रम राज करे यिह बात सुन कर राजा हंसा और कह्ने लगा ये पंडित बावले हैं इन्हें कुछ ज्ञान नहीं इस लिये ऐसी बात कहते हैं यिह बात सुनी अन सुनी जान्कर राजा चुप रहा पंडित अप्ने दिल में शर्मिन्दः हुए कि हमारे शास्त्र को इन्ने झूठ जाना और हमें दीवानः ठह्राया॥

जब कित्ने एक दिन इस पर गुज़रे पंडित अप्ने मकानों में बैठ कर नुजूम देख्ने लगे उन्हीं में से एक पंडित बोला मेरे विचार में यिह आता है कि राजा विक्रम कहीं नज़्दीक आन पहुंचा है तब दूसरा उन में से बोला यहां के किसी जंगल में है और एक उन्ह

में से कह्ने लगा उस जंगल में एक तालाव भी है वहीं अखाड़ा कर्के रहा है तब एक ब्राह्मण उन्ह में से उठ खड़ा ह्रुआ और जंगल को चला॥

वहां जाकर क्या देख्ता है कि एक तालाव पर राजा विक्रम तपस्या कर्ता है मिट्टी का एक महादेव बनाकर पूज्ता है और दंडवत कर रहा है॥

यिह देख कर पंडित उल्टा फिर आया सब पंडितों को लेकर राजा के पास गया राजा से कह्ने लगा तुम हमारे शास्त्र को झूठ जान्ते थे और अब हम देख आये फ़लाने जंगल में राजा विक्रमाजीत आन पहुंचा राजा संख उस रोज़ सुन कर चुप रहा उस की सुब्ह़ को उठा और उस वन में जातेही छिप कर देख्ने लगा कि वुह क्या कर्ता है॥

जहां राजा विक्रमाजीत बैठा था वहां से वुह उठा और तालाव में नहाकर फिर अप्ने आसन पर बैठा और उसी तरह़ से महादेव की पूजा कर्ने लगा और यिह राजा भी निकल कर वहां खड़ा ह्रुआ जब वुह महादेव की पूजा कर चुका तब उसी महादेव पर इस ने पेशाब किया॥

जित्ने राजा के साथ लोग थे कह्ने लगे इस की अक़्ल मारी गई है कि पूजे ह्रुए देवता पर इस ने मूता एक पंडित उन्ह में से बोल उठा महाराज यिह तुम ने क्या किया तब वुह बोला हम ज़ात के ब्राह्मण हैं देवता को पूजें या मिट्टी को तब ब्राह्मणों ने कहा राजा कुछ हम अच्छा नहीं देख्ते क्यूं कि तुम्हारी मत कुमत होगई

जब मर्न के दिन आद्मी के नज़दीक आते हैं तो उस की मत मारी जाती है॥

तब राजा बोला तुम दीवाने हो और मुझे भी बावला बनाते हो जो ख़ुदा ने लिखा है वही होवेगा उसे कोई मिटा नहीं सक्ता सब पंडित आपस में कहने लगे इस राजा ने क्या अपना अकाज किया तब राजा संख ने विक्रम के मार्ने की यिह फ़िक्र की सात लकीरें कोयले से जादू की काढ़ीं और उस पर भुस फैला दिया जो उसे मअ़लूम नहो और उन्ह लकीरों का यिह गुण था जो उस पर पांव धरे बावला हो जाय और एक खीरा मंगाकर जादू किया और एक छुरी पढ़ कर हाथ में रखी॥

उस छुरी खीरे का यिह असर था जो उस छुरी से वुह खीरा काटे इस का सिर कट जाय पंडितों से कहा उसे बुलाएं उन्ह लकीरों पर पांव धर के जो आवेगा दीवानः हो जायगा बावला होकर यिह खीरा जो हाथ से लेकर काटेगा तो सिर उस का कट जायगा जित्ने क्षत्री राजा के साथ थे अप्ने दिल में फ़िक्रमंद हुए कि इस राजा ने दग़ा यहां की यिह क्षत्रियों का धर्म नहीं॥

राजा ने विक्रमाजीत को बुलाया कहा हम तुम बैठ कर एक जागह खीरा खावें वुह राजा जोगी था और सब इ़ल्म जान्ता था उन्ह लकीरों से बच कर सिंहासन के पास जा खड़ा रहा खीरा और छुरी उस के हाथ से ले ली दाहिने हाथ में छुरी रखी और बायें हाथ में खीरा लिया राजा संख ग़ाफ़िल था फुर्ती कर्के उस छुरी मारी राजा का काम तमाम किया॥

यिह बात रत्नमंजरी ने ज़ाहिर की राजा भोज तू इस बात को सुन ख़ुदा जो रहम करे तो तिन्के से पहाड़ करे और ग़ज़ब करे तो पहाड़ से तिन्का किताब में जो लिखा है वुह झूठ नहीं होता जब मा के पेट में इन्सान आता है चार बातें साथ लाता है नफ़ुअ नुक़्सान दुख सुख तीन लोक और चौदः तबक़ में फिरे लेकिन क़िस्मत का लिखा नहीं मिट्ता॥

भाई को मारा दिल में ख़ुश हुआ उस के लहू का माथे पर टीका दिया उठ्कर सिंहासन पर बैठा और चंवर झल्वाया उस राजा की रानी उस के साथ सती हुई यिह राज्नीति से न्याव कर्ने लगा और जित्ने राजा उस के राज के थे सब सुन्कर ख़ुश हुए मुज्रे को आये दोनों वक़्त दर्बार में हाज़िर रहने लगे इसी तरह से राजा राज कर्ने लगा॥

कित्ने दिनों के बअ़द एक दिन राजा शिकार को चला कुत्ते बाज़ बह्री और जित्ने शिकारी जान्वर थे साथ लिये और जित्ने साथ में अच्छे अच्छे गुल्चले और तीर अन्दाज़ थे साथ लिये जाकर एक जंगल में पहुंचे हिरन के पीछे राजा ने घोड़ा डाला॥

राजा आगे बढ़ गया साथ कोई न पहुंचा एक बड़े जंगल में राजा जा निक्ला और वहां जाकर सोच कर्ने लगा कि मैं कहां आया राह भी भूला और साथ भी गंवाया इत्ने में जो निगाह की एक बड़ा दरख़्त देखा उस दरख़्त की फुनंग पर चढ़ गया और वहां से देख्ने लगा जंगल ही जंगल नज़र आता था मगर एक तरफ़ जो देखा एक शह्र नज़र आया उस को देख कर राजा को एक ढाड़स सी बन्धी॥

वुह नगर जो देखा निहायत आबाद है कबूतर वहां उड़ रहे हैं चीलें मंड्ला रहीं हैं सूरज की झलक से हवेलियों के कलस चमक रहे हैं अपन जी में कहने लगा यिह नया ग्रह मैं ने देखा कल इसे छीन लूंगा और उस नगर के राजा का दीवान जिस का नाम लूतवरन था वुह कौवे के भेस में रहता था उस तरफ़ से उड़ा हुआ जाता था उस ने यिह राजा के मुंह से बात सुनी बहुत दिल में ख़फ़ा हुआ गुस्से से उस के मुंह में बीट कर दी॥

राजा ग़ज़ब में आया इतने में लोग कुछ उस के वहां आन पहुंचे उन के साथ होकर अपने ग्रह में दाखिल हो दीवान को हुक्म किया जहान में जहां तलक कौवे हैं पकड़ लावें यिह सुन्तेही चारों तरफ़ बहलिये दौड़े और कौवे पकड़ पकड़ लाये और पिंजरों में बंद किये॥

राजा ने जाकर उन्ह कौवों से कहा ऐ चंडालो वुह कौन सा कौवा था जिस ने हमारे मुंह पर बीट की तुम सच कहोगे तो हम छोड़ देंगे नहीं तो सब को मार डालेंगे यिह सुन्कर सब बोले महाराज हम में कोई कौवा नहीं रहा जो पकड़ा नहीं आया और वुह काम हम से नहीं हूआ तब राजा ज़ियादः ख़फ़ा हूआ कि तुम सब के सिवा वुह कौन कौवा है कि जिस ने यिह काम किया॥

तब उन्हों ने कहा महाराज सच पूछते हो तो हम कहते हैं बाहुबल एक राजा है मश्रिक़ से मग़्रिब तलक उस का राज है और उस का दीवान लूतबरन बड़ा दाना बहुत होश्यार पंडित है वुह कौवे के भेस में रहता है यिह काम उस का हो तो हो क्यूं

कि कौवे की सूरत एक वुह बच रहा है तब राजा ने कहा वुह किस तरह आवे उस का कुछ समझ कर मुझे इलाज बताओ कोई तुम्हारे यहां से वकील जाय और उस को लेआय तुम अपने यहां से दो कौवों को भेज दो वे जाकर ले आवें ॥

उन्हीं में से दो कौवे वहीं गये उन्ह की लूतबरन ने बहुत सी आवभगत की और कहा तुम यहां किस लिये आये हो तब वे बोले महाराज तुम्हारे बग़ैर हम सब कौवे मारे जाते हैं जो तुम राजा बिक्रमाजीत पास चलो तो सभों की जानें बचें तब लूतबरन बोला धन्य भाग जो तुम मेरे पास अपना मतलब समझ कर आये हो जो कुछ काम मुझ से होगा मैं कमी न करूंगा ॥

यिह कह कर अपने राजा पास आया और राजा से हुक्म लेकर उन के साथ गया जब सब कौवों ने उस दीवान को देखा तब राजा से कहने लगे जिस का हम नाम लेते थे वुह यही है राजा ने देखकर उसे आदर करके आधी गद्दी पर बिठाया और क्षेम कुशल पूछी वुह दुआ देकर बोला किस लिये आपने मुझे याद किया और किस वास्ते इन सब को बन्द में दिया जब लूतबरन ने यिह बात पूछी तब राजा कहने लगा मैं एक दिन शिकार को गया था इत्तिफ़ाक़न जंगल में राह भूल गया तब एक पेड़ पर चढ़ कर चारों त़रफ़ देखने लगा कि एक कौवे ने मुझ पर बीट कर दी इस लिये मैं ने सब कौवों को बन्द किया जब तक कि उन्ह में से कोई सच न कहेगा एक कौवा इन में से न छोड़ूंगा बल्कि जान से सब को मारूंगा ॥

फिर लूतबरन बोला महाराज यिह काम मेरा है जब तुम्हें मैं ने

मग़रूर देखा तब मुझे ग़ुस्सः आया अ़क़्ल मेरी उस वक़् जाती रही यिह सुन्कर राजा हंसा और बिगड़ कर कह्ने लगा मुझे ग़ुरूर क्यूं नहो राजा मैं हूं दाता में हूं सिपाही मैं हूं और कौन सी बात मुझ में नहीं तुम कहो तब वुह बोला जो नगर तुम ने नज़र भर देखा उस का मैं सब बयान कर्ता हूं॥

राजा बाहुबल वहां का क़दीम राजा है और गन्धर्बसैन बाप तुम्हारा उस का दीवान था राजा को उस की तरफ़ से कुछ बे इअ़तिबारी हुई तब उसे छुड़ा दिया वुह नगर अंबावती में आया और उस जगह का राजा हूआ उस का बेटा तू विक्रम है तुझे जग मे कौन नहीं जान्ता पर जब तलक राजा बाहु तुझे राज तिलक न देगा तब तलक तेरा राज अचल न होगा और वुह जो ख़बर पावेगा योंहीं चढ़ दौड़ेगा और तुझे आकर एक घड़ी में ख़ाक के बराबर कर देगा तुझे जो मैं मस्लहत दूं उसे मान और किसी तरह् से उस राजा के पास जा राजा को मुहब्बत दिलाकर तिलक उस से ले जिस से अचल राज तू करे॥

राजा विक्रम बड़ा अ़क़्ल मन्द था इस बात पर क़ाइम रहा ऐसी सख़्त सख़्त बातें लूतबरन से सुन्कर कुछ दिल में न लाया हंस्कर कान देकर सब सुनीं फिर लूतबरन ने कहा जो तुम्हें चल्ना है तो हमारे ही साथ चलो और पंडितों से अच्छी साअ़त दिखाकर चल्ने की तैयारी करो॥

दूसे दिन सुब्ह् के वक़् राजा लूतबरन मंत्री के साथ होकर चला और राजा बाहुबल के नगर में पहुंचा तब उस दीवान ने

राजा से कहा यहां तुम बैठो और मैं अपने राजा को तुम्हारे आने की ख़बर दूं यिह बात राजा से कहकर अपने राजा के मंदिर में गया उस को सलाम किया और सब समाचार और अपनी हक़ीक़त समेत राजा का अह्वाल कहने लगा ॥

महाराज गन्धर्वसेन का बेटा विक्रम आप के दर्शन के लिये आया है यिह बात राजा ने सुन्कर तुर्त बुलाया तब वुह दीवान राजा को लेगया और अपने राजा से मिलाया राजा उस से उठ कर मिला और आदर कर्के आधे आसन पर बिठाया क्षेम कुशल पूछी बअ़द उस के रहने के लिये मकान बताया राजा उठ्कर उस मकान में आया वहां रहने लगा जब दस पांच दिन बीत गये दीवान से राजा विक्रम ने कहा हमें तुम बिदा कर्वा दो तो हम अपने स्थान को जायें ॥

तब मंत्री कहने लगा हमारे राजा का यिह सुभाव है जो उन से मिल्ने को आता है उसे आप से रुख्सत नहीं कर्ते तुम रुख्सत मांगो और जिस बात की ख़ाहिश हो सो मुझे कहो अपने जी में कुछ शर्म न करो तब राजा बोला मुझे कुछ नहीं चाहिये जो कोई जो वर चाहे मुझी से ले तब दीवान बोला राजा यिह हमारी बात सुनो इस राजा के घर में एक सिंहासन है सो वुह सिंहासन पहले महादेव ने राजा इंद्र को दिया था और उस राजा ने इस को दिया उस सिंहासन में यिह गुण है जो उस पर बैठे सात दीप और नौ खंड पृथ्वी का अजीत राज करे और बहुत सा जवाहिर उस में जड़ा है और बत्तीस पुत्लियां भी कि अमृत देकर उन को सांचे में ढाला है

लगी हैं तुम रुख़्सत होते ज़्ए वुह सिंहासन राजा से मांगो कि उस पर बैठ्कर आनन्द से राज करोगे ॥

यिह राजा को दीवान ने सलाह् दी और सुब्ह् को राजा के दर्बार में दीवान गया ख़बर दी महाराज बिक्रम रुख़्सत होता है बाहर खड़ा है ॥

यिह सुन्कर राजा फ़िल्फ़ौर दर्वाज़े पर आया और बिक्रम ने देख्कर अप्ना माथा निवाया राजा ने बिक्रम से कहा जो तुम्हारे जी में आवे सो मांगो मैं ख़ुश होकर वोही दूंगा बिक्रम बोला महाराज जो आप ने मुझ पर दया की है तो वही सिंहासन मुझे बख़्शो ॥

यिह बात सुन्कर राजा बोला अच्छा सिंहासन तो हम ने तुम्हें दिया पर यिह काम मंत्री का है इसे तुम नहीं जान्ते थे यिह कह्कर सिंहासन मंगाया और पान तिलक देकर उस पर बिठाया कि तुम अब अजीत ज़्ए किसी बात की जी में चिन्ता न कर्ना गन्धर्वसेन मेरा बड़ा दोस्त था और तू उस के ख़ान्दान में बड़ा नाम्वर ज़्आ ॥

इस तरह् से राजा बिक्रम को दुआ देकर रुख़्सत किया राजा वहां से अप्ने घर को आया और अप्ने जी में बज़्त सा ख़ुश ज़्आ और जित्ने उस राजा के दुश्मन थे उन्हों के जी में डर ज़्आ राजा के देश के लोगों ने बज़्त ख़ुशी की और दीप दीप के राजा ख़िद्मत के वास्ते आये और जो राजा ग़ुरूर कर्ता था उस का वुह राज जाकर छीन लेता और अप्ना राज कर्ता ॥

ग़रज़ शर्क़ से ग़र्ब तक ख़ूब उस ने अप्ना राज किया सब रऐयत

आनन्द से उस के राज में वस्ती थी और जो चत्री थे उस से डर्ते थे और जो कोई देश व देश जाता था वहां विक्रम का धर्म सुन्ता था सब मुल्क आबाद देखता था कहीं दुखी उसे नज़र न आता था डांड और बान्ध उस के राज भर किसी ने कान से न सुना बल्कि घर घर आवाज़ बेद और पुराण की आती और जित्ने लोग थे अश्नान ध्यान कर्के तीनों वक़ अप्ने भगवान की याद में रह्ते थे अप्ने अप्ने घर में सब राजा की सी सभा कर्के ख़ुश रह्ते थे राजा राज और प्रजा सुखी॥

इस में एक दिन राजा बिक्रमाजीत ने सभा की और सब पंडित बुलाये पंडितों से राजा ने पूछा मेरे जी में है अब मैं सम्वत बान्धूं सो तुम से पूछ्ता हूं कि मैं इस बात के लाइक़ हूं कि नहीं तुम शास्त्र देख्कर मुझ से विचार कहो तब सब पंडितों ने बिचार कर्के राजा से कहा महाराज अब जो तुम्हारा प्रताप है सो तीनों भवन में छा रहा है अब जो कुछ तुम्हें कर्ना हो सो कीजिये दुश्मन तुम्हारा कोई नहीं॥

राजा ने यिह सुन्कर पंडितों से कहा कि अब तुम बताओ कि किस विध से सम्वत बांधें जो कुछ शास्त्र की रीत से मुनासिब हो तिस तरह से हमें कहो तब पंडितों ने कहा पह्ले तो अजीत माला पह्नो फिर उस के बअ़द देश देश के ब्राह्मण और ज़मीन्दार राजे और अप्ने सब कुम्बे के लोग बुलाओ सवा लाख कन्या दान और गौदान सवा लाख ब्राह्मणों को करो और जित्ने ब्राह्मण तुम्हारे मुल्क के हैं उन की बृत्ति कर दो एक बरस का ख़ज़ानः ज़मीन्दारों

को मुआफ़ करो और जो भूखा कंगाल इस बरस में आवे उस की वृत्ति का हुक्म करो ॥

इसी तौर से राजा ने सब काम किया और सिवा उस के जो जो दान पुण्य किया उस का बयान किस से हो एक बरस तलक राजा अपने घर में बैठा पुराण सुन्ता रहा और इस तरह से सम्वत बान्धा कि तमाम दुन्या के लोग धन्य धन्य कर्ते थे ॥

यिह सब अह्वाल रत्नमंजरी ने सुनाया और राजा विक्रमाजीत का जस गाया और कहा राजा भोज जो तुम इत्ने हो तो इस सिंहासन पर बैठो सुन्के राजा ने कहा सच है जो कुछ तू ने कहा यिह बात मेरी भी पसन्द आई इत्ना कह्कर राजा अपनी सभा में बैठा दीवान मुतसद्दियों को बुलाया कि तुम सब तैयारी सम्वत बान्धने की करो उस दिन की वुह साअत यूं टल गई राजा ने दूसे दिन फिर सिंहासन पर बैठ्ने की तैयारी फ़र्माई दीवान को बुलाकर कहा तुम सब इस की तुर्त तैयारी करो देर नहो ॥

यिह बात सुन्कर बररुच पुरोहित बोला राजा अभी क्यूं घब्राते हो यिह एक एक पुत्ली तुम से बात करेगी उन्ह की बातें सुन्कर जो कुछ कर्ना होगा सो कीजियो यिह सुन्कर राजा ने चाहा सिंहासन पर पांव बढ़ाकर रखे कि

दूसी पुत्ली चित्ररेखा बोली

राजा तेरे जोग यिह आसन नहीं है और ऐसी अनीति कोई कर्ता नहीं जैसे तू कर्ने पर तैयार हुआ है इस सिंहासन पर बैठे वुह जो बिक्रम सा राजा हो तब राजा बोला बिक्रम में क्या गुण थे सो मुझ से कह तब वुह बोली ॥

एक दिन राजा विक्रम कैलास को गया और वहां एक जती से मुलाक़ात हुई उस ने राजा को जोग की रीत सब बताई राजा ने अपने जी में इरादः किया कि जोग कमावें जोग कर्ने को तैयार हुआ राज तिलक भरथरी को दिया राज पाट पर उसे बिठा आप राज काज धन दौलत छोड़ कन्था पहन भसम लगा संन्यासी बन्कर जंगल को निकल गया और उत्तर खंड में जाकर जोग साधने लगा॥

उस शह्र के जंगल में एक ब्राह्मण भी तपस्या कर्ता था धूंआं पीके रहता था और भूख प्यास के दुख सहता था ब्राह्मण की तपस्या देख्के देवते ख़ुश हुए वर उसे देने लगे और उस ने न लिया तब आकाश बाणी हुई कि हम अमृत भेजते हैं सो तू ले॥

एक आद्मी की सूरत में आकर देवता उसे फल दे यिह कह गया जो इस को तू खावेगा चिरंजी होगा फल लेकर वुह तुर्त चला ख़ुशी ख़ुशी अपने घर को आया ब्राह्मणी के हाथ में वुह फल दिया और कहा आज देवतों ने अमृत फल मुझे देकर कहा जो इसे खावेगा अमर होवेगा यिह बात सुन्कर ब्राह्मणी व्याकुल हो रोने लगी फिर बोली यिह अब दुख और पाप हम किस तरह काटेंगे और हमेशः भीख क्यूंकर मांगेंगे खाल मास सब हाड़ में मिल जायगा ऐसे जीने से मर जाना बिह्तर है मर जानेवाले को इत्ना दुख नहीं होता॥

इस फल को वुह खावेगा जो हमेशः दुख उठावेगा इस से जोग यिह है कि तुम यिह फल ले जाकर राजा को दो और उस से कुछ धन लो यिह सुन्कर ब्राह्मण अपने जी नें समझा यिह सच है इस

संसार में इतना जंजाल कौन सहे इसी तरह आपस में बातें सलाह की कर्के ब्राह्मण वहां से राजा के पास चला जब राजा के द्वारे पर पहुंचा द्वारपाल से कहा राजा को ख़बर दो ब्राह्मण आप के लिये एक फल लाया है॥

दर्बान ने राजा से जाकर अर्ज़ की महाराज एक ब्राह्मण फल आप की ख़ातिर लाया है और दर्वाज़े पर हाज़िर है जो कुछ हुक्म हो राजा ने उसी वक़्त हुक्म किया उसे अभी लाओ अह्लि कारों ने वोंहीं हाज़िर किया॥

ब्राह्मण ने राजा को आकर आसीस दी कि धर्म लाभ हो और वुह फल राजा के हाथ दिया राजा ने उस को हाथ में लेकर पूछा इस का वृत्तान्त कहो तब ब्राह्मण कहने लगा स्वामी मैं ने जो तपस्या की थी सो देवतों ने उस का वर अमर फल दिया मैं अमर होकर क्या करूंगा इस फल को तुम खाओ और अमर हो इस वास्ते कि तुम से लाखों जी पल्ते हैं॥

यिह सुन्कर राजा हंसा उसे लाख रुपै दिये और गांव बृत्ति कर्के बिदा किया फिर जी में विचार कर्ने लगा मैं तो पुरुष हूं कम ज़ोर न हूंगा यिह फल रानी को दिया चाहिये वुह मेरे प्राण का अधार है वुह जीती रहेगी तो मैं सुख भोग करूंगा॥

यिह दिल में ठान्कर राजा महल में दाखिल हुआ फल रानी को दिखाया रानी हंस्कर पूछने लगी महाराज यिह क्या चीज़ है जिसे बड़े जतन से लिये हुए तुम आये हो इस का ब्योरा कहो तब राजा ने कहा सुन सुन्दरी तू जो इस फल को खायगी सदा जोबन्वती रहेगी दिन दिन रूप बढ़ेगा और अमर होगी॥

रानी ने यिह अह्वाल सुन्कर फल राजा के हाथ से ले लिया और कहा महाराज मैं इसे खाऊंगा राजा फल देकर बाहर गया और रानी का जो एक मित्र कोत्वाल था रानी ने उसे बुलाकर वुह फल दिया और कहा यिह हमें राजा ने देकर कहा है जो इसे खावेगा सो अमर होगा तुम मेरे प्यारे हो इसे खाओ और अमर हो तो मुझे बड़ी ख़ुशी हो सुन्ते ही कोत्वाल ने ख़ुश होकर फल हाथ से ले लिया और अप्ने मकान को गया॥

एक कस्बी उस की आश्ना थी उसे फल देकर कहा यिह अमर फल मैं तेरे वास्ते लाया हूं तू इसे खा यिह सुन्कर उन्ने हाथ से ले लिया और उसे विदा किया फिर अप्ने जी में विचारा एक तो मैं कस्बी हूं और अमर हूंगी तो कित्ने पाप मैं कमाऊंगी इस से बिह्तर यिह है कि यिह फल राजा को जाकर दीजिये जो राजा जियेगा तो मुझे याद करेगा और पुण्य होवेगा पाप सभी कटेंगे॥

यिह सोच्कर राजा के दर्बार में गई वुह फल राजा के हाथ दिया राजा फल को देख्कर बेसुध हुआ अप्ने दिल में कह्ने लगा कि फल तो मैं ने रानी को दिया था जी में यिह विचारा और हंस्कर उसे पूछ्ने लगा यिह फल तुझे किन्ने दिया वुह कस्बी सब बातें जान्ती थी पर राजा से फ़क़त् यिह कहा कि मुझे कोत्वाल ने दिया है वुह सुन्कर यिह समझा कि रानी ने बुरा काम किया॥

उसे कुछ रुपे देकर विदा किया और आप भैचक रह गया फिर समझकर कह्ने लगा मैं ने तो मन अप्ना रानी को दिया और उस ने अप्ना दिल कोत्वाल को मन का भेदी कोई न मिला ऐसे जीने

को ऋौर मेरी बुध को धिर्कार है जो म फिर राज करूं ऋौर फिट उस रानी के तईं ऋौर लऋ़नत उस कोत्वाल को ऋौर उस वेस्वा को ऋौर धिर्कार ह कामदेव को जो यिह मत संसार की कर्ता है कि जिस से संसार ऋहमक़ हो जाता है वऋ़्द उस के फल लिये ह्रए महल में गया ॥

ऋपने चित में कहने लगा यिह तन मन ऋौर जी ऋौर धन सव चंचल हैं ऋौर यिह संसार जान्हार है इन्हों में से कोई क़ाइम न रहेगा जव ही पैदा ह्रआ तव ही काल ने खाया ऋौर जव मर्ता है तो कुछ साथ नहीं ले जाता ऋौर मेरा मेरा कर्के जन्म गंवाता है सुख के सव साथी ह ऋौर दुख कोई नहीं वंटाता यिह संसार जो है समुद्र है ऋौर माया उस का जल है हौंखा मछली है ऐसा वधिक कोई न मिला जो उस को मार के खाय ॥

यूं विचार कर्ता ह्रआ रानी के पास गया ऋौर उस से पूछा तू ने वुह फल क्या किया तव वुह वोली महाराज मैं ने खाया सुन्कर राजा ने वही फल रानी को दिखाया वुह देख्कर ज़र्द हो गई तव राजा उस को लेकर वाहर आया धोकर खाया तिस पीछे सोच उस को ह्रआ निदान वन के जाने का सामान किया राज पाट धन दौलत ऋौर रानी की मुहव्वत तज्कर चला न किसी से पूछा न किसी को साथ लिया ऐसा निर्मोही होकर निक्ला कि किसी का ध्यान न किया ॥

देश देश ऋौर नगर नगर में चर्चा पड़ा कि राजा भरथरी राज तज्कर जोगी ह्रआ ऋौर यिह वात उड़ती उड़ती राजा इंद्र के

अखाड़े में पहुंची कि वुह तो देश छोड़के गया और उस के देश में बड़ा ऊजड़ हुआ तब यिह बात सुन्कर सब देवतों ने मिल्कर यिह विचार किया कि एक देव को रखवाली के वास्ते राजा भरथरी के देश में भेज दो कि कोई विद्अत रऐयत पर न करे देव को बुलाकर वहां भेज दिया और कहा वहां की निगहबानी कर॥

यहां तो वुह रखवाली कर्ता था और वहां राजा बिक्रम का जोग पूरा हुआ वुह अपने मन में मन्सूबः कर्ता था कि मैं छोटे भाई को राज दे आया हूं चल्कर देखूं कि वुह किस तरह राज कर्ता है यिह अपने दिल में कहके चला और रात को अपने नगर के पास आन पहुंचा देव ने उसे आते देखा तब वुह पुकारा तू कौन है जो इस वक़ शह्र में जाता है या तो अपना नाम बता नहीं तो तुझे मैं मार डाल्ता हूं तब उन ने कहा मैं राजा विक्रम हूं तू कौन है कि मुझे टोका है॥

देव बोला मेरे तईं देवतों ने भरथरी के राज की रखवाली को भेजा है राजा ने पूछा भरथरी क्या हुआ उन ने जवाब दिया भरथरी को कोई यहां से छल कर लेगया यिह बात सुन्कर राजा हंसा और उसे कहा वुह तो मेरा छोटा भाई है फिर दैयत बोला मैं नहीं जान्ता कि तुम कौन हो और जो तुम विक्रम इस देश के राजा हो तो मुझ से लड़ो और मुझे मार्कर जाओ बिना लड़े मैं तुम्हें शह्र में नहीं पैठने दूंगा॥

यिह सुन राजा बिगड़के बोला तू मेरे तईं क्या डराता है और जो लड़ा चाहे तो तैयार हो इस तरह दोनों बातें कर तैयार हो

लड़ने लगे और राजा उस देव को पछाड़कर छाती पर चढ़ बैठा तब वुह बोला राजा तू मुझ से वर मांग मैं तुझे जी दान दूं॥

यिह बात उस की सुन्कर राजा हंस्कर बोला मैं ने तुझे पछाड़ा है और चाहूं तो मार डालूं तू मुझे जी दान क्या देगा तब वुह बोला राजा तू मुझे छोड़ दे मैं तेरे आगे इस का सब ब्योरा कहता हूं॥

तेरे राज की धूम सब देश में है और सब राजा तुझ से डर्ते हैं पर मैं जो बात कहूं सो तू कान देके सुन तेरे शह्र में एक तेली है और एक कुम्हार सो तेरे मार्ने की फ़िक्र में हैं पर तुम तीनों में से जो दो को मारेगा वही अचल राज करेगा तेली तो पाताल का राज कर्ता ह और वुह कुम्हार जोगी बना हुआ जंगल में तपस्या कर्ता हुआ अपने दिल में कह्ता ह कि राजा को मार्कें तेली को तेल के जल्ते कड़ाह में डालूं और देवी को बल देकर मैं निचिन्त राज करूं और तेली कह्ता है राजा और जोगी को मार्कें त्रिलोक का राज मैं करूं और तू इस बात को न जान्ता था मैं ने इस वास्ते तुझे ख़बर्दार किया तू उन्ह से बच्ता रह्ना और आगे जो मैं कह्ता हूं सो तू सुन॥

जोगी ने उस तेली को मार्कर अप्ने बस किया है सो तेली एक सिरिस के दरख़्त पर रह्ता है अब वुह जोगी तुझ को नौता देने आवेगा छल कर्के तुझे लेजायगा तू नौता लेकर वहां जाइयो जब वुह कहे कि तू दंडवत कर तब तू कहियो मैं दंडवत कर्ना नहीं जान्ता मेरे तईं एक जहान दंडवत कर्ता है जो तुम गुरु हो और मैं चेला तो मुझे दंडवत कर्ना बताओ उसी तरह मैं दंडवत करूं जब वुह

सिर निऊड़ावे तब तू खांडा मार्ना कि उस का सिर जुदा होजावे और वहां कड़ाह जो देवी के आगे तेल का खौल्ता होगा उस में उस को और दरख़्त से तेली को उतार के दोनों को उसी कड़ाह में डाल देना यिह मेरी बात तु गांठ में बान्ध रख इसे हर्गिज़ कभी न भूल्ना यिह बात कह्कर वुह देव चला गया और राजा अपने महल में आया भोर हुए सारे नगर में ख़बर हुई कि राजा विक्रमाजीत आये दीवान मुतसद्दी और सब अह्लिकार नज़्रें लाये तमाम शह्र में आनन्द होगया घर घर मंगलाचार होने लगे यहां तो ख़ुशी के नक़ारे बज रहे थे इत्ने में एक जोगी आया और राजा को आदेश सुनाया एक फल उस के हाथ दिया उन ने हंस्कर वुह फल हाथ में लिया जोगी ने कहा राजा हमारे यहां यज्ञ होता है एक दिन का तुम्हारा नौता है तब राजा ने कहा हम आवेंगे तुम अपने मन म चिन्ता मत करो सांझ हुए पहुंचेंगे ॥

जोगी यिह सुन्तेही ठिकाना बता अपनी मंढी को गया जब शाम हुई राजा भी खांडा फरी ले तैयार हुआ और किसी से न कहा अकेला चला गया तुर्त जोगी के पास पहुंचा और आदेश कहा जोगी बोला कि देवी के आगे जाकर दंडवत कर जो देवी तुझ से ख़ुश हो राजा बोला स्वामी मैं दंडवत नहीं जान्ता कि किस तरह कर्ते हैं जो मुझे बताओ तो मैं करूं जोगी बताने लगा और ज्योंहीं सिर झुकाया राजा ने देव की नसीहत याद कर्के एक खांडा ऐसा मारा कि सिर धड़ से जुदा होगया और उसे मार्ते ख़च्: न किया और उस दरख़्त से उस तेली को भी उतार दोनों को जल्ते कड़ाह में डाल दिया ॥

तब देवी बोली धन्य है बिक्रम तेरी हिम्मत को मैं तुझ पर बहुत मिहरबान हुई तू मुझ स बर मांग और धन्य है तेरे माता पिता को कि जिन के घर में तू ने औतार लिया देवी जब यिह कह चुकी तब वे बीर आकर हाज़िर हुए राजा से कहने लगे कि हम आगिया और कोयला दो बीर तुम्हारी खिद्मत को आये हैं जो तुम्हारी कामना हो सो हम से कहो हम तुर्त पूरी कर दें सब जगह के जाने की हम क़ुद्रत रख्ते हैं जल थल मही आकाश में पवन के रूप होकर जहां कहो हम चले जायें जैसे हनूमान तुर्त लंका जा पहुंचा वैसे ही हम भी जा सक्ते हैं

यिह सुन ख़ुश हो राजा ने कहा मुझे तो कुछ काम नहीं है अगर मेरे तईं बचन दो तो मैं देबी से तुम्हें मांग लूं लेकिन ऐ बीरो जो तुम से बचन देकर निर्बाह किया जाय तो बचन दो उन बैतालों ने कहा कि अच्छा तब राजा ने उन्ह को बचन बन्द कर मांग लिया और कहा जिस जगह मैं याद करूं तुम उस जगह मेरे पास पहुंच्ना तब बीर बोले कि राजा तू जिस जगह हमें याद करेगा वहां हम पवन रूप होकर पहुंचेंगे यिह बात उन्ह से करके राजा घर को गया ये बातें चित्ररेखा पुत्ली ने राजा से कहीं कि राजा बिक्रम के ये काम ये इत्ने जोग तो तू नहीं है॥

फिर वे बीर राजा के ताबिअ़ हुए और आगे बहुत से काम किये जहां बिक्रम को गाढ़ पड़ी वे दोना आकर हाज़िर हुए जो कोई ऐसे काम करे तो सिद्ध हो राजा तू अप्ने ज़ोर पर ग़ुरूर मत कर तुझ जैसे पृथ्वी में कड़ोड़ो हो गय हैं इत्नी बात जब पुत्ली ने

कही राजा की वुह भी साअ़त टल गई तब दूसरे दिन सुब्ह़ को राजा ने फिर पाट बैठ्ने की तैयारी की और जोंहीं चाहा कि सिंहासन पर पांव धरे कि

रतिवामा तीसरी पुत्ली

बोली तुम्हारा यिह काम नहीं जो इस पर बैठो और मुझ से एक कथा नई सुन लो एक दिन राजा बीर विक्रमाजीत दर्या कनार एक मह़ल में ख़ल्वत कर्के बैठे थे राग हो रहा था और हर एक रंग की चुहल मच रही थी कि दिल फ़रेफ़्तः होजावे और एक से एक सहेली ख़ूब सूरत पास बैठी थी॥

राजा का दिल वहां बे इख़्तियार लग रहा था कि एक पंथी त्रिया संग लिये हुए और उस त्रिया की गोद में एक बालक घर से ख़फ़ा होकर निक्ले थे दर्या के कनारे पास उसी मह़ल के आकर ग़ुस्से के मारे कूद पड़े मर्द के एक हाथ में हाथ रंडी का और एक हाथ में लड़्के का हाथ यों तीनों डूब्ने लगे तब पुकारे ऐसा धर्मात्मा कौन है जो इन तीनों आद्मियों की जानें बचावे उन में से वुह मर्द हाय कर्के पुकारा जो कोई ग़ुस्सः मार न सके तो इसी तरह़ बे अजल मर जाता है और पीछे बहुत पछ्ताता उस की आवाज़ राजा ने सुन्तेही लोगों से पूछा यिह कौन दुखी पुकार्ता है तब हर्कारों ने ख़बर दी कि महाराज एक मर्द और रंडी लड़्के समेत डूब्ते हैं उन्ह में से वुह मर्द चिल्ला रहा है कोई ऐसा पर उपकारी हो कि हम डूब्तों को निकाले॥

यिह वुह हर्कारः कह्ता ही था कि वुह फिर पुकारा हम तीन

जो डूब्ते ह कोई हमें भगवान का बन्द: पार लगावे यिह सुन्कर राजा वहां से धाया और आकर उस दर्या में कूद पड़ा जाकर एक हाथ में रंडी और दूसे हाथ में लड़्के को पकड़् लिया वुह मर्द भी राजा से लिपट गया तब राजा घब्राया और आप भी डूब्ने लगा अप्ने ईश्वर को याद किया और कहा कि हे नाथ म धर्म काज के वास्ते आया था और इस में मेरा जी ही जाता है धर्म कर्ते नुक़्सान होवे ॥

राजा यिह कह्कर बहुत ज़ोर कर्ने लगा और ज़ोर उस का कुछ काम न आता था तब उस ने आगिया और कोयला दोनों बीरों को याद किया याद कर्ते ही वे बीर आकर हाज़िर हुए और चारों को उठा कनारे पर रख दिया तब वुह बिदेशी राजा के पांवों पर गिर पड़ा कि महाराज तुम ने हम तीनों को जी दान दिया तुम्हीं हमारे भगवान हो क्यूं कि जी दान तुम से पाया ॥

राजा हाथ पकड़्कर उन्ह तीनों को रंग महल में ले आया और बिठाकर कहा तुम्हें जो चाहिये सो हम से मांग लो तब वुह बोला महाराज हमें हुक्म दीजिये तो हम घर को जायें और जब तलक जियेंगे आप को असीस दिया करेंगे ऐसा कुछ तुम ने हमें दिया है तब राजा ने अप्नी तरफ़् से लाख रुपै देकर उन्ह को घर भिज्वा दिया ॥

इत्नी बात कह पुत्ली फिर बोली राजा इत्ने लाइक़् तुम हो तो इस सिंहासन पर बैठो और यों बैठोगे तो तमाम लोग हंसेंगे वुह

भी महूरत राजा का टल गया दूसे दिन फिर राजा दिल में सोच कर्ता हुआ सिंहासन पर बैठ्ने को आया तब

चन्द्रकला चौथी पुत्ली बोली

सुनो राजा तुम मन मलीन क्यूं हो बैठो हमारे पास और सुनो जो मैं कथा कहूं एक रोज़ एक पंडित कहीं राजा विक्रमाजीत पास आया था और उस ने आकर बयान किया जो कोई एक मह्ल बनाने की बिना मुवाफ़िक़ मेरे कह्ने के धरे चैन उठावे और बड़ा नाम पावे तब राजा ने कहा अच्छा ज़ाहिर कर ॥

ब्राह्मण कह्ने लगा तुला लग्न जब आवे जो उस में मंदिर उठावे जब तलक वुह लग्न रहे तब तलक काम उस में जारी रखे और जब तुला लग्न हो चुके तब उस का काम मौक़ूफ़ कर दे इसी तरह तुला लग्न ही में वुह सारा मकान तैयारी पर लावे उस का अटूट भंडार हो और लक्ष्मी उस के यहां से कभी न जाय ॥

यिह सुन्कर राजा मन में ख़ुश हुआ दीवान को बुलाया और मंदिर उठाने की इजाज़त दी कि तुम अच्छी जगह ढूंढ्कर मह्ल बनाओ इत्ने में तुला लग्न भी आन पहुंचा उस मंदिर की नेव दी देश देश में यिह आवाई हुई कि राजा तुला लग्न में मह्ल बन्वाता है जित्ने कारीगर उस में काम कर्ते थे वे उठ्कर तुला लग्न मनाते थे जब लग्न आती थी ख़ुश हो हो बनाते थे कहीं उस में काम सोने का और कहीं रूपे का और कहीं लोहे और काठ का नई नई तरह से बन्ता था ॥

चुनांचि दर्या के कनारे पर वुह हवेली बनाई चार दर्वाज़े और

सात खंड उस में रखे जगह जगह जवाहिर अनमोल उस में जड़े और दर्वाज़े पर दो नीलम के बडे नगीने लगाये कि किसी की नज़र न लगे वुह जड़ाऊ महल कितने बर्सों मे ऐसा तैयार हुआ कि दुन्या के पर्दे पर किसी ने दूसा न आंखों देखा न कानों सुना ॥

तब दीवान ने जाकर राजा को खबर दी महाराज वुह मंदिर अब तैयार हुआ आप चल्कर उसे देखिये और जो कोई उस महल को देखता था मोहित हो रहता था राजा वहां से मकान देखने को गये एक ब्राह्मण भी साथ गया महल को जब राजा ने मुलाहज़: किया तब ब्राह्मण देखकर और हंस्कर कहने लगा ऐ राजा ऐसा घर जो मैं पाऊं तो बैठ यहां पातुर नचाऊं ॥

यिह बात सुन्कर राजा ने कुछ मन में सोच न किया गंगा जल और तुलसी का पत्ता लेकर घर उस ब्राह्मण को संकल्प कर दिया वुह घर पाकर ब्राह्मण को ऐसा हुआ आनन्द जैसे चकोर रात को पावे है चन्द तुर्त अपने वुह कुम्बे को ले आया और वहां आकर रहा रात को खुशी से पलंग पर सोता था कि पहर रात गये लछमी आई और कहने लगी कि बेटा हुक्म दे तो मैं गिरूं और घर बाहर संपूर्ण भरूं खौफ़ से उस ने कुछ जवाब न दिया तब वुह दो पहर रात को फिर आई और कहा कि ऐ ब्राह्मण अज्ञानी मुझे आज्ञा दे ॥

उन्ने चिन्ता करके रात गंवाई और सुबह हुए राजा के पास आया मन मलीन और रात के अह्वाल से डरा हुआ रंग ज़र्द चिह्रे का और डर से कुम्हलाया हुआ राजा इस शक्ल से देख उसे हंसने लगा फिर कहा कि कल की सी खुशी हम ने आज न देखी ऐ ब्राह्मण

यिह अचम्भे की बात है तब ब्राह्मण बोला सुन स्वामी मेरा दुख और तुम दाता हो प्रजा के सुख देनेवाले और तुम साके बन्ध नरेश हो जैसे राजा कर्ण और राजा इंद्र अपने वक़्त में दानी थे ऐसे इस समैं में तुम हो आप ने जो मंदिर मेरे तईं दिया है उस की हक़ीक़त मैं कहता हूं॥

मअलूम नहीं कि उस में भूत है या पिशाच है मेरे तईं उस ने सारी रात सोने नहीं दिया आप के प्रताप से या लड़कों के भाग से जीता बचके मैं यहां आया हूं इस से भीख मांग खाना मुझे बिहतर है पर उस महल में न रहूंगा॥

यिह बात सुन राजा ने प्रधान को बुलाया और उस से कहा जो उस मकान में लागत लगी है सो हिसाब कर्के इस ब्राह्मण को दो राजा की आज्ञा पाय दीवान ने हिसाब कर तोड़े रुपयों के लद्वाकर ब्राह्मण के साथ कर दिये और वुह अपने घर को गया॥

उस दिन साअत देख उस हवेली में राजा जा रहा और बैठकर कुछ विचार कर्ने लगा इस में हाथ बान्धकर लक्ष्मी आन खड़ी रही बोली धन्य राजा विक्रम तेरे धर्म को इतना कह लक्ष्मी उस वक़्त तो चली गई राजा ने वहां आराम किया जब चौथा पहर रात का हुआ तब लक्ष्मी फिर आई और कहने लगी राजा मैं कहां गिरूं॥

राजा ने कहा जो तू पड़ा चाहती है तो पलंग छोड़कर जहां तेरी इच्छा होवे तहां गिर इतने में ख़ूब तरह से सोने का मेंह तमाम नगर में बर्सा सुबह हुई राजा उठा देखकर यिह कहने लगा हमारी रऐयत पर बहुत सख़्ती थी लेकिन अब कोई दिन निचिन्त हो आराम से रहेगी॥

इतने में दीवान आया और ख़बर दी महाराज तमाम नगर में कन्चन बर्सा है अब जो हुक्म दो सो हम करें तब राजा ने कहा शह्र में ढोल बजवा दो जिस की हद्द में जो दौलत है सो ले और कोई किसी को मनअ़ न करे यिह राजा का हुक्म पाकर सब रऐयत ने दौलत अपने घर में भरी॥

ये बातें कहकर पुतली राजा भोज से कहने लगी सुन राजा विक्रम के गुण वुह ऐसा राजा था और प्रजा का हितकारी तू किस तरह उस के सिंहासन पर बैठता है तेरी क्या जान है यिह सुनकर बात पुतली की राजा अज्ञान हुआ और बररुच पुरोहित भी शर्मन्दः वुह साअ़त भी गुज़र गई॥

بندہ نوازسلامت

حقیر تراب بیگ کورنشین بجا لاکر گذارش کرتا ہی کہ ان دنون اس شہر مین ایک بڑا سا باغ جس مین طرح طرح کی پہول جیسی گلاب یاسمین نرگس گیندا چنپا شب بو بیلا اور بہانت بہانت کی میوی جیسی سیب ناشپاتی بہی انار انگور شفتالو پہولتی اور پہلتی ہین بکاؤ ہی اگر آپ کو خریدنا اسکا منظور ہو تو لکہ بہیجیی کہ فدوی اسکی مالک سی قیمت اسکی فیصل کرکر حضور عالی مین اطلاع کری

حضرت خداوند نعمت مد ظلہ

آپ کی شقی نی شرف وصول ارزانی فرمایا اور اس فدوی کو سرفراز کیا ایک پختہ حویلی جو دریا کی کناری پر بنانی کی لیئی حکم ہوا ہی سو بندۂ درگاہ نی نوازش نامۂ عالی کی پہنچتی ہی راج مزدور بڑہیی لہار سنگتراش اور چونا سرخی اینٹ پتہر وغیرہ لوازم و ضروریات کی لانی اور تیار کرنی کی واسطی جہان تہان لوگ مقرر کیئی انشاء اللہ تعالی تہوڑی دنون مین حویلی مذکور بن کر تیار ہوگی زیادہ حد ادب

غرِیب نوَاز سلامت

کل بسبب بارِش کي مَین حُضُورِ عالِي مین پہنْچ نه سکا اَور آج مُجْہي کُچْہ ضرُورِ کام در پیش هَي اَور کل بہِي فُرْصت نه هوگِي کیُون کِه مُجْہي کِسِي دوسْت کي یہان جانا هي اُمّید وار هُون کِه یِہ دو دِن مُجْہي مُعاف رکّہیگا اِنْشاءَ آللّه تعالىٰ پرسون خواهْ مخواه حاضِر هُونگا

زِیاده حدِّ ادب

بنْده پروَر سلامت

آپ کا عِنایَت نامه مصْحُوب مُحمّد خان کي پہُنْچا جو کُچْہ خانِ مذْکُور کي سِپارِش مین اِرْقام هُوا هَي سو مُفصّل اِس حقِیر کو معْلُوم هُوا فِي آلْواقِع خانْصاحِب موْصُوف نِہایَت مرْدِ دانا اَور صاحِبِ کمال هَین فِدْوِي اِنْکي مُلاقات سي کمال محظُوظ هُوا اِس شہْر مین کِسِي شخْص سي فِدْوِي کو اِتْني اُنْس و محبّت نہین هي جِتْني اِن دو تِین هفْتي کي عرْصي مین اِن سي هُوئِي هَي اکْثر هماري اِنْکي چرْچا عِلْمِ رِیاضِي کا رہْتا هَي اَور هرروز باهم تِیر انْدازِي کي مشْق کِیا کرْتي هَین اِنْشاءَ آللّه تعالىٰ یِہ خاکْسار اپْني مقْدُور بہر اِنْکي مُقدّمي مین قُصُور نہین کرْني کا جان و دِل سي اِنْکِي خِدْمت کریگا

آپ هِي اِس بات کا اِنصاف کِيجِيی اَور دُشمنون کِي باتون پر دوستون سي آزُردہ نہوجِيی

خُداوَنَدِ نِعمت سلامت

کَئِي هفتي هُوئي کِہ چار هزار رُپَي اِس پرگني کي محصُول کِي بابت شَيخ اِمام بخش جمعدار کِي معرِفت حُضُورِ پُر نُور مين بهيجي هَين اَور ابتک رسِيد اُسکِي حُضُورِ فيَض گنجُور سي اِس فِدوِي کو نہين پهُنچِي اِس لِئي کمال تشوِيش لاحِقِ حال هَي اُمِيد کِہ جلدِي سي دو کلِمي مبلغِ مذکُور کِي رسِيد مين اِرقام فرمائِيي کِہ اِس خاکسار کِي خاطِر جمع هو

ميري مِهربان خُدا تُمکو سلامت رکهي

مُدت کي بعد تمهارا خط پهُنچا اَور اُسکي پڑهني سي بڑِي خُوشِي حاصِل هُوئِي شَيخ اِمام بخش کِي تقصِير مُعاف کرني کي لِئي جو کُچهه کِہ تُمني لِکها تها معلُوم هُوا اگرچِہ شَيخ مذکُور واجِبُ القتل هَي اَور خِيانتين اُسکِي بيَان سي باهر بهُت سا رُپيا پرگنون کِي آمدنِي مين سي تصرف کِيا هَي پر از بسکِہ تُمهارِي خاطِرِ عزِيز تهِي تقصِير اُسکِي مُعاف کرني مين آئِي

بعضي خطون كي نقلين نوسكهون كي فائدي كي واسطي

دوستون كي نوازش فرماني والي سلامت

شوق ملاقات كا ايسا نهين هي جو لكهني كي قابل هو خدا كي درگاه مين رات دن دعا مانگا كرتا هون كه كوئي ايسا سبب هو جس سي جلدي خير و خوبي كي ساتهه ديدار آپ كا ميسر آئي جنابعالي سي توقع يون هي كه هميشه ملاقات كي حاصل هوني تلك اس دوستدار كو خط لكها كرين اور جو كچهه كام خدمت اس ملك مين هو بي تكلف تحرير فرماوين كه مين اپني سعادت جانكر اسكو بجا لاؤن

حضرت سلامت

مهينون برسون گذر گئي كه آپ ني كوئي خط مجهي نهين لكها اس ليئي مين حيران تها كه اتني نامهرباني كا سبب كيا هي آخر لوگون كي زباني معلوم هوا كه بعضي دشمنون ني كچهه افترا لگاكر آپ كي مزاج كو پهيرا هي خدا شاهد هي كه مين ني كبهي ايسي بات نهين كهي هي تعجب هي كه آپ ني ايسي جهوتهه بات كو باور كر ليا اور اس قديم دوست كو دشمن تصور كيا اميد وار هون كه

کیا کہوں مَین کہ آج کَیسِي هَي " شکْل شاہِ جهان کِي جَیسِي هَي "
بحْرِ حَیرت مین هُون یِہ دیکْهہ کي غرْق " سرِ مُو کُچْهہ رَها نه باهم فرْق "
پر یِہ هَي شرْط جاوي جو اُن پاس " کہي کها کها قسم بِلا وَسْواس "
تُم تو سمْجهو هو اُنْکي عقْل و شُعُور " بنینگي جو بناوگي بمُرُور "
مطْلب اُنْ‌کي جو کُچْهہ که ٹهہرائِي " لڑْکون سي بات سب وُہ بن آئِي "
نَرَها اُسْکو یِہ بنا یہان تک " شکْلِ شاہِ جهان هُون مَین بي شکْ "
نہ کہ ٹهہرا یِہ اُسْکي دِل مین خِیال " هوگا شاہِ جهان کا جب کِه وِصال "
اُسْکي ارْکان نه لاکي تابِ فِراق " میري دِیدار کي هو سب مُشْتاق "
آوینْگي دیکْهني کو میري گهر " پس مِري واسْطي هَي یِہ بِہتر "
کِه مَین پَیدا کرُون وُہ خصْلت و خو " خلْق شاہِ جهان سمْجهہ مُجْهکو "
کري مُجْرا سلام اَور تسْلِیم " نکرُون مَین فِرِشْتي کِي تعْظِیم "
غرض آفاق مین جِسي هو عقْل " سمْجهي اِنْکي مُطابِق اب یِہ نقْل "
بني یِہ شَیخ اپْني یُون به گُمان " جَیسي مُلّا بنا تها شاہِ جهان "
شَیخ کي سي نه بخْت هَین نه کمال " شَیخ هونا اِنْهین هَي امْرِ مُحال "

ایک نقل آئي هَي مُجهي اب یاد " سچ هو وُه یا کِسیکا هو اِیجاد "
ایک مُلّا بعهدِ شاهِ جهان " نه تو عالِم تها وُه نه هیچ مدان "
بَین بَین اُسکو کُچهه کُچهه آتا تها " لڑکي مکتب مین وُه پڑهاتا تها "
بسکِه تها وُه شعُور سي معذُور " لڑکي اُسّي تهي خُرّم و مسرُور "
اُس سي دهشت کو تهي نه دِل مین راه " صحنِ مکتب تها اُنکي بازیگاه "
ایک جو اُن مین تها فهیم و ذکي " مصلحت اُنّي لڑکون سي یُون کي "
یارو هم کهیلي سَو طرح کا کهیل " دیکهي هم ني سبهي وُه بیجا کهیل "
کهیل اب مین نَیا نِکالا هَي " ساري کهیلون سي وُه نِرالا هَي "
لڑکي بولي کِه بهائي جي فرماو " کیا هَي وُه کهیل تُم همین بهي بتاو "
کها اُن ني کِه بادشاه و وزیر " لڑکي جو بنتي هَین صغیر و کبیر "
اُس مین چندان تو یارو لُطف نهین " کهیل اُس سي یهه خُوبتر هَي کهین "
میانجي کو کسِي طرح بهلاو " مِلکي شاهِ جهان سب اِنکو بناو "
هنسکي وُه بولي هوئي یهه کِس طرح " کها اُنّي کِه تُم سُنو اِس طرح "
صُبح مکتب مین پڑهني جو آوي " منهه میانجي کا تک کي ره جاوي "
پُوچهین جو کیا هَي دیکهني کا سبب " کهي قُدرت خُدا کي دیکهون هُون اب "
هو گئي شب مین آپ کي صُورت " کُچهه سي کُچهه حقّ کي هَي یهه کیا صنعت "

ور نه کرتا پوچ گوئي هر دبنگ " رفته رفته شاعري هو جاتي ننگ "

تب جو مين شلاق کي يهه خام تها " اب جو آيا لايق انعام تها "

قصه کوته تهي مميز در ميان " ننگ هي کرم مزابل پر بهي يان "

بي تميزي سي هي رايج ابتري " جسکو ديکهو خود نمائي خود سري "

ني بيان کا هي سليقه ني زبان " اسپر هي هر ايک سحبان بيان "

بس قلم وقت زبان بازي نهين " چپ که دوران سخن سازي نهين "

کون حرف خوب کو کرتا هي گوش " بات کي فهميد کا هي کسکو هوش "

بي تميزون سي بهرا هي سب جهان " هي دماغ حرف همکو بهي کهان "

يهه مثنوي انتخاب کي گئي هي کليات مرزا محمد رفيع سودا مين سي

مرزا فاخر مکين کي هجو مين

لوگ کهتي هين که ايک شخص نقل کرتا تها که مرزا فاخر مکين صاحب اپني تئين شيخ علي حزين کي برابر جانتي هين اور سب وضع انکي نشست و برخاست کي اختيار کي هي بلکه اپني تئين فضل و کمال مين ان سي بهتر جانتي هين اور انکي اکثر اشعار پر اصلاح کي هي چنانچه يهه مثنوي حسب حال مرزا صاحب کي هي

صُحْبت اکْثر رکْہوں اُس اُسْتاد سي " شايَد اُسْکي دَولتِ اِرْشاد سي "

پَہُنْچي اِکٔ رُتْبي کو ميري قِيل و قال " هو مُجْہي اِس فنّ مين يکٔ گُونه کمال "

اُٹْہ کي آيا مَولَوِي جامِي کني " مشْق کِي يکٔ چنْد اُس نامِي کني "

جب هُوا کُچْہ شِعْر کا رُتْبه بُلنْد " اَور مَولانا لگي کرْني پسنْد "

پِهر گَيا اِکٔ دِن درِ دسْتُور پر " حاجِبِ درْگاه ني کِي جا خبر "

کَاَي امِير اُس روز کا شلاق خوَار " آج در اُوپر هَي پِهر خواهانِ بار "

کِي اِشارت سدّ ره کوئي نهو " قصْد هَي برْخُورْد کا تو آني دو "

سامْني آيا تو کِي نِيچِي نظر " دهُوپ مين جلْتا رَها تو اِکٔ پهر "

بعْد از آن اِيماي ابْرو کِي که هان " صحْن هِي مين سي هُوا وُه مدْح خوَان "

پِهر وَهِين سي دي صِله رُخْصت کِيا " اِکٔ مُصاحِب ني جِگر کرْکر کها "

اگْلي صُحْبت کِي تهِي عِزّت اِسْقدْر " سو هُوئي شلاق حدّ سي بيشْتر "

ابْکِي اُسْکو جايِزه دي کر گران " تُو ني فرْمايا مُرخّص وان سي وان "

مَين نه سمْجها يِهه که وُه کيا تها يِهه کيا " در جَوَاب اُس برْگُزِيده ني کها "

اَيسي هِي هوتِي هَين تضْحِيکِ سلف " دسْت هو تو اُنْگَتَين کرِئي تلف "

اِسْقدْر اُسْکا تنبُّه تها ضرور " تا کِه پهُنْچي يِهه خبر نزْدِيکٔ و دُور "

جو سُني سو خُود سرِي سي باز آئي " ترْبِيَت هونيکو اُسْتادونْکي جائي "

حِکایت

شائقِ فن تها وزیرِ اِصفہان " ایک دِن آیا ہِلالِي اُسکي یان "

حاجِبانِ در سي هو آگاهِ کار " کِي اِشارت تا اُسي دين گهر مين بار "

عِزت و تعظِیم کِي حد سي زِیاد " پاس لي مسند په بیٹها شاد شاد "

اُٹی کہینچي اُسکي مِرزائي بہت " بیٹهي بیٹهي رات جب آئي بہت "

شِعرکِي تقرِیب لاکر درمِیان " کرني لاگا شاعِرِي کا اِمتِحان "

شِعرخوانِي کِي پڑها سو تها غلط " سنتي هِي بهڑکا وہ شُعلي کِي نمط "

غُصّي هو بولا کِه هان فرّاش و چُوب " کهینچ لا مَیدان مین کِي شلاقِ خُوب "

اِس قدر مارا کِه بیدم هو گیا " سُوج دست و پا هر اِک تهم هو گیا "

کہینچ کر ڈلوا دِیا دربار مین " یِه خبر پہنچي جو هر بازار مین "

وارِث اُسکي لیگئي آ رات کو " جب بخُود آیا تو پایا بات کو "

یعني دستورِ زمان دشمن نتها " یا وہ کُچه نا آشناي فن نه تها "

غالباً پایا غلط اشعار کو " خُوش نه آیا اُس کرم کِردار کو "

ور نه شیوہ اُسکا هَي لُطف و کرم " جایِزي مین دي هَي دِینار و دِرم "

مجکو کیون شلاق کرتا اِتني شب " کاهیکو بد نام هوتا بي سبب "

پس مجهي هَي تربِیت اپني ضرور " جاکي بیٹهون اِک سرامد کي حضور "

ٹک نه اِسْتعداد سي کِي گُفتگو “ کُچھ نرکھي شاعِري کِي آبرُو ”
چار سکھیان کہ کي دِین ناکس کي هاتھ “ پھِر اُسي مجلِس مین لائي اپني ساتھ ”
آپ بیٹھي صدر مین وہ دستِ چپ “ کرني لاگي شاعِري سي حرف و گپ ”
بولي اُنکو آج کل سي هَي خیال “ ذهن اُنکا تیزِي رکھتا هَي کمال ”
هو رهینگي کُچھ اگر صُحبت رهِي “ اَور همسي بھِي اُنهین اُلفت رهِي ”
جب هُوا ثابِت وہ اُنکا مستفید “ سب ني جانا اُسکو شاگردِ رشید ”
کِي اِشارت تا کِہ وہ کھولي دهن “ آگي اُستادون کي هو گرم سُخن ”
اُنکي اِیما سي وہ کُچھ پڑھني لگا “ صاحِبانِ فن کي مُنھ چڑھني لگا ”
نِیم قد اُٹھ اُٹھ کي یِي سُني لگي “ جا و بیجا سِر کي تَیِن دهُني لگي ”
وہ سراپا جهل ناگھہ وقت کار “ همسي تُمسي کرني لاگا اِعتِذار ”
سر مین رکھ کر دعوِي طبعِ لطیف “ مِیر و مِرزا کا هُوا آخر حرِیف ”
کَیسِي کَیسِي یُون گَئِیں طبعین به باد “ آفرِینِ شاگرد و رحمتِ اُستاد ”
جب تلک یان تھِي تمیزِ زشت و نیک “ کاهي کو یُون شِعر کهتا تها هر ایک ”
اهلِ فن کِي رهتي تھِي سبکو تلاش “ اُنکي هان کرتي تھي جاکر بُود و باش ”
جو کِہ خود سر رکھتي اُستادون سي عار “ اُنکي تَیِن هرگِز نهوتا اِعتبار ”
زِندگي بلکِہ اُنھون پر شاق تھِي “ هاتھ گر لگ جاتي تھي شلاق تھِي ”

صُحبتین جب تہین تو یہہ فنِّ شریف " کسب کرتے جنکے طبعین تہین لطیف "

تہے مُمَیّز درمیان اِنصاف تہا " خار و خس سے کیا یہہ عرصہ صاف تہا "

دخل اِس فنّ مین نتہا اجلاف کو " کُچہہ بتاتے تہے بہے سو اشراف کو "

تہے جو اُس ایام مین اُستادِ فنّ " نا کسون سے وے نکرتے تہے سُخن "

پہر حُصُول اُسّے نہ دُنیا ہَے نہ دِین " کوئے حاجت اُسّے وابستہ نہین "

گر چمار اِس کارخانے مین نہ ہو " ٹُوٹے جُوتے کو کہان لیکر پہرو "

چار و نا چار اُس کنے جانا پڑے " کَوڑیان دے جُوتے گٹہوانا پڑے "

حاجت اِس فرقے سے یان مُطلق نہین " جو نہو شاعِر تو کُچہہ نُقصان نہین "

یہہ تو دُنیا مین ہَے اِس فنّ کا کمال " دِین کا اِس فِرقے کے پُوچہو نہ حال "

کِذب ہو جِس جاے رَونق بخش شمع " ڈہانکے دینداری رکہو اَور دِل کو جمع "

جہوٹ آوے اِسقدر جب درمیان " کُو یقین اِیمان کَیسا دِین کہان "

ہم تلک تہِی بہے وُہی رسمِ قدیم " یعنی جِنکے ہوتے تہے ذہنِ سلیم "

پیار کرتے تہے اُنہین اُستادِ فنّ " اُنکے ہوتے رہبرِ راہِ سُخن "

جلف وان زِنہار پاتے تہے نہ بار " شاعِرے کاہیکو تہِی اُنکا شِعار "

نُکتہ پردازی سے اجلافون کو کیا " شعر سے بزازون ندّافون کو کیا "

الغرض یارون نے دِین قیدین اُٹہا " جو کوئے آیا اُسے دِیے پاس جا "

يهه مثنوي انتخاب کي گئي هَي کتابِ سحر البيان مين سي

تعريف سخن کي

پلا مجهه کو ساقي شرابِ سخن ” که مفتوح هو جس سي بابِ سخن “

سخن کي مجهي فکر دن رات هَي ” سخن هي تو هَي اَور کيا بات هَي “

سخن کي طلبگار هَين عقلمند ” سخن سي هَي نامِ نکويان بلند “

سخن کي کرين قدر مردانِ کار ” سخن نام اُن کا رکهي بر قرار “

سخن سي وهي شخص رکهتي هَين کام ” جنهين چاهيي ساتهه نيکي کي نام “

سخن سي سلف کي بهلائي رهي ” زبانِ قلم سي برائي رهي “

کهان رستم و گيو و افراسياب ” سخن سي رهي ياد يهه نقلِ خواب “

سخن کا صله يار ديتي رهي ” جواهر سدا مول ليتي رهي “

سخن کا سدا گرم بازار هَي ” سخن سنج اُس کا خريدار هَي “

رهي جب تلک داستانِ سخن ” الٰهي رهي قدردانِ سخن “

يهه مثنوي مسمّي به تنبيهُ الجهّال انتخاب کي گئي هَي کلياتِ مير تقي مين سي

سرکارین آٹھ اور چھتیس تومان آمدنی بارہ کروڑ پینسٹھ لاکھ اور آٹھ ہزار
دام بالجملہ لیکن ایک مدت سی کابل و کشمیر مین شاہ درانی کا عمل ہی
اور لاہور مین سکھون کا چنانچہ بالفعل کہ سن بارہ سی بایس ہجری ہین
صوبۂ مذکور کا حاکم رنجیت سنگھ ہی اور سن بارہ سی اٹھارہ ہجری سی
صوبۂ اکبر آباد و شاہجہان آباد مین بموجب مرضی ظل اللہ شاہ عالم
بادشاہ صاحبان عالیشان نی عمل کر لیا سابق اس سی مہاراجا دولت راو
سیندھیا بہادر کا تہا چنانچہ جرنیل لیک بہادر دام اقبالہ نی اسکی سرداران
فوج کی لڑایان مارین بلکہ قلعی بہی ان سی چھین لیی اور اسی سن سی
صوبۂ اڑیسہ بہی موالیان کمپنی بہادر دام ظلہم کی قبضی مین آیا آگی
اسکی رگھو جی بہونسلی کا اس مین عمل تہا وہانکا بند و بست کرنیل
ہاکت بہادر نی کیا قصہ مختصر ولایت ہندوستان ایک مدت سی طوایف
الملوک ہی جس شخص کی جو ملک ہاتھ لگا اس پر اسنی قبضہ کر لیا
بادشاہ کا کسی نی پاس نکیا ہان ایک صاحبان عالیشان نی اطاعت و خدمت
ترک نہین کی چنانچہ اب بہی کہ سن بارہ سی بایس ہجری ہین اور اکبر
شاہ ابن شاہ عالم بادشاہ ہی فی الجملہ اسکی بندگی بجا لاتی ہین اور
اطاعت سی ہاتھ نہین اٹھاتی

لشکرونکي اَور کاروانونکي اِسي راه سي هَي خصوصاً دهکي سي تا بملہ بتیس کوس تلکٹ نہایَت هموار اَور بملي سي تا کابُل چالیس کوس بہي چندان دُشوار نہین هرچند تیلي رستي مین پڑتي هَین پر مُسافر بہت تصدیع نہین کہینچتا قصہ مختصر کابُل کي چار طرف گہاٹیان هَین بِنابر اِسکي فَوج غنیم کِي ایکا ایکي آ نہین سکتي اَور دفعتاً مُلکٹ مذکُور کو قبضي مین لا نہین سکتي اگرچہ یہہ صُوبہ چندان حاصِل نہین رکہتا لیکِن عقلمندون کي نزدیکٹ دروازہ هِند کا هي اِسي سبب سرکارِ والا سي وَهان کِي سپاه کي لِئي مبلغ خطیر پہنچتي تہي کہ هر ایکٹ سپاهي و سردار گذران اپني بخوبي کري اَور کِسي وَجہ سي تصدیع نکہینچي کیونکہ بسبب اِسکي ایران تُوران کِي فَوجین ممُلکتِ مذکُور پر آ نسکتي تہین سُنا هَي کہ اگلي زماني مین کابُل جو ایکٹ بادشاه کي قبضي مین آگئي تہي تو پنجاب بہت آباد هُوئي تہي اَور هِندوستان مأمون طُول اِس صُوبي کا اٹکٹ بنارس سي هِندُو کوه تلکٹ ڈیڑه سَو کوس عرض قراباغ قندهار سي تا چغان سرا سَو کوس شرق رُو اِسکي دریاي سِنده مغرب رُخ غور شِمالي اندراب و بدخشان و هِندُو کوه جنُوبي قرمل و نغز § اَور گردا گرد پہاڑ زمینِ مُسطح و هموار بہت کم لیکِن کہیتیان سب جاگہہ

§ In the آرایِشِ محفِل written نقیر.

و مُلتان کِي حدّون سي تا سَوَادِ کہ حُدُودِ کافِرِستان و کاشغر سي مِلا هُوا هَي تِين سَي کوس تلک بستي هَين اَور اشخاص اِنکي کوهسارِ دُشوار گُذار کي اَڑتلي سي بادشاهِي اُمرا کي آگي سِر نهِين جهُکاتي بلکہ کُچھہ رُپَي صُوبي دار سي بطرِيقِ اِنعام اَور مُسافِرون سي گهوڑي اُونٹ پیچهي بطَور راهدارِي کي ليتي هَين با وُجُود اِسکي کبهِي کبهِي مال و اسباب کاروان و غَيره کا لُوٹ بهِي لاتي هَين اَور اَيسي وَيسي مُسافِرون کو پکڑکر غُلام بناتي هَين بلکہ بعضِي اَوقات بيِنچ بهِي ڈالتي هَين غرض اَور اقوام مين چور کمتر هوتي هَين اَور افغان سب کي سب چور اَور مُتّهہ مرد لُطف يِہہ هَي کِہ تمام شهرِ کابُل اُنهِين سي مُتعلِق هَي اَور پيشاوَر سي تِين راهين کابُل کو جاتِي هَين ايک راہ بنگشات کِي پر دُور دراز سِوَاي اِسکي رستي بهِي اَوبهٹ لشکر اُدهر سي بَهُت رَنج کهينچکر منزِلِ مقصود کو پهُنچتا هَي دُوسرِي کهرپي کِي مگر جلال آباد پهنچکر شاہ راہ مِلتي هَي يِہہ بهِي درون کِي تنگِي نشيب و فراز کِي صُعوبت پانِي کِي قِلت افغانون کِي لُٹس سي خالِي نهِين تِيسرِي راہ علِي مسجِد و خَيبر کِي چشمہٴ جمرود سي دهکي تلک نِيلاب کي کِنارِي درِي سي تيرہ کوس ليکن درہٴ خَيبر سي دو کوس تک بسبب نشيب و فراز کي بَدُشوار طَي هوتِي هَي پر بہ نِسبت اَور راهونکي سهل چُنانچہ آمد و شد

لاتیان صاحبِ خُلاصةُ ٱلتَّوارِیخ لِکھتا ہَی کِہ مَین نی بعضی رِنڈیون کو دیکھا
ہَی کِہ ایک خصم کو چھوڑا اَور ونہین دُوسرا کر لیا غرض اپنی مُدتِ عُمر
مین پندرہ بیس خصم تک کر لینا اُن سی دُور نہین قِصّہ کوتاہ اِس صُوبی
مین کثرت ہزارہ اَور افغان کِی بہت ہَی لیکن ہزارہ مُغل اپنی تئین اَولاد
چغتائی خان بِن چنگیز خان کِی جانتی ہَین اَور غزنین سی تا قندھار تومانِ
مَیدان سی تا حُدُودِ بلخ محالِ دُشوار گُذار و جِبالِ پیچ دار مین رہتی ہَین
اکثر مکان اُنکی بادشاہون کی عمل سی خارِج اَور حاکمون کی اِحاطۂ
حُکُومت سی باہر اَور افغان اپنی تئین بنی اِسرائیل کِی اَولاد کہتی ہَین اِنکی
جدِّ بُزُرگ کا نام افغان تھا اُسکی تِین بیتی ایک کا نام ترِین دُوسری کا
غُرغُشت تیسری کا بِمین اِن تِین کی اَولاد بکثرت ہُوئی اَور ہر ایک اپنی
جدّ و آبا کی نام سی مشہُور ہُوا اُلُوش ترِینی برِخ میانہ خرسین اوژمژکاسِی
جمند شیرانی خویشگی داؤد زئی یُوسُف زَئی خلیل مہمند اپنی نسب کا
سِلسِلہ ترین کو پہنچاتی ہَین اَور سوراتی جیلم ادرک زئی افریدی ختکی کرانی
کاکری عبدُ ٱلرّحمانی غرمانی تارن غُرغُشت کو اَور شیرزاد خِضر خیل غِلزی لودی
لوہانی سوری شروانی کھکوری بِمین کو اَور قَومین اُنہین کِی اَولاد ہَین الغرض یی
سب قَومین دریای سِندھ سی کابُل تلک سَو کوس کی عرصی مین اَور قندھار

و قیسي و مرزائي خربوزون مین کوک نبات§ و ماهتابي و ناشپاتي و عشري + و دود چراغ نهایت لذیذ و خوش ذائقه اور غلّي کي اقسام مین جو گیهون زیاده لیکن جو زراعت که ندي نالون سي متعلّق هي اُسکا تیسرا حصّه سرکار مین داخل کرتي هین اور کاریزي سي دسوان انگور و بادام سي بهي کچهه نقد بطریق تحفه لیکن سردرختي کا حاصل معاف اور کسم کي پهولون کي حاصل سي قدري قلیل بهي نهین دیتي مگر اُسکي بیجون سي تیسرا حصّه باشندي اس ملک کي سمرقند و بخارا کي ساکنون کي مانند پرگني کو پنجاب اور قربي کو تومان کهتي هین با وجود اسکي ساکن اس صوبي کي گیاره زبان جانتي هین هندي و فارسي و مغلي و ترکي و افغاني و لمغاني و عربي و غیره اور مغل خاص نواح کابل مین رهتي هین لیکن حاکم کي آگي دست بسته حاضر اور مال گذاري مین بي عذر طرفه تریهه هي که عورتین انکي مردون پر غالب چنانچه نکاح کي وقت منجمله مهر ایک امر محال لکهوا لیتي هین که مرد اُسکي عهدي سي کبهو نه نکلي یهه شیوه صاحب عصمت بي بیون اور پرده نشینون کا هرگز نهین سواي اسکي اپني طور پر باغونکي سیر کو اور حمّام مین نهاني کي لیي جاتیان هین خاوند کو اصلاً و مطلقاً خاطر مین نهین

§ Or کوکر نبات.

+ Or علي شيري.

غرض یہہ تومان سب کا سب مسکن افغانون کا ہَي خصوصًا مہمند وغیرہ لیکن مال گذار ہَین بغي نہین * پیشاور قدیم شہر ہَي کتب قدیم مین اُسکو پرشاور اَور فرشاور بہي لکہا ہَي نزدیک اُسکي * گورکہتري ایک پرستشگاہ جوگیون کي مشہور تہي شاہجہان کي وقت مین مسمار ہوئي لیکن پانچ تیرتہہ اَور نپت دلکشا وہان عالمگیر کي عہد تلک تہي بیشتر جوگي سناسي بیراگي سواي اِنکي اَور بہي اتیت وہان ایک تالاب کي گرد حویلیان بیٹہکي بنا بنا رہتي تہي * تومانِ بنگشات ملتان کي سمت واقع ہَي آبادي اُسکي وسعت کي ساتہہ لیکن پٹہانون کي قومین اُس دیار مین اکثر ہَین زراعت بہي کثرت سي ہوتي ہَي خصوصًا دہان اِس قدر کہ اَور اطراف مین بہي جاتا ہَي سواي اِسکي کانِ نمک و آہن بہي اُسکي نواح مین ہَي القصہ جاڑا اِس صوبي مین بہت پڑتا ہَي لیکن بي گزند اَور گرمي ایسي کم کہ بدون اوڑہي سو نسکي برف توران کي مانند افراط سي پڑتي ہَي لیکن میدانون مین چار مہیني اَور پہاڑون مین ہمیشہ رہتي ہَي غرض موسمِ بہار نہایت طراوت و شادابي کي ساتہہ پہول رنگ برنگ کي بي شمار میوي گوناگون خوشگوار اگرچہ انگور کي بہت اقسام ہَین پر صاحبي و حسیني و قندہاري اَور ہي لطف و مزہ رکہتا ہَي اَور زردالو کي اقسام مین محمودي

چہوڑ گیا تہا چُنانچِہ عالمگیر کي عہدِ سلطنت تک اُنکي اَولاد وَہان رَہتي تہي اَور افغانون پر بہي اُسکا غلبہ تہا اب خُدا جاني هَي کِہ نہين غرض يِہ مقام پچيس کوس طُول مين اَور دس کوس عرض مين هَي * تومانِ سَوَاد يِہ بہي کاشغر کِي طرف هَي بَہُت سي دري اِس سي علاقہ رکّہتي هَين جاڑا گرمي وَہان بَہُت نہين ليکِن برف بَہُت پڑتِي هَي پر صحرا مين دو تين دِن سي زِيادہ نہين رَہتِي مگر پہاڑون پر سال کي سال جاڑا " بہار کا مَوسِم برسات کِي رُت ہِندُوستان کِي سِي " پہُول تُوران و ہِند کي وَہان اکثر" بنفشہ و نرگِس خُود رو صحرا صحرا " ميوہ خُود رُستہ بِہي علي هذا آلقِياس ليکن شفتالُو و ناشپاتي وَہانکِي مشہُور بلکِہ باز و جُرہ شاہين بہي وَہان اچہي سي اچّہا بہم پہنچتا هَي اَور کانِ آهن بِہي اُسکِي اطراف مين هَي * قصبہ منگلور حاکِم نِشين هَي ساتہ اِسکي اُس تومان کا طُول چالِيس کوس کا اَور عرض پندرہ کوس ليکِن فقط يُوسُف زَيي اُس مين رَہتي هَين * تومانِ بکرام مشہُور بہ پيشاوَر ہِندُوستان کِي سمت هَي انگور شفتالُو خربُوزہ وَہان کا تُوران کا سا اَور گرمي جاڑا بسنت رُت برسات ہِندُوستان کِي سِي چانوَل وَہان کا مشہُور هَي فِي آلواقِع ہِندُوستان مين اَيسا کہِين نہين هوتا خُصُوصًا سُکہداس بلکِہ اقسام کي غلّي کِي بہتايَت اَور زِراعت کِي کثرت وَہان رَہتِي هَي

هي چلغوزه وهان کا مشهور لطف يهه هي که اسکو وهان بجاي چراغ جلاتي
هين چنانچه روشني اسکي نهايت نوراني هوتي هي اور اسکي اطراف مين
ايک جانور هي اسکو روباه پران کهتي هين ليکن اپني مسکن سي ايک دو
اڑان سي زياده نهين اڑتا اور ايک چوها بهي وهان مشکبو هوتا هي * تومان
نيک نهار ايک مقام هي داروغه نشين اگلي زماني مين آدينه پور مشهور
تها اکبر کي وقت مين جلال آباد کهلايا آبادي اسکي درياي نيلاب کي کناري
ميوي اس مين اکثر هوتي هين ليکن انار وهانکا لا ثاني هي اور دو کوس وهان
سي باغ صفا که چار باغ کر مشهور هي اور اسي نواح مين باغ وفا بهي ايک
يادگار بابر بادشاه نهايت پر فضا و دلکشا هي بيدانه انار وهانکا بي نظير هي
غرض اس مقام مين برف نهين پڑتي اور تهنڈ بهي چندان نهين هوتي وهان
سي کافر دره بهي قريب هي از بس که وهان کافر رهتي هين اس ليي يهي
نام اسکا تههر گيا * تومان بخور جانب کاشغر قلعه وهانکا حاکم نشين قديم سي
هي اور هوا گرمي مين زياده گرم اور سردي مين بيشتر سرد ليکن تمام نواح
مين کيا جنگل کيا پهاڑ افغان هي بستي هين مگر قلعي کي اطراف مين
سکونت مغلون کي هي ليکن وي اپني تبن عرب جانتي هين اس طرح سي
که سلطان سکندر رومي جب ادهر سي گذرا تو کتني اپني خويش و اقربا وهان

ٱلدِّين سُبُكْتِگِين و سُلْطان محمود غزنوي و سُلْطان شِهابُ ٱلدِّين غُورِي کِي اَور حکِيم ثنائِي بهِي وَنْہِين مدفُون هَي بلکہ اکثر اَولیا اُسِي طَبقي مين آسُوده هَين جاڑي کِي شِدّت اَور برف کِي کثرت کي سبب اُسکو برابر تبریز و سمرقند کي جانتي هَين اژدهات بهِي اُسکِي اطراف مين بہت پَیدا هوتا هَي چُنانچِه هِندوستان مين بهِي وَنہِين سي جاتا هَي نزدِیک اُسکي ایک چشمہ هَي اگر بَول اُس مين پڑي تو ابر و برف کي آثار نمُود هووین غرض یِہ مقام قندهار کِي حد سي قُرب رکہتا هَي اُسِیکو دروازه اِیران کا کہتي هَین * لوهگڈه افغان نشِین هَي نزدِیک اُسکي باده خواب شجینہ ایک چشمه هَي کِہ گنگا اُسکو کہتي هَین لیکِن کُتُبِ هِندي مين نام اُسکا لوهار گل لِکہا هَي هِندو اُسکو بڑا تیرتھ جانتي هَین روزِ مُعَیَّن وهان بهِي بڑي بهِیڑ بهاڑ هوتِي هَي پانِي اُسکا بهِي گنگا کِي مانند اگر مدتون باسنون مين رکہِي بد بو نہِین هوتا * تومانِ مندراور دغلِي§ شنگت ایک قریَہ هَي وهانکي زمِینداروں کو کافِر کہتي هَین اُس جگہہ قبر حضرتِ نُوح علَیہِ ٱلسّلام کي باپ کِي هَي نام اُس بُزُرگ کا لام اَور بعضي لمگ بهِي لِکہ گَیي هَین از بس کِہ وَهانکي باشندي گاف کو غَین سي بدلا کرتي هَین اِس لِیي اُس نوَاحِي کو لمغان کہتي هَین * تومانِ بخراد ایک مقام

§ In the آرایِشِ محفِل written علي.

ایکٔ سرْدابي کي بیچ تابُوت مین ایکٔ شخْص مانندِ خُفْتگان آرام سي سوتا تها کہْتي هَین کِہ چار سَو برس سي کُچّهہ اُوپر هُوئي کِہ جِنْگیز خان کي عہْد مین یِہ بُزُرْگٔ شہید هُوا تها اب تلکٔ اَعضا اِسْکي جون کي تون هَین اَور مقام اِسْکا زِیارت گاہ راقِم ني سِواي اِسْکي ایکٔ عجیب و غرِیب نقْل آغا مُحمّد تاجِر اِصْفهانِي سي اِس تومان کِي سُني هَی اِتِفاقًا وُہ بُزُرْگٔ سن بارہ سَي بیس مین کلْکتّي کي بیچ وارِد هُوا تها اَحیانًا حقِیر سي اَور اُس سي ایکٔ دِن مُلاقات هو گَیِي بعْضي بِلاد کا بهِي مذْکُور درْمِیان آیا جب کابُل کا ذِکْر نِکْلا تاجِرِ مَوصُوف کہْني لگا کِہ سابِق اِس سي هم کَیِي شخْص شہْرِ مذْکور کِي طرف جاتي تهي ناگاہ تومانِ ضُحاکٔ کِي سمْت جا نِکْلي جب قلْعي کي مُتّصِل پہُنْچي اَندر گَیِي جا بجا سي مکانات اُسْکي ٹوٹي پائي بلْکِہ کِتنِین دِیْوارین بهِي لیکن ایکٔ پتّهر کا اِنْدارا نِہایت کلان پر خُشْکٔ بي آب جون کا تون اُس پر دیکّها جا کهڑي رَهي اِتْني مین نِگاہ هر ایکٔ کِي جو اپْني اپْني کپڑون پر پڑي اُنْکو زُمُرُّد سي بهِي زِیادہ سبْز دیکّها حال آنْکِہ سُفَید تهي جب قلْعي سي باهر نِکْلي پهِر جَیسي کي تَیسي هو گَیِي اگر یِہ آثار طِلِسْم سي هون تو کُچّهہ بعِید نہِین اَلْغَیب عِنْدَ اللّٰہ * تومانِ غزْنِین ایکٔ قرْیَہ هَي زابُل بهِي اُسي کہْتي هَین اگْلي زماني مین سلاطِینِ خُراسان کِي تخْتگاہ تها خُصُوصًا سُلْطان ناصِر

تومانِ دامنه کوه خُورد کابُل بهِي اُسکو کهتي هين پهُول پهل اُس مين رنگ برنگ کي خُوش بو و خُوش رنگ و خُوش مزه کثرت سي هين خُصُوصًا لغمان § و کاهدره و فرزه و اُسترغچ و استالف و غيره قابلِ دِيد و لائِقِ سير چُنانچه سلاطِين اکثر اوقات وهان سير کِيا کرتي تهي اور دير دير رها کرتي تهي بلخ کِي طرف ٭ تومانِ غوربند ايک قريه هي وهان کي لاله کِي رنگت کو لعل نهين پهنچتا اور رِياحِين کِي بو باس کو عِطر نهين لگتا غرض لاله وهان تينتيس قِسم کا هوتا هي چُنانچه ايک قِسم تو گُلاب کِي باس رکهتا هي بِنابر اِسکي لالهٔ بويا اُسکو کهتي هين اور کانِ لاجورد و نقره بهِي وهان سي قريب هي سِواي اِسکي ايک ريگ زار هي نام اُسکا خواجهٔ ريگ روان گرمِيون مين وهان سي ڈهول اور نقاري کِي آواز آتي هي اور لِم اُسکِي جانِي نهين جاتي يهِي مقام لشکرِ توران کي رو برو اور حدودِ بلخ کي سامهني گويا ايک دِيوارِ مستحکم هي ٭ تومانِ ضحاک و تومانِ بامِيان يعني يي دونون مقام قُدما کي آثار و نِشان سي هين اور اِس نواح کي پهاڑون مين کهودکر بارد هزار سردابي بناکر گچ و نقاشي اُن پر کِي هي سابِق اِس سي جاڑون مين وهان کي لوگ اپنا مال و اسباب اُن مين رکهه کرتي دِلجمعِي سي اوقات بسر کرتي تهي لُطف يِه هي کِه

§ In the آرايِشِ محفِل it seems written پمغان.

صُوبۂ کابُل قدِیم شہْرھَي نِہایَت خُوب و خُوش آب و ھَوَا پشَنْگ بِنِ تُور بِنِ فرِیدُون ني اُسي آباد کِیا اَور اُسْکو آباد ھُوئي عالَمگِیر کي سنِ چِہْلمِ جُلُوسي تکْ دو ھزار اَور ایکْ سَو برس کُچّھ اُوپرگُذْري قلْعہ اُسْکا نِپٹ اُسْتوَار پایدار اَور انْدر کا قلْعہ ایکْ چھوٹي سي پہاڑ پر " اُس پر مُشْرِف ایکْ اَور پہاڑ نام اُسْکا حِصارِ عقابَین اَور بعْضي کوہِ صنا بھي اُسْکو کہتي ھَین لیکِن بلْدۂ مذْکُور کي بعْضي سیّاحون کِي زبانِي یُون سُنا ھَي کہ وُہ پہاڑ قلْعۂ اَوّل کِي عِمارات پر مُشْرِف ھَي غرض دامني مین اُسْکي باغ و گُلْزار اکْثر خُصُوصًا باغِ شہْلالہ کہ بابر بادْشاہ ني نَو سَي پچِیس ھِجْرِي مین بنایا تھا پھِر قرِیب اُسْکي جہانْگِیرني باغِ جہان آرا سن ایکْ ھزار سولہ ھِجْرِي مین بُنْیاد کِیا اَور لبِ درْیا گُذرگاہ مین مقْبرہ بابر کا اَور ھنْدال مِرْزا اُسْکي خلف کا سِوايِ اِسْکي مُحمّد حکِیم مِرزا اِبْنِ ھُمایُون کا بھي تعْمِیر ھُوا ھَي اَور اُس شہْرکِي نَوَاح مین دو درْیا ھَین ایکْ جلنْدر § سي آکر باغِ شہْر آرا اَور جہان آرا و شہْرکي گلِي کُوچون سي گُذرْتا ھَي نام اُسْکا جوي خطْبان اَور دُوسْرا غزنِین و لوھگدّہ سي آکر دِہِ یعْقوب کي پاس ھوتا ھُوا لاھورِي درْوازي کي آگي جا نِکْلا نام اُسکا جوي پُلِ مستان پانِي اُسْکا شفّاف و خُوش ذایِقہ بلْکہ بعْضِي بِیمارِیون کي واسْطي شرْبتِ شِفا *

§ In Persian it seems written السندر.

نہین ہوتا ہان ٹانگن کثرت سي اَور نہایَت زور آوَر چالاک رَہوار گرِیوَد گذار لیکن گاین سیاہ رنگ پر دُودہ اُنکا نپٹ گاڑھا چِکنا اَور ایک قِسم کِي بھیڑ وَہان ہوتِي ہَي لوگ اُس شہر کي اُسکو ہنڈُو کہتي ہَین گوشت اُسکا نِہایَت لذِیذ و خُوش ذائِقہ " اَور داد و سِتد نقد کِي بہُت کم راہین آمد شُد کِي ہِنُدوستان مین اَور اُس مین چھبِیس لیکن بھنبر و پکلِي ہوکر جانا بہتر ہان اِتنا تفاوُت ہَي کِہ پہلِي نزدِیک تر اَور کَئِي شُعبي رکھتِي ہَي مگر آمد و رفت لشکر کِي پرپنجال کِي طرف سي احیاناً اگر وَہانکي پہاڑ پر کوئِي بَیل گھوڑا ذبح کري ونہین آندھِي اَور بدلِي بکثرت نمُود ہو پھِر برف بہُت سِي پڑِي یا مینہہ برسي طُول اِس صُوبي کا قیر سي لیکر کِشن گنگ تلک ایک سَو بیس کوس اَور عرض اِسِي کوس لیکن آئِینِ اکبرِي مین پچیس کوس لِکھا ہَي شرقِي اُسکي پِیرِستان و چناب شرقِي و جنُوبِي پانہال اَور جمُّو کا پہاڑ شرقِي و شِمالِي تبتِ کلان غربِي پکلِي و دریاي کِشن گنگ غربِي و جنُوبِي وِلایَت کھکر غربِي و شِمالِي تبتِ خُورد چَو گِرد پہاڑ مُتعلِق اُسکي چھیالِیس محالِ آمدنِي بارہ کڑوڑ باسٹھہ لاکھہ پچاسِي ہزار دام علاوَہ اِسکي دو ہزار چار سَو کلگِي کي پر بھِي اِس صُوبي کي مداخِل مین ہَین

گُل رنْگ برنْگ کي هزارْها " خُصُوصًا گُلاب و بنفْشه و نرْگسِ خُود رو صحْرا صحْرا " غرض اُس مُلْک کِي طُرْفه بهار و عجايِب خِزان هَي فِي اَلْحقِيقت وُه سرزمِين باغِ بوسْتان و لايِقِ دوسْتان هَي سِوَاي شاه آلُو و شهْتُوت مَيْوِي بَہُت هوتِي هَين خرْبُوزه ترْبُوز سيب شفْتالُو زرْد آلُو نِهايَت لذِيذ و لطِيف انْگُور اگرْچِه كثْرت سي هوتا هَي ليكِن اكْثر بي مزه و كثِيف با وُجُود كِه شهْتُوت کي درخْتون کِي بَہُتايَت هَي پر ثمر اُنْكا كم كهاتي هَين " مگر اُنْكي پتّي ريشم کي کِيڑون کو کہِلاتي هَين " خُورِش وَهانْكي باشِنْدون کِي مچھلِي خُشْكه بلْكِه باسِي بيشْتر اَور ساگ پات اقْسام کي چُنانْچِه اُسْكو سُكْها بهِي ركّھتي هَين هرچنْد كِه دهان کِي بَہُتايَت هَي پر اچّها كم هوتا هَي گيهُون بهِي نِپت چهوٹا سِياه تِس پر قلِيل اَور مُونْگ وَهانْكي باشِنْدي كم كهاتي هَين چنا اَور جَو تو نظر هِي نہِين آتي زمِين وَهانْكِي سَيلابِي اَور مرْطُوب جوتْني کي لِيئِي نِهايَت خُوب با وُجُود خِلْقت کِي بَہُتايَت کي اَور وَجْهِ معِيشت کِي قِلّت کي چورِي اَور گدائِي وَهان نہِين ساكِن وَهانْكي بيشْتر كثِيفُ اَلاَوقات چُنانْچِه ايک جامهٔ شالِي هميشه پہِنْي رهْتي هَين ليكِن قابِل دِينْدارِي و دُنْيادارِي مين كامِل يِهہ غلط هَي كِه سب کي سب نيک ظاهِر و بد باطِن هوتي هَين مگر اچّهي كم اَور بُري بَہُت پر اُونْٹ اَور هاتْهِي وَهان

سونا جھڑ پڑتا هَي * کلکت§ نام ایکٔ اَور درہ هَي وُہ بھِي کاشغر سي مُتصِل
وَهانکي پہاڑون سي دو دِن کِي راہ وِلایَت داردو هَي مد منِي نام ایکٔ دریاؤ
وِنہِین سي اُدهر آیا هَي اگر نیاري ریگٔ شوُئي وَهان بَیٹھ کر کرین اپني
مُٹھیان سوني سي بھرین کِناري پر اُسکي ایکٔ سنگِین بُتخانہ هَي نام اُسکا *
ساردا دُرگا سي منسُوب هنُود کا وُہ بھِي بڑا معبد هَي اَور وَهانکِي پرستِش
کا ثَوَاب اُنکي نزدِیکٔ بیحدّ سرکارِ پکلِي بھِي اِس صُوبي مین داخِل هَي
لنبان اُسکا پَینتِیس کوس کا اَور چَوڑان پچِیس کوس تُوران کِي طرح وَهان
بھِي برف پڑتِي هَي جاڑا بیشتر رَهتا هَي لیکِن برسات هِندُوستان کِي مانند
اَور کھیتِیون کِي شادابِي کا سبب تِین دریا کِشن گنگٔ بہت سِندہ زبان
مُلکِ مذکُور کِي کشمِیر سي مِلتِي هُوئِي هِندُوستان و زابُلستان سي باهر غلّي
کي اقسام مین چنا اَور جَو بَہت میوون مین زرد آلُو شفتالُو اخروٹ لیکِن
خُود رو پر میوہ توڑنِي کِي رسم کم اسپ و شُتر و گاؤ میش و جانورِ شکارِي
نہ تھوڑي نہ بہت بکرِي اَور خرگوش کِي کثرت الّقصہ کشمِیر ایکٔ مُلکٔ
دِلکُشا اَور باغِ پُر فضا هر مَوسِم مین وَهان بہار رَهتِي هَي " اَور هَوَا باغِ رِضوان
کَیسِي بہتِي هَي " پانِي وَهان کا خُوشگُوَار هر گُلزار مین جارِي انہار و آبشار

§ In a Persian manuscript written کلکشت.

ایکٔ اَور بڑا تالاب هَي هڈیان راکهه مُردون کِي اُس مین بهِي ڈالتي هَین اَور وَسیله تقرُّب کا جانتي هَین احْیانًا اگر اُس مین کِسِي جانوَر کا گوشت پڑ جاوي تو برف شِدّت سي پڑي اَور مینهه بَهُت برسي * ناردا مین ایکٔ چشمه هَي اگر کوڑهي اِتوار کي دِن صُبح کي وَقت اُسکي پانِي سي اپنا بدن دهوئین اچّهي هوجائین * کوشر نام ایکٔ بُتخانه هَي ٹهاکُر وَهان کا مهادیو جو کوئِي وَهان پُوجا کو جاوي تمام باجون کِي آواز سُني اَور کوئِي نجاني کِه یهه آواز کهان سي آتِي هَي * چهوٹِي تبت مین ایکٔ بڑا تالاب هَي اٹهایِس کوس کي گِرد مین دریاي بهت جب اُس مین آتا هَي ایکٔ لحظه ناپدید هو جاتا هَي * کو گانو مین ایکٔ دره هَي پرسوتم نام وَهان دس جرِیب کِي مقدار ایکٔ زمِین هَي جب مُشترِي اسد مین آتِي هَي مهینا بهر وُه اَیسِي گرم رَهتِي هَي کِه درخت وَهان هووي تو جل جائي اَور دیگٔ بهرِي هُوئِي جو اُس پر رکهه دیوین کهانا پکٔ آئي قرِیب اُس سي * کامراج ایکٔ آباد قصبه هَي دره اُسکا ایکٔ طرف کاشغر سي مِلا هُوا غرب رُو اُسکي پکلِي وَهان پانِي کِي گذرگاهون مین درخت کي بکل ڈال کر اُن کي سرون پر پتهر رکهه دیتي هَین اِس واسطي کِه بهه نجائین بعد دو تِین دِن کي اُٹهاکر دهُوپ مین دهرتي هَین اَور خُشکٔ هُوئي پر جب جهاڑتي هَین دو تِین تولي

بَیتهِي رَهتي هَي کلَگي کي واسطي پر وُنهين سي ليتي هَين " اَور خُورِش
بهِي اُسکو ديتي هَين " تاکامو § مين ايک چشمه چالِيس بِيگهي کي عرصي
مين هَي نِيله ناک نام پاني اُسکا نِهايَت صاف نِيلگُون وُه بهِي ايک تِيرته
هَي گِرد اُسکي اکثر هنُود جاکر اپني تَئِين جلاتي هَين " اَور جِسم کو راکه بناتي
هَين " سِوَاي اِسکي شُگن بهِي اُس سي ليتي هَين اِس طرح کِه جَوز کي
چار حِصي کرکي اُس مين ڈالتي هَين اگر طاق اُسکي پاني پر تِيرتا رَهي تو
نيک نهين تو بد اگلي زماني مين ايک کِتاب وُنهين سي نِکلي هَي نام
اُسکا تيل مُنه + کشمِير کي حالات اَور خَوَاص پرستِشگاهون کي اُس مين تفصِيل
وار لِکهي هَين کهتي هَين کِه پاني کي تلي وَهان ايک شهر هَي نِهايَت آباد و
معمُور مدُو شاد کِي سلطنت مين ايک برهمن اُس مين گِرکي غايِب هو
جاتا اَور بعد دو تِين دِن کي پهِر نِکلتا بَهُت سي تحايِف لاتا خبرين بهِي اکثر
ديتا * لار کِي اُتر طرف ايک پهاڑ هَي نِهايَت بُلند دامني مين اُسکي دو
چشمي هَين ايک گرم حد سي زِيادہ اَور دُوسرا سرد اُسِي مرتبي لیکِن تفاوُت
اُن مين دو گز کا اُنکو بهِي تِيرته جانتي هَين چُنانچه اُستُخوَان اپني جِسم
کي وهان بهِي ايسي جلاتي هَين کِه راکه هو جاتي هَين اَور وُنهين پهاڑ مين

§ Or ياکامو. + Or بيل مُنه.

هي که جو کوئي پهچانا چاهي که خصومت مين حق کسکي طرف هي اور ناحق پر کون هي تو دونو کو دو مرغ يا دو بکري ديکر اس معبد مين بهيجي اور انکو زهر کهلاکر پهر هر ايک شخص اپنا هاته پهيري جو شخص که حق پر هوگا اسکا جانور جيتا رهيگا اور دوسري کا مر جايگا * ديو سر ايک حوض هي بيس گز کي طول و عرض و عمق مين پاني اسکي اندر هي اندر کهوه کرتا هي جو کوئي اپني سال کا احوال نيک يا بد دريافت کيا چاهي ايک هانڈي سفالي کي چانولون سي بهرکر نام اپنا اسکي کناري پر لکهه کر منه بند کري اور اس مين ڈال دي کتني دير کي بعد وه خود بخود پاني اوپر تر آويگي اسکو کهول کر ديکهي اگر چانول اس مين سي گرم اور خوش بو نکلين وه برس اسکو خير و خوبي سي گذري اور جو اس سي کوڑا کرکٹ نکلي تو وه شخص خراب احوال رهي * گونهار مين ايک چشمه هي گياره سال سوکها پڑا رهتا هي جب مشتري برج اسد مين آتي هي پنجشنبه کي دن پاني اس مين جوش مارني لگتا هي پهر سات روز تلک خشک رهتا هي جب پهر روز مذکور آتا هي پر آب هو جاتا هي سال بهر يهي طور چلا جاتا هي * سلهاني § مين ايک مقام هي که وهان بهت سي درخت هين عقاب ان پر

§ Or بهلاني.

هوتي هَي اَور جو پاني پر تِرتا رَهي بد شُگُني جانتي هَين تِبت مين ايک
بڑا غار هَي اُسکي اندر برف کا ايک جِسم هَي نام اُسکا * امر ناتھ اُس
مقام کو بهي معبدِ بزرگ جانتي هَين جب ماه تحتُ الشّعاع سي نِکلتا
هَي اُس غار مين ايک برف کي لات نَمود هوتي هَي اَور تهوڑي تهوڑي روز
بڑهتي هَي يهان تک کِه پندرهوين دِن دس گز کي هو جاتي هَي جب
چاند گهٹني لگتا هَي وُه بهي گهٹني لگتي هَي ماوس تلک اُس کا نِشان
بهي نهين رَهتا هِندو اُسکو مهاديو کا پيکر قياس کرتي هَين اَور حاجت بر آر
اُسکو جانتي هَين * شنکر ناک ايک چشمه هَي تمام سال آب اُس مين
نا ياب ليکن جِس مهيني مين نَوين تاريخ جُمعي کي دِن هو صُبح سي شام
تلک پاني اُس مين بهتا هَي " اَور دِن بهر ايک عالم وَهان جمع رَهتا
هَي " * پانهال ايک بتخانه هَي دُرگا سي منسُوب جو کوئي اپنا احوال اَور
دُشمن کا جانا چاهي دو هانڈيون مين چانول بهرکر ايک اپني نام پر اَور
دوسري دُشمن کي نام اُس بتخاني مين رکھ دي اَور دروازه اُسکا بند کري
دُوسري دِن عاجزي سي احوال کي تجسُّس کري جِسکي نام کي هانڈي زعفران
اَور پهولون سي بهري نِکلي اُسکا احوال نِهايَت رَونق پکڑي اَور جِس کي نام
کي خس و خاشاک سي بهري نِکلي اُسکا احوال تباه هو جائي عجب تر يِه

بَیساکھ کي آخِر سي لي سارا مہینا جیٹھ کا کِشت کار هل چلا زمین کو نرم
کر کُدالون سي هر ایک قِطعه اُسکا قابِل بوني کي بنا زعفران کي گٹھي بو دیتي
هَین ایک مہینی کي بعد لہلہا اُٹھتي هَي اَور کاتِک کي آخِر مرتبه نُمو کا
تمام هو چُکتا هَي لیکن ایک بالِشت سي زِیاده نہین بڑھتي اَور جب پوري
هو چُکتي هَي تب پھولتي هَي لیکن هر پَودھي مین آٹھ پھول بتدریج پھولتي
هَین پنکھڑیان هر ایک مین چھ " رنگت اُن مین سوسنِي " درمیان اُنکي
چھ تار بیشتر تِین زرد اَور تِین لال زعفران اُنہین کِي هوتي هَي جب کِه
پھول نِبڑ چُکتي هَین تب تنه اُنکا سبز هو جاتا هَي پر پھولني سي پہلي سُفَید
رَهتا هَي اَور ایک مرتبي کا بوا کھیت چھ برس پھولتا هَي پہلي برس کم کم
دُوسري برس بَہتایَت سي تِیسري برس کمال کو پہنچتا هَي اگر چھ برس
کي بعد اُسکي گٹھي وَهان سي اُکھاڑکر اَور جاگہہ نبوین تو پھولنا کم هو جائي
اِسي واسطي اُکھاڑکر اَور جاگہہ لگاتي هَین * ریون مین ایک چشمه هَي اُسي
بڑا تِیرتھ جانتي هَین اُنکي گُمان مین یِہ هَي کِه زعفران کي بیج اِسي سي
نکلي هَین چُنانچه اِسکي شُروع مین کِشت کار اُس چشمي کي پاس جاکر
بَہُت مِنّت و زاري کرتي هَین اَور گائي کا دُودھ اُس مین ڈالتي هَین اگر
وُه پانِي تلي بیٹھ جاتا هَي تو فالِ نیک لیتي هَین اَور زعفران بھي خاطِر خواه

بیشتر رہتي هَي اَور زبان وہان کي باشندون کِي خاص بہي هَي لیکن هندي کتابین بیشتر سنسکرت کِي بولي مین تصنیف کرتي هَین اَور ناگري مین لکہتي هَین بلکه بیشتر پوتہیان ایک درخت خاص کي پوست پر چنانچه اکثر پرانی پوتہیان اُسي پر ثبت هَین نام اُسکا توز اَور سیاهي بہي ایسي بناتي هَین کتنا هِین دهوئي پر نہین چہٹتي هرچند که اهل هند اِس ولایت کي عجیب و غریب قصّي کہتي سنتي هَین اَور سب کِي سب تیرتہه جانتي هَین لیکن بعضي مکانون کو بہت مانتي هَین چنانچه سندهیا براري کي قریب ایک چشمه هَي چہه مہینی تلک خشک پڑا رهتا هَي روزِ معهود کسان اُس سر زمین کي جاکر عجز و الحاح کرتي هَین بلکه بہیڑین بکریان چڑهاتي هَین ندان پانِي اُس مین جوش مارني لگتا هَي اَور پانچ موضع کِي زراعت کو سیراب کر دیتا هَي احیاناً جو کبہو زیادتي اُسکي دیکہتي هَین اُسي طرح پہر گڑگڑاني لگتي هَین فِي الفور پانِي تہکاني پر آ جاتا هَي متّصل اُسکي * کوکر ناگ § نام ایک چشمه هَي پانِي اُسکا نپت خنک و شیرین و سُبک اگر بہوکہا پیي سیر هو جائي " اَور اگہانا پیي بہوکہ لگت آئي " * مین پور مین باره هزار بیگہي زمین زعفران کي کہیتون کِي هَي فِي الواقع قابل دید و لایق سیر غرض

§ In the Persian, this place seems written کوکٹ نال.

لیجاتي هَین " اَور فایِدي اُٹھاتي هَین " بانات شہرِ مذکور کِي بہِي نِپٹ مُلایِم خُوش نُما " پٹو و غَیره بہِي نفاست و لطافت مین مانند هُوا " بازار مین خرِید و فروخت کِي رسم کمتر " اَور گھرون مین اکثر " اَور گھر سب چھوٹي بڑي چوبِي بناتي هَین درجي اُنکي چار یا چار سي زِیاده رکھتي هَین نِیچي کا چار پاون اَور کُچھ اسباب کي لِیي دُوسرا آسایِش کِي خاطِر تیسرا چَوتھا اسبابِ خانگِي کي واسطي لیکِن بہونچال کِي شِدّت کي سبب حَویلیان خِشتِي اَور سنگِین نہِین بناتي بلکه چار دِیوارِي بہِي چھتون پر لاله بوتي هَین چُنانچه بہار کي دِنون مین هر شخص کا بامِ خانه رشکِ گُلزار و بِہتر از لاله زار هو جاتا هَي غرض شہرِ مذکور مین با وُجُود اِس لطافت کي ایک یِہ خُوبِي هَي کِه وَهان سانپ بچھو و غَیره گزندي جانور کمتر هَین لیکِن مچھر مکھِي اَور جُوئین اکثر نزدِیک شہر کي ایک تالاب بَہُت بڑا کَیي فرسخ لنبا ایک جانِب اُسکِي پرگنهٔ بھماک § سي مُتّصِل وَهانکي لوگ اُسکو دال کہتي هَین سال و ماه لبریز رَهتا هَي اَور پانِي اُسکا نِہایَت لطِیف و شِیرِین مزا یِہ هَي کِه برسون نہِین بِگڑتا اگرچِه لوگ بارِ گران کو پُشتاري باندھکر گھاٹیون سي چڑھتي اُترتي هَین پر باربرداري کي واسطي اکثر وَهان کِشتیان هَین اِس سبب سي بڑھیون اَور ملاحونکي خواهِش

§ پپاک may perhaps be the true meaning.

مین خُصُوصًا دریای بیاه اَور بہت کی کِناری پر اگر ریگ شُوئی کرین تو سونا ہاتہ لگی اور شِمالی پہاڑون پر بعضی مقامون مین رُوپی تانبی جسْت کِی کہان بہِی ہَی نِکالنی والون کو بعد محصُول دینی کی بہِی نفع مِل رَہتا ہَی طُول اِس صُوبی کا دریای ستلج سی تا دریای سِنّدہ ایک سَو اسّی کوس عرض بہنبر سی چَوکَہنڈی تلک ستاسِی کوس پُورب طرف اِسکی سرہِند پچّہم طرف مُلتان اُتر رُخ کشْمِیر جنُوب رُو دیبال پُور مُتعلّق اِس سی پانچ دوآبی یعنی پانچ سرکارین تابِع اُنکی تِین سَو سولہ محالّ آمدنی نَوَاسِی کرَوڑ تَینتِیس لاکہ ستّر ہزار دام صُوبون مین بی نظِیر

صُوبۂ کشْمِیر " دارُ الحُکُومت اِس وِلایَت کا مُدّت سی سرِی نگر ہَی آبادِی اِسکِی چار فرسخ کِی دریای بہت و غیرہ تِین دریاؤ شہر کی اندر بہتی ہَین " عُلما و فُضلا بہِی یہان بکثرت رہتی ہَین " بلکہ برہمنون پنڈتون کا بہِی شہر مین نِہایَت وفُور " اَور یہانکی کارِیگر ہُنرمند جہان مین مشہور " چُنانچہ پشمِینہ طرح بطرح کا نِہایَت نفاست کی ساتہ بنُا جاتا ہَی " بیل بُوتا اُسکا عالم باغ کا دِکہاتا ہَی " خُصُوصًا شال تو بیمِثال ہوتِی ہَی " بناوَت اُسکِی دیکہنی والون کی ہوش کہوتِی ہَی " مُلک بمُلک اُسکو بطرِیقِ تحایِف

افغان خٹک وغیرہ سی نکل کر سنبہل کي پٹہانون کي حدّ مین پہنچا اور وہان سي بلوچستان و ملتان مین جا نکلا غرض پانچ دریا پنجاب کي اُتر طرف کي پہاڑ سي نکلي اور اُس طرف ملتان کي ایک دوسري سي جدا بلوچون کي حدّ مین اِس دریاؤ سي ملي نام مجموعي کا سندہ ٹہہرا پہر وہان سي ایک دریاي کلان ہوا اور قلعۂ بہکر کو دو کنگ کي بیچ مین لي لیا بنابر اِسي کي وہ قلعہ بي لگاؤ و محفوظ هي بعد اِسکي دریاي مذکور ولایت سیوستان سي ہوتا ہوا ٹہٹہي مین آیا پہر بندر لاہري کي قریب دریاي شور سي جا ملا بندرِ مذکور شہرِ مسطور سي تیس کوس پر هي حاصل یہہ هي کہ صوبۂ لاہور نہایت خوش آب و ہوا " و بمرتبہ فرحت افزا " گرمیون مین وہان گرمي اوز سردي مین سردي ہندوستان سي زیادہ خربوزہ انگور وہان مانندِ ایران و توران " اور آم مثلِ ہندوستان " چانول وہان کا بنگالي سي بہتر " اور گنّي دکہن سي اعليٰ تر " اکثر مدارِ زراعت آبِ چاہ پر چنانچہ تین سو ساٹہ چہوٹي بڑي لکڑیان اور سو سي کچہہ اوپر لوٹي رسّون مین باندہ کر ایک بڑا چرخ بناتي هین اور اُسکو جرِّ ثقیل کي صنعت سي جوڑي بیلون کي ایک گردش مین کوئي سي پاني بہر نکالتي هي دفعتاً کئي سو من پاني کہیتي کو پہنچ جاتا هي " اور زراعت کو سبز کرلاتا هي " لیکن مدار فصلِ خریف کا بارش پر هي اور بعضي مکانون

طرف وہان جلالیہ نام ایک سیاہ پتہر ہَی کبہو کبہو ناو اُس سی ٹکر کہاکر پہٹ
جاتي ہَي بنابر اِسکي ملاح همیشه اُس سي کشتي کو بچاتي هَین اَور حتیٰ
المقدور اُسکي طرف نہین لاتي وَجہ تسمیہ اُسکي بقولِ عوام یہہ هي کہ اُسکي
اُوپر ایک بزرگ کي قبر ہَي نام اُسکا جلالیہ تہا لیکن خواص اِس امر مین یون
کہتي هَین کہ اکبر کي وقت مین ایک پٹہان جلالیہ نام نہایت مُفسِد و شور
پشت تہا اِتفاقًا پادشاہ سَیرِ شکار کي واسطي اُس دریاؤ سي پار اُترتي تہي یک
بیک جَوَاهِر خاني کِي ناو اُس سي ٹکر کہاکر ٹوٹ گئي فِي الفَور حضرت کي
زبانِ مبارک سي نکلا کہ یہہ پتہر بہي جلالیہ هوا تبہي سي یہہ نام اُسکا ٹہہرا
نزدیک اُسکي راجہ هودي کي عمارات هَین نہایت سنگین و رنگین اگلي
زماني مین وُهي وہان کا راج کرتا تہا اَور اُسي کي کناري شرق کي طرف قلعہ
اٹک ہَي هر وارِد و صادِر اُس مین هوکر آتا جاتا هَي کیونکہ سِواي اُسکي اَور
رستا نہین عمارات بہي اُس مین نہایت پُر فضا و دِلکُشا لبِ دریا خصوصًا
مکانِ حاکِم نشین کہ بمرتبہ فرحت افزا و نہایت اعلیٰ هَي آب و هَوَا بہي
نہایت اِعتِدال کي ساتہہ گویا ہندوستان و کابلستان مین یہہ ایک برزخ واقع
هَي اِس طرف اُسکي رَوِیّي اور چلن ہندوستان کي اَور بولي بہي ونہین کي
اَور اُس طرف طَور وآیِن پٹہانون کي اَور زبان بہي اُنکي القصہ یہہ دریاؤ کوهستانِ

سي پکلي مين مِلا پہر وَہان سي دانکلِي کي تلي آ نِکلا قصبهٔ مذکور کہکردن
کي سرگروه کا دارُ الحکومت هَي پہر اُسکي حدون سي اَور مِير پُور سي گُذرتا
هُوا جہيلم کي تلي پہنچا اَور شاه راه مين واقِع هُوا نام اُسکا مَوضع مذکور کا
ٹہہرا پہر وَہان سي کرچہاك و ننّدني و غَيره سي گُذرتا هُوا جنگ سِيال مين
جاکر چناب کي ساتہ مِلا هم نام اُسکا هُوا * چہٹہا دریاؤ سِندہ ما بَين اُسکي
اور دریاؤ بہٹ کي وِلايَت بونہوهار اور سِندہ ساگر کا دوآبهٔ مشہور هَي اَور
يِہي هِندُوستان و کابُلستان کي بِيچ حائِل ليکِن سرچشمه اُسکا ظاهِر نہين وَہان
بعضي سيّاح کہتي هَين کِه قلماق کي کِسي مقام سي نِکل کر حُدُودِ کاشغر و
کافِرستان و تِبت و کشمير و پکلي و دهمتور مين پہنچا پہر وَہان سي يُوسُف زَيي
کي اولکي مين جا نِکلا اَور درياي نِيلاب کَي ندِيون سميت قلعهٔ اٹک
بنارس کي تلي درياي مذکور سي مِلا از بس کِه پاٹ اُسکا وَہان چہوٹا هَي
نِہايَت زور شور سي بہتا هَي يہان تک کِه ديکہني والون کِي نِگاه خِيرگي
کرتِي هَي مُطلقًا و اصلًا نہين ٹہہرتِي تمَوّج کِي شِدّت سي نِہنگون کا جِگر آب هو
جاتا هَي اَور پہاڑون کا سِينه مَوجون کي صدمي سي ٹُکري ٹُکري مگر درياي
مذکور اُس جگہه شاه راه مين واقِع هَي گُذاري کِي ناوين پاني کِي تيز رَوِي کي
سبب اِس کِناري سي اُس کِناري طُرفَةُ العَين مين پہنچتين هَين مغرِب کِي

دِیہات سي گُذر ساڈھوري کي تلي ہوتا ہُوا وزِیر آباد مین جا پہُنچا سالکي لکڑي سَوداگر کوہِستانِ جنبہ و غَیرہ سي اُسِي درْیا کِي راہ سي وزِیر آباد مین لاتي ہَین " اَور بہُت سي اِنْتِفاع اُٹہاتي ہَین " پہِر اُسْکي کِشْتِیان بناکر بطَورِ تِجارت درْیا کِي راہ سي ٹہٹّہي بہکر کِي طرف لیجاتي ہَین بعْد اِسْکي وہ درْیا جاکوتار و لودْھیانہ و بہونہ منْزِل اَور ہزاري مین آ پہُنچا چار کوس پري ہزاري سي قبْر ہِیر رانْجہا کِي اُسِي درْیاؤ کي کِناري پر ہَي عِشْق اُنْکا مشْہور پنْجابِیون ني اُنْکي مُحبت و بیقرارِن کي بیَان مین سَیکڑون سدین کہِین ہَین چُنانْچِہ گَوَیي وَہانکي اُنکو اکْثر گاتي ہَین " اَور اہْلِ درْد کو رولاتي ہَین " پہِر وَہان سي چنْد لوت کي نزْدِیک دو چہوٹي پہاڑون مین سي ہو نِکْلا شہْرِ مذْکُور مین مزار شاہ بُرہان کا ہَي اکْثر لوگ اُس بُزُرگ سي بہِي اِعْتِقاد رکہْتي تہي پہِروَہان سي بہْتا ہُوا جنْگ سیالي مین آکر درْیاي بہت سي مِل گَیا * پانْچوان درْیاؤ بہت مابَین اُسْکي اَور چناب کي جونْتہ ایک دوآبہ مشْہُور ہَي غرض درْیاي مذْکُور کوہِسْتانِ تِبت مین ایک حَوض سي نِکْلا اَور کشْمِیر مین آکر کُوچہ و بازار مین بہنْي لگا چُنانْچِہ شہْرِ مذْکُور مین جابجا پُل بنْدھي ہَین اکْثر باغات و عِمارات و سَیرگاہین اَور مکانات اُسْکي کِناري پر ساتہ ایک قرِیني کي واقِع ہَین پہِر کشْمِیر سي نِکل کر کِشن گنْگ

اُن سي فَيض پہُنْچتا هَي پهِر درْياي مَوْصُوف قصْبهٔ مذْکُور سي بہْتا هُوا پرگنهٔ
بسْتہان و کانْہُو و کلانُور و پتاله و امْن آباد و غَیره کِي اطْراف مین جا پہُنْچا
اَور وَهان سي لاهَور مین آ بادْشاهِي عِمارت کي پائِین بہْني لگا پهِر وَهان
سي سِنْدْهوان و فرِید آباد و غَیره مین هوتا هُوا سِنْده سراي کي قرِیب
مُلْتان سي بِیس کوس پري چناب سي جا مِلا * چَوتْها چناب اُس مین
اَور راوِي مین رِچْناو ایک دوآبهٔ مشْهُور هَي لیکِن هِنْدِي کِتابون مین نام
اُس دریاو کا چنْدر بهاگا لِکْها هَي ماجرا اِسْکا یُون هَي که دریاي چنْدر چِین
کِي طرف سي آکر جنْبه سي گُذرْتا هُوا کِشْتَوار مین کِه زعْفران جهانکِي مشْهُور
هَي پہُنْچا اَور دریاي بهاگا تِبت کِي طرف سي آکر اُس سي مِلا اِس لِئِي نام
اُسْکا چنْدر بهاگا ٹہرا پهِر وَهان سي نیپال و بهونْپال مین هوتا هُوا نرکتا کِه تابِع
جمُون اَور بهَوَانِي سي منْسُوب هَي اُسْکي قرِیب آ نِکْلا اَور وَهان سي انبار
آبان و اکْهنور کي تلي پہُنْچا پهِر ایک پهاڑ مین جاکر نِہایَت آب و تاب
سي بہْني لگا چُنانْچه مکانِ مذْکُور طُرْفه سَیرگاه و نادِر تماشاگاه هَي پانِي بهِي
وَهان کا بِہتر از شرْبتِ نبات و پِیاسون کي حق مین آبِحَیات هَي الْقِصّه دریاي
مذْکُور وَهان سي کُچهه آگي بڑه کر اٹهاره ٹُکْري هُوا لیکِن بہْلول پُور پہُنْچتي
پہُنْچتي باره کوس کِي مسافت پر پهِر اِکٹها هو گیا بعْد اِسْکي سیالْکوت کي

اِکٹھی ہو فیروز پُور اَور ممدوٹ مین جا نِکلی اَور وَہان سی سرکارِ دیپال پُور
کی محالّون مین پہُنچ دو ٹُکری ہُوئی ایک سوتا تو دکہن کی طرف گیا نام اُسکا
ستلج ہُوا دُوسرا اُتر کی سمت گیا نام اُسکا بیاہ ٹہہرا بعد کَئی فرسخ کی پہر دونون
مِلکر فتح پُور کہرور وغیرہ کی اطراف مین جا پہُنچی نام اُس مجموعی کا اُس
مقام مین کہلوکہارا ہُوا پہر بلوچون کی حد مین پہُنچکر سِندہ و راوی و چناب
سی مِلی اُس مقام مین ہَیئتِ مجموعی کا نام سِندہ ٹہہرا * تیسرا راوی اُس
مین اَور بیاہ مین ایک دوآبہ باڑی مانجہا مشہور ہَی دریای مذکور من مہس
پہاڑ سی نِکلا مکانِ مذکور قدیم تیرتہہ ہَی ٹہاکر وَہان کا مہادیو اَور وَہان سی
شہرِ جنبہ کہ دارالحکومت وَہان کی حاکِم کا ہَی اُسکی نیچی گُذرا مُلک
مسطور کی ہَوا برف کی پڑنی سی کابُل و کشمیر کی سِی ہَی میوی بہی اکثر
لطیف و شیرین وَہان پَیدا ہوتی ہَین حاکِم وَہان کا مملکت کی وُسعت سی
جمیعت کی کثرت سی اَور پہاڑون کی بہتایت سی بی پروا ہَی بادشاہون
کو کُچہہ نہین جانتا اور مطلقاً اُنکا حُکم نہین مانتا الغرض بسوہلی کی بہی
حدون سی گُذر شاہ پُور کی تلی جا نِکلا اَور وَہان سی چار نہرین اُس سی
نِکلین ایک تو لاہور مین شالامار کی بیچ آئی دُوسری پرگنۂ بٹہان مین
تیسری پٹالی مین چوتہی پرگنۂ ہَیبت پُور مین اکثر محالّون کی زراعت کو

كي باعِث باشِنْدي اُس وِلاَيت كي بادْشاهِي اميرون سي بغِي رَهْتي هَين پهِر
درْياي مذْكُور پهاڑ سي نِكل دو گنْگت هو ماكورال و كِيرت پُور كي تلي آيا اَور
قصْبهٔ رُوپُر تلك پهُنْچْتي پهنْچْتي پهِر ايك هوگيا اَور اُسي هَيَت سي ماچهِي
واڑي كي قرِيب هوكر لُودْهِياني مين پهنْچا بلْكه شاه راه مين واقِع هُوا پهِر وَهان
سي قصْبهٔ تلون وتهاره كي قرِيب گُذر مُتصِل مَوْضع پُوركه مُتعلِق پرْگنهٔ هَيبت
پُورپهتِي كا هَي درْياي بِياه سي جا مِلا اَور دوآبه جوان دو درْياؤن كي درْمِيان
هَي اُسْكو جالنْدْهر و شهْروال كهْتي هَين * دُوسْرا بِياه وُه بهِي بهونْت كي پهاڑ
كي ايك تالاب سي نِكْلا اَور قصْبهٔ كُلُو كي تلي بهْتا هُوا منْڈِي مين جا
پهُنْچا پهِر سوكْهيت اَور مملورِي كِي حدّون مين گُذرْتا شهْرِ ندون مين كِه
كوهِسْتان كي فَوجْدار كِي بُود و باش كا مكان هَي جا نِكْلا پهِر وَهان سي اطْرافِ
دهوال و سينه و گوالِيار مين آيا گو كِه گوالِيار كُچْهه بڑا مُلْك نهِين لِيكِن راجا
وَهان كا اُس درْيا كي هايِل هوني سي اَور پهاڑ كي اِتِّصال كي سبب اُمراي
بادْشاهِي سي اكْثر اَوْقات بِگڑا رَهْتا هَي بعْد اِسْكي درْياي مذْكُور نُور پُور كي
دِيهات سي گُذرْتا هُوا ايك پهاڑ پر گَيا پهِر وَهان سي زمِين پر اُتر گانْواهن كِه
ايك شِكارْگاهِ بادْشاهِي هَي اُسْكي پايِن آ نِكْلا پهِر قصْبهٔ رهله كي تلي هوتا هُوا
شهْرِ گوبنْدْوال مين پهُنْچا اَور وَهان سي كوه كي قرِيب ستلج سي مِلا پهِر دونون

بڑي بڑي آدميون کي مکانات مين چُونا وُنہين کي پتہرون کا بناکر پہيرتي هَين
يا رِکابي پيالي آبخوري نِفيس نفيس اُنکي بناکر بيچتي هَين اَور مُتصِل اُسکي
مکہيالي کِي حدّون مين * کتاچہ ايک تالاب هَي کِه اُسکي تهاه کِسيکي هاتہ
نہين لگي هِندُوون کا قدِيم تِيرته هَي جب سُورج مِين کا هوتا هَي يَعنِي آفتاب
بُرجِ حُوت مين آتا هَي هر ايک چہوٹا بڑا اِنکا وَهان نهاني کو جاتا هَي يہان
تک کِه چند روز ايک مجمع رہتا هَي غرض اِعتِقاد اِس قَوم کا يِه هَي کِه
زمِين کِي دو آنکہين هَين داهِني آنکہ تالابِ پہکر اجمِير کي مُتصِل اَور بائِين
آنکہ يِه تالاب اَور اُسِي پہاڑ پر سات کوس پري * رُهتاس گڈه ايک قلعه
هَي بالا ناته جوگِي اُسِي مين تپشا کِيا کرتا تها چڑهائِي اُسکِي چار کوس کِي
ليکِن اَيّامِ معہُود مين خُصُوصًا شِيوبرت کي دِن وَهان بڑي بهِيڑ هوتِي هَي بَہُت
سي جوگِي اِتيت بهِي جمع هوتي هَين اَور پُوجا کرتي هَين القِصّه تهوڑا سا
احوال اماکِنِ مشہوره مين سي پانچ دوآبي کا لِکہني مين آيا اب احوال چهه
دريائُون کا بهِي کُچهه کُچهه لِکهنا ضرور هُوا کيُونکِه وي بهِي اِسي صُوبي سي علاقه
رکہتي هَين * پہلا ستلج کوهِ بهونت سي نِکلا اَور کُلُو کِي حدّون مين پہنچکر
شہر مين آيا بعد اِسکي شيرگڈه کي پہاڑ مين هوتا کهلور کِي حُدُود مين گذرا
اَور مُلک مذکور کو تِين طرف سي اِحاطه کِيا بِنابر اِسکي اَور پہاڑون کي قُرب

کوس سي کُچّھ زِیادہ بتاتي هَین نام اکبر نامي مین کوہِ جودّہ لِکّھا هَي اِسواسطي
کِہ جودّہ نام ایک رَئِیس چھچّھواهي کِي قَوم کا تھا یِہ پھاڑ اُسِیکي نام پر
مشہُور هُوا اَولاد اُسکي اَورنگ زیب کي وقت تلک کرچھاک و نندنہ و
مکھیالي و غیرہ پرگنون مین سُکُونت و ریاست رکھتي تھي اَور وہ جماعت کِہ
لون وَهان سي نِکالتِي هَي نام اُسکا لاشہ کش هَي الغرض پھاڑ کي دامني مین
کِتني لاشہ کش ایک نقب تِین سَو گز کِي گہري کھود کر ننگي مادر زاد ایک
کُدال کندھي پر رکھ کرچِراغ هاتھ مین لي اُس انّدھیرِي سُرنگ مین جاتي هَین "
اَور دو تِین من کا ایک لون کا ڈلا کھود کر نِکال لاتي هَین " ناظِمون سي
مَزدُورِي بھِي مُنھہ مانگي پاتي هَین از بس کِہ مشاق هُوئي هَین اُس انّدھیرِي
سُرنگ کِي آمد و رفت سي اَور لون کي کھودني اَور لاني کي رنج صُعُوبت
سي خَوف و تکاهُل نہین کرتي لیکِن هَوَا اُس نقب مین هر ایک مَوسِم کي بیچ
مُعتدِل رَهتِي هَي هرچند کِہ لون نِکالني کي اَور بھِي مقام هَین پر کھوهرہ اَور
کھیوہ دونو بڑي سُرنگین شمشاد آباد کي مُتصِل واقِع هُوئِین هَین هر سال کَیي
لاکھ من نمک وَهان سي نِکلتا هَي اَور محصُول پرگنون کي حاصِل سمیت سرکارِ
اعلٰي مین ضبط هوتا هَي اکثر کارِیگر وَهان لون کي طبق رِکابِیان سرپوش چِراغدان
بنا بنا بیچتي هَین اَور نفعي اُٹھاتي هَین قرِیب اُسکي دُودھِیا پتھر کِي کھان هَي

پہنچا اُنکي نظرِ توجہ اُس پر پڑ گئي فِي الفور ایک حالتِ طاريِ ہوئي اور چشمِ باطِن ني روشني پکڑي پھِر سيالکوٹ سي گُجرات مين جاکر مُقيم ہوا اور بہت سي مکان بنوائي پُل بندھوائي خصوصًا امن آباد سي پانچ کوس درياي ڈيک پر لاہور کي سمت شاد راہ مين ایک پُل بڑا محکم بندھوايا ایک خلق کو آرام پہنچايا سخاوت بھي اُس مين اِسقدر تھِي کہ حاتِم کا اگر معاصِر ہوتا تو کوئي اُس کا نام بھي نہ ليتا جِسقدر خلائِق دُور نزدِيک کي اُسکي حضُور نقد و جِنس و غيرہ بطرِيقِ نذر ليجاتي " اُس سي دُوگنا چوگُنا اِنعام پاتي " آخِر وُہ بزُرگوار عالمگِير کي سترھوين سنِ جلُوسِي مين جان بحق ہُوا قرِيبِ شہر اُسکي درگاہ آج تلک زِيارت گاہ ایک عالم کِي ہي قِصہ مختصر ہر طرح کي آدمِي وہان رہتي ہين اور ہر دِيار کِي اجناس بہم پہنچتِي ہي بلکِہ تحايِفِ روزگار اگر درکار ہون تو ميسر ہونوين چُنانچِہ تلوار جمدھر وہان بِہتر سي بِہتر بنتي ہين اور کام چِکن کا بھِي وہان کي کارِيگر سيالکوٹ والون سي بتوجہِ احسن کرتي ہين سِواي اِسکي ملکِ مذکُور مين گھوڑا عِراقِي کِي مانند پيدا ہوتا ہي بعضا تو دس ہزار روپي قِيمت پر بِکتا ہي اور * سِندہ ساگر کي دوآبي مين نمک سنگ ايسا لطِيف لگتا ہي کِہ رُوي زمِين مين اُسکي لطافت کا شور ہي قُدرتِ اِلٰہي سي سارا پہاڑ کا پہاڑ لون کا خلق ہُوا ہي طُول اُسکا سو

کي کناري پر هي شاه جهان کي وقت مين نواب علي مردان خان ني متصل اُسکي ابراهيم آباد ايک بڑا شهر اپني بيٹي کي نام پر بسايا " اور ايک بڑا باغ پر فضا رشکِ شالامار بنايا " سواي اُسکي اور بهي عمارات و مکاناتِ عاليشان تعمير کيي اور ايک نهر بهي درياي لوهي§ سي اُس باغ کي واسطي لايا غرض چهه لاکهه رپيي اُنکي تعمير و ساخت مين خرچ هوئي اور ساڈهوري کي ديهات مين سي ايک گاوْن سرکارِ اعلي سي باغ و شهرِ مذکور کي مرمت و تعمير کي واسطي بطريقِ انعامِ آل تمغا نوابِ موصوف کي نام پر مقرر هوا اور دوآبي مين * چهوٹي گجرات ايک قصبه هي که اکبر بادشاه کي سلطنت مين بسا اور سيالکوٹ کي علاقي سي کچهه گاوْن نکالکر اُس سي متعلق کيي اور ايک پرگنه جدا قرار ديا ليکن ابتدا مين يهه قصبه چندان رونق نرکهتا تها جب سي خلاصهٔ عرفا شاه دولا ني اُس مين رهنا اختيار کيا اور تالاب کوئي مسجدين بناين بلکه دريا پر بهي پل بندهوايا تب سي آبادي اُسکي زياده هوئي اور رونق بڑهي " کهتي هين که شاه صاحبِ مذکور اوايل مين کمايندهر سيالکوٹي کا غلام تها ليکن محبتِ فقرا سي بدل رکهتا خصوصا سيد نادر کي خدمت اکثر بجا لاتا اور بيشتر اُنکي حضور حاضر رهتا جب سيدِ موصوف کي رحلت کا وقت

§ In a Persian MS. written توهي.

چبوتري بڑي وهان بهي اکثر زيارت کو آيا کرتي هين * دهونکل ايک مکان هي که اُسکو سلطان سرور سي منسوب کرتي هين اگرچه وه هميشه زيارت گاهِ خلايق هي ليکن گرميون کي موسم مين اکثر ملکون سي زن و مرد کي غول کي غول کي غت کي غت وهان زيارت کي ليي آتي هين بهتيري نذرين چڑهاتي هين دو مهيني تلک خلق کا وهان انبوه رهتا هي اور پندره کوس شهرِ مذکور سي * پور مندل ايک مکان جمون کي پهاڑون مين هي ٹهاکر اُسکا مهاديو بيساکهي مين وهان ايک دنيادهاتي§ هي " اور بهت سي خلقت آتي هي " يهان تلک که ايک بڑا انبوه هو جاتا هي پهر پهاڑ کا راجا بهي ايک دهوم دهڑلي سي آتا هي " اور اپني تير اندازي کي کرتب اور کمال اُس دنگل کو دکهاتا هي " اور مقامِ مذکور سي ايک درياؤ بهي نکل کر ظفر ڈال و غيره کي ديهات و حدود مين هوتا هوا شاه دولا کي پل تلي جا پهنچا پهر دولت آباد و فريد آباد و غيره سي گذرتا هوا راوي سي جا ملا اور جمون مين قلعي کي کهان بهي هي پتهريان لوهي † ندي سي لاکرونهين آنچ ديتي هين ايسي قلعي سفيد و پاکيزه و صاف و پايدار بنتي هي که ويسي کهين نهين ملتي * ساڈهورا ‡ ايک بڑا قصبه چناب

§ Seemingly the same as دهنکدهرا a ceremony in honour of *Mahādeva.*

† In a Persian MS. written توهي.

‡ In a Persian MS. written سودهره.

وُہ بهِي نِہايَت سُفَيد و صاف و خُوش قُماش و پايُدار هوتا هَي چُنانْچِه اُسْكو بهِي بعْضِي اطْراف و نَوَاح مين بطرِيقِ تحايُف بهيجْتي هَين اگرْچه دسْتكارِي كي طرِيقي وَهانْكي اهْلِ حِرْفه اكْثر طرح كي ركّهْتي هَين خُصُوصًا ريشم و كلابتُون كِي چكن كي تهان پٹّكي چِيري سوزْنِيان دسْتَرْخوان ادقْچِي خوَانْپوش و غَيرہ نِہايَت صفائِي و خُوبِي كي ساتْه بناتي هَين " فايُدي بهِي اُسْكِي بَيع و شِرا مين اُٹْهاتي هَين " چُنانْچه اَورنْگ زيب كي وَقْت تلك هر سال مين چِكن دوزون كو لاكْه رُپَي كا اِنْتِفاع هوتا تها اَور هتْهيارون مين وَهان كٹارِي برْچهِي نِہايَت آبْدار و خُوش قطْع بنْتِي هَي باغ بهِي اُس شہْر كِي اطْراف مين بَہت سي هَين خُصُوصًا نذْر مُحمّد بيوني كا باغ نِہايَت پُر بهار و ميوه دار هَي رنْگ برنْگ كي پهُول اُس مين بَہُتايَت سي پهُولْتي هَين ايك خلْق وَهان سَير كو جاتِي هَي اَور حظ اُٹْهاتِي هَي مُتصِل اُسْكي ايك نالا بہْتا هَي كِه سرْچشْمه اُسْكا جمُون كي پہاڑ مين هَي غرض وُہ نالا شہْر سي آگي بڑْه كر دس دس كوس كي عرْصي مين پهَيلا هَي اَور اطْراف مين مُتفرّق هُوا هَي ليكِن جب مَوسِمِ برْسات مين خُوب چڑّهتا هَي تب شہر كي باشِنْدي لُنْگِيان بانْدْه بانْده مشْكين لي لي وَهان آتي هَين " اَور آب بازِي كِي كَيفِيّتين اُٹْهاتي هَين " اَور اِس خِطّۂ بركت افْزا مين حضْرتِ اِمام زَينُ ٱلْعَابِدِين كي كِسِي فرزنْد كا مزار هَي

اب تلک يادگار هي ايک زماني مين دار الحکومت پنجاب کا بهي تها تين کوس کي عرصي مين اسکي آبادي تهي غرض عالمگير کي وقت سي سيالکوٹ مشهور هوا جميع قصبات سي يهه صوبه زياده آباد تها جب سلطان شهاب الدين غوري ني پانچوين مرتبه سن پانسو اسي هجري مين آکر لاهور کو گهيرا اور فتح ياب اس پر نهوا تب سيال کوٹ کي طرف آيا اور وهانکي پراني قلعي کي پهر تعمير و مرمت کي بلکه کچهه فوج بهي اپني وهان چهوڑي بعد ايک مدت کي راجا مان سنگت اکبرشاهي جمون کا فوجدار اور سيالکوٹ کا جاگيردار قلعي کي مرمت اور شهر کي آبادي پر متوجه هوا من بعد اسکي صفدر خان جهانگيري جب که فوجداري قصبهٔ مذکور کي اسکو هوئي اور پرگنهٔ مسطور اسکي بهي جاگير هوا خان موصوف ني تو قلعي اور برجون کو نئي سر سي بنايا بعد اسکي بهي اکثر حاکم مرمت کرتي رهي غرض يهه شهر فيض بنياد دن بدن آراسته و آباد هوتا رها چنانچه وي قانون گو جو قوم بدهره سي تهي انهون ني بهي عمارتين نهايت مطبوع و دلچسپ بنائين بلکه بعضي اور بهي اشخاص اکثر اوقات تعمير مين مشغول رهي اس سبب رونق مدام بڑهتي گئي اور آراستگي اسکي مرتبهٔ اعلي کو پهنچي کاغذ بهي شهر مذکور مين خوب بنتا هي خصوصًا مان سنگي اور حريري ايک کاغذ که جهانگير ني فرمائشي بنوايا تها

مین اُتر طرف کي پہاڑون کي بیچ * گڑہ کانگڑہ ایک قلعہ ہي حصانت و
متانت اُسکي شُہرت رکہتي ہي اَور نیچي اُسکي نگر کوت ایک قدیم معبد
ہي تہکراین وہانکي بہواني برس مین دو مرتبي وہان بہي خلایق کا ہُجوم ہوتا
ہي لوگ ایک برس کي راہ سي بہي پُوجا کو آتي ہَین " اَور اپنِي مُرادین
پاتي ہین " بعضي اپني حاجت روَائي کي لِيي زبان کاٹ ڈالتي ہین کِسیکي
تو کَبہي ساعت کي بعد جون کي تون ہو جاتي ہي اَور کِسي کي دو تین دِن
کي پیچہي عجیب تراشي یہہ ہي کِہ بعضي اشخاص اپني سِر تن سي جُدا کر
دیتي ہین اَور رفیق اُنکي اُٹہاکر دہڑ پر دہر دیتي ہین رام کي دَیا سي بدستور
لگ جاتي ہین اَور وي پہرکر جِي اُٹہتي ہَین نگر کوٹ سي دو کوس پر*
جوالا مُکہي ایک مکان ہي وَہان کَبہي جاگہہ آگ کي شعلي بہڑکتي ہَین اکثر
ہنُود پُوجا کو اُس مقام مین بہي آتي ہین " اَور طرح بطرح کي اشیا اُن شعلون
مین ڈال کر جلاتي ہین " اور راکہ ہونا اُسکا اپني حق مین اِکسیر جانتي
ہَین * رچناو بہي دوآبي مین قدیم شہر ہي راجا شل نی اُسي آباد کِیا تہا
چُنانچہ کِتاب مہابہارت مین کِہ اُسکي تصنیف کو پانچ ہزار برس سي کُچہہ
اُوپر ہُوئي یون لِکہا ہي اَور سیالکوٹ بہي اُسي کہتي ہین اِس وجہ سي کِہ
بعضي اُسکو راجا سالباہن سي منسوب کرتي ہین چُنانچہ ایک پکا قلعہ اُسکا

خرِید فروخت کي جابجا دھُوم دھام " کِسِي مجلِس مين قِصّہ خوانون کِي للکار " کِسِي مجمع مين نقلیون کِي پکار " کِسِي سمت دو چار گوّیي طنبوري لِيي گاتي ہَين " کہِين دس پانچ فقِير نقاري ہِي بجاتي ہَين " کِسِي رستي پر تِين چار بھنگِي زنگِي جھگڑ رہي ہَين " ایک دنگل مين پہلوان کُشتِي ہِي لڑ رہي ہَين " (ابیات) کہِين ناچتي ہَين بھولي کَيي " کہِين نٹوي لیتي ہَين ایک گت نَيي " دِکھاوين کسب بيان متیان اُدھر " اِدھر کو چڑھين نٹنیان بانس پر " غرض چپّي چپّي پر ایک نَیا تماشا اَور قدم قدم پر ایک اچنبھي کا رَولا رات دِن رہتا ہَي " کان پڑي آواز سُني نہِين جاتِي " خلق کو کھاني کي بھِي سُرت نہِين آتِي " اگر عالمِ عُلوِي بھِي وہان آتا " تو ایک نظاري مين عجایِبِ سماوِي کو بھُول جاتا " القِصّہ رُبعِ مسکُون کي سیّاحون ني اَور بحر و برّ کي مُسافِرون ني اِس طرح کا میلا کِسِي سرزمِين مين نہِين دیکھا اگر پٹالي کي باشِندي سیکڑون کوس کِي مسافت پر کیسِي ہِي جمِیعت و حُکُومت و دَولت سي ہون پر اُسکِي دِید کِي خواہِش اُنکو کیا معنِي جو نہو ناظِرین کو معلُوم ہو راقِم ني پٹالي کا احوال اِتنا طُول و طَویل جو لکھا وجہ اِسکِي محض خُلاصۃُ الہِند کِي مُطابقت تھِي اَور اُسکِي مُولِّف ني جو اِس قدر بڑھایا بجا کِیا کہ مقامِ مذکُور اُسکا مَولِد تھا اَور پچاس کوس پٹالي سي اِسي دوآبي

خدمت بهي كرينگي پتالي سي دو كوس * اچل نام ايك مكان هَي سيام كارتِك مهاديو كي بيتي سي منسُوب قديم پرستشگاه وَهان ايك بڑا گڑها هَي آگ سي معمور ليكن آگ اُسكي تاثير آب سرد كي ركهتي هَي مَوسم بهار مين هزارون اتيت جوگي اَور بڑي بڑي تپشي رياضتي آكر وَهان اُترتي هَين سِواي انكي اَور بهي هِندُو چهوٹي بڑي زن و مرد اطراف و اكناف سي آتي هَين كثرتِ خلايق كوسون چهه دِن تلك رَهتي هَي ايك جماعت كو فقط فقرا هي كي زِيارت سي سرُور " ايك گروه دوستون آشناوُن كي مُلاقات سي مسرُور " كِتني اشخاص قِسم قِسم كي لوگونكا انبوه ديكهكر خالِق كي قدرت كي ندرت كي حَيران " بهتيري پري وَشون اَور خُوبرُوون كي حُسن و جمال پر نظاره كُنان " بعضي مِهمان دوست لوگون كي ضِيافتون سي شاد و خُرسند " بهت سي مرِيض فقرا كي دَوا دارو سي سودمند " ايك طرف دو رسته بازار لگا هوا " رستا زن و مرد كي كثرت سي جهان تهان بهرا هُوا " دُوكانون مين انواع و اقسام كي جنس رنگ برنگ كي پهول طرح بطرح كي ميوي بهانت بهانت كي مِٹهائي جسوَقت چاهو مُهيّا " جدهر تدهر ديد كرو ايك عالم نظر آئي نيا " كِسي دُوكان كي دِيوار رنگ برنگ كي تصوِيرون سي لِپي هُوئي " كِسي جاگه هتّي كي مورتون كي ايك قطار لگي هوئي " لبني ديني والون كا ازدحام "

مریدون معتقدون کو سترہ برس راہ بتاتا رہا اُسکي پیچھي گروھرکشن اُسکا بیٹا خورد سال تہا تین برس تلک جوگ کي مسند پر بیٹہا رہا لیکن اُسکي بعد ایک چہوٹا بیٹا گُرو ھر گوبند ھي کا تیغ بہادُر نام پہر جا نشین ھُوا اَور گیارہ برس تلک اپني جد و آبا کي طریقي کو بدستور اُسني جاري رکہا آخر الامر بادشاھي امیرون کي قید مین پہسا قصہ کوتاہ سن ایک ہزار اکاسي ہجري مین کہ مطابق اُسکي سترہ سن عالمگیري تہي حسب الحکم بادشاہ کي شاہ جہان آباد مین مارا گیا لیکن خلاصۃ الہند کي تصنیف کي وقت گرو ھر گوبند رائي گرو تیغ بہادر ھي کا بیٹا اپني باپ کا جا نشین تہا اَور بائیس برس اُسکي سجادہ نشیني کو گذري تہي القصہ مرید بابا نانک کي اکثر صاحب حال و قال ھوتي ھین اَور اُنکي خاص عبادت یہہ ھَي کہ اپني مرشدون کي دوھري راگ مین گائین " اَور لوگون کي دلون کو لبہائین " دوست و دشمن کو ایک سا جانین " سواي اپني ھادیون کي کسي سي علاقہ نرکہین " في الواقع جو نانک پنتہیون کا فرقہ اپني مرشدون سي اعتقاد رکہتا ھَي ایسا کوئي اَور کم ھین رکہتا ھوگا چنانچہ وارد صادر کي خدمت اپني مرشد کي نام پر عبادت عظیم جانتي ھین ھرچند کہ کیسا ھي اجنبي ھو بلکہ چور اَور رھزن تلک جب بابا نانک کا نام اُسني لیا پہر یي اُسکو اپنا بہائي ھي سمجہینگي اَور موافق مقدور کي

بملک پہنچا ایک عالم اطرافِ ممالک سي آکر اُسکا مُرِید ہوا چُنانچه ایک
گویّا مردانه نام اُسکا بڑا مُقرّب تہا وہ اُسکي اکثر دوہري اِس لُطف سي گاتا "
که ایک عالم رِیجہ جاتا " بلکه اُسکي کمال کا اِعتقاد لاتا " نِدان وہ تپشیون
و رِیاضتِیون کا پیشوا سلیم شاه افغان کي عہدِ سلطنت مین ستر برس سي کُچہ
اوپر ہوکر بیکُنٹہ باسِي ہوا اگرچه لکہمِیداس اُسکا بیٹا سپوت تہا لیکن جوگ
کِي دولت جو اُسکِي قِسمت مین نه تہِي انگد نام کہترِي کو که اُسکا خاص
مُصاحِب تہا گُروانگد خِطاب دیکر مرتي وقت اپنا قائِم مقام کرگیا وہ تیرہ برس
اُسکا جا نِشِین رہا جب مرني لگا لا ولد تہا بِنابر اِسکي اپني داماد کو که اُسکا
امرداس نام تہا خلِیفه کِیا اُن ني بہِي بائِس برس تلک سررِشته فقر کا جارِي
رکہا " اور ایک خلق کو گرِویده کِیا " پہِر بیکُنٹہ کا رسته لِیا " اگرچه اولاد
اُسکي تہِي لیکن آخرِي وقت اُسني بہِي اپني داماد رام داس کو اپنِي جاگہه پر
بٹہلایا اُسني سات برس تلک زِندگِي کِي اور وہِي راه چلِي " آخِر ہستِي کِي
بستِي تجِي " بعد اُسکي گُرو ارجن اُسکا بیٹا اُسکي مقام پر بیٹہا آخِر پچیس
برس کي بعد اُسکا بہِي اِنتقال ہوا پہِر گُرو ہرگوبِند اُسکا خلف خلِیفه ہوا اٹہتِیس
برس تلک جِیا اور اُسِي چلن پر چلا اُسکي بعد گُرو ہر راي اُسکا پوتا جا نِشِین
ٹہہرا کیونکه بیٹا اُسکا اُسکي آگي ہِي مر چُکا تہا قِصه کوتاه وہ بہِي اپني گہرانِي کي

چُنانْچِه چنْدرْبهان مُنْشِي شاهْجهانِي ني طرفَين كي جَوَاب و سُوَال كو جمْع كرْكي ايكْ كِتاب عِبارتِ فارْسِي مين نِهايَت مرْبُوط لِكْهِي هَي باره كوس پتّالي سي راوِي كي كِنارِي * بابا نانكْ كا مكان هَي عالمْگِير كي وَقْت تلكْ اُسْكِي اَولاد وُنْهين رهْتِي تهِي غرض اپْني وَقْت مين وُه بڑا جوگِي تپشِي دهرْمِي تها هِنْدُوُن كي اكْثر فِرْقِي اُسْكِي كرامات كي قايِل هَين خُصُوصًا سِكْهه اُسْكو بَهُت مانْتِي هَين اَور اتِيتون مين ايكْ فِرْقه نانكْ پنْتهِيون كا جو هَي اُسْكا سِلْسِله اُسِي كو پهُنْچْتا هَي بَهُت سي دوهْري اُسْكي جِن سي وَحْدانِيّت و معْرِفت ٹپْكي پڑْتِي هَي مشْهُور هَين چُنانْچِه اكْثر اهْلِ مذاق اُنْكو ذَوق شَوق كِي حالت مين پڑْهْتي هَين " اَور آنسُو اُنْكي ٹپكْ پڑْتي هَين " قِصّه كوتاه پنْدْره سَو چهبِّيس بِيربِكْرماجِيتِي مين مُطابِق جِسْكي آٹهه سَو چورانوِي هِجْرِي مين تلْونْڈِي كي بِيچ يِه تپشِي پَيدا هُوا اَور وُنْهين اپْني نانا كي گهر مين پلا ليكِن لڑْكائِي سي اِسْكو جپ تپ كا دهْيان تها رام سي دِن رات لَو لگائي هِي رهْتا چُنانْچِه آثار فقْر كي اَور كشْف و كرامت كي اُسِي سِنّ مين اِس سي ظاهِر تهي اَور اكْثر اشْخاص اِسْكي مُعْتقِد آخِر بَهُت سي مُلْكون كِي سَير كرْكي پتّالي مين آيا وُنْهين كدْخُدا هُوا اَور قصْبهٔ مذْكُور كي ايكْ گاوْن مين درْيا كِنارِي رهْنا اِخْتِيار كِيا از بس كِه شُهْره حقّ شِناسِي اَور خُدا پرسْتِي كا اُسْكِي مُلْكْ

سرسبز ہوا اِس واردات نی اطراف میں شہرت پکڑی " اَور خلق کي رجوع زیادہ ہوئي " غرض ابتلک بہي اُسکي درگاہ چہوٹي بڑون کي زیارت گاہ هي هرجمیرات کو وهان بہیڑ هوتي هي خصوصاً نو چندي جمیرات کو تو زن و مرد بکثرت دور دور سي بہي آتي هین " اور نذرین قسم قسم کي چڑہاتي هین " بلکہ اپني مطلبون پر نذرین مانتي هین اَور مرادین پاتي هین پر اچنبہا زیادہ یہہ هي کہ اُس بزرگ کي درگاہ کي خادم ہندو هین دیپالي کي اَولاد سي هر چند اہل اِسلام ني چاہا کہ اُس جماعت کو وهان سي دفع کرین اَور اِس خدمت کو چہین لین پر کچہہ پیش رفت نہوا چنانچہ عالمگیر کي وقت تلک تو مجاور وہي لوگ تہي اب کي خدا جاني قریب اُسکي * دہیان پور ایک مکان هي وهان بابا لال ایک درویش بڑا موحد صاحب کمال رهتا تہا با وجود اِسکي سلیقہ تقریر کا بہي اُسکو خوب تہا چنانچہ وحدانیت و معرفت الٰہي اِس خوبي سي بیان کرتا تہا کہ سامعین حظ وافر اُٹہاتي تہي " اَور اُسکي کلام کي سُنني کو اکثر اَوقات آتي تہي " اَور نظم ہندي بہي اُسکي اِس مضمون کي بہت هي بلکہ اکثر اشخاص اُسکو وِرد وظیفي کي طَور سي پڑہتي هین اَور بہت سي خاص و عام اِعتقاد اُسي رکہتي هین کہتي هین کہ دارا شکوہ کي اُس بزرگ سي بیشتر ملاقات تہي اَور کلمہ و کلام عارفانہ بہي باہم اکثر رهتي تہي

کي ايکٹ سرگذشت يہہ هَي کِہ ايکٹ هِندُو ديپالي نام بڑا راسِخُ آلاِعتِقاد تہا جب گنگا کي نہان کا مَوسِم آيا اَور هِندُوونکي گُروہ کي گُروہ جاني لگي ديپالي ني بہِي اُس بُزُرگ سي رُخصت مانگي اُنني فرمايا کِہ جب روزِ معہُود آوي مُجہي ياد دِلائِيو چُنانچِہ جب وُہ دِن آيا ديپالي ني عرض کِي فرمايا کِہ آنکہين بند کر جونہِين کِين اپني تَئِين گنگا کي کِناري پر ديکہا اَور بہائِي بندون سي مُلاقات کرکي اُنکي ساتہ نہايا اُنہون ني بہِي اُسي ديکہا پہِر جونہِين آنکہين کہول دِين اپني تَئِين اُس هادِي کِي مجلِس مين پايا نِہايَت حَيران هُوا جب کِہ اُسکي بہائِي بند اپني اپني گہرون مين آئي اَور اُسکو وَطن مين ديکہا هر ايکٹ ني کہا کِہ ديپالي همارا شرِيکٹ تہا چُنانچِہ باهم گنگا مين نہائي بہِي تہي ليکِن مُراجعت کي وَقت هم سي پيش قدمِي کرکي يِہہ پہلي پہنچا هم پيچہي آئي آخِرُ آلامر حقِيقتِ حال سي واقِف هُوئي " اَور ايکٹ مُدّت درياي حَيرت مين غرق رَهي " نادِر تر اِس سي يِہہ هَي کِہ اُسکي اِنتِقال کي چند سال بعد بڑهيون ني کلانور کي حاکِم کي حُکم سي سِرِس کا درخت کِہ اُسکِي قبر کي نزدِيکٹ تہا اُسي کاٹ کر عِمارات کي واسطي ٹکري ٹکري کِيا ايکا ايکِي ايکٹ آوازِ هَيبت ناکٹ آئي اَور زمِين وَهانکي کانپني لگي پہِر اُس درخت کا تنہ خُود بخُود اُٹہ کہڑا هُوا بڑهئِي اِس سانِحي سي ڈر کر بہاگٹ گئي وُہ ٹہنٹہ پہِر

بعد اُنکي گنگا دھر ھیرانند کي بیتي ني ایک پکّا کوا شہر کي بازار میں کھدایا "
ساتھ اِسکي ایک باغ معہ باوِلي سَوَادِ شہر مین لاھور کي رستي پر بنایا " غرض
دونون مقامون کو آبرو بخشي " اَور وھانکي باشندونکو بلکہ مُسافِرون کو راحت
دي " از بس کہ دونون کا پانِي آبِ گنگا سي مُساوِي ھَي بسبب اِسکي اُنکي
پانِي کا نانو گنگادھر مشہور ھوا اگرچہ اطرافِ شہر میں باغ بي شمار و گلزار پر
بہار ھَین لیکن امرسنگھ قانون گو ني ایک باغ شالامار کي مُشابہ نہایت
مطبُوع و دِلچسپ بنایا اَور اُسکي تین درجي رکھي اُوپر کا درجہ شمشیر خان
کي تالاب پر مُشرِف ھَي القِصہ اُسکي سَیر کوئي غم نہین جِسي نہین کھوتي "
اَور اُسکي دِید سي طبِیعت کِسیکي کبھي سیر نہین ھوتي " سِواي عِمارات و
باغات کي اندر شہر کي اَور باھر اُسکي اطراف مین بہت سي مردانِ خدا
آسُودہ ھَین اُنھین مین سي شہاب الدین بُخاري و شاہ اِسمعیل و شاہ نعمت
اللہ و شیخ اللہ داد ھَین کہ ھر ایک اپني عصر مین اھلِ کمال و صاحبِ
حال تھا اَور وَھان سي دو کوس پر موضعِ * مسالي اُس مین مزار شاہ بدر
الدین کا ھَي سِلسِلہ اُس عزیز کا پیرِ دستگیر کو پہنچتا ھَي چار کوس پٹالي
سي * دیپال ڈال اُس مین درگاہ شاہ شمس الدین دریائي کي ھَي اُس بزرگ
کي بھي کرامات و خرقِ عادات زبان زدِ خلایق ھَین چُنانچہ اُسکي حینِ حیات

کہتي ہَين اِس واسطي قصبہٴ مذکور کا يِہي نام رکّھا پہِر بَہُت سي جنگل کٹواکر
گانون بسائي کہيت بوائي آخِر ايک پرگنہ مُقرّر ہو گيا چُنانچہ تحصيل اُسکي
اَورنگزيب کي وَقت مين تو گنجِ قارُون سي بہِي کُچّہ افزود تہِي اَلقصّہ قصبہٴ
مذکُور اِبتدا مين چندان آباد نہ تہا شمشير خان خوجہ اکبر کي وَقت جو
وَہان کا کڑوڑا ہُوا اُسني ايک مکانِ حاکِم نِشين اَور تالابِ لطِيف و باغِ وَسيع
وَہان بناکر رَونق اُسکي دو چند کر دِي " پہِر دِن بدِن آبادِي بڑہتِي گَيي "
يہان تک کِہ ايک شہرِ معقُول ہُوا بعد اُسکي شَيخُ آلمشايِخ کڑوڑي ني ايک
عِمارت نِپٹ انوٹہِي اَور پہلوارِي بَہُت خاصِي بنائي اُسني آبادِي کو اَور ترقّي
دِي " اَور بہارِ تازہ بخشِي " پہِر اَورنگ زيب کي وَقت وَزِير خان عُرف
مِرزا مُحمّد خان جب امِين ہُوا اُسني عالم گِير کي بارہوين سنِ جلُوسِي مين
تمام دُکانين بازار کِي پُختہ کر دِين اَور بانکي رائي اَور سجان سِنگ دونون
قانون گوون ني بلکِہ اُنکي بيٹون ني بہِي کِتني مکاناتِ پُر فضا بنائي سِواي اُنکي
ايک کاروان سراي اَور پُرہ بہِي بنا کِيا بعد اِسکي قاضِي عبدُ آلحَيّ ني عِمارتين
سنگين و رنگين بنايِن ساتہِ اِسکي ايک بازارِ کاروان سرا بہِي نِہايَت وَسِيع اَور
ايک مسجِدِ جامِع بمرتبہٴ رفيع بنوائي بلکِہ ايک باغ بہِي بَہُت بڑا دِلکشا
بنوايا پہِر تو شہر کِي رَونق چوگُني ہو گَيي " اَور آبادِي حدّ سي زِيادہ بڑہِي "

اُس شہْر کا رائي رام ديو بهٹي هَي کِه کپُور تهل کا زمِينْدار اَور اپْني قَوم کا سرْدار تها مشْهُور هَي کِه سابِق اِس سي ايک مرْتبه پنْجاب مين اِس طرح کا طُوفان آيا کِه ستْلج سي چناب تلک تمام زمين سطْحِ آب هو گَئِي بسبب اِسْکي عِمارتين ڈهه گَئِي اَور بسْتِيان خراب هُوئِين بلْکِه هزارون ذِي حَيَات بهِي ڈُوب کر هلاک هُوئِي چُنانْچِه طُوفان کي جانيکي بعْد بهِي ايک مُدّت يِهه سرْزمِين وِيران پڙِي رَهِي بعْد ايک عُمْر کي بعْضِي بعْضِي جاگهه آباد هُوئِي ليکن مُغل بلْخِي و کابُلِي از بس کِه هر سال پنْجاب پر دَوڙا کرْتي تهي اِس جِهت سي يِهه وِلايَت مُدّتون خراب رَهِي زِراعت اِس مين بَهُت کم هوتي تهِي حاصِل بهِي چنْدان نه تها جب سُلْطان بُهْلُول لودِي کا وَقْت آيا تب تاتار خان صُوبه دار لاهَور کا هُوا اَور اُس سي رائي رام ديو بهٹي ني تمام پنْجاب کو نَو لاکْهه ٹکي پر اِجاري لِيا اِتِفاقًا ايسِي وارِدات در پيش هُوئِي کِه رائي مذْکُور مُسلْمان هُوا اَور يِهه هِي اُسْکي پيش آمد کا باعِث ٹهہْرا بعْد اِسْکي آٹهه سَو ستْهتر هِجْرِي اَور پنْدْره سَو بِيربِکْرماجِيتي مين خانِ مَوصُوف کِي اِجازت سي بٹالي کو کِه مَحْض ايک جنْگل تها آباد کِيا وَجْهِ تسْمِيَه اُسْکي يِهه هَي کِه شہر کِي بُنْياد کي وَقْت بد شُگُني هُوئِي تهِي بسبب اِسْکي جاگهه بدْلِي قرِيب هِي اُسْکي ايک پُشْتي پر بِنا اُسْکي پهِر ڈالِي اَور بٹالا پنْجابِي زبان مين مُبادلي کو

نذرین اُسکي قبر پر چڑھاتي هَین " کہتي هَین کِہ شَیخ مرحُوم اپني وَقت مین صاحِبِ وِلایَت و خُلاصۂ اهلِ رِیاضت تہا اَور مزار شیخ عبدُ اللّٰہ سُلطان پُورِي کا بہِي اُسِي کِي نَوَاح مین هَي کمالات و حالات اُسکي مشہُور و معرُوف خِطاب اُسکا سلِیم شاہ کِي سلطنت مین شَیخُ الاِسلام تہا پہِر هُمایُون و اکبر کي عہد مین مخدُومُ المُلک تہرا اَور اُسِي دوآبي مین * بجواڑہ بہِي ایک پُرانا قصبہ هَي سِرِیصاف و بافتہ ڈورِیہ بچتولِیہ جبُونہ سُفَید چِیرہ پٹکا سُنہرِي آنچل دار وَهان کا هِند مین مشہُور هَي لیکِن چہینٹ سُلطان پُور هِي مین خُوب چہپتِي هَي بلکِہ بادلہ بہِي وُنہین کا نِہایَت چمک کي ساتہ هوتا هَي اَور دوآبي مین * هَیبت پُور بہتِي ایک پرگنہ هَي وَهانکي گہوڑي عِراقِي کِي مانند هوتي هَین چُنانچہ بعضي بعضي دس دس پندرہ پندرہ هزار رُپي کو بِکتي هَین اَور بہتِي هَیبت پُور کي مُتعلِقات سي جگت گُورُدھر گوبند ایک مقام هَي اُس مین ایک باغ نِہایَت پُر فضا " اَور ایک تالاب نِپت خُوشنُما " سَیر کي قابِل اَور دِید کي لایِق هَي چُنانچہ بَیساکہي کي دِن وَهان هزارون آدمِي جمع هوتي هَین اَور اُس سي دو تِین کوس پر * رام تیرتہ ایک بڑي پرستشگاہ هَي هنُود وَهانکي بہِي پرستِش کا نتیجہ ثَوَابِ عظِیم جانتي هَین کَیِي کوس وَهان سي * پٹیالہ ایک قصبۂ دِلکُشا اَور معمُورۂ خُوش آب و هَوَا هَي بساني والا

مفقود " اجناس هفت کشور بلکه اشیاي بحر و بر بافراط موجود " خرید
فروخت لیل و نهار " لین دین کا همیشه گرم بازار " اگرچه کوچه و بازار
مسجد سي خالي نه تها لیکن دریا کي کناري مقابل دولتخانهٔ عالمگیر کي ایک
مسجد سنگین عالیشان ایسي تعمیر هوئي جسکي بنا پر پانچ لاکهه روپي صرف
هوئي سواي اسکي شهر کي بیچون بیچ وزیر خان عرف حکیم علم الدین
شاهجهاني ني ایک جامع مسجد ایسي خوش قطع بنا کي که شهر کي رونق
دو چند هو گئي مزار بهي اکثر بزرگون کي شهر مین هین خصوصاً پیر علي
هجویري که جامع فضیلت و ولایت تها وه بهي ونهین آسوده هي اور مقبره
جهانگیر بادشاه کا دریاي راوي کي اس پار شاه دره کي متصل واقع هي لگا
هوا اس سي مقبره آصف خان ابو الحسن جهانگیري کا اگرچه حواشئ شهر
مین باغ اکثر پر فضا هین لیکن باغ شالامار که شاه جهان ني نقل باغ کشمیر
کي بنایا هي اسکي سیر سي اکثر خاطر بسته کو شگفتگي اور دل پژمرده کو تازگي
هوتي هي جب که احوال دار السلطنت کا قدري لکهني مین آیا لازم هوا که
کچهه کچهه قصبات کا بهي تحریر کیجیي * جالندهر ایک قصبهٔ قدیم دوآبي مین
هي شاه ناصر الدین ونهین مدفون هوا " اور مزار اسکا زیارت گاه خلایق ٹهیرا "
خصوصاً گرمیون مین اکثر اشخاص وهان زیارت کو جاتي هین " اور نیازین

الدین محمد جہانگیر نی بڑی بڑی عمارتین بناکر ایک مدت نزول اجلال فرمایا "
اور رونق کو اسکی زیادہ بڑھایا " چنانچہ وی عمارتین عالمگیر کی وقت تلک
بہی موجود تہین سوای اسکی کچہہ کچہہ عمارتین حویلیان شہزادون نی بہی شہر
مذکور مین بنیاد کین بلکہ امرای والاشان نی بہی خصوصًا عمارت ابو الحسن
آصف خان بن اعتماد الدولہ کی نہایت زینت بخش ہوئی اور شاہجہان کی
بہی بادشاہت مین آبادی اسکی دن بدن بڑہا کی جب عالمگیر کا وقت آیا
تب دریای راوی ایسا چڑہا کہ شہر کی اکثر باغات و عمارات کو صدمۂ
عظیم پہنچا تب بادشاہ نی چوتہی سن جلوسی مین ارشاد کیا کہ ایک باندہ
مستحکم بنائین کہ عمارات کو بار دیگر اس طرح کا صدمہ نہ پہنچی فرمان
بردارون نی بہی ویسا ہی باندہ مضبوط کوس بہر کی طول کا باندہا اور اکثر
جاگہہ سیڑہیان پکی دریا مین بناکر کناری کو خوش اسلوب کر دیا بلکہ عمارتین
پکی پکی اور حویلیان اچہی اچہی لب دریا بناکر شہر کو بہی صفحۂ تصویر
بنا دیا غرض چوتہی سال کی شروع سی چالیس برس تلک ہر سال مرمت
و تعمیر اسکی سرکار والا سی ہوتی رہی اور مبلغ کثیر خرچ ہوا کیی پہر تو
یہہ خجستہ بنیاد یک دست آباد ہوا لوگون کی کثرت اور ہنرمندون کی بہتایت
ایسی کم کسی شہر مین ہوئی ہوگی مفلسی و تنگدستی کی دروازی یک لخت

بیٹي بلو§ ني اُسي آباد کیا اَور بعضي تاریخون مین نام اِسکا لہور و لہاور لکہے گیٔي هَین جب کِه آسمان کِي گردِش سي بعد گُذرني کِتني دَورون کي آبادِي اِسکي وِیران هُوئي اَور تہوڑي سي نِشان کہین کہین رہ گیٔي تب دارُ آلحُکُومت اِس وِلایَت کا سِیالکوٹ ٹہہرا بعد اِسکي جِس وَقت سُلطان محمُود غزنوِي ني هِندُوستان کو فتح کِیا ملِک ایاز کِه اُسکا منظُور تہا اِس شہر کي آباد کرني پر متوَجِّه هُوا یہان تلک کِه ایک پکّا قلعه بناکر نَیٔي سِر سي شہر آباد کِیا پہِر سُلطان محمُود کي فرزندون مین سي خُسرَو شاہ و خُسرَو ملِک دونون باپ بیٹون ني تازہ اِس وِلایَت کو فتح کرکي لاهور کو دارُ آلسّلطنت کِیا غرض اٹّہتیس برس تلک دارُ آلحُکُومت سُلطان محمُود کِي اَولاد کا رَها بعد اُنکي کِسِي هِند کي بادشاہ ني اِس شہر مین اِستِقامت نکي بسبب اِسکي بي رَونق پہِر هو گیا آخر ایک مُدت کي بعد تاتار خان سُلطان بہلُول کي ایک امِیر ني دارُ آلاِمارۃ اِسکو مقرر کیا اُسکي بعد بابر بادشاہ کي بیٹي کامران مِرزا ني وَهان بُود و باش کِي پہِر تو آبادِي اِسکي زِیادہ بڑہ گیٔي بعد اُسکي اکبر ني اپني عہدِ سلطنت مین اِسکي آبادِي پر توَجُّه فرمائي اَور ایک شہر پناہِ خِشتِي اِسکي گِرد بنائي بلکه ایک دَولتخانه بہِي تعمِیر کِیا وُہ اِسکي رَونق کا مُوجِب زِیادہ تر هُوا پہِر نُور

§ Perhaps, *Lava* or *Laba* may be intended: see As. Res. vol. IX. p. 53.

اطراف مین مشہور هَي هرچند فوج کثیر هو پر اُسي لي نسکي گرمي کِي اُس
دیار مین اِفراط اَور بارِش کِي قِلت میوہ بہِي اقسام کا پاکِیزہ و لطِیف هوتا هَي
لیکن ایک جنگل لق و دق بهکر و سیوِي کي ما بین واقِع هَي گرمیون مین
تِین مہینی تلک بادِ سمُوم وهان چلتِي هَي جب دریای سِندہ کُپّي برس کي
بعد دکهن کِي طرف سي شِمال کِي جانِب آتا هَي دِیہات اُدهرکي خراب هو
جاتي هَین بِنابر اِسکي چهپر کي گهرون مین باشِندي وهانکي اَوقات گذارتي
هین رَوَاج پکّي عِمارتون کا کم هَي طُول صُوبي کا فِیروز پُور سي سیوِستان تلک
چار سَو کوس و عرض خطر پُور§ سي جلمِیر+ تلک ایک سَو پچیس کوس اَور
جو تہتّهي کو اُس مین مِلائین تو طُول کچ مکران تلک چهہ سَو ساٹهہ کوس کا
ٹهہرتا هَي شرق رُو مِلا هُوا سرکارِ سرهند سي غرب رُو اُسکي کچ مکران شِمال
کِي طرف پِشور جنُوب کِي سمت صُوبۂ اجمیر مُلتان و دیبال پُور و بهکر تین
سرکارین تابِع اُنکي چهیانوي محال آمدني چوبیس کرُوڑ چهیالِیس لاکهہ پچپن
هزار دام

صُوبۂ لاهَور" قدِیم شہر هَي راوِي کي کِناري کہتي هَین کہ راجا رامچند کي

§ Or خطپُور + Perhaps the place written in our maps Jesselmere.

كي اور امر صوبه دار كي بخوبي بجا لاوي تغافل شعاري و سهلنگاري كا شيوه اختيار نكري غرض ولايت بلوچونكي نپٹ آباد اور زراعت دونو فصلون كي اس مين بافراط هوتي تبي حاصل بهي علي هذا القياس سواي اسكي چورون اور رهزنون كا وهان گذر نهين " كهتي هين كه ملتان كا ملك سلطان علاء الدين ثاني كي سلطنت مين دهلي كي علاقي سي نكل گيا تها اور اس پر قوم لنگاه§ متصرف هوئي تبي پهر سلطان حسين لنگاه§ حاكم ملتان ني اپني حكومت مين جب ملك سهراب و غيره بلوچون كو كمك كي ليي كيچ مكران سي بلوايا كڑوڑ كوٹ سي دهنكوٹ تلك انكي جاگير مين ديا بلكه اكبر كي عهد سلطنت مين بهي راجا توڑل مل ديوان بادشاهي ني اس ولايت كو بلوچون هين پر متعين ركها اور خراسان و هندوستان كي ما بين ايك لشكر جرار متعين كيا سواي اسكي انكي حدون مين ايك ديوار مستحكم بنا كي جنوب رخ ملتان كي * بهكر ايك قلعه نهايت متين اور نپٹ سنگين هي كتب تواريخ سابق مين نام اسكا منصوره لكهي گيي هين طرفه اتفاق هي كه درياي سنده پنج رود پنجاب سي ملكر قريب اسكي پهنچا پهر دو ٹكڑي هوكر بقدر ايك حصي كي قلعهٔ مذكور كي اتر طرف گيا اور بقدر دو حصه دكهن طرف غرض محكمي اور مضبوطي اسكي

§ Or perhaps بنگاه

وقت دریاؤ ہٹ جاتا ہی رطوبت و طراوت کی باعث ایسا گنجان جنگل ہو
جاتا ہی کہ پیادہ بھی راہ نہین چل سکتا سوار کا تو کیا مقدور اسی سبب اُس
دیار کو لکھی جنگل کہتی ہین اور مفسد مذکور اُسیکی پناہ کی سبب اور اس
باعث کہ دریاؤ کئی ٹکڑی ہوکر اُنکی مساکن مین بہتا ہی رہزنی و دزدی ندھڑک
کرتی ہین اُمرا و حکام بادشاہی سی اُنکی تنبیہ قرار واقعی ہو نہین سکتی جاڑا
اُس دیار مین میانہ گرمی بشدت خریف مین زراعت جوآر کی ربیع مین
گیہون کی بخوبی ہوتی ہی اور ملتان کی پچھم طرف پانچ کوس کی تفاوت
سی دریای چناب پر بلوچونکا ملک ہی اُس مین اُنکی دو سردار ایک تو
داودی § کہ تیس ہزار سوار اور پچاس ہزار پیادہ اپنی ساتھ رکھتا ہی دوسرا ہوت +
کہ بیس ہزار سوار تیس ہزار پیادیکا سردار تھا دونو آپس مین مخاصمت کی
سبب اپنی اپنی سرحد پر آکر اکثر لڑا بھڑا کرتی تھی لیکن بادشاد کی جادۂ
اطاعت سی قدم باہر نہین دھرتی چنانچہ پیشکش معمولی ہمیشہ حضور
اعلی مین پہنچاتی تھی اور اپنی اپنی ملک کو تصرف بادشاہی سی بچاتی وکیل
بھی ہر ایک کی طرف سی صوبۂ ملتان کی حضور حاضر رہتا تھا کہ احکام بادشاد

§ In a Persian MS. this word is written داوری

+ In a Persian MS. the word seems written هوب

دِيار كي كاريگرون كو خُوب هَي چُنانْچه بنْدر كي چهيِتون كِي نقْل اَيسي بناتي هَين " كِه اصْل كردِكْهاتي هَين " قلْعه وَهانْكا خِشْتِي اَور مزار مخْدُوم بهاءُ آلدِين ذكريّا كا بهِي وُنْهين هَي سِواي اُنْكي بَهُت سي بُزُرگون كي مزارِ پُرانْوار اُس شهر مين زِيارت گاهِ خلايِق هَين اَور شهْرِ مذْكُور سي چار كوس كي تفاوُت سَيّد زَين آلعابِدِين كِي درْگاه سُلْطان سرْور بيِٹا اُسِي بُزُرگ كا هَي وَهان بهِي گرْمِيون مين چار طرف سي لوگ زِيارت كو آتي هَين كَبهِي روز بهيِڑ بهاڑ رهْتِي هَي اَور چالِيس كوس وَهان سي پري مغْرِب رُو درْيا كي اُس پار ايك پهاڑ كي دامني مين بلُوچون كا شهر سُلْطان سرْور وُنْهين مدْفُون هَي * اَور قصْبه اُوچ مين قبر شيخ جلال اِبْنِ سَيّد محمُود اِبْنِ سَيّد جلال بُخارِي كِي هَي مخْدُومِ جهانِيان اُسِيكو كهْتي هَين * شهْرِ پٹن كِه اجودْهن بهِي اُسيكو كهْتي هَين ديبال پُور كِي وه سرْكار هَي مُلْتان كي پُورب طرف وَهان شَيخ فرِيد شكر گنْج اِبْنِ شَيخ جلالُ آلدِين سُلَيمان فرُخ شاه كابُلِي كِي اَولاد قِصّه كوتاه سرْكارِ ديبال پُور مين دو قَوم ڈوگر و گُوجر سِواي اِنْكي اَور بهِي قَومين كِه تمرُّد و رهزنِي اُنكي شُهْرت رکهْتِي هَي ساكِن هَين جب برْسات آتِي هَي ستْلج و بياه دونو درْياؤ كَبهِي فرْسخ پهيلْتي هَين سركارِ مذْكُور كي محلّون كِي زمِين پر اكْثر اَوْقات ايك سطْحِ آب هو جاتِي هَي غرض هر سال وَهان طُوفان آتا هَي " اَور طُوفانِ نُوح كو ياد دِلاتا هَي " پهر جِس

سَوداگر مُلْتان اَور بهکر سي اسْباب و اجْناس درْيا کِي راه سي کِشْتيون پر تهٹْهي مين ليجاتي هَين يهان تلک کِه جمِيع مُسافِر بلْکِه بڙي بڙي لشْکر تهٹْهي کِي طرف غَير از راهِ درْيا نہين جاتي اَيسا وَقْت کم هُوا هوگا کِه خُشْکِي کِي راه سي لوگ اُدْهر کو جائن " اَور پانِي کِي نا يابِي و راه کِي دُشْوارِي سي رنْج نه اُٹْهائن " طُول صُوبي کا بهکر سي کِچ مکْران تلک اڑهائِي سَو کوس عرْض قصْبهٔ بدين سي تا بنْدرِ لاهرِي سَو کوس شرْق رُو اِسْکي گُجرات احْمد آباد غرْب رُخ کِچ مکْران شِمال رُو بهکر جنُوب رُخ درْيای شور سرْکارين اِسْکِي تهٹْهه سيوِسْتان نصِير پُور امرْکوٹ چار مُتعلِق اُنْکي ستاوَن محال اَور پانْچ بنادِر آمْدنِي نَو کڙوڑ اُنْچاس لاکه ستّر هزار دام

صُوبهٔ مُلْتان " قدِيم شهْر هَي هر صِنْف کي اشْخاص اُس مين آباد اشْيا بهِي هر مُلْک و هر قِسْم کِي بيشْتر مَوْجُود خرِيد و فروخْت کا بازار مُدام گرْم رَهْتا هَي عِراقِي گهوڙي قنْدهار کِي راه سي سَوداگر لاتي هَين " اَور وَهان بينْچ جاتي هَين " جاڑون کِي هَوا مُعْتدِل گرْمِي کي مَوسِم مين گرْمِي بَشِدّت برْسات کم زبان وَهانْکي باشِنْدون کِي لاهورِي ليکن سِنْدهِي اُس مين مِلِي هُوئِي شطْرنْجِيان اَور قالِينين بهِي گُلْزار وَهانْکِي مشْهُور هَين سِواي اِسْکي سلِيقه تقْلِيد کا اِس

تو نہین ڈوبتین اور آگ مین جلا دیوي تو نہین جلتین * ہنگلاج ایک مکان ہَي ٹھٹھي سي ستر کوس دُرگا سي منسوب اُتر اور پچھم مین دریاي شور کي نزدیک لیکن پاني کي نا یابي اور راہ کي خرابي بمرتبہ ہَي علاوہ اسکي بھیلون کي رہزني کا خوف اِس لِیي ہر کوئي وہان جا نہین سکتا مگر بعضي اتیت خصوصًا سنیاسي بھوکھ پیاس کو گوارہ کرکي وہان جاتي ہَین اور پرستش کرتي ہَین غرض آتي جاتي پندرہ دِن سي کم نہین لگتي * سرکار سیوستان تابع اس صوبي کي دریاي سندہ کي کناري نزدیک اُسکي ایک بڑا تالاب ہَي طول اُسکا دو دِن کي راہ کتني ماہي گیر اُس پر ایک سطحِ خاکي بناکر ساکن ہوئي ہَین ہر روز مچھلیان مارتي ہَین " اور اپني اوقات گذارتي ہَین " اور اِس صوبي مین ملتان و اوچ کي حدون سي ٹھٹھي و کچ مکران تلک شمال رو بلند بلند پتھر کي پہاڑ ہَین اکثر بلوچون ني اور بعضي پٹھانون ني اپني بود و باش ونہین مقرر کي ہَي اور اوچ سي تا گجرات جنوب رخ ریتل کي پہاڑ بیتیون کي گروہ ني اِستقامت اپني وہان ٹھہرائي لیکن اُنکي رئیسون کي سکونت جلمیر مین ہَي اور راجپوتون کي اکثر قومون ني بھکر سي نصیر پور و امرکوٹ تلک سکونت کي سواي اِنکي سوڈہ و جاریجہ بلکہ بہتیري اشخاص وہان آکر ساکن ہوئي دریاؤ بھي اِس صوبي مین کئي ہَین لیکن بڑا دریا سندہ چنانچہ اکثر

دُور دُور تلک جاتي هَي " بلْکه بعْضي مُلْکون کِي خبر لاتِي هَي " اَور جو کوئِي عامِل چاهي کِه اُنْکو اِس چلن سي باز رکّهي تو اُنْکِي کنپٹیان داغي اَور آنْکهون مين لون بهرکر چالِيس دِن تلک لٹْکا رکّهي کهانا بي نمک کهِلائي ساتْه اِنْکي پڑهنْت بهِي اُنْکي بُطْلانِ عمل کي لِيي پڑهي تب وُه اپْنا منتْر بهُول جائِيگي " اَور اُس چلن سي باز آئِيگي " ليکِن بيشْتر اِس پيشي کِي رنْڈِيان هوتِي هَين اَور مرْد کم صاحِب خُلاصه لِکّهتا هَي کِه مَين ني بچشْمِ خُود ايک لڑکي کا کليجا ايک ڈائِن کو ليجاتي ديکّها هَي هرْچنْد کِه عقْل مين نهِين آتا کِه جِنْسِ بشر مين اِس طرح کِي عَورت يا مرْد هو کِه جِگر کِسِيکي سِيني سي بِدُونِ چاک کِيي نِکال ليجائي اَور کوئِي نديکّهي ليکِن خُدا کِي قُدْرت معْمُور هَي اُنْکِي صنْعت سي کچّهه دُور نهِين بعْض اِنْسان کو يِهه بهِي قُوّت دِي هو اگر هماري مُدْرِکي ني اِدْراک نکيا تو يِهه لازِم نهِين کِه وُه حقِيقت مين بهِي نهووي يا اُنْکِي نظر مين مُوثِّرِ حقِيقِي ني اَيسِي تأْثِير دِي هو کِه جِس لڑکي کِي طرف نِگاهِ بد سي ديکّهي اُنْکي جِگر کو صدْمهٔ عظِيم پهُنْچي يا کوئِي اَفْسُون اُسي اَيسا ياد هو کِه جِس مين اِس طرح کا اثر هو مجازًا اگر اهْلِ عُرْف ني کليجا ليجاتا يا کها جاتا کها تو مُضايَقه نهِين سِواي اِنْکي ڈائِنين اَور ايک منْتر اَيسا جانْتِي هَين اگر کوئِي چکّي کا پاٹ اُنْکي گلي مين ڈال کر ڈُبو دي

کِي بَہُتايَت اقْسام کي ميْوون کِي کثْرت خُصُوصًا آم بَہُت خُوش مزه هوتا هَي لُطْف يِہہ هَي کِه خربُوزي کِي ريندِيان جنگلون مين خُود رو پَيدا هوتِي هين ديکْهني کي لايِق بلْکِه کهاني کي قابِل " ڈاينين بِهِي ٺهڦي کِي مشْهُور هَين کِه لڑکون کي کليجي منْتر کي زور سي تُرْت ليجاتِي هَين " اَور اُنکي ماؤن کي دِلون مين داغ دي جاتِي هَين " کهانا تو اُن کي حُضُور کِسيکو کهانا لازِم نہِين کيُونْکِه اُس وَقْت اُنْکا تيرِ نظر جِس پر چلي اُسي مارهِي رکْهي سِواي اِسْکي کبْهو کبْهُو ايسِي حالت اُن پر طارِي هوتِي هَي کِه اُس وَقْت جِسْکو ديکهتِي هين هوش مين وُه نہِين رَهْتا پهِر کَيِي داني انار کي مانند اُنْکي پاس سي اُنْکي هاتْه لگْتي هَين کِسِي حِکْمت سي ايک لمحه اُنْکو اپْنِي پِنڈْلِيون کي انْدر رکْه چهوڑتِي هَي تب تلک وُه بيچاره بيهوش پڑا رَهْتا هَي نِدان آگ پر اُنْکو رکْه ديتِي هَي جب وي پهَيل کر طباق کِي صُورت پکڑتي هَين تب اپْنِي همْجِنْسون مين حِصّي کرکي کها جاتِي هَي وَهان اُنْکا کام تمام هو جاتا هَي اِتِّفاقًا اگر وُه بد ذات پکڑِي جائي تو لازِم هَي کِه اُنْکي پِنڈْلِيون کو چير ڈالين فَورًا وي داني نِکل پڑينگي چاهِيي کِه جِسْکي جِگر کو صدْمه پَہُنْچا هَي اُسي کهلا ديوين خُدا کِي قُدْرت سي وُه شِفا پايگا " اَور کليجا اُسْکا بچ جايگا " اَور يِہہ پِلشْت چرْغ کو بهِي منْتر کي زور سي ايسا رام کرتِي هَي کِه اُس پر سَوار هوکر

تخت هوا بالفعل تہتہہ دار الحکومت هَي دیبل بہِي اُسیکو کہتي هَین في الواقع ایک شہرِ کلان و عظیم الشان هَي دُنیا کِي چیزین اُس مین مِلتي هَین خصوصًا موتي سِواي اِسکي اکثر بنادِر کِي اجناس پر دستور اِس مُلک کا یِہہ هَي کِہ زمیندار تِیسرا حِصّہ زِراعت کا سرکار مین داخِل کري اَور دو آپ لیوي لیکِن کانِ نمک و آهن سي محصُول بہُت سا هاتہہ لگتا هَي اَور چہہ کوس شہر سي پري زرد پتہر کِي کہان هَي جِس اندازي کا سنگ چاهین اُسي نکال کر ترشوائین اَور عِمارت مین لگوائین لیکِن مدارِ کار بیشتر کِشتِیون پر چُنانچِہ وي انواع و اقسام کِي چہوٹي بڑي چالیس هزار کي قریب وهان کي دریا مین تیار رهتي هَین اگرچِہ اُسکي نواح مین شِکار اقسام کا هاتہہ لگتا هَي لیکِن گورخر و خرگوش و کوتاه پاچہ و خُوکِ صحرائي و ماهِي کا شِکار بکثرت اَور خُوراک وهان کي لوگون کِي اکثر دَهِي خُشکا مچہلي بلکِہ مدار خُورِش کا اِسي پر هَي یہان تک کِہ مچہلیون کو سُکہا تیل مین ڈال کِشتِیون مین بہر اکثر بنادِر و اطراف مین لیجاتي هَین اَور لوگ اُنکو مول لیکر کہاتي هَین پہِر تیل کو وي ناوون کي کام مین لگاتي هَین اَور پلوه ایک مچہلي نِہایَت لذِیذ هوتِي هَي لیکِن خاص اُسي مُلک مین وُہ بہِي نِہت مزي دار و با حلاوت ساتہہ اِسکي چارمہِیني تلک بِگڑتي نہین اَور باغون مین رنگ برنگ کي پہُولون

آتا هَي اَور پهُول بهِي هر رُت کا اِس کثْرت سي هوتا هَي کِه بازار گُلزْار بن جاتا هَي اگرْچِه درِنْدي اَور بهِي اِس نوَاح مين هَين ليکِن چيتونْکا اِس قدْر وُفُور هَي کِه هر سال صَيّاد سيکْڑون پکڑ لاتي هَين اَور صَيد افْگني اُنْکو سِکّهلاتي هَين بَيل بهِي وَهانْکي خُوش ظاهِر قوِي فرْبه گِران قِيمت چُنانْچِه ايک جوڑي اگرپان سَي رُپَي سي کُچّهِ زِياده کو آئي تو سسْتِي هَي اَور چالاک بهِي اَيسي هوتِي هَي کِه تمام دِن مين پچاس کوس طي کري مُطْلق نه تهکي درْيا چهوٹي بڑي اِس صُوبي مين بَہُت هَين ليکِن نامِي سابرْمتِي باترک مہنْدرِي نرْبدا تپْتِي سرسُتِي هرن طُول اُسْکا بُرْهان پُور سي دوارِکا تلک تِين سَو دو کوس عرْض جالور سي تا بنْدرِ دامن دو سَو ساٹهه کوس شرْق رُو اُسْکي خانْديس غرْب رُو دوارِکا شِمال رُو جالور اَور اِيدر جنُوب رُو بنْدرِ دامن اَور کنْبايت احْمد آباد پٹن نادَوت بهڑونْچ برودْه چانْپانير کودهْره سورٹه اِسْلام نگر نَو سرکْارين تابِع اُنْکي ايک سَو اٹهاسِي محالْ تيره بنْدر آمدنِي اٹهاوَن کڑوڑ اٹهّتِيس لاکْهه نوَي هزار دام

صُوبهٔ ٹهٹهه " اگْلي زماني مين برهْمن آباد ايک بڑا شهْر يهان کِي تخْتگاه تها قلْعي مين اُسْکي چَوده سَو بُرْج تهي تهوڑي تهوڑي تفاوُت سي چُنانْچه اب تک اُسْکي بُرْجون اَور دِيْوارون کا کُچْهه نِشان باقِي هَي بعْد اِسْکي ديور پائي

جب بارش مَوْقُوف هوتي هَي پاني گهٹني لگتا هَي آخر زمين نِکل آتي هَي اَور لون بَهُت سا هاتهه لگتا هَي * کچهه ايک جُدي وِلايَت هَي عرض طُول اُسکا اڑهائي سَو کوس کا سِنّده اُسکي پچهم طرف زمين وَهان کي بيشتر ريتلي اُونٹ وَهان کثرت سي پَيدا هوتي هَين اَور بکريون کي بهي اِفراط هَي سواي اِسکي تازي گهوڑي وَهان کي مشهُور و معرُوف وَجه اِسکي يِه هَي کِه کِسي زماني مين ايک سَوداگر کِتني عربي گهوڑي دريا کي راه سي لِئي جاتا تها اِتفاقًا اُسکا جهاز ٹُوٹ گَيا کَئي گهوڑي ايک تختي پر بهتي هُوئي کِناري پر آ لگي اَور اُس مُلک مين پَهُنچي آج تلک اُنکي نسل اُس نَواح مين باقي هَي الّقصه هوا اِس صُوبي کي اِعتدال پر رَهتي هَي جوآر باجري کي پَيدايِش بيشتر چُنانچه مدار خلايِق کي خُورِش کا اُسي پر هَي اَور زِراعت ربيعي کمتر گيهون بلکِه بيشتر غلّي مالوي اجمير سي اَور چانول دکهن سي آتي هَين اَور جنگلون مين يهان کي درخت اِس کثرت سي هَين کِه لذتِ شِکار سي لوگ اکثر محرُوم رَهتي هَين آم کي بهي يِه اِفراط هَي کِه پٹن سي تا بروده سَو کوس کا عرصه هَي يک لخت اُسيکي درخت نظر آتي هَين ساتهه اِسکي آم بمرتبه ميٹهي اَور خُوش ذايِقه بلکِه کَيريان بهي حلاوَت سي خالي نهين انگُور و انجير بهي علي هذا آلقياس عجِيب تر يِه هَي کِه خربُوزه گرمي اَور جاڑي مين بافراط مُيَسّر

وُنہین ایکٹ صیّاد کي هاتھ کا تیر لگا اَور سرستي کي کناري پیپل کي درخت تلي بیکُنتھ باسي هُوا بنابر اِسکي اُس مکان کو معبد جانتي هَین اَور اُس درخت کو پیپل سر کهتي هَین * قصبهٔ مُول مین ایکٹ معبد هَي مهادیو سي منسوب هر سال برسات سي پهلي روز معیّن ایکٹ پرنده کبوتر سي چهوتا پر چونچ اُسکي موتي رنگت سیاه سفید اُس دیهري کي چهت پر آ بیتّهتا هَي اَور ایکٹ دم کلولین کرکي یهان تلکٹ لوتّتا هَي که جي سي گذر جاتا هَي اُس دن شهرون کي لوگٹ وهان جمع هوتي هَین اَور طرح بطرح کي بخور کرتي هَین پهر سیاهي و سفیدي سي اُسکي اندازه بارش کا یعني سیاهي سي تفوّل بارش اَور سفیدي سي خشکي " متّصل اُسکي * دوارکا هَي جگت بهي اُسکو کهتي هَین بڑا معبد هَي جب سري کشن متهرا سي باهر نکلا وُنهین آکر اُسني باسا لیا اس لیٔي اُسکو بهي پرستش گاه جانتي هَین نزدیکٹ اُسکي * گابهي ایکٹ قصبه هَي اهیرون کا مسکن وي هندوون کي طریقي سي خارج هَین پر زن و مرد حسین هوتي هَین جب نیا حاکم وهان آتا هَي اُس سي قول لیتي هَین که عورات سي بد کاري کا مواخذه نکري تب بود و باش اختیار کرتي هَین و الّا وطن چهوڑ دیتي هَین نزدیکٹ اُسکي ایکٹ زمین هَي طول مین نوي کوس برسات سي پهلي سمندر اُبلتا هَي اَور پاني مین وه تمام ڈوب جاتي هَي

انگور خربوزی سی تاکین اور فالیزین معمور لیکن اس ملک کی نو حصی
هین اور هر ایک مین انس جدا سبب اسکا درختون کی فراوانی اور گنجانی
ساتھ اسکی پهاڑون کی باهم پیچیدگی مسکن انکی نهایت مأمون و محفوظ
هین فوجین اکتهی وهان جا نهین سکتین جو تنبیه قرار واقعی کرین * جونان
گڈه ایک سنگین قلعه هی نهایت متین حصانت و متانت مین ویسا دوسرا
نهین سلطان محمود گجرات کی بادشاه نی بهت سی لڑائیان لڑکر بزور اسی لیا
اور پاس اسکی ایک اور قلعه بنا کیا * کرنال ایک قلعه هی پهاڑ پر هنود
کا بڑا معبد اس مین بهت سی چشمی هین قریب اسکی اکثر دریای بنادر
دریای شور سی ملی هین اور اس مقام مین مچهلیان ایسی نازک هوتی هین
اگر ایک دم دهوپ مین رکهیی تو پگهل جاین اطراف مین اسکی اونت گهوڑا
نهایت قوی و چالاک هوتا هی * سومنات قدیم بتخانه هی نهایت مشهور
شور دریا اس سی تین کوس تابع اسکی پانچ بنادر سرستی بهی قریب اس
سی نکلی هی هندو اسکو بڑا تیرته جانتی هین مشهور هی که پانچ هزار برس
اس سی آگی پانچ چهه کڑوڑ آدمی جادوگرون کی قوم سی سرستی اور هرن کی
درمیان هنسی خوشی آپس مین لپت لپت کر گری اور ڈوب ڈوب گئی
سومنات سی اده کوس * سانگها ایک مکان هی سری کشن کی پاؤن مین

برنگ کي بہتایت سي پہولتي ہین ساتہ اسکي پہلیل بہي کَیي طرح کا بمرتبہ خوشبو کہچتا هي اور اہل فارس مین سي ایک قوم ني آکر وہان بود و باش اختیار کي هي رات دن ہنگامہ آتش پرستي کا گرم رہتا هي سورت و ندربار کي بیچ ایک کوہستان خوب آباد هي * بگلانا اسکو کہتي ہین واقعي بمرتبہ معمور و آب و ہوا اسکي نہایت خوب میوي بہي وہان بہتیري ہوتي ہین لیکن شفتالو انگور سیب انناس انار ترنج آم ہر ایک لا ثاني هي اور سات قلعي نامي اس سي متعلق ہین انہین مین سي سالیر اور مولیر بہي لیکن شہرت ان کي زیادہ هي اور زمیندار وہانکي راتہور * بہروچ ایک بڑا محکم قلعہ هي نربدہ اسکي نیچي سي گذرکر سمندر سي جا ملي هي کتني بنادر اسکي بہي تابع ہین اقسام کا کپڑا وہان بنا جاتا هي لیکن الایچا وہان کا مشہور سوداگر شہر شہر لیجاتي ہین اور فایدي اٹہاتي ہین * سرکار سورٹہ ایک جدا ملک تہا حاکم وہان کا پچاس ہزار سوار و لاکہ پیادیکا مالک پر احمد آباد کي فرمان روا کا فرمان بردار تہا لیکن خانخانان اکبرشاہي ني اس کي ملک پر قرار واقعي قبضہ کر لیا طول اسکا بندر گہوگہ سي بندر ارامرا تلک سوا سو کوس عرض ابتدائي دہار سي بندر دیو تلک بہتر کوس آب و ہوا اسکي مزاجون سي موافق پہل پہول کي بہي اپني اپني موسم مین بہتایت

مین آفرین کہی ایک پری کا ناون رسول آباد هَی شاه عالم بخاري وهین آسوده هَین اکثر اُس بزرگ کِي کرامت ولایت کي قایل اَور بہتیري اُسکي مرید و معتقد احمد آباد سي تین کوس * بتوه ایک قصبه هَي نہایت دلکشا اکثر اَولیا وهان بہي مدفون هَین لیکن قطب العالم شاه بدر عالم بخاري کي باپ کِي قبر پر هاتہ بہر کا ایک کپڑا هَي کوئي اُسکو سنگ کوئي چوب کوئي آهن خیال کرتا هَي اَور عجیب و غریب حکایات اُس سي منسوب کرتي هَین * پتن ایک پراني بستي هَي اگلي زماني مین وهانکي سلاطین کِي تختگاه تہي قلعي بہي اُس مین دو هَین ایک سنگین اَور ایک خشتي لیکن نہایت مستحکم اَور گائي بیل اُسکي نواح مین نہایت خوب هوتي هَین * چانپانیر ایک قلعه هَي پہاڑ کي ایک بلند تیکري پر جڑهائي اُسکي اڑهائي کوس کِي دروازي بہي کَئي لیکن راه نپت اَوبہت اِسي واسطي ایک طرف سي ساٹہ گز کي قریب پہاڑ کو کاٹ کر تختون سي پاتا هَي وقت پر اُٹہا لیتي هَین پر موضع مذکور چند مدت دار الحکومت رها هَي * بندر سورت نامي ایک شہر هَي بعضي بنادر اُسکي تابع هَین دریاي تپتي اُسکي قریب سي بہتا هُوا سات کوس پر جاکر دریاي شور سي مِلا میوي اُس مین اقسام کي بکثرت خصوصا انناس نپت رسیلا خوشبو خوش ذائقه پیدا هوتا هَي اَور پہول بہي رنگ

سِواي اِسکي تقلِيد بهِي اُن پر ختم هَي کيُونکه رُوم و فرنگ و اِيران مين جو کپڙا کِه اعلٰي هَي يِي اُسکي مُقابِل بُن ديتي هَين سرِ مُو فرق نهِين پڙتا دُور دُور اُس کو بطرِيقِ تُحفه ليجاتي هَين " اَور صاحِبانِ نِعمت سي اِنعام پاتي هَين " تلوار بهِي وَهانکي دم خم مين مغرِبي تلوار سي مُقابله کرتي هَي " کٹارِي کِي آبدارِي سي بجلِي بهِي ڈرتي هَي " اَور تِير و کمان بهِي زمانهٔ سابِق مين وَهان قابِلِ تعرِيف بنتا هوگا چُنانچه صاحِبِ خُلاصه و مُصنِفِ آئِينِ اکبرِي دونو مُعرِف هَين ليکِن ايک مُدّت سي کمان لاهَور کِي اِس دِيار مين مشهُور هَي اَور اُس سي اُترکر فرِيد آباد و کنجوي کِي مگر رُوپا وَهان عِراق و رُوم و غيره سي لاتي هَين اُسکي نواح مين پَيدا نهِين هوتا اَور جَواهِر کِي بهِي خرِيد فروخت بيشتر رهتِي هَي غرض شهرِ مذکُور نِهايت خُوش آب و هَوا اَور اجناس و متاع کي بهم پهُنچني مين بي همتا هَي باهر بهِي اُسکي تِين سَو ساٹه معمُوري خاص خاص وَضع پر آباد هُوئي کِه هر ايک کو پُرا کهتي هَين شهرون کِي ضَرُورِيات هر ايک مين مُهيّا " لشکرون کي اسباب تيّار جابجا " چُنانچه چَوراسي پُري تو عالمگير کي وَقت تلک آباد تهي سِواي عِمارات و باغات هزار مسجِدين سنگِين دو دو مِينار کِي اُن مين تهِين کِتابي بهِي اُنکي اَيسي نادِر اَور خُوش خطّ کِه اُنکو ديکهه کر اِنسان دُرُود بهيجي اَور کندہ کار کي حق

کناري ايک قلعهٔ متين بنا کيا بلکه عمارات بهي نئي نئي وضع کي سنگين و رنگين بناکر ايک شهر نهايت وسعت کي ساته آباد کيا نام اسکا احمد آباد رکها اور دار السلطنت اسي قرار ديا سواي اسکي بتيس برس اور چهه مهيني اپني حکومت کي ايام آبادي کي انتظام مين جو اس ني صرف کبهي ايک شهر عظيم بس گيا ليکن شهر مذکور مين ديوارين تو گهرون کي خشتي اور چوني کي پر چهت کي جاگهه کهپريلين هان بعضي دور انديش نيوين پتهر کي چوڑي چوڑي قايم کرکي ديوارين کاواک بناتي هين اور ان مين مخفي راه رکهتي هين که وقت ضرورت وهان سي نکل جاين اور بعضي مالدار تمام عمارت چوني گچ کي بناکر اس طرح کي ته خاني اس مين بناتي هين که مينهه کا پاني نتهرا اس مين جائي اور بهرا رهي کيونکه تمام سال اسيکو پيتي هين باشندي وهان کي اس کو ٹانکهه کهتي هين اور نقاش و خاتم بند سواي انکي اور بهي کاريگر وهانکي سيپ کي نقشي قلمدان اور صندوقچي نهايت خوش اسلوب و خوش قطع بسهولت بناتي هين " اپني هنر مندي و دست کاري کي طرزين دکهاتي هين " اور کمخواب و زربفت و خارا و مخمل و زربافي چيري پٹکي وهانکي عديم المثل هين ان کاريگرون چهت کسکي تاب و طاقت جو اس قماس کا ايک وصلچه بن سکي " مگر حيرت سي نا چار هوکر اپنا سر دهن سکي "

جوآر موٹھ بکثرت ساتوان یا آٹھوان حصہ غلّي کا دیوان کو دیتي هَین مال گُذاري کا رَواج کم هي جاتي مين وَهان جاڑا قریب باعتدال " اَور گرمي مين گرمي کمال " اکثر مقامون مين جنوب کي طرف کوهسار " اَور بیشتر زمینین دشوار گذار " بنابر اسکي کچھواهي اَور راٹھوڑ سواي اُنکي اَور بهي راجپوت سلاطین سي چندان دبتي نہین لشکر بادشاهي ایک بار وَهان جا نہین سکتا علاوہ اسکي کوسون پاني نہین ملتا طول صوبي کا آنبیر سي بیکانیر و جلمیر تلک ایک سَو اٹھ سٹھ کوس عرض نہایت سرکار اجمیر سي بانسواڑي تک ڈیڑھ سَو کوس پُورب طرف اُسکي اکبر آباد پچھم طرف دیبالپور تابع ملتان اُتر طرف قصبات دهلي دکھن طرف گجرات اَور سرکارین اُسکي اجمیر چیتوڑ رنتنپور جودهپور ناگور و غیره سات متعلق اُن سي ایک سَو تیئس محال آمدني پچپن کڑوڑ تین لاکھ ساٹھ هزار دام

صوبہ گجرات " کتب تاریخ سي خصوصاً وہ تاریخ جو سلطان بهادر والي گجرات کي تصنیف هي اُس سي یہہ ظاهر هوتا هي کہ شهر پٹن اَور چندي چانپانیر بهي تختگاه تهي جب سلطان احمد بن سلطان محمد بن سلطان مظفر شاه سن آٹھ سَو باره هجري مين تخت سلطنت پر بیٹھا اَور دریاي سابر متي کي

لڑکر اُسي لِيا قِصہ اُسکا مشہُور و معرُوف هَي اَور زمانۂ سابِق مين يهان کي
رَئيسون کو راوَل کهتي تهي اب ايک مُدت سي رانا کهتي هَين قوم اِنکي
گہلوت ليکِن اپني گروه کو اَولاد نوشيروانِ عادِل کِي جانتي هَين اَور اِس وَجہ
سي کِہ اُنکي دادا ني اپني بُود و باش موضعِ سيسودہ مين کِي تهِي سيسوديہ
کہلاتي هَين سِواي اِسکي ايک برهمن جو اُنکا غمخوار هُوا تها اُس جِهت سي
اپني تئين برهمن بهِي ٹهہراتي هَين اَور اِنکي خاندان کا يِہ دستُور هَي کِہ رانا
جب مسندِ حُکُومت پر بيٹهي قشقہ آدمِي کي لهُو سي اپني ماتهي پر
کهينچي * قصبۂ سانبهر لون وَهان کا نِهايَت مشهُور هَي اَور بيشتر کهاني مين
بهِي وُهِي آتا هَي شهر کي نزديک چار کوس لنبا کوس بهر چوڑا ايک
چشمہ هَي پاني اُسکا نِپٹ کهارِي ليکِن تأثير اُس کِي يِہ هَي جهان زمين
کهودکر پانِي سي اُسي بهر دِيا اَور زمِين ني جذب کِيا تمام قِطعہ اُسکا نمک
آلُود هو جاتا هَي جهان کهودکر اُسکو کِناري پر ڈال دِيا اور پانِي چهڑکا لون صاف
اس مين سي نِکل آتا هَي هر سال کئي لاکهہ رُپَي کا لون وَهانکي بيپارِي بيچتي
هَين اَور محصُول سرکارِ والا مين داخِل کرتي هَين الغرض تمام زمين صُوبۂ
مذکُور کي ريتلي پاني دُور تلک جو کهودي تو نِکلي بوني جوتني کا مدار بارِش
پر اِسي سبب زِراعتِ ربيعي بقِلت هوتِي هَي اَور فصلِ خريف مين باجرا

جنوبي بگلانا اُجّین و رایسین و چندیري و سارنگ پور و بیجاگڈه و منڈو و غیره باره سرکارین متعلق اُن سي تین سو نو محال آمدني چهتیس کروڑ نوي لاکهه ستر هزار دام

صوبهٔ دار الخیر اجمیر " قدیم شهر هي نهایت خوش آب و هوا بیتهل گڈه سي لگا هوا سواد اسکا صاحبانِ طبع کا مرغوب " اور آبادی اسکي نهایت خوب " درگاه خلاصهٔ عارفین خواجه معین الدین چشتي کي بستي کي اندر جهالري کي کناري هي اور قریب اسکي اسي نواح مین سید حسین مشهدي بهي آسوده عوام اسکو خنگ سوار کهتي هین اجمیر سي تین کوس پري * پهکر هي عمق اُس تالاب کا آج تلک کسي ني نهین پایا ته کو اُسکي پاون کسیکا نهین لگا هنود کا قدیم تیرتهه هي بلکه ساري تیرتهون کا گرو عقیده اِنکا یهه هي که اِنسان اگر ساري تیرتهون مین پهري اور روي زمین کي مندرون کي پوجا کري جب تلک اُس مین نه نهاویگا ثواب کچهه نه پاویگا * چیتوڑ مشهور قلعه هي اِسي صوبي کي متعلقات سي اور کوکنده که تابع اسکا هي وهان جست کي کهان اور چین پور مین تانبي کي لیکن یهه مقام علاقه مانڈل سي رکهتا هي سابق رانا کي تصرف مین تها اکبر بادشاه ني ایک مدت

اونچي هي اور سب كي سب قابل زراعت دونو فصلين بخوبي هوتي هين
غله سب طرح كا بهتايت سي خصوصًا گيهون خشخش اور ميوون مين گنا آم
خربوزه انگور لطف يهه هي كه حاصل پور مين انگور دو بار پهلتا هي اور پان
بهي اچهي سي اچها هوتا هي بارش چار مهيني تلك هوا اكثر اعتدال پر
چنانچه جاڑون مين روئي دار كپڑي كي حاجت اور گرميون مين شوري كي
پاني كي نهين هوتي ليكن برسات مين كبهي كبهي بالا پوش كي احتياج پڑتي
هي چهوتي بڑي وهان كي تين برس كي عمر تلك لڑكون كو افيون ديتي هين
اگرچه درياؤ صوبهٔ مذكور مين بهت هين ليكن بهترين دريا نربدا شپرا كالي
سنده و بيتوه و كوڈي اور كناري هر ايك دريا كي دو دو تين تين كوس تلك
هموار و صاف علاوه اسكي ان پر پهول بهي اقسام كي رنگين و خوش بو " بلكه
سنبل و درخت سايه دار هر ايك سو " اور جنگلون مين بهي بيشتر تالاب و
سبزه ڈهڈها " درخت سهاوني سهاوني هزارها " طول صوبي كا كوٹي § كي تلي سي
بانسواڑي تلك دو سو پينتاليس كوس اور عرض چنديري سي تا ندربار + دو سو
تيس كوس جانب شرقي اسكي باندهو غربي گجرات و اجمير شمالي نرور

§ Perhaps the place on our maps written Gurra Kota.

+ Written on our maps Nandoorbar.

بارْها لوگون ني ديكها اَور يِهِي عمل كِيا * چنديري ايكٹ قديم شہر هَي بہت بڑا نيت دِلكُشا بُود و باش اُس مين اقوام كِي بازار تين سَو چوراسِي سرائين تين سَو ساٹهہ اَور مسجدين باره هزار * تومن ايكٹ قصبه هَي بيتوه ندي كي كِناري ايكٹ آد جل مانس بهِي كبهُو كبهُو درياي مذكور مين نظر آجاتا هَي " اَور تماشايُون كو گِرداب حَيرت مين غوطي كهِلاتا هَي " سِواي اِسكي قصبهٔ مسطور مين ايكٹ بُتخانه اِتنا بڑا هَي اگر نقاره اُس مين بجي تو باهر آواز كوئي نه سُني * منڈو ايكٹ بڑا شہر هَي باره كوس كي عرصي مين چند مُدت حاكم نشين بهِي تها قلعي مين اُسكي ايكٹ مِينار هشت منظري بي نظير ساٹهہ اِسكي تعميرات قُدما كِي نِہايَت كلان و دِلپذير " اَور مزار سلاطِين خِلجي كي بهِي اكثر ليكِن عجيب يِہہ هَي كِه سُلطان محمود اِبنِ سُلطان هوشنگ كي گُنبذ سي گرمِيون مين پاني ٹپكا كرتا هَي نادان اُسكو مُدتون سي كرامت سمجهتي هَين پر دانا اُسكي حقيقتِ حال كو ادنيِٰ تامّل مين پا جاتي هَين كهتي هَين كِه اُس دِيار مين پارس پتهر بهِي كبهُو كبهُو نِكل آتا هَي " لوها تانبا و غَيره جو اُس سي لگي سونا هِين بن جاتا هَي * دهار ايكٹ قصبه هَي اگلي زماني مين راجه بهوج كِي تخت گاه تها بلكِه اَور بهِي راجاؤن كي وَقت مين وهِي چند گاه دار الحكومت رَها القِصّه زمِين اِس صُوبي كِي بَنِسبت بعضِي زمينون كي كُچهه

اُٹھاتي هَين " قِصّه كوتاه طُول صُوبي كا پُور گاوُن § سي كِه هِنڈِيا كي مُتصِل هَي تا تلنگ كِه احمد آباد سي قرِيب هَي پچهتر كوس اَور عرض جامودہ سي كِه قرِيب بِرار هَي پال تلك اَور وہ مالوي سي نزديك هَي پچاس كوس شرق كِي طرف اُسكي بِرار غرب كِي طرف كوہِ جنُوبي جنُوب رُخ جالنا شِمال رُو مالوا سركارين اُسكي پانچ اَور مُتعلِق اُن سي ايك سَو باره محال آمدني چَوالِيس كڑوڑ چهتِيس لاكه نَوي هزار دام

صُوبہٗ مالوا " دارُ السّلطنت اُسكا اُجّين راجا وَهان كا بير بِكرماجِيت اوصاف اُسكي قِياس سي باهر اَهلِ سلف اُنكو تحرِير كر گَئي هَين " بلكِه دفتر كي دفتر بهر گَئي هَين " واقِعي اِس دهن كا راجا هِندوستان مين پهِر نهين هُوا " اَور مُحتاجون كا كام كِسي ني اِس خُوبي سي نهين كِيا " سن اُسكي هِند مين آج تلك لِكهتي هَين ساته اِسكي شهرِ مذكُور كِي بهي وُسعت مين بهُت سا مبالغه كِيا هَي بلكِه كِتابون مين لِكها هَي درِياي سِپرا اُسكي تلي مَوج مار رَها هَي عجِيب تر يِه كِه كبهُو كبهو ايك آد مَوج دُودھ كِي بهِي اُس مين آجاتِي هَي " اَور ايك خلق ٹهِليان هانڈِيان بهرلاتِي هَي " كهتي هَين كِه يِه اچنبها

§ Otherwise written نُور گاوُن .

كي بازار مين بيشمار " صندل و اگر كي دكانون مين جدهر تدهر انبار " گرميون مين آندهيون كي شدت " اور برسات مين كيچڑ كي بهتايت " كهيتيان جوآر كي اكثر " اور دهان كي كمتر " ليكن چانول وهان كا نهايت اعلي اور خوش ذايقه پانون كي فراواني اور تركاريون كي ارزاني بيشتر رهتي هي كپڑا موٹا مهين اقسام كا بهم پهنچتا هي ليكن الايچه سريصاف سرون § وهان كا نهايت خوب هوتا هي آگي يهه ملك غريب خان حاكم كي نام پر تها جب شيخ ابو الفضل ني آسير كا قلعه ليا صوبهٔ مذكور اكبر بادشاه ني اپني دوسري بيٹي كو جس كا دانيال نام تها ديا اور نام اسكا دان ديس ركها زميندار اسكي اكثر بهيل كولي گوند * چانگ ديو ايك گاون هي اسيكي قريب تپتي اور پورنا باهم ملي هين هندو اس مقام كي پرستش كرتي هين اور چكر تيرته اسكو كهتي هين قصه مختصر درياو اس صوبي مين بهتيري هين ليكن اعلي ان مين تاپي اور وه گونڈواني و برار كي بيچ سي نكلي اور پورنا بهي وهين سي ليكن گرني اور تپتي ني چوپڑي كي متصل اتصال پايا اس مقام كو بهي هنود معبد جانكر دور دور سي پوجا كو آتي هين " اور اپني گمان مين بهرهٔ كامل

§ Or سهرون, but what sort of cloth is it?

قریب بعد اسکي یه ندي احمد نگر مین هو برار مین آئي " اور وهان سي سرکار تلنگانا کي طرف جا نکلي " جب مشتري برج اسد مین آتي هي دور دور سي سیکڑون هندو وهان آتي هین " اور ثواب جانکر نهاتي هین " یه میلا اکثر ملکون مین مشهور هي تابي و تپتي کو بهي صدق دل سي مانتي هین اور پرستشگاه جانتي هین لیکن پورنا دیول گانون کي متصل جاري هي پر ایک سرا اسکا باره کوس بالاتر تابي سي اور دوسرا نزدیک گانون مذکور کي القصه طول اس صوبي کا پتیالي سي بیراگڈه تلک دو سو کوس اور عرض بندر سي هنڈیا تلک ایک سو اسي شرق رو اسکي بیراگڈه غرب رو مکهراباد § شمال کي طرف هنڈیا جنوب کي طرف تلنگانا سرکارین دس متعلق ان سي دو سو محال آمدني ساٹه کروڑ بهتر لاکه ستر هزار دام

صوبهٔ خاندیس " دار الخلافت اسکا برهان پور تپتي کي کناري عرض و طول مین بهت بڑا " آبادي اسکي حد سي زیاده " باشندي وهان کي بیشتر صاحب هنر " اور اطراف مین باغات اکثر " میوي بهانت بهانت کي جهان تهان " پهول قسم قسم کي اپني اپني رت مین فراوان " اجناس قیمتي هر ملک

§ Perhaps *Nasīrābād* may be here intended.

بِدُونِ اہلِ قلعي کِي سازِش امرِ مُحال " * کہرلا سطحِ زمِين پر پتہر کا ايک گڈہ
هَي بُلندِي مين فلکِ فرسا " اور اُستواري مين پہاڑ سا " اندر اُسکي ايک
چہوٹِي سِي پہاڑِي هَي قرِيب اُسکي جاکر مِنت و زارِي کرتِي هَين " اَور
دُعائين مانگ مانگ ماتہي رگڑتِي هَين " چار کوس وَهان سي ايک کُوا هَي
جِس جاندار کِي هڈِي اُس مين گِرتِي هَي سنگ بن جاتِي هَي اَور ميل گڈہ
کي پاس جو ايک چشمہ هَي اُس مين تو کوئِي چيز گِري سنگ هِي بني *
بَيرا گڈہ مين هِيرِي کِي کہان " اَور کپڑا بہِي وَهان کا مُصَوَّرِ حَيرت افزاي جہان "
* اندرو و * نرمل مين کانِ فُولاد اَور ظُرُوفِ سنگين وَهان کي نادِرِ روزگار بَيل
بہِي وَهان کا نِهايَت خُوب سِواي اِسکي کرک ناتہہ مُرغ اَيسا کِہ جِسکِي هڈِي
تلک سِياہ " اَور اُسِي صُوبي کي مُتعلِّقات سي * پِشن گَيا ايک بڑِي پرستِش
گاہ هَي کُنڈہ اُسکا کوس بہر کي طُول و عرض مين چار طرف اُسکي اُونچي اُونچي
پہاڑ اَور بندر وَهان بيشُمار پانِي اُسکا کہارِي ليکن مايَہ صابُون و شوري کا اُس
سي حاصِل هوتا هَي بلکِہ آيِني کا بہِي " اگرچِہ اِس صُوبي مين دريا بَہُت هَين
ليکِن گَوتمِي کو سب پر ترجِيح جَيسي گنگا کو مہاديو سي علاقہ هَي اُسکو گَوتم
مُنِي سي عجِيب و غرِيب نقلين حِکايَتين اُسکِي بہِي لِکہِ گَيي هَين اَور آج
تلک پرستِش کرتِي هَين نِکاس اُسکا کوہِ ستہا سي اَور جوش مارنا ترنبک کي

لگا کرتا هي " ساتهه اِسکي غلّي کِي فِراوانِي اناج کِي اَرزانِي همیشه " کپڑا خُوش قُماش قِسم قِسم کا " جَوَاهِرِ گِران بها چوکها هر وَقت مَوجُود سِواي اِسکي تُحفه جات هر مُلک کي اَور نادِرات هر جزِیري کي جِس وَقت چاهو لو باشِندي بهِي وَهانکي خُوش لِباس و خُوش معاش و اهلِ دَولت و صاحِب ثروَت بیشتر " اَور خُوب رُو بهِي حُسن و ادا مین بي مانند یکسر " طُول صُوبي کا ڈیڑه سَو کوس کا اَور عرض سَو کوس آتهه سرکارین مُتعلِق اُن سي اِسي محالّ آمدنِي اکاون کڑوڑ باسٹهه لاکهه اِسي هزار دام

صُوبهٔ بِرار " ایک مُلک هَي دکهن کِي طرف کي دو پهاڑون مین ایک کا نام بِندا کاوِیل نرناله و میل گڈه اُسي پر هَین اَور دُوسري کا سبها § ماهُور و رام گڈه اُسکي اُوپر آب و هَوا وَهانکِي بد نهین اطراف مین اُسکي زِراعت کِي بهُتایت " اَور جنگلون مین هاتهِیون کِي کثرت " پر مُلکِ مذکور مین چَودهَرِي کو دیس مکهه قانُون گو کو دیس پانڈ مُقدم کو پٹیل پٹوارِي کو کُل کرنِي کهتي هَین * پنار ایک قلعه هَي نِهایت مُستحکِم و سنگین بُلند پُشتي پر اُسکِي تین طرف کو دو ندِیون ني اِحاطه کِیا هَي مفتُوح هونا اُسکا نِهایَت اِشکال " اَور لینا اُسکا

§ Perhaps the Seshāchal range, as the foregoing word *Bindā* seems to denote the Vindhya range.

سَو کوس سرکارین جلیسر کتک و غیره پندره اَور محالّ اُنکي تعلّقي کي دو سَو بتیس آمدني چالیس کروڑ اِکتالیس لاکھ پانچ هزار دام

صُوبهٔ مُبارک بُنیاد اَورنگ آباد " بعضِي تارِیخون سي معلُوم هوتا هَي کِه اگلي زماني مین اِس شهر کو دهارانگر کهتي تبي بعد اِسکي نام اِسکا دیوگیر هُوا جب سُلطان مُحمّد فخرُ آلدّین جونان دِهلِي کي بادشاه ني تمام دکهن چهین لیا نام اِسکا دَولت آباد رکها اَور قلعي کو دارُ آلسّلطنت بنایا بعد سُلطانِ مَوصُوف تمام دکهن دِلّي کي سلاطِین کي قبضي سي نِکل گیا جب تین سَو برس گذري شاهجهان ني قلعهٔ مذکُور پر پهر قبضه کیا اَور عالم گیر کو صُوبهٔ مسطُور کِي صُوبه داري عِنایَت کِي شاهزادي ني قریب اُسکي ایک شهر بساکر اَورنگ آباد نام رکها رنگ ڈهنگ اُسکِي آبادِي کا دیکهکر آنکهین حظ اُٹهاین " کُشادگي سي اُسکِي دِلِ بسته یک لخت کهل جاین " هَوا اُسکِي بادِ بهارِي کِي طرح خُوش آیند " عِمارات وَهانکي هر ایک صاحِب طبع کِي پسند " پانِي مین وَهانکي شرابِ انگُورِي کا اثر " هر فصل اُس مقام مین مانندِ ربِیع تازه و تر " شرُوعِ جَوزا سي سُنبُله کي آخِر تک مینه برسا کرتا هَي " اَور باغ و جنگل مین پهل بهِي هر ایک قِسم کا بکثرت خُوش ذایقه و خُوش رنگ

نِہایَت نازُک خُوشبو اَور کیوڑا تو جنگل جنگل پھولتا هَي پان بھِي اقسام کي
پَیدا هوتي هَین دهان کي کیهیت اکثر اَور خوراک وَهان کي لوگون کِي خُشکا
مچھلِي بَینگن بیشتر پر رات کو پکاتي هَین صُبح کو کھاتي هَین سِواي اِسکي خطّ
وِکتابت تاڑ کي پتّون پر فُولاد کي قلم کو مُٹھِي مین پکڑکر لِکھتي هَین کاغذ
سِیاهِي کا اِستعمال بَہُت کم اَور وَهان کي ایک گاؤن مین هِیجڑي بَہُت هوتي
هَین اِس لِیي وُه هِجڑا گاؤن کهلاتا هَي کپڑا بھِي اُس مُلک کا بُرا نہِین هوتا
اَور چلن اکثر کَوڑِیون کا " دکھن طرف دریاي شور کي کِناري شہرِ * پُرسوتم
پور هَي بُتخانه جگناتھ کا راجا اِندرسین ني وُهِین بُنیاد کِیا کُچھ اُوپر چار هزار
برس اُسي گُذري قرِیب اُسکي ایک اَور دیهرا هَي اُسکو آفتاب سي منسوب
کرتي هَین باره برس کا حاصِل اُس مُلک کا اُس مین لگا هَي دِیوارون کِي
اُچان ڈیڑھ سَو هاتھ اَور چَوڑان اُنِیس هاتھ اکثر جهان دِیده اُسکو دیکھ کر
مقامِ حَیرت مین آتي هَین بلکِه نقشِ دِیوار بن جاتي هَین * تِرِیا راج بھِي
وَهان سي نِہایَت قرِیب هَي مرد اُس نَوَاح کي رنڈِیون کا سا بناو کرتي هَین اَور
گہنا بھِي وَیسا هِي پہنتي هَین لیکن عَورتین فقط سترِ عَورت پر اِکتِفا کرتي هَین
اَور پوشِش بیشتر پتّونکِي وَهان رائِج هَي باهر کا کاروبار بھِي رنڈِي سي تعلُّق
رکھتا هَي اَور اَندر کا مرد سي " طُول اِس صُوبي کا ایک سَو بِیس کوس اَور عرض

صوبۂ بنگ نہایت وسیع و بمرتبہ آباد هَي بہترین دریا یہانکي دریاون مین گنگا اَور برمہاپتر " طول صوبي کا چاتگام سي تیلیا گڑهي تلک شرقًا و غربًا چار سَو کوس اَور عرض کوهستانِ شمالي سي تا سرکارِ مدارن دو سَو کوس مشرق کِي طرف اُسکي دریاي شور مغرب کِي سمت صوبۂ بہار اَور جانبِ جنوب و شمال کوهسار پر ریاض آلسلاطین مین یہہ هَي کہ دریاي شور جانبِ جنوب اَور کوهستان جانبِ مشرق و شمال اَور متعلق اُسي ست سٹھ سرکار تابع اُنکي ایک هزار ایک سَو نَو محال آمدني اگلي زماني مین چھیالیس کڑوڑ اُنتیس لاکھ دام لیکن صاحبِ ریاض آلسلاطین اٹھایس سرکار و ستاسي محال لکہتا هَي اَور آمدني موافق زمانۂ سابق کي پچاس کڑوڑ چوراسي لاکھ اُنسٹھ هزار تین سَو اُنیس دام جسکي ایک کڑوڑ اُنسٹھ لاکھ ایک هزار چار سَو بیاسي رُپَي سکي پندره آني کسري زیاد " سپاهِ دایمي تیبس هزار تین سَو تیس سوار اَور اکاسي هزار ڈیڑه سَو آٹھ پیادي توپین چار هزار دو سَو ناوین چار سَو

صوبۂ اُڑیسه " آگي اِس مین اُنتیس قلعي پختہ تہي دو تین اب بہي هَین اَور آب و هَوَا بهلي چنگي لیکن آٹھ مہیني برسات تین مہیني ٹھنڈ ایک مہیني گرمي پہول بہي اپني اپني رُت مین بہت هوتي هَین خصوصًا چنبیلي

راه سي نکلا مشهور هَي کِه حسب الحکم سلطانِ موصوف کي حکيمانِ والا دانش و دانايانِ عالي منش ني ونهين درياي شور پر ايک طلسم آدمي کي پنجي کي صورت بنايا هَي جب جهاز ادهر کو آني لگتا هَي وه اِشاري سي منع کرتا هي اَور درميانِ مشرق و جنوب ٭ شهرِ ارخنگ ايک بڑا ملک هَي بندرِ چاٹگام وَهان سي نهايت متصل هاتهيون کي وَهان کثرت بهت هَي يهان تک بهورا هاتهي بهي وَهان ميسّر آتا هَي ليکن گهوڑا نا ياب اونٹ گدها نپٹ مهنگا گائي بهينس نا پَيد پر ايک جانور مثل انکي برنگِ ابلق دوده ديتا هَي وَهانکي لوگون کا مذهب و ملت نرالا هندو مسلمان سي جدا سواي مان کي هر عورت کو جورو کر ليتي هَين چنانچه بهائي بهن سي احتراز نهين کرتا سواي اسکي يهه رسم هَي کِه سپاهيون کي رنڈيان دربار مين سردار کي مجري سلام کو حاضر هوتي هَين اَور خاوند انکي گهرون مين بيٹهي رهتي هَين طرفه يهه کِه زن و مرد وَهانکي کالي اَور کهوسي پر اپني پيشوا سردار کي خدمت و اطاعت خلوص دل سي کرتي هَين " اَور نهايت اس سي ڈرتي هَين " لقب اسکا والي هَي اَور قريبِ ارخنگ ٭ پيگو فوج اس ملک کي فقط هاتهي اَور پيادي حدون مين اسکي فلزات و جوهرات کي کهانين اِسي واسطي پيگو اَور ارخنگ کي باشندي اَور مگهه آپس مين عناد و فساد رکهتي هَين قصه کوتاه

جائي " پر لڑائي سي باز نه آئي " مر مِٹتي " حرِيف کي آگي سي نه
ہٹتي " هاتھِي بھِي اُدھر کي جنگل مين بيشتر خوش جمال و کلان " ہرن
باره سِنگي نِيل گاؤ مينڈھي فِراوان " اَور دريا کِي ريتل مين سونا پَيدا هوتا هَي
لیکِن کبھوتا چُنانچِه آٹھ رُپَي توله بِکتا هَي طُرفه تر يِهه کِه وَهان کا راجا ايک
بُلند مکان پر بَيٹھا رَهتا هَي زمِين پر پاؤن نہِين رکھتا احيانًا اگر رکھ دي راجائِي
اُسکي جاتِي رَهي عقِيده باطِل وَهان کي راجاؤن کا يِهه هَي کِه آبا و اجداد اُنکي
آسمان پر تھي کِسي وَقت سوني کِي سيڑھِي رکھ کر اُتري اَور پاؤن اپنا زمِين
پر نرکھا بِنابر اِسکي وَهان کي راجا کو سرگِي کہتي هَين سرگ لفظِ هِندي هَي
معني اُسکي آسمان قِصه کوتاه جب راجا اُس دِيار کا مرتا هَي بعضي بعضي
مرد رنڈِي اُسکي خواص و خِدمتِي زِنده معه قدري تجمل و اسباب بلکه لِباس
و طعام بھِي اُس کي ساتھ سردابي مين دفن کر ديتي هَين " اَور کِتني کِهي
کي چِراغ بھِي جلاکر اُس مقام مين دھر ديتي هَين " مُتصِل اُسي * تِبت
اَور تِبت سي قرِيب * ماچِين " شہرِ خان بالِغ دار الحُکومت اُس وِلايت کا
هَي درياي شوراِس سي چالِيس دِن کِي راه کہتي هَين کِه شہرِ مذکور سي سمندر
تلک ايک نہرِ کلان کھود کر دونو کِناري اُسکي سنگِين و پُخته بنائي هَين سِکندر
رُومِي اُنہِين کِي راه اُس وِلايت مين گيا اَور تمام مُلک کِي سَير کرکي دريا کِي

بنا لیوین نباتات بھی وہان کی عجیب و غریب ہین چنانچہ پھولون کی باس توڑنی کی بعد کئی مہینی تلک بدستور رہتی ہی اور آم کی درخت انگور کی مانند تاکون پر پھیلکر پھولتی پھلتی ہین اِس سی بھی نادر تر یہہ ہی کہ درخت اگر کاٹیی تو عرقِ شیرین ٹپکنی لگی یہان تک کہ پیاسون کی پیاس بجھا دیوی اور ریاض آلسلاطین سی یہہ معلوم ہوتا ہی کہ زمانۂ سابق مین وہان عمل کوچ بہار کی راجاؤن کا تہا لباس وہان کی زن و مرد کا فقط ایک لنگی اور لہجہ گفتگو کا کوچ بہار کی باشندون سی ملتا ہوا قریب اُسکی *

ولایتِ آشام ہی نہایت وسیع بیچ مین اُسکی دریاؤ برمہاپتر مغرب سی مشرق کی طرف بہتا ہی آب و ہوا اُس کی کناری کی متوطن و مسافر کی لیئی مساوی ہی لیکن اُسی دور کی متوطن سی تو موافق اور غیر کی حق مین سم برسات آٹھ مہینی کی اور چار مہینی جاڑی کی بھی مینہہ سی خالی نہین پھول اور پھل بھی ہندستان و بنگالی کی وہان بیشتر بہم پہنچتی ہین بلکہ سوای اُن کی بہتیری خاص اُس سرزمین مین پیدا ہوتی ہین دہان کی نہایت کثرت ” لون کی بمرتبہ قلت “ اور گیہون جو مسور مطلق نہین ہوتی اگرچہ زمین وہانکی قابل ہی جو کچھہ بوئین سو اُگی ” مرغ اُس سرزمین کا بڑا لڑاکا آپ سی چوگنی کی مقابل ہو اور یہان تک لڑی کہ مغز اُسکا پاش پاش ہو

انار بیج اُس مین تین اَور نام لتکن اِسي سرزمین سي تعلّق رکھتا هَي تانگن بھي ابلق پہاڑون سي لاکر ونہین بیچ جاتي هَین اَور لیني والي اُن سي اَور مُلکون مین نفعي اُٹھاتي هَین * سرکارِ بُنگلا سمُندر کي کِناري وَہان بھي ایک قلعه تہا چار طرف اُسکي درخت گُنجان بیشُمار تہي اَور جَوَار بہاٹہا بطَورِ کلکتي کي اُس مقام مین بھي آتا هَي لیکِن اکبر کي اُنتیسوین سالِ جُلُوسي مین پہر دِن رَهي ایک روز عجب ایک سَیل نمُود هُوئي تمام شہر ڈُوبا راجا وَہان کا ناو پر چڑہ کر بہاگا غرض پانچ ساعت جوش طُوفان کا رَها " اَور تموّج دریا کا نه گہٹتا " ساتھ اِسکي بجلي چمکا کِي بادل گرجا کِیي مینہ برسا کیا آخِر دو لاکھ جاندار حَیوان و اِنسان سي سَیلِ فنا مین غرق هُوئي اَور خُلاصةُ التَّوَارِیخ مین یِہ لِکھتا هَي کِه شُرُوعِ ماهِ هِلالِي سي چَودهوین تلک وَہان کي دریا سي مَوجین پہاڑ کِي برابرهر روز اُٹہتِي هَین اَور پندرهوین سي بتدرِیج گہٹتي هین لیکِن تارِیخِ بنگاله سي یِہ بات دریافت نہین هوتِي قریب اُسکي * کام رُوپ هَي اُسي کو کانورُو بھي کہتي هَین عَورتین وَہان کِي نِہایَت شکیل " فنِ جادُو گرِي مین بي عدِیل " دُور از عقل اُن کِي فُسُون سازِي و شعبده بازِي کِي نقلین کرتي هَین از آن جُمله یِہ هَي کِه جِس دانا کو چاهین ایک آن مین دِیوانه کر دیوین بلکِه جِس اِنسان کا اِراده کرین ایک پل مین حَیوان

اَور کافِر بھِي بي تَأَمُّل اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ ٱلْعالَمِينَ کہہ اُٹھي " سڑَک بھِي وَہان سي کلْکتّي تلک اَیسِي سِیدْھِي ہمْوار بنائِي کِہ کبھِي نام کو نَرہِي " ساتْھہ اِسْکي دورسْتہ درخْتِ سایَہ دار لگْوا کر رسْتہ گُلْذار کِیا " اَور چلْنِي والون کو سَو طرح کا آرام دِیا " (بَیت) ہمیشہ ہَي اُس پر ہَوَا باغ کِي " فضا اُسْکِي ہَیگِي فضا باغ کِي " * سرْکارِ سِلْہٹ آبادِي اُسْکِي پہاڑون مین ہَي گَینْڈِي کِي ڈھال وَہانْکِي مشْہُور فِي ٱلْواقِع نِہایَت خُوب و خُوش اُسْلُوب ہوتِي ہَي ہِنْدُوسْتان کي کِسِي مُلْک مین اَیسِي سِپر کہِین نہِین بنْتِي میْوي بھِي وَہان کي اکثر خُوش ذایِقہ چُنانْچِہ بِہتر سي بِہْتر اُن مین کَولا ہَي احْوال اُسْکا سابِق اِس سي لِکْھا گَیا سِوای اِسْکي چوب چِینِي بکثْرت بہم پہُنْچْتِي ہَي اَور اگر کي درخْت بھِي بَہُتایَت سي وَہان کي پہاڑون مین ہوتِي ہَین آخِرِ برسْات اُنْکو کات کر آب و ہَوَا مین ڈال دیتي ہَین بعْد چنْد روز جہان سي جِتْنا اگر اچّھا ہاتْھہ لگا اُسْکو رکْھہ چھوڑا اَور بُرِي کو پھینْک دِیا خواجہ سراوٗن کِي اِفْراط اُس دِیار مین فقط خُلاصَةُ ٱلتَّوارِیخ سي درْیافْت ہُوئِي اَور خِلاف اِسْکا بیشتر سُنا لیکِن رِیاضُ ٱلسَّلاطِین مین ہونا نہونا کُچْھہ ندیکْھا اِس لِئِي احْوال اُنْکا ترْک کِیا کُچْھہ نہ لِکْھا * سرْکارِ رنْگ پُور گھوڑا گھات " ریشم وَہان بکثْرت بہم پہُنْچْتا ہَي اَور ایک میْوہ ضخامت مین مِثْلِ چار مغْز اَور مزي مین مانندِ

سي بارہ کوس کي فاصِلي پر فرانسِيس کِي کوٹھِي اُسي مين هَي عمل دخل بهِي
وَهان همیشه اُنهین کا تها صاحِبانِ انگریز کُچهه مُداخلت نکرتي تهي لیکِن چند
سال سي عِناد و فساد جو باهم هُوا بِنابر اِسکي صاحِبانِ عالیشان نے اُس کو
چهین لِیا بِالفعل بهِي اِنهِین کي تحت مین هَي * چوچرہ § هُگلِي کي نزدِیک
دکهن کِي طرف ایک کوس کي تفاوُت سي همیشه ولندیز کي تحت و تصرُّف
مین تها کَئِي برس سي صاحِبانِ انگریز ني اُس پر بهِي قبضه کر لِیا سبب اِسکا
مُوافِق هونا اُنکا فرانسِیس سي * شیورام پُور بهِي دریاي مذکُور کي کِناري پر
ایک چهوٹِي سِي بستِي هَي کلکتي سي چهه کوس پر اُس پار اچانک کا اَور
اُسکا آمنا سامنا دریا بِیچ مین علاقه اِسکا دنامار سي صاحِبون کو کُچهه کام نهِین
کوٹهِي اُسي فِرقي کِي وَهان ابتلک قایِم هَي لیکِن اچانک کلکتي کي مُتعلِّقات
سي هَي چُنانچِه وَهان بهِي لارڈ ولزلِي بهادُر ني ایک عِمارتِ خُوش نُما " اَور باغِ
پُر فضا " بنایا هَي صحن اُسکا مانند رمني کي وسِیع " اَور هَوَا هر مَوسِم مین
مِثلِ هَوَاي رِبیع " وَحشِي اُس مین اکثر بي مِثال " اَور طایِرِ بهُتیري نادِر
جمال " دیکهکر اُنکو اِنسان نقشِ دِیوَار بن جائي " اَور خُدا کِي قُدرت
یاد آئي " مُشرِک بهِي بي اِختِیار فتبارَکَ اَللّهُ احسنُ اَلخالِقِینَ پڑهني لگي

§ Perhaps it should be written چِنچُرہ.

کو مُضِرّ پڑتا هَي پس حاکِم کا خُوش نِیَّت هونا عجب چیز هَي چُنانچه ایک پادشاه کِي نقل هَي بعضي اشخاص بهرام گور سي اِسکو منسُوب کرتي هَین کِه ایک دِن شِکار کهیلتا هُوا تنها پیاسا کِسي قصبي کِي نَوَاح مین جا نِکلا وَهان ایک باغچه تها لیکِن اَیسا جَیسا گاؤن گنوین مین هوتا هَي اَور ایک شخص دروازي پر اُسکي کهڑا یا بَیٹها تها اُن ني اُس سي پانِي مانگا وُه بولا کِه مِیان سَوار تُم گهوڑي سي اُتر بَیٹهو ٹُک دم لو جلد پانِي پِینا اچّها نهِین یه کهکر اندر گیا اَور دو انار بڑي بڑي توڑ لایا ایک کي داني نِکال کر جو پِیالي مین نِچوڑي مُلبَّب بهر گیا اَور کاسه بهِي سیر بهر کي اندازي سي کم نتها بادشاه ني پِیا اَور خُوب مزه اُٹهایا کیُونکه ساته کلاني کي وُه مِیٹها بهِي بَهُت تها بعد اِسکي پُوچها کِه سرکار مین تُم اِس باغ کا محصُول کیا دیتي هو اُسني نِهایَت کم بتلایا ونهِین خاطِرِ مُبارک مین آیا کِه کُچھ بڑهایا چاهِیي بعد ایک دم کي جو دُوسرا انار اُسي پِیالي مین نِچوڑا تو چوتهائي خالي رَها حضرت ني مالِک کِي طرف تعجُّب سي دیکها اُس ني کها مِیان سِپاهِي معلُوم هوتا هَي کِه اِس وقت حاکِم کِي نِیَّت ڈانوان ڈول هُوئي اَور اُسِي کِي نِیَّت سي رعیَّت کِي برکت هَي (بَیت) کِیا کر دِلا مَیکدي کِي بهِي سَیر " و لیکِن تُو رکھ اپني نِیَّت بخَیر * چندن نگر عُرف فراش ڈانگا چهوٹا سا ایک شهر هَي کلکتي

بهي وَهان آدْمِي " کبْهو هو نه هرگِز اُداس اُسْکا جِي " طِلِسْمات کا سا هَي
اُس مين سمان " پهِر اِنْسان چهوڙ اُسْکو جاوي کهان " اَور چار رَوِش کِي
وسط مين کرْنيل کِيت کا مقْبره هَي مُحَوَّطه اُسْکا هشْت پهلُو اَور اُسْکي گُنْبذ
مين آٹهه سُتُون درْوازي بهِي چار انْدر اُسْکي سنْگِ مرْمر کا ايک سُتُون تِين چار
هاتْهه لنْبا ليکِن نِهايَت خُوب ترْشا هُوا " اَور شِيشه سا چمکْتا " اُوپر اُسْکي
صاحِبِ قبْر کِي تصْوِير اَور پاس اُسْکي ايک عَورت کِي بهِي شبِيهِ دِلْپذِير "
جائي عِبرْت هَي کيُونْکه يِهه رُکْنِ حُکُومت ايک دِن يهان حُکُومت کر رَها تها
آج اِس سُتُون کي نِيچي گڑا هُوا هَي " اَور هر ايک عُضْوِ بدن خاک مين مِلا
هُوا " ايک روز اِس سُتُون کا بهِي حال دِگرْگُون هو جائيگا " اَور گُنْبذ کي بهِي
نقْشي مين تغَيُّر آيگا " (بَيت) عِمارت کِي تعْمِير سي هاتْهه اُٹْها " ٹک ايک
خانهٔ آخِرت کو بنا " يِهه هَي چنْدْروزه هميشه هَي وو " تو اِسْکي لِئي وَيسي
گهر کو نه کهو " قِصّه مُخْتصر يِهه باغ هميشه ڈهڈْها اَور هرا بهرا رَهْتا هَي سببِ
ظاهِرِي اِسْکا يِهه هَي کِه سِواي داروغه اَور کارْکُنون کي سَو باغْبان بهِي نوکر هين
اَور وي رات دِن درخْتون کِي غَور پرْداخْت کِيا کرْتي هين اَور درْيا بهِي نِهايَت
مُتصِل هَي ليکن حقِيقتًا مالِکون کِي نِيَّت کيُونْکِه سَو باغْبان اِسْکي ايک ضِلعي
کي درخْتون کو بهِي سِينْچه نهِين سکْتي اَور درْيا کا قُرْب بسا اَوقات مزارِع و باغ

دیکھي اُنھین جاٴي سرت اپني بھول " سني وہان کي طایرکي جس ني صدا " نه طالب ھوا راگ کي تان کا " پھولون پھلون کي بھي درخت ہزارھا " بلکه اکثر ایسي جنکا نام بھي کسي ني نہین سنا " اور بعضي ایسي که جنکو اکثر اشخاص ني نہین دیکھا " چنانچه لونگ جاٴي پھل دار چینی کباب چینی کافور کي درخت اس مین متعدد ہین بلکه جاٴي پھل کا درخت ایک آد پھلا ھوا بھي وہان دیکھني مین آیا ھي " اور اسکي پتي کو جامن کي پتي سي کچھ مشابهه پایا " لیکن جھمکا ایک پھول ھي که وه خاص انھین ملکون مین ھوتا ھي اسکي پتي سي تو مشابهت کلي ھي اور لونگ کا پتا بھي کچھ ویسا ھي پر دارچینی کا بیر کي پتي سي ملتا ھي اور کافور کا شفتالو کي پات سي " تالاب بھي اس مین بہت سي ہین اور نہرین بھي کتني ہین ناودانین انکي دریا سي متصل چنانچه جوار کي وقت جن دنون شدت ھوتي ھي پاني انھین کي راه سي تالابون مین آتا ھي " اور بھاٹھي کي وقت نکل جاتا ھي " مکان بھي اس مین تین چار ہین لیکن لب دریا ایک عمارت انگریزي نہایت دلچسپ پر مختصر " اور خوش اسلوب سراسر " ساخت اسکي بڑي بڑي عمارات سي فایق " ساتھ اسکي ہر موسم کي لایق " ہوا اسکي ہر مزاج کو راس آوي " ساکن اسکا بسا اوقات حظ اٹھاوي " (ابیات) نه گھبراٴي تنہا

سیر سُرت بهلاتي هَي " (ابْیات) حِصار اِس طرح کا زمین پر کہین " کوئي دُوسْرا
همْني دیکْها نہین " عجب کیا جو معْمارِ قُدْرت اُسي " کہي هَي یهي هَي ایکْ
حِصْنِ حصِین " اَور قلْعي کي بیچهم دریا کي پار لیکن کِناري پر بعْد ایکْ باغ
کي قدْري فاصِلي سي صاحِبانِ کمْپني دامَ ظِلُّهُم کا باغ سراپا بہار هَي لیکن بي
مُحَوَّطي پر بہُت بڑا اَور کُشاده کِه عقْل کي اِحاطي مین آ نہین سکْتا " پهر
مُحَوَّطه اِسْکي گِرْد کوئي کیُونْکر بناوي " اَور فضا اِسْکي حدّ سي زِیادہ کِه طایِرِ
وَهَم اُسْکي باهر جا نہین سکْتا " پهر بشر اُسْکي اُودْهر کیُونْکر جاوي " سچ تو یہ
هَي جَیسي اِسْکي مالِکْ رِیاست و حُکُومت مین حکّامِ زمان سي برْتر هَین "
وَیسي هِي یِه لطافت و کَیفِیَّت مین باغْهاي جهان سي " جِس طرح اُنْکي
حشْمت کو زماني مین ترقّي هَي اُسي طرح اِسْکي درخْتون کِي کثْرت کو " في
اَلْواقِع کِه اِسْکا هر ایکْ چمن گُلْذار کي برابر " اَور نقْشه باغِ اِرم کي نقْشي
سي کہین بہْتر " زمین اُسْکي سراسر صاف و همْوار " اَور رَوشین لال لال اُس
مین بخُوبي نمُودار " سبْز زارون کي گِرْد انْواع و اقْسام کي سَیکْڑون اشْجار "
اَور پتّي اُنْکي سبز زمُرّد وار (ابْیات) هر ایکْ خار اِس باغ کا مثْلِ گُل " گیاه
اِسْکي چمْنون کِي سُنْبل سِي کُل " شِگُفْته نهو اِس مین کِس طرح دِل " هوا
اِسْکي رهتي هَي نِت معْتدِل " هین رنْگت مین بہْتر جواهر سي پهول " جو

هَي كِه هر قَوم كِي مجلِس اَور خُوبرُوون كِي شان جُدي هَي " اَور هر گُروه كي گُلرُخون كِي آن بان جُدِي " (مِصرعه) هر گُلي را رنگ و بُوي دِيگر است " قِصه مختصر هر شب سحر تلك ناچ راگ كا سمان بندها رَهتا هَي اَور تماشائيون كا هجوم لگا رَهتا " پهر دسوين كو تيسري پهر سي شام تلك دريا پر بهِي ايك كَيفِيَّت اَور زن و مرد كِي كثرت رَهتِي هَي سِواي اِسكي اَور بهِي كَيي ميلي اپني اپني مَوسِم مين يهان هوتي هَين ليكِن نه اِس خُوبي و كَيفِيَّت كي ساته بِنابر اِسكي طَور اُنكا تحرِير نكيا " اَور اُنكي تفصِيل مين فايده مُعتد بِهِ نديكها " شهر سي اندك فاصِلي پر جنُوب كِي طرف فورت وِليَم قلعه هَي بِنا اُسكِي پلاسي كِي فتح كي بعد كرنيل كليو كي عهد مين هُوئي ليكن معلُوم يِه هوتا هَي كه گويا آج بنا هَي اَور ابهِي تَيار هوا معهذا اسباب و لَوَازِم جِتني كِه قلعي كو اَور اُسكي باشِندون كو در كارهون هميشه مُهيّا رَهتي هَين بلكِه دِن بدِن اِن اُمور كِي ترقِي و زِيادتِي هَي ساخت كا تو اُسكِي مذكُور كيا ساخت هِي جُدِي " عِمارت كِي طرز هِي نَيي " اِس بِلاد كي كِسِي قلعي سي نهين مِلتِي چار ديواري باهر سي تو پُشتي كِي مانند " اَور اندر سي نِهايَت بُلند " كُنجِ گاو اُسكي كَون پا سكي " اَور بچاو لگاو كِسكِي مجال جو بتا سكي " واقِعي ايك عالم كي لِيي حُكم طِلسم كا ركهتا هَي " دِيد اُسكِي حَيراني بڑهاتِي هَي " اَور

کي بهي دعوت کرتي هَين بلکه صاحبانِ عاليشان کي بهي غرض اکثر قوم
کي اشخاص اَور سردار مجلس مين جاتي هَين " اَور ايک حظّ اُٹهاتي
هَين " فرش رنگ برنگ کا هر مکان مين اَور شمياني کي تلي نِهايَت
پاکيزه و مصفا " شيشي کي جهاڑ فانوسين قنديلين مُتعدد روشن جابجا " پاندان
عطردانِ نُقرئي و طِلائي قرينون سي دهري هوئي " سيکڑون چنگيرون مين هار
پهول طُرّي بهري هوئي " بهانڈ بهگتيون اَور کنچنيون کي طائفي دس دس
بيس بيس " پوشاکين بهي اُنکي گلون مين نفيس نفيس " (ابيات) مُسلسل
کناري بنت کي چمک " کڑي اَور توڑي کي تِسپر جهنک " نظر چشم کي
کس طرح تاب لائي " کهان تک دِلِ عاشقان پس نجائي " سطحِ فرش کي
هر دو جانب انگريزيون پرتگيشون ارمنيون کي بيبيان اَور مستيسايَن پُر تکلف
لِباس پهني هُوئي کُرسيون پر جلوَه گر " حُسن کا بازار لگا هُوا اِدهر اُدهر "
(ابيات) جو يوسف بهي اُس بزمِ دِلکش مين آئي " تو دِل ايک نظاري پر
بيچ جائي " يِه هرمه کا چمکا هُوا رنگ هَي " کِه اِندر کي بهي اپچهرا دنگ
هَي " هر ايک اپني جوبن سي مغرور هَي " قِيامت هَي آفت هَي بس دور
هَي " جو آوي پري اِس شبستان مين " تو جاوي نه هرگز پرستان مين " پهر
اِنسانِ ناچيز کا ظرف کيا " حَواس اُسکي کيونکر رَهين يهان بجا " سچ تو يِه

خبطي دارد " اَور عشري كي دِن كوئي خاص طَور يهان نهين ديكها و اِلا لِكهني مين آتا اَور يهان كي هُنُود كِي بِهِي بعضِي بعضِي پُوجا كا طَور جُدا هَي چُنانچِه دُرگا پُوجا مين اَور كالِي كِي پُوجا مين اَور كاتِك پُوجا مين بِي اپني اپني گهرون مين بڑي بڑي رَوغنِي بُت هر ايك كِي شبِيهِ مُعَيَّن پر بنواكي رکهتي هَين اَور اُنكو روزِ معهُود بڑِي دهُوم دهام اَور باجي گاجي سي دريا مين ليجاكر ڈال ديتي هَين عَوامّ يهانكي اِسكو بهسان كهتي هَين غرض دُرگا پُوجا بهت دهوم اَور هُجُوم كي ساتهه هوتِي هَي " اَور اُسكي لَوَازِم مين يهانكِي خِلقت بهت رُپيا پَيسا اپنا كهوتي هَي " نام اِسكا نَوراتر اِبتدا اِسكِي كوآر سدي پرواسِي § اَور اِنتِها دسمِي كو ليكِن چهٹهه سي ستمِي اشتمِي نَومِي تك تهاپنا كركي پُوجتي هَين يعنِي ايك كوري گهڑي مين پانِي بهركر اُسكي آگي پرستِش مين مشغول هوتِي هَين اَور دسمِي كو بِسرجن كرتي هَين يعنِي دُرگا كو دريا مين ڈال ديتي هَين اَور ايّامِ مذكور مين خُصُوصًا چهٹهي سي دسوِين رات تلك اكثر هِندُو بنگالي اپني حَوصلي اَور مقدُور كي مُوافِق مجلِس عَيش كِي جماتي هَين " اگرچِه بيشتر اِن مين تهڑدلي هَين پر اِس كام مين بهت سا رُپيا اُٹهاتي هَين " چُنانچِه يهانكي اعِزّه مُتموِّل مُسلمانون

§ *purwāsī*, for پورن ماسِي *pūranmāsī*, the full moon.

تو مَین یہان بَیٹّھکر اپنی سِر پر چُولّہا رکّھہ کِہیر پکاوُنگا وُہ کِہیر پکاتا ہَی اور
جِسنی اپنِی مِنّت کی بر آنی پر قُفّل لگانی کا وَہان عہد کِیا تہا وُہ اپنی مُنہہ
مین قُفّل لگاتا ہَی ہرچند کِہ اُسکی دونون گال چِہد جاتی ہَین کیُونکِہ
اُسکی اِدّہر اُدّہر دو پٹریان لوہی کی ہوتی ہَین اَور بیچ مین ایک پتلا سا
سِیکّچہ شکّل اُسکی گہوڑی کی دَہانی سی کُچّہہ مِلتی ہَی غرض یہہ خرِ نا
مُشخص اُسکو اپنی مُنہہ مین لگاکر اِمام باڑی کی گُنبذ کی آس پاس پہِرتا ہَی
اگر تین پہیری مین قُفّل کہُلکر گِر پڑا تو اِسنی جانا کِہ میری نذر نہایَت قبول
ہُوئی اَور اگر ساتوین پہیری مین گِرا تو فِی آلجُملہ اور وُہ جو کِہیر سِر پر لگاتا
ہَی وُہ حالت اپنی اَیسی بناتا ہَی کِہ لوگ جانین اِسکو تہنڈ لگتی ہَی کُچّہہ
اوڑہ بہِی لیتا ہَی گو کِہ گرمی کی رُت ہووی غرض اُسکی حالت کذائی کو اَور
قُفل کی خُود بخُود گِر پڑنی کو چہوٹی اُمّت کرامت سمجّھتی ہَی " اَور
اِجابت کی علامت " طُرّفہ تر یہہ کِہ اُس جاہِل کا ساتّہہ اِسکی یہہ بہِی عقِیدہ
ہَی کِہ اگر کِسی اَور اِمام باڑی مین سِوای اِمام باڑۂ معہُود یہہ کام کرین
تو نہ کِہیر پکی اَور نہ قُفّل کہُلی احیانًا اگر کوئی عالِم اُس جاہل کو چاہی کِہ
اِس فِعّلِ نا شایِستہ سی باز رکّہی کیا مجال " بلکِہ جناب اِمام کی بہِی مانِع
ہونی سی ترّک اِسکا اُس سی امرِ مُحال " (مِصّرعہ) ہر کس بخَیالِ خویش

سا پیسا اُسکي تیاري مین اُٹھایا هي " لیکن ایسي اشخاص تعمیر کي سلیقي اور تعزیہ داري کي طریقي سي کیا واقف هین تا هم اگر ایمان کي ساتھ هي اور نیت بھي بخیر تو عقبیٰ مین کُچھ رستگاري هوگي " و الّا دونون جهان مین ذلت و خواري " اور محرّم کي ساتوین کو یهان کي باشندي جتني تعزیہ دار هین شدّي اور علم اُٹھاکر بیٹھک خاني تلک شیون کرتي هوئي لیجاتي هین " اور وهان سي اِسي هیئت سي پھر اپني گھر آتي هین " رستون مین خلایق کي کثرت سي رسته کم ملتا هي " اور شاني سي شانه چلني والون کا چھلتا هي " سپهري سي رات تلک یهي عالم اور هر ایک گلي کوچي مین ماتم رهتا هي اُسیکا نام یهان کي لوگون ني دو پهریا ماتم رکھا هي اور اُسي دن هر ایک چھوٹي بڑي امام باڑي مین یهان کي زن و مرد مرغ کا سالن اور روٹي یا پلاؤ پکا پکا لیجاتي هین " اور اُس پر فاتحه امام کي دلاتي هین " غرض مرغ اِس قدر ذبح هوتي هین که اُس دن اگر شهر مین ڈھونڈھي تو ایک پر بھي نپاوي " مگر اُنکي لهو کا ایک نالا هر گلي کوچي مین بهتا نظر آوي " سواي اِسکي یهان کي پواج و ارزال اُس روز امام باڑون مین جاتي هین " اور عجیب عجیب سوانگ لاتي هین " مثلاً جس شخص ني ایک امام باڑي مین عهد کیا تها که میري یهه مراد اگر اِس سال مین بر آیگي

کہ بیمار جہان نہین هوتا " لیکن بَوَاسیر کھُجْلي داد ضُعْف مِعْدہ پُورب مین بکْثرت هَي " اَور بچّھم مین بقِلّت " اور نکُوا سانْجر فیل پا گھینگا خاص اِسي سرْزمِین مین هوتا هَي وَهان مُطْلق نہین مگر کبْهي کہین کِسي کو بسبیلِ نُدْرت اَور ارْمنِي محلّي مین بڑي بازار و چِینِي بازار کي بیچ ارْمنِي گِرْجہ هَي بہُت اُونْچا کُشادہ " مشْہُور بهِي سب گِرْجون سي زِیادہ " تعْمیر اُسْکي آغا ناظِر ارْمنِیون کي سرْدار ني سن ایک هزار سات سَو چَوبِیس عِیسَوِي مین کِي اگرْچِہ اِس شہْر مین گِرْجي انْگرِیز و پرْتکیش و غَیرہ عِیسائِیون کي بہُت هَین پر شُہْرت اِسیکِي بیشْتر هَي " اَور گھڑِي بهِي اِسْکي نہایَت مُعْتبر " مسْجِدین بهِي یہان کثِیر هَین لیکن نہ قابِلِ تحْرِیر مگر رمضانِي درْزِي ني ایک مسْجِدِ پُخْتہ مُرَبّع نَو بُرج کِي سِنْهل هتّي مین بنائِي هَي واقِعِي تعْمِیر اُسْکِي اُسْکي حَوصِلي سي باهر هَي " اَور یہان کِي سب مسْجِدون سي بہْتر " اِمام باڑي بهِي علي هذا اَلْقِیاس بہُتیري کیُونْکہ کوئِي سرْکار و جمْعْدار خانْساماں ناظِر و غَیرہ نہوگا کہ جِسْني اپْنِي حَویلِي کي مُتّصِل نہ بنایا هو لیکن ایک چھوتا سا گُنْبذ دو تین هاتْھ کا اُونْچا اَور چبُوترہ بهِي اِسي قدْر لنْبا چَوڑا مگر بعْضي بعْضي چوبْدار جمْعْدار ني یا کِسِي صاحب کِي هِنْدُوسْتانِي بِي بِي ني مُحَوّطہ اَور مکانات کي ساتْھ بهِي بنایا هَي " اَور بہُت

تالابون کي لِئي مِثْلاً لال دِگّي چورنْگي و غَيره اَور سِواي اِس جَوّار بهاٹهي کي وسطِ ماه کِي تِين تارِيخون مين اَور آخرِ ماه کِي ايکْ بار دِن رات مين پاني بصُورتِ دِيْوار بُلنْد هوکر نِهايَت زور شور سي دْرياي شور کِي طرف سي آتا هَي " جهاز بهِي اُسْکي تلاطُم سي هِل جاتا هَي " پهِر ناو تو کيا چيز هَي اُس وَقْت اگر گہْري پاني مين هُوئي تو تو بچِي اَور جو کِناري سي مُتّصِل لگِي تهِي تو اُسْکي صدْمي سي خُشْکِي مين جا پڑِي اَور ٹُکْڑِي هو گئِي اِسِي واسْطي ملّاح اَيّامِ مذْکُور مين چهوٹي بڑِي ناوين بهارِي بهارِي لنْگر ڈال کر کِناري سي دُور رکْهْتي هَين بنْگْلا زبان مين اِس طرح کِي مَوج کا ناوْن هُمّا هَي ليکِن برْسات مين اِس قُوّت و شورِش سي نِهين آتا سببِ يَقِيني اِسْکا بشر بتْلا نِهين سکْتا " اَور لِم اِسْکي کوئي پا نِهين سکْتا " مگر حُکما کي نزْديکْ شُعاعِ شمْس هَي ليکِن اَيّامِ مُعَيَّنه اَور اَوْقاتِ مُتقرِّره مين پر بادْهاي مُخْتلِف کو بهِي اِس مين مُداخلت هَي اَور اُسْکي کمْتي زِيادتِي مين فُصُولِ اربْع کو فِي اَلْواقِع شُعاعِ آفْتاب مين حِدّت بمرْتبه هَي پهِر غَلَيَان بهِي اُس سِي اَيسا هِي کُچْه هوگا * آب و هَوَا بهِي يهانْکِي به نِسْبت زمانهٔ سابِق کي بِاَلْفعْل اچهِي هَي چنْدان بد نِهين خُصُوصًا جاڑي کِي رُت مين تو هميشه اِعْتِدال پر رهْتي هَي يُون درْد دکْهْ اِنْسان کو کهان نِهين هوتا " کَونْسا شهْر هَي

اور رقیق هوتا جاتا هَي پس مُوجِب زِیادتِي کا لطافت هوتِي هَي اَور اُسکو
مکانِ وسِیع چاهِیي ندان بعْضي اجْزاي آب بعْضي دِیگر کو تَمَوُّج سي تکْراب
هُوئي کِنارب سي اُدْهر کر دیتي هَین لیکِن یِه گهٹْنا بڑهْنا مُوافِقِ حرکتِ قمر هَي
غرض جِس وقْت چانْد آسْمان کي بِیچون بِیچ پہُنْچتا هَي جَوَار کامِل هوتي
هَي جهان وَهان سي زایِل هُوا بهاٹْهي کِي اِبْتِدا هُوئي یعْني پانِي کا غلَیَان
گهٹْني لگا آخِر حالتِ اصْلِي پر آ جاتا هَي جب ماه اُفُقِ غرْبِي پر پہُنْچتا هَي
پهِر جَوَار شُرُوع هوتِي هَي اَور بڑهْني لگْتِي جهان وَتِدُ الْاَرض پر آ چُکْتا هَي
کمال طُغْیانِي اُسْکِي هوتِي هَي جب وَهان سي سرکْتا هَي بهاٹْها شُرُوع هوتا هَي
رفْته رفْته پانِي پهِر اپْني طَور پر بَهْني لگْتا هَي جِس وقْت قمر پهِر اُفُقِ شرْقِي پر
پہُنْچا جوَار کا آغاز هُوا لیکِن اِسْکِي اَور اُسْکِي اِبْتِدای حقِیقِي هرگز محْسوس
نہِین هوتِي مگر عُرْفِي غرض هَیَجانِ بحْر مانِنْدِ هَیَجانِ اخْلاطِ بدنِ آدْمِي هَي
جَیسي اُسْکِي گهٹْني بڑهْني کِي عِلّت حُکما کي نزْدِیک قمر پڑْتا هَي وَیسي
هِي اُسْکِي بهِي غرض اُس ساعت پانِي یهان کي درْیا کا پِیني والي کي حق
مین سمّ هَي بلْکه آبِ تیغِ دودم خُدا نخواسْته جِسْني اُسْکو پیا " وُه بیچاره
کب جِیا " پس اکْل و شُرْب خلْق کا تالاب کي پانِي پرٹهہرا اِسِي واسْطي بہُت
تالاب کِي اِس مُلْک مین اکْثر هَي اَور ایک نام خاصّ بهِي بعْضي بعْضي

اَور صُنّاع صنْعت گرِي مين کامِل يہين بکثْرت مَوجُود هَين اَور اشْيا و تحايُف بِهِي انْواع و اقْسام کي علىٰ هذا آلْقِياس خرِيد فروخْت کا سررِشْته بخُوبِي جارِي " خُوش و خُرّم هر ايک بيپارِي " ليکن رنْگِين کپڑِي جلْد بد رنْگ هو جاتي هَين خُصُوصًا لال کا تو رنْگ رَهْتا هِي نہين اَور اشْياءُ قِوَامِي بِهِي مِثْلِ شرْبت و خمِيرہ و معْجُون شِتاب سڑ جاتِي هَين بلْکه خُشْک دَوائين بِهِي بيشْتر بِگڑ جاتِي هَين سبب اُسْکا هَوَا کِي شورِيَت و عُفُونت و رُطُوبت چُنانْچِه گهرون کِي زمِين هميشه نمْناک رَهْتِي هَي بلْکه دو دو تِين تِين گز دِيوارين بِهِي " نِيچِي کي مکان تو قابِل بُود و باش کي نہين اگر دو منْزله سِه منْزِله مکان نه بنائين " تو يہان کي باشِنْدي مُطْلقًا آرام نپائين " اَور پانِي بيشْتر تالاب کا پيتِي هَين يا مينْہ کا کُوئِي تمام يہان کي کهارِي " اَور آبِ جارِي درْيايِ شور کي قُرْب سي نِپٹ بهارِي " خُصُوصًا جوَار کي وَقْت مُراد اُس سي اُلْٹا بہْنا درْيا کا اَور بهاٹْها مُخالِف اُس کا بَيَان اِسْکا عجايُبُ آلْمخْلُوقات مين يُون لِکْها هَي کِه هر درْيا مين يِہ نہين هوتي مگر شور درْيا مين يا وي درْيا جو اُس سي مُتصِل هَين ساتْه اِسْکي اُنْکي عُمْق مين پتهر بِهِي نِہايت سخْت هوْوين پهِر جِس وَقْت ماہ مُحاذِي اُنْکي سطْح سي هوْوي اَور شُعاع اُسْکي اُن پتهرون پر پڑي پهِر وَهان سي پلْٹتي پانِي کهولْني لگْتا هَي

هر ایکٹ صاحِب گَوَرنر اُسْکِي تعْمِیر کِي افْزایِش پر مُتَوَجِه رَها " اَور لکْها رُپیا
اِس کام پر اُسْني سرکارِ دَولت مدار کا خرْچا " خُصُوصًا نَوّاب گَوَرنر جنرل لارْڈ
ولسْلِي مارْکوِیس بهادُر ني تو ات گت پَیسا اُٹْهایا " ساتْه اِسْکي شهْر کا اُسْلُوب
بهِي نِهایَت خُوب کر دِکْهایا " چُنانْچِه ایکٹ عِمارت اَیسِي عالیشان بنائِي " کِه
جِس سي شهْر کِي رَونق حدّ سي زِیاده بڑهائِي " تشْبِیه اُسْکِي کِس سي
دِیجِئي کِه جهان مین اُسْکا نظِیر نہِین " ثانِي اُسْکو کسْکا کہِیئي کِه کِسي عِمارت
کِي اَیسِي تعْمِیر نہِین " سچ تو یِهہ هَي کِه جَیسِي اُسْکي بنانِي والِي کِي اِمارت
مین آن بان جُدِي هَي " وَیسِي هِي اُس مکان کِي عِمارت کِي شان جُدِي
هَي " (قِطْعه) شفّافِي و صفائِي یهان تکٹ هَي جِس سي نِت " نُورِ صفاي
صُبْح کو رَهْتا هَي اِنْفِعال " نقش و نِگار اُس پِه هَین اَیسي کِه حُسْن کا " اُن
سي نِگار خانهٔ چِینِي کري سُوَال " اَور اِرْتِفاع یِهہ هَي اگر عُوجِ اَبْنُ عُوق " اُس
پر کري نِگاه تو پگْڑِي کو لي سنْبهال " جِس قدْر اُس مکان کِي تعْرِیف کِیجِئي
بجا هَي " اَور جِتْنا اِس شهْر کو سراهِیئي رَوَا هَي " واقِعي بِلادِ هِنْد مین اب
اَیسِي پُر عِمارت آبادِي کہِین نہِین " اَور تاجِرون سَوداگرون کِي کثْرت بهِي
اِتْنِي کہِین نہِین " صاحِبانِ کمْپنِي کِي مُدّت سي تِجارت گاه هَي " اَور
سرْدارانِ انْگرِیز کِي قدِیم عِشْرت گاه " بِالْفِعْل اکْثر صِنْف کِي اشْخاصِ مُتَمَوِّل

اِیدْھر کو آئي " تو اَپْني سَبھا مین کَبْھُو پِھر نجائي " اگر دیکْھي ٹُک اِس شبِسْتان کو " پرِي چھوڑ دیْوي پرِسْتان کو " بشر کو کہان پِھر نظاري کِي تاب " جِگر بَرْق کا یہان تو ھوتا ھَي آب " نکْھو اپْنا جِي مُفْت اَي بیخبر " سمجْھ کر ذرّا اِس جگہ دِید کر " ھر ایک محلّي مین عالِم طِلِسْمات " ھر کُوچي سي اَرْژنْگِ مانِي مات " گھر ھر بیپارِي کا ھر مُلْک کِي اجْناسِ مُتعدّد سي بھرا ھُوا " صرّافِي کِي ھر دُوکان مین رُپَي اشْرفِي کا توده لگا ھُوا " بازار مین ھر طرف چھل پھل " شِیشه آلات کِي دُوکان رشْکِ شِیش محلّ " (ابْیات) کھُلا بازار اَور رسْتي کُشاده " بیَاضِ جدْوَلِي ھو جَیسي ساده " دو رسْته اھْلِ حِرْفه اَور دُکان دار " لڑِي موتِي کِي ھو جَیسي نمُودار " اِدْھر کو جَوھرِي اُودْھر کو بزّاز " اِدْھر صرّاف اُودْھر کو طِلا ساز " رُپَي اَور اشْرفِي دیکْھي برسْتي " دھري تختي په جون نرْگِس کي دسْتي " کِنارِي اَور گوٹي اَور مُسلْسل " مِثالِ برْق کرْتي ھَین جھلاجْھل " جو کُچْھ چاھو تم اسْبابِ جھان سي " بھم وُہ جِنْس پہُنْچي ایک دُکان سي " فِي الْواقِع آبادِي اُسْکِي اکْثر آبادِیون سي دُونِي " اَور بسْتي اُسْکِي بَھُت سِي بسْتِیون سي بڑِي " کیُونْکه جَیسا بازار خُشْکِي مین دو رسْتا ھَي " وَیسا ھِي ناو جھاز کِي کثْرت سي پانِي مین بِھي ایک شھْر بسْتا ھَي " لیکِن سبب آبادِي کِي ترقِّي کا یِہ ھَي که

مین قحطِ عظیم تہا کرناٹک کي کوٹہي کي سردار ني بہت سا غلّه جہازون
پر لادکر لشکر مین پہنچایا اَور خدمتِ شایسته بجا لایا موردِ الطاف و عنایات
هُوا اَور اقصائي مطالب و مقاصد کو پہنچا جہان پناه اُس سي بلکه فرقهٔ
انگریز سي راضي هُوئي یهان تک که سند و فرمان محصول کي معافي کي اَور
کوٹہي کي تعمیر کي عنایت کیي تب مستر چانک پادشاهي احکام و فرمان
دکہن سي لیکر بنگالي کو پہر آیا اَور وکیل معه نذر و پیشکش ناظم کي پاس
بہیجي آخر سند مطابق کوٹہي کي بناني کي حاصل کرکي بنیاد ڈالي اَور شہر
کي آبادي پر متوجه هُوا تجارت کا بہي کار و بار بخوبي کرني لگا ابتلک بہي
وه کوٹہي قایم هي پرانا قلعه اُسیکو کہتي هین القصه شہرِ مسطور نہایت کلان
و معمور بہاگي رتي کي کناري نپٹ اسلوب کي ساتہ واقع هي آبادي اُسکي
دید کي لایق " عمارات اُسکي عماراتِ چین و صفاهان سي فایق " تعمیر کا
طور هي نیا " نقشا هر ایک مکان کا جُدا " حویلیان پخته گچ کي برابر
برابر " سڑکین ستہري هموار سراسر " فضا اُنکي رشکِ فضاي باغِ اِرم " اَور هوا
غیرتِ نسیمِ صُبحدم " سبزي پر اُنکي زمرد زهر کہائي " اَور سُرخي سي
مونگي کا جگر خون هو جائي " علاوه اِسکي مه جبینون کا ازدحام " حسن
کي گذري کي ایک دهوم صبح و شام " (ابیات) جو اندر بہي اُس وقت

باغ کو مول لیکر درخت اُسکي کاتي اَور کوتهي بناني شروع کي پر دو منزله سه منزله عمارتین بناني کا اراده کیا جب دیوارین اُٹهه چکین شهتیرون سي چهت پتني لگي وَهان کي شرفا نجبا خصوصاً مغلون ني که تاجرون مین عمده تهي میر ناصر فوجدار سي کها که جب نا محرم اَیسي بلند کوتهون پر چڑهینگي تو هماري ناموس کي بي ستري هوگي مطلق حرمت نرهیگي فوجدار ني اس مضمون کي عرضي نوّاب موصوف کو لکهه بهیجي اَور متعاقب اُسکي اُن سب کو روانه کیا پهنچتي هي حضور مین وي فریادي هوئي جعفر خان ني في الفور پروانه تعمیر کي مناهي کا نهایت تاکید سي لکهه بهیجا فوجدار ني پڑهتي هي اُسکو حکم کیا که کوئي راج مزدور بڑهي وَهان نجائي اَور عمارت ناقص پڑي رهي صاحب موصوف اس حرکت سي نهایت آزرده هوا بلکه اراده لڑني کا کیا لیکن سپاه قلیل تهي اَور جهاز بهي ایک علاوه اسکي مغلون کي کثرت فوجدار کي حمایت اس ارادي کو فاسد جان کر فسخ کیا اَور جهاز کا لنگر اٹها لیا آخر کناري کي بستي کو آتشي شیشي سي جلاتا هوا چل نکلا فوجدار ني هرچند اُسکي روکني کا تدارک کیا لیکن پیش رفت نهوا اَور جهاز سمندر مین جا پهنچا پهر وَهان سي دکهن کي طرف روانه هوا اُن دنون اَورنگ زیب وهین تها اَور غنیمون ني چار طرف سي رسد بند کي تهي لشکر بادشاهي

اپنی یہین ٹہہرائی لہذا شہر مذکور کی آبادی نہایت بڑہ گئی اگرچہ اکثر اقوام کی تاجر یہان تہی لیکن مغلون کا اعتبار بیشتر تہا اور اہل فرنگ کو قلعی اور برج کی بنیاد ڈالنی نہ دیتی مگر کوٹہیون کی تعمیر کا حکم تہا جب فوجدارون نی سختگیری اور زیادہ طلبی شروع کی شہر مذکور ویران ہو گیا اور صاحبان عالیشان کی رعایت و حمایت و آسانیٔ محصول سی کلکتہ زیادہ تر آباد کہ بالفعل دار الحکومت ہی * شہر کلکتہ زمانۂ سابق مین ایک گاون تہا وجہ تسمیہ اسکی یہہ ہی کہ کالی نام یہان ایک بت ہی اور بنگلا زبان مین کتا صاحب کو کہتی ہین اس سبب سی نام اسکا کالی کتا ٹہہرا پہر رفتہ رفتہ زبانون کی تغیرات سی یی بہی گر گئی کلکتہ رہ گیا لیکن آباد ہونا اسکا اور صاحبان عالیشان کی کوٹہیون کا بنا جس طرح ہوا بیان اسکا یہہ ہی کہ نواب جعفر خان کی نظامت تلک کمپنی بہادر کی کوٹہی ہگلی مین گہول گہاٹ سی متصل مغل پری کی قریب تہی ایک دن یکایک زوال کی وقت زمین وہان کی دہسنی لگی اس وقت صاحبان انگریز کہانا نوش کر رہی تہی باری سردار تو گرتی پڑتی نہایت جد و کد سی نکلی لیکن مال و اسباب تمام و کمال معہ اکثر ذی روح اس مکان کی ساتہ پانی مین غرق ہوا بلکہ بعضی انسان بہی تلف ہو گئی پہر مستر چانک نی بنارسی

باندہ خدا نخواستہ برسات مین ٹوٹتي تو سارا شہر ہي ڈوبي چُنانچہ سنِ بارہ سَي سولہ کي اخِیر مین طُغیاني آب سي بھگوان گولي کِي طرف کا پُشتہ جو ٹُوٹ گیا محلّي کي محلّي غرق ہو گَئي یہان تک کہ نَوّاب مُظفّر جنگ مرحُوم کي نَوساخت مین پاني گھٹنون سي کُچھ اُوپر تھا بلکہ اَور عِمارتون مین بھِي علىٰ ہذا آلقِیاس کہتي ہَین کہ اَیسي پاني کِي طُغیاني ایک مرتبي نَوّاب مہابت جنگ کي عہد مین بھِي ہُوئي تھِي حافظِ حقیقِي اب اِس آبادِي کو محفُوظ رکھي اَور پُشتون کو پہاڑون کا سا اِستقلال بخشي * بندرِ ہُگلي اَور سات گام آدہ کوس کا بادم فاصِلہ رکھتي ہَین ساتگام کِي شہریَت اَور آبادِي بہت بڑِي اَور پُر عِمارت تھِي حاکِم وہِین رہتا تھا جب یِہہ مقام دریاؤن کِي طُغیانِي سي اُجڑا ہُگلي کِي آبادِي ني کمال رَونق پکڑِي فَوجدار یہان کا علاقہ حُضُورِ اعلىٰ سي رکھتا تھا بنگالي کي ناظِمون کا چندان مُحتاج نہ تھا جعفر خان ني فَوجدارِي بندرِ مذکُور کِي بادشاہ سي درخواست کرکي نِظامت مین لگا لِي اَور ہر مُلک کي سَوداگرون تاجِرون سي مُراعات شُرُوع کِي محصُولِ واجِبي سي ایک دام زِیادہ نہ لیتا بلکِہ کُچھ اُس مین سي بھِي چھوڑ دیتا پھِر تو فرنگ و چِین و اِیران و تُوران و عرب و عجم سي اکثر تجارت پیشون کِي آمد و شُد ہونِي لگِي بلکِہ بہتیري مالکِ جہاز ني بُود و باش بھِي

اُسیکو ٹہہرایا چُنانچہ ابتلک بہِي سن بارہ سَي بیس ہجرِي ہَین اَور رِیاست صاحبانِ کمپني دامَ ظِلُہم کِي بُود و باش ناظِم کِي اُسِي مین ہَي طُول اُسکا چار کوس سي کُچہہ زِیادہ چیولِي بُوٹي دار اَور ساڑِي یہان کِي مشہُور باغات و عِمارات بہِي فِي آلجُملہ لیکن نہ قابِلِ تحرِیرالاموتِ جہیل وگورِي بنگلي کِي سو وُہ خراب و مسمار ہوگئِین زبانون پر فقط نام رہ گیا ہان ایک نَوّاب سِراجُ آلدَّولہ کا خُلاصۂ عِمارات اِمام باڑا اب تلک قایِم ہَي ہیئت وَضع اُسکِي بیَان سي بي نیاز سچ ہَي کِہ اِس ساخت کا اِمام باڑا بِلادِ ہِند مین کہِین نہِین ہرچند کِہ تیّارِي اُسکِي اب عُشرِ عشِیر سي کم ہَي لیکن نمُونۂ گُلزار یادگارِ گُلزار (قِطعہ) لطافت اَور صفائِي کِي کیا کرُون تقرِیر "عِمارت اُسکِي تو رکہتِي ہَي حُکم شِیشي کا" جو روشنِي کا سمان چار چند ہو اُس مین "عجب نجان تُو اِس بات کا اچنبّہا کیا" زبان بہِي اُس شہر کِي لوگون کِي بہ نِسبت یہان کِي اَور بِلاد کِي باشِندون کِي دُرُست وَجہ اِسکِي ہم صُحبت ہونا اکثر اَوقات ہِندُوستان زاوُن سي کیُونکِہ بعد شاہجہان آباد کِي برہمِي کِي قبل از حُکُومتِ صاحِبانِ عالیشان بیشتر وي اُسِي شہر مین وارِد ہُوئِي تہي بلکِہ سُکُونت بہِي اِختیار کِي تہِي شہرِ مذکُور البتّہ لُطف سي خالِي نہِین لیکن دریا سي نشیب مین واقِع ہَي اگر پُشتہ دریا کا یا اکبر پُور کِي جہیل کا

مسجدِ طلائي کي کُچھہ آثار نظر آتي هَين (بَيت) هزارون هِين تبي جِس جگہہ بوستان " وَهان اب نہين ايک گُل کا نِشان " جہان مسندين بادشاهون کِي تبِين " وَهان ايک گدا کا بچھونا نہين " مشرِق طرف شہر کي چہتہہ بہتہہ ايک جہيل هَي باندہ اُسکا اب تلک قايم ليکن جب کِہ آبادي کِي بُنياد مستحکِم تبِي برسات مين پاني کا گُذار شہر مين مُطلق نہوتا تہا اب يک سر سطحِ آب هو جاتا هَي بلکِہ کِشتِي بہِي بآساني آتي جاتِي هَي اَور قلعي سي ايک کوس کي فاصِلي پر ايک قدِيم عِمارت تہِي اُس مين ايک حَوض بہِي نِهايَت مُتعفِن نام اُسکا پِياز باڑِي تہا جو کوئي پانِي اُسکا پِيتا اقسام کِي بِيمارِيون مين گِرفتار هوکر مر جاتا کہتي هَين کِہ اکبر کي عہد سي پہلي گُنہگارون کو وَهان قَيد کرتي تبي کِہ اُسکا پانِي پِيکر جلد هلاک هو جائين سُلطانِ ممدوح اِس امر کا مانِع هُوا اَور اِس دستور کو اُٹّہا دِيا * مُرشِدآباد ايک بڑا شہر بہاگِي رتِي کي کِناري اَورنگ زيب کي وَقت بسا ليکِن درِيا کي دونو کِنارون پر پہلي اُس جگہہ مخصُوص خان سَوداگر ني ايک سراي بناکر مخصُوص آباد نام رکہا تہا کِتنِي دُوکانين اُس مين تہِين جب جعفر خان نصِيرِي کو اصالتًا صُوبہ دارِي بنگالي اور اڑيسي کِي مُحمّد عالمگير ني عِنايَت کِي اَور مُرشِد قُليخان خِطاب دِيا تب اُسني وُنہين شہر آباد کِيا اَور مُرشِد آباد نام رکہا بلکِہ دارُ الحُکُومت

لِئي مُلک بمُلک لیجایا کرتی تہی " چُنانچِه طَورِ ثانِي تو بدستور جارِي هَي لیکن
اَوّل مین بسببِ اِنقلابِ زمانه بمراتِب خلل پڑ گیا اَور چیری خانه جو
یہان کي ناظِم حُضورِ اعلیٰ مین اِرسال سال بسال کِیا کرتي تہي وُہ محمّد شاہ
کي بعد یکسر مَوقُوف کر دِیا بلکہِ اپنِي پگڑیان پہیر رکہین اَور ہِي سودا
سِرون مین سمایا " آداب کا طریقه ایک لخت بہلایا " شرابِ نخوت و
رعُونت مین سرشار هُوئي " اَور آداب کي طرِیقي سي یک لخت دست
بردار" لیکن خُمار اُسکا خُوب هِي کهینچا " سو طرح کا صدمه جان و دِل کو
پہنچا " * لکہنوتي قدیم شہر هَي آباد کرنی والا اُس کا شنگل دیپ احوال
اُسکا یُون کر هَي کِه بنگالي کِي سرحدّ مین کُوچ ایک بستِي هَي اُس شخص
نی اُسکِي نَوَاح سي خُرُوج کِیا آخِر صُوبهٔ بِہار و بنگ کو لي لِیا پِہر اِس شہر
کو بسایا اَور اپنِي تخت گاہ ٹہہرایا چُنانچِه دو ہزار برس تلک شہرِ مذکُور دار
الحکُومت صُوبهٔ بنگ کا رَہا بعد اُسکي تانڈا هُوا پِہر جہانگیر نگر بعد اُسکي
مُرشِد آباد بلکه ابتلک بہِي صُوبهٔ مسطور کي ناظِم کِي بود و باش اِسي مین
هَي قِصّه کوتاه جِس وَقت هُمایون بادشاه لکہنوتي مین رونق افزا هُوا اُسکِي آب
وهَوا کو جو اچّہا دیکہا جنّت آباد نام رکہا اب وُہ مُلک اَیسا اُجڑا هَي کِه ہزارون
درِندي گزِندي وَهان اپنِي گہر بناتي هَین فقط قلعي کي دروازي کا نِشان اَور

مُلکون سي آتا هَي پهل سِواي اَنگُور و خرْبوزه انْواع و اقْسام کي يهان هوتي هَين خُصُوصًا آم انناس کيلا کِه هر ايک اِس خُوبِي کي ساتهه اَور بِلادِ هِنْد مين نہين هوتا ليکِن خاص اِس نَوَاح کي ميوون مين ايک گُلاب جامن هَي اگرْچِه ميٹهِي تو خُوب نہِين هوتِي پر اُسْکي هضْم هوني تلک جب ڈکار آتِي هَي گُلاب کِي باس آتِي هَي پهُول بهِي سبهِي طرح کي هوتي هَين پر کيوڑا کثْرت سي اَور مادْهولتا بلْکِه يهه قِسْم خُصُوصِيَت اِس مُلْک سي رکْهتِي هَي اَور بعْضي مقامون مين سونٹهه سِياه مِرْچ بهِي پَيدا هوتِي هَي اَور پان تو اقْسام کي بَافرْاط ريشْم بهِي نِپٹ بَهُتايَت سي بلْکِه کپْڑا بهِي ريشْمِي قِسْم قِسْم کا يهان خُوب بنْا جاتا هَي کِه وَيسا اَور کہِين کم ديکهْني مين آتا هَي سچ تو يِهه هَي کِه کپْڑا سُفَيد بهِي اقْسام کا خوَاه مہِين هو خوَاه گزْهواڑ اِس ممْلکت کي بعْضي شهْرون مين اَيسا خُوش قُماش تيّار هوتا هَي کِه ديکهْني والا اُس سي کَيفِيَّت آبِ روَان کِي اُٹهاتا هَي اَور پهنْني والي کا تن سُکْه پاتا هَي فِي ٱلوَاقِع اُسْکي بافْت کِي صنْعتين اَور ساخْت کِي کَيفِيّتين کِسي اَور دِيار کي بافِنْدي بارِيک بِين بهِي پا نسکين هرْچنْد ايک عمْر اُدهيڑ بن مين رهين بُنّي کا تو کيا ذِکْر اِس واسْطي يهان کي سرْدار اپْني هم سرون کي لِيي بطرِيقِ سَوغات بسا اَوْقات کپْڑا اجْناس اِس قِسْم کِي بهِجْوايا کرْتي تهي " اَور سَوداگر اکْثر اپْني نفْعي کي

روزگار پیشه اهلِ خدم جامه نِیمه بہي پہنتي هَین پر اپني گہرون مین بیشتر
اِسي طَور پر گذران کرتي هین لیکن خُلاصةُ ٱلتَّوارِیخ والا جو لِکہتا هَي کِه زن و مرد
کپڑي نہین پہنتي ننگي رَہتي هین اُسکي مُراد نِبي یِہي هَي یعنِي جِس پر
لفظ پہنني کا صادِق آئي وَیسي پوشِش اِنکي نہین اَور یِہه جو تصرِیح کرتا هَي
کِه کار و بار باهر کا بہي خاص عَورات سي مُتعلِق هَي خُصُوصِیَت اِس امر
کِي بِٱلفِعل تو ثابِت نہین اُس عصر مین شایَد هو پر لِباس اکثر عَورات کا
بہي اَیسا هِي کُچہه هَي کیُونکِه ایک هِي کپڑي پر بہي بہي اِکتِفا کرتي هین نام
اُسکا ساڑي هَي اِس طَور سي کِه ایک ادہواڑ اُسکي ناف سي لي پِنڈلِیون
تلک لپیٹتین هَین اَور دُوسري سي پِیٹہه گردن اگلا دهڑ سِر بسا اَوقات کہلا
رکہتي هین بلکِه پانْوں بہي ننگي پاپوش نہین پہنتین اَور سفر یہان بیشتر ناو
پر خُصوصًا برسات مین کیُونکِه کِشتیان اِس مُلک مین اقسام کِي بہتایَت سي
گہاٹون پر چہوٹي بڑي مُہیّا رَہتي هین جِس وقت مُسافِر چاهي سَوار هو
بَیٹہي اَور جِس شہر کو چاهي بآرام چلا جاوي اَور گرمي جاڑي کي مَوسِم مین
رتہین گاڑیان چوپالي بلکِه پالکِي تلک بہم پہُنچتي هَي جِس پر چاهي اُس
پر سَوار هو لیکن اچّہا گہوڑا هاتہه نہین لگتا مگر بڑي مول کو پر هاتہي بکثرت
هوتي هین اَور موتي جَواهِر عقِیق یشم مُطلَقًا اِس سرزمین مین نہین مگر اَور

اِسْکي آگي گِرْد اَور يہہ اُس سي سرْد سِيتل پاتِي اُسْکو بجا کہتي هَين واقِعِي
کہ اِسم با مُسمّيٰ هَي " خوراکِ خاص يہان کي لوگون کِي مچّھلِي خُشْکا کڑوا
تيل دَهي لال مِرچ ترْکارِي ساگ بلْکہ مچّھلِي حضْرتِ يُونس کي وَقْت کِي
بهِي اگر پائين تو کہا جائين اَور ترْکارِي کِي ناوٗن کوئي پتّا هاتْہ چڑْهي مُمْکِن
نہِين کہ اُسي هاتْہ اُٹْہائين لون بهِي زِيادہ کہاتي هَين ليکِن اِس مُلْک کي
بعْضي بعْضي مقام مين کم بہم پہُنْچتا هَي پر روٹِي گيہُون جَو چني کِي اگر
کَبهِي هِي خُوب هو نہين کہاتي بکْرِي کا گوشْت مُرْغ گہِي اِنْکي مِزاج سي
مُوَافِق نہِين بلکِہ رِياض السّلاطِين کا مُصنِّف لِکْہتا هَي کہ اِن غِذاوٗن کو اکْثر
مِعْدہ اِنْکا قبُول نہين کرْتا احْياناً جو کہا جائين تو اِسْتِفْراغ کر دين پر اپْني ديکْہني
مين نہين آيا اَور کِسي ٹہیٹْہ بنْگالِي سي صُحْبت بهِي نہين رَهِي شايَد اُنْکِي
يہہ عادت هو تو هو هر کِسِي کِي تو نہين اَور پہناوا عَوَامُ النّاس کا خواہ وُہ
مالْدار هو خواہ مُفْلِس مُوَافِق ستْر کي کيُونْکہ مرْد ايک سُفَيد کپْڑا جِسْکو دهوتِي
کہْتي هَين ناف کي نِيچي سي باندْهتي هَين زانُو تلک اُسي ڈهکْتا هَي اَور دو
تِين پيچ کِي ايک لپِٹِي سِر کي گِرْد لپيٹ ليتي هَين چنْد يا سارِي کهُلِي رهْتِي
هَي مگر جو اهْلِ هِنْد يا کِسِي اَور مُلْک کي باشِنْدي يہان آکر بسي اَور دو دو
تِين تِين پُشْتين اُنْکي گذر گَئين يا جِنْکو هِنْدُوسْتانِيون سي اکْثر صُحْبت رَهِي يا

اگر ایک ایک دانه هر قِسْم سي لیوین تو ایک تهِلیا بهر جائي لُطْف یِه هَي کِه ایک کهیت مین تِین تِین بار پَیدا هوتي هَین جِس قدْر پاني بڑهي زیاده پهکي بال اُسکي پاني مین نه ڈوبي کهیت والون ني جو کبهو اُسکو ماپا تو پچاس پچپن هاته سي کُچهه اُوپر پایا اَور رَعیّت یهان کِي حاکِم سي سرکشي نهین کرتي زرِ واجِبي ایک برس کا آٹهه مهینی مین بطَورِ اقساط کچهري مین آپ پهُنچا دیتي هَي گهر اِس بِلاد مین بیشتر چهپّر کي اگرچِه کِتني دِلدار مضبُوط خُوش اُسلُوب دیر پا هوتي هَین بلکِه بعضي بعضي بنگلون مین تو پانچ پانچ چار چار هزار رُپَي لگ جاتي هَین پر دِیوارون کِي جاگهه ٹٹیان کیونکه کچي دِیوار یهان کِي نهین ٹههرتي مگر خِشتي سو غریبون کو کهان مُیَسّر بلکِه اکثر صاحِب مقدُور بهي بسبب خِسّت کي نهین بناتي اَور باس اُن اشخاص کي اکثر گلي تهوڑي سي بِرنجي بستیان بهي بیشتر یهان کِي درختون مین هوتي هَین یعني اَیسي جگهه گهر بناتي هَین کِه اِدهر اُدهر اُسکي درخت هون خُدا نخواسته اگر ایک گهر کو آگ لگي تو گانون کا گانون پهک جاتا هَي پهِر اپني اپني گهرون کي نشان کِسیکو معلُوم نهین هوتي مگر اُن درختون کي آثار سي " بوریا بهي اِس نَوَاح مین بعضا بعضا مُلایَمت مین ریشم کي برابر اَور صفائي مین محمُودي کِي چاندني سي کهین بِهتر بلکِه گرمیون مین فرش اُسکا

چوڑي پُشتي بناکر مکانون کي بُنياد اُنکي اندر ڈالتي تهي اَور کهيتيان بهي اُسي طَور پر کرتي تهي بِنابر اِسکي يهانکي عَوَام ني اِس مُلک کا نام بنگالا رکهه ديا گرمي اِس دِيار مين چاليس پچاس برس سابق اِعتِدال سي قرِيب تهي اَور جاڑا نِهايَت کم برسات جيٹهه سي شُروع هوتي تهي اَور چهه مهيني رَهتي ليکن بِالفِعل بعضي مُلکون مين گرمي اُس سي کهين زِياده چُنانچه سالِ گُذشته مين تو اَيسي بڑي تهي کِه ايک عالم ني اذِيَّت کهينچي بلکِه اکثر حَيوان اِنسان حرارت سي تلف هُوئي جاڑا بهي اِتنا پڑتا هَي کِه سير بهر رُوئي کا بالا پوش اِنسان رات کو اوڑه سوئي ليکن ٹهٹهر نهين هوتي بلکِه پهر دِن چڑهي سي ليکر دو تِين گهڑي دِن رَهي تلک رضائي کي حاجت نهين اَور دو پهر سي سپهرِي تک ايک دُپٹا کافِي هَي ليکن اِس مَوسِم مين کُوهرا اکثر پهوهار کي مانند پڑتا هَي بلکِه کبهي کبهي تو آسمان دهُوَان دهار هو جاتا هَي سُورج پهر ڈيڑه پهر دِن چڑهي تک نظر نهين آتا اَور برسات پانچ مهيني کي بلکِه کُچهه کم شُروع اُسکا آدهي جيٹهه سي اَور آخر کاتِک کا اَوّل معهذا اگر جيٹهه کي اِبتدا مين يا کاتِک کي اِنتِها مين کِسي برس مينهه برسين تو کُچهه مُضايَقه نهين کيُونکِه کبهي کبهي غير مَوسِم کيا بچهم کي مُلکون مين نهين برستي دهان اِس مُلک مين بيشتر هوتا هَي اقسام اُسکي بَهُت هَين

كوس كي عرضي تلك قصبهٔ مذکور کي نواح سي نکلتا هي هندو اُسکو بهي
ايک مظهر الهي سمجهکر پرستش کرتي هين بلکه برهمنون کا عقيده يه هي
جو بت که ٹوٹ جائي قابل پوجني كي نهين مگر يه پتهر قصه کوتاه طول
اس صوبي کا تيليا گڈهي سي ليکر رهتاس تلک ايک سو بيس کوس اور
عرض ترهت سي کوه شمالي تلک ايک سو دس کوس شرق رو اسکي
بنگاله غرب رخ اله آباد جانب شمال اوده جنوب کي طرف ايک بڑا پهاڑ
حاجي پور منگير چنپارن سارن ترهت پٹنه بهار رهتاس آٹه سرکارين متعلق
اُن سي دو سو چاليس محال آمدني اٹهتيس کروڑ سات لاکه تيس هزار دام

صوبهٔ بنگالا " جهانگير نگر عرف ڈهاکه ايک بڑا شهر آبادي و خوش سوادي
مين بمراتب بهتر هر ملک کي اشيا اُس مين هر وقت مهيا " هر قوم و
اقليم کي لوگ اُس مين هزارها " اصل نام اُسکا بنگ تها لفظ آل که اُس
سي ملا وجه اُسکي يه هي که بنگلا زبان مين آل بڑي پشتي کو کهتي هين
اور اُسي باغ و زراعت وغيره کي گرد پاني کي محافظت کي ليي بناتي هين
چنانچه اگلي زماني مين اِس ملک کي زمينددار دامن کوه مين که زمين
وهانکي نيچي هوتي هي دس دس هاته کي اونچي اور آٹه آٹه هاته کي

خُلاصةُ آلتَّوَارِیخ کي مُؤَلِّف ني لِکّھا هَي کِه جِس مقام مين گنّڈک گنّگا سي مِلي هَي جو کوئي وَهانّکا پاني پِيي اُسّکي گلي مين گهينگا نِکّلي رفّته رفّته نارّجِيل کي برابر هو جائي اَور سِيَرُ آلمُتَأَخِّرِين والا يِهِه لِکّهتا هَي کِه حاجِي پور کِي آب و هَوَا کِي يِهِه خاصِيَّت هَي اکّثر وَهان کي لوگ اِس مرض مين گرِفّتار رهّتي هَين اَور گهينّگي اُنّکي گلون کي هار ليکِن واقِع مين اُسّکي خِلاف هَي شايَد چالِيس پچاس برس آگي يِهِه بات هو تو هو اب تو نهِين هان بعّضي بعّضي اشّخاص کي گلون مين البّتّه سو يِهِه کهان نهِين اَور پاني درياي مذّکور کا بشراکتِ گنّگا بلّکِه نِرا هزارون آدّميون ني پِيا اب تلک بهِي پِيتي هَين ليکِن گلا کِسيکا سُوجّتا بهِي نهِين گهينّگي کا تو کيا ذِکّر هَي مگر ايک بوڑهِي گنّڈک مُظفّر پُور کي تلي بهّتي هَي اُسّکي پاني کا يِهِه اثر مُقرّر هَي بلّکه مُبالغه يهان تک کرّتي هَين کِه چرنّد پرنّد جو اُسّکا پاني پِيي يِهِه بيمارِي اُسّکي گلي پڑتِي چُنانّچِه مُظفّر پُور کي اکّثر حَيّوان و اِنّسان اِس بلا مين مُبتّلا رَهتي هَين وُه جو سُنا تها کِه ايک سرزّمِين کِي چڑِيا کَوّي کي بهِي گلي مين گهينگا هوتا هَي وُه يِهِي هَي اَور سالگرام ايک پتّهر حاجِي پُور کِي اطّراف مين هوتا هَي رنّگ اُسّکا سِياه مِقّدار مين چهوٹا گول روغني فارّسِي مين سنّگِ سمکّ اُسي کهّتي هَين راقِم خُلاصةُ آلتّوَارِیخ کا يهان تک لِکّهتا هَي کِه چالِيس

کُچھ اُوپر القِصه اِس صُوبي مين گرمي بشِدت جاڑا مُعتدِل دو مهِيني سي
زِيادہ لِباسِ پہنني کِي اِحتِياج نہين هوتِي مينہ چھ مهِيني آگي برستا تہا
اب بہِي پانچ مهِيني سي کُچھ کم و زِياد برس رهتا هَي زمِين يهان کِي تمام
سال درياون کِي بہتايَت سي شاداب رهتِي هَي باو بشِدت نہين چلتِي گرد
بہِي نہين اُڑتِي کِشتکارِي جَيسِي چاهِيي وَيسِي هوتِي هَي خُصُوصًا دهان يهان
کي نِهايَت پاکِيزہ اَور چِنيدہ پر کِسارِي ايک اناج کثرت سي هوتا هَي نِپٹ
سستا بد مزہ مٹر کِي مانند مُفلِس تہِيدست يا کمِيني اُسي کهاتي هين گو کهِ
وہ سبب بعضي امراض کا بہِي هوتا هَي اگرچه دريا اِس صُوبي مين بہت
هَين پر گنگا سون گنڈک کلان تر ليکِن سون جِبالِ جنُوبِي سي آکر مُنير کي
نزدِيک گنگا سي مِلي کهتي هَين کِه نربدا اَور وُہ ايک چشمي سي نِکلِي هين
اور گنڈک شِمال کِي جانِب سي آ حاجِي پُور کي قرِيب " کرم ناسا ايک
دکهن کي پهاڑ سي نِکلکر چَونسا گُذر مين " اَور پُن پُن جنُوب کِي طرف سي
آ قنوج کِي آبادِي سي گُذر عظِيم آباد کي نزدِيک " غرض بہتر درياو اَيسي
کِه جِن مين ناو چلي اَور چهوٹي اَنگِنت گنگا سي شہرِ مذکُور تک پہنچتي
پہنچتي مِلي اکثر هِندُو خاص کرم ناسا کو اُترتي هُوئي يِہ اِحتِياط کرتي هين
کِه ايک قطرہ اُنکي بدن تک نہين پہنچتا نہاني کا تو کيا ذِکر هَي پر

غار هَي کِه مُجاوِرون کا رَئِیس سال مین ایک بار شِیوبرت کي دِن اُس غار مین جاکر خاک اُٹھا لاتا هَي اَور هر ایک مُجاوِر کو اُس مین سي دیتا هَي بقدر اُسکي نصِیب کي وُه خاک سونا هو جاتِي هَي * تِرهُت قدِیم سي دار آلعِلْمِ هِندي هَي آب و هَوَا وَهان کِي نِهایَت خُوب دَهِي وَهان کا چکّا اَور نِهایَت خُوش مزه بَهُت تُحفه بلکِه خُلاصةُ آلتَّوارِیخ کي مُصنِف ني لِکھا هَي کِه ایک برس تلک نهِین بِگڑتا اغلب کِه یِهہ مُبالغه هو کیُونکِه عقل و نقل کي خِلاف هَي اَور دُودھ بِهِي علىٰ هذا آلقِیاس کهتي هَین کِه اهِیر اگر پانِي اُس مین مِلا دیوِي تو غَیب سي اُسي ایک صدمه پهُنچي اَور بهَینس بِهي اُس بستِي مین اتِي بڑِي اَور قوِي هوتِي هَي کِه شیر اُس کو شِکار نهِین کر سکتا علاوه اُسکي برسات مین هرن باره سِنگي شیر بکثرت اِکٹھي هوکر بستِي مین آتي هَین اَور باشِندي وَهان کي حظّ اُنکي شِکار سي اُٹھاتي هَین * سرکارِ چنپارن کِي زمِینِ قابل مین اگر ماش بکھیر دیوین تو بي رنجِ کِشتکارِي اُگ اُٹھین اَور اُسکي جنگل مین پِیپلین بَهُت پَیدا هوتِي هَین * رُهتاس قلعه هَي ایک بُلند پهاڑِ دُشوار گُذار پر چَوده کوس کي پهیر مین کهیتِیان اُس مین اکثر هوتِي هَین چشمي بِهِي بَهُت سي جوش مارتي هَین اَور جِس جگهہ وَهان چار گز کهودِیي پانِي نِکل آئي آبشارین بیشتر تالاب برسات مین دو سَو سي

نہین آیا خدا جانی تہي یا نہ تہي پر دریا کناري ایک قلعۂ پختہ البتہ تعمیر
ہوا تہا بالفعل بہي موجود ہي لیکن عمارت اسکي جابجا سي گر پڑي ہي
اندر اسکي صاحبانِ انگریزني بنگلي اور بعضي مکانِ پختہ بہي بنائي ہین اور
جہاڑ کہنڈ کي پہاڑ تلي بیجناتہہ ایک معبد ہي اس کو مہادیو کا مکان
کہتي ہین وہان پیپل کا ایک درخت کہ اسکي اگنی کا آغاز کسي کو معلوم
نہین وہان کي مجاورون مین جس کو احتیاج خرچ ضروري کي ہوتي ہي وہ
کہانا پینا چہوڑ کر اس کي نیچي آ بیٹہتا ہي اور مہادیو سي التجا کرتا ہي
دو تین دن کي بعد ایک پتا لکہا ہوا قلم غیب سي بخط ہندي اسکي پاس
آن پڑتا ہي اس سي روپي جتني کہ اسکي قسمت مین تہي اور نام دیني
والي کا بلکہ اسکي باپ دادا زن و فرزند کا بہي معہ ملک و سمت ہرچند
کہ پانسو کوس پر کیون نہو ظاہر ہوتا ہي تب وہ اسکو اپني سردار پاس لیجاتا
ہي وہ مطابق اسکي ایک کاغذ لکہہ دیتا ہي اسیکو ہنڈوي بیجناتہہ کہتي
ہین پہر طالب اس کو لیکر اس شخص کي پاس جاتا ہي في الفور وہ زرِ
مسطور حاملِ کاغذ کي حوالي کرتا ہي چنانچہ خلاصۃ الہند کي مولف ني
لکہا ہي کہ ایک بامنہہ وہان کا میري نام پر بہي لایا تہا مین ني سعادت
جانکر زرِ معلوم ادا کیا نادر تر اس سي یہہ ہي کہ اس معبد مین ایک

اِس صُوبي مين بُنا جاتا هَي خُصُوصًا ململ شَبنم پُري کِي مشہُور ليکِن حُقّي اَور بعضي ظُرُوف شِيشي کي عظِيم آباد سي بہتر کہين نہين بنتي توتا بھي امرِت بھيلا اَور کنجلا کثرت سي هوتا هَي اگر کوئِي اُسکو پالي اَور پڑھائي تو جلد بولي اَور بخُوبِي پڑھي تِيس کوس شہرِ مذکُور سي جنُوب کِي طرف دامنِ کوه مين گَيا ايک بڑا معبدِ هنُود کا هَي دُور دُور سي هِندُو وَهان آکر اپني جدّ و آبا کِي ارواح کي لِيئي دان پُن کرتي هَين خُصُوصًا چِلّي کي جاڑي مين جب آفتاب قَوس مين آتا هَي هزارون اشخاص مرد و زن اُس مکان مين نزدِيک و دُور سي آکر جمع هوتي هَين پهر منتر پڑه پڑه ترپن سرادہ سي اپني مُردون کِي رُوح کو مسرُور کرتي هَين اَور اُس عمل کو اُنکِي نجات کا مُوجِب اَور اپني بہترِين عِبادت جانتي هَين قرِيب اُسکي سنگِ مرمر کي کہان هَي بيشتر وَهان ظرف و زيور سنگِ مذکُور کا بناتي هَين اَور اپني دستکاري کِي خُوبِيان دِکھاتي هَين کاغذ بھي اوّل اَور بِہار مين بہتر سي بہتر بنتا هَي * سرکارِ مُنگير خُلاصةُ التَّوارِيخ کي رُو سي معلُوم هوتا هَي کِه عالم گِير کي عہد مين يا اُس سي سابق ايک دِيوارِ سنگِين گنگا سي پہاڑ تلک بناکر صُوبهٔ بِہار کِي اِنتہا اُس کو مُقرر کِيا تها ليکِن سالہاي سال سي اِلَي الآن کِه سنِ اٹہتالِيس جُلُوسي شاه عالم کي هَين اُسکا نِشان بھي سُنَي دیکھني مين

لگونہا هر پنجشنبه شہر کي لوگ بکثرت وہان جمع هوتي هين اور کنچنيان کسبيان بہي تمام شہرکي جاتيان هين ناچ کي صحبت تا شام بلکه کچہه ايک رات گئي تلک رہتي هي ليکن صاحبان عاليشان کي رياست سي پہلي ازدحام خلايق کا بکثرت هوتا تها اب اس قدر نہين پر تہوڑا بہت مجمع دو هي رہتا هي کيونکه کوئي مزاحم و مانع نہين جسکا جي چاها گيا جسکا جي نچاها نگيا دکہن رخ اس درگاه کي ايک امام باڑا هي جلني کي کناري تعزيي تمام شہر کي عاشوري کي دن وهين دفن هوتي هين صحن اسکا نپت کشاده اور مصفا اور هوا نہايت خوش آيند و پاکيزه خصوصاً برسات مين جو کوئي وہان جائي نہايت حظ اٹہائي (بيت) جو چاهي که کہولي دل تنگ کو " کري ديد وہانکي ذرا رنگ کو " غله بہي اقسام کا بکثرت هوتا هي بيشتر ارزاني رہتي هي اور دوده نہايت گاڑها چکنا دهي بہي نپت خوش ذايقه چکا بہتايت سي بہم پہنچتا هي اور ترکاريان هر قسم کي بافراط اور سستي ليکن تر ميوي بعضي بعضي خوب هوتي هين خصوصاً انار نہايت خوش مزه بہت بڑا دانه بہي اسکا گنده نپت رسيلا اگرچه ولايت کا سا تو نہين ليکن هندوستان کي اکثر بلاد کي انارون پر شرف رکہتا هي غرض جلال آباد کي انارسي کلاني و خوبي مين کچہه کم نہين کپڑا بہي اقسام کا خوش قماش

گنڈي ندي بہي کہتي ہَين طُول آبادِي کا بَہُت بڑا اَور عَرض چہوٹا عِمارتين
سابِق مين کہپَريل کِي بيشتر تہِين اب پُختہ بہِي ہَين کيُونکِہ آبادِي و رَونق
شہرِ مذکُور کِي صاحِبانِ انگرِيزکِي رِياست مين بڑہ گَيي ہَي چُنانچہ باقِي پُور
تِين کوس شہر سي پرے پچہم طرف اَور اُس سي تِين کوس آگي دانا پُور يي
دونون معمُوري معقُول آباد ہُوئي ہَين اکثر صاحِبون کِي کوٹہِيان حَويليان باغ
وَہان سانٹہ ايک لُطف و قرِينې کي ہَين غرض شہر سي تا باقِي پُور اَور وَہان
سي دانا پُور تلک بستي ہِي بستِي ہَي فاصِلہ نہِين شہر پناہ اُسکِي خام مگر
دريا کِي طرف کِي التگ خِشتِي ہَي اَور قلعہ وَہان بنام ہَي فِي الحقِيقت
ايک عِمارتِ کلان خِشتِي ہَي ليکِن اب پُرانِي ہو گَيي مکانات اُس مين مُتعدد
ہَين اَور قرِيب اُسکي پچہم کِي طرف ايک مسجِد و مدرسہ نِہايَت کُشادہ
و خُوش عِمارت اگرچہ عِمارت اُسکِي اب پُرانِي ہو گَيي ہَي ليکِن شہرِ مذکُور
مين لاثانِي ہَي گو کِہ مسجِدين کُہنہ و نَو بَہُت سِي ہَين يُون سُنا ہَي کِہ بِنا
اُسکِي نَوّاب سَيف خانِ مرحُوم ني ڈالِي تہِي پر تعمِير نوّاب ہَيبت جنگ ني
کِي بِالفِعل نَوّاب سِراجُ الدَّولہ کِي نَواسِيون کي قبضي مين ہَي پُورب دروازي
کي آگي ايک مسافتِ بعِيد پر جعفر خان کا باغ ہَي اَور پچہم دروازي سي
ايک کوس کي فاصِلي پر شاہ ارزان کِي درگاہ سَوَاد اُسکا سُہاوَنا ہر ايک مکان

خوشبو ہوتي ہين اَور ہندوستان کي اکثر متعلقات سي اِس صوبي کي کتني ہين محالون مين کہيتيان تين مہيني پہلي بوئي جاتي ہَين اَور بعضي مقامون مين دريا جيٹہ کي مہيني مين چڑہتي ہَين اکثر قطعي زمين کي پاني مين ڈوب جاتي ہَين پر جون جون پاني زيادتي کرتا ہَي دہان زِيادہ پہيکتا ہَي اَور بڑہتا اگر بال لگني سي پہلي پاني کي طغياني ہو جائي تو دہان اُس کہيت کي بال نہين لاتي اَور جنگلون مين يہانکي ارني شير کثرت سي ہوتي ہَين خصوصاً گورکہ پور بہرايچ کي اطراف مين سواي اُن کي ہرن پاڑہي و غيرہ جانورِ صحرائي بافراط نظر آتي ہَين اگرچہ درياؤ اُس صوبي مين بہت ہَين ليکن بڑي تين گہاگرا سرجو گومتي طول اُسکا سرکارِ گورکہ پور سي قنوج تلک ايک سَو تيس کوس اَور عرض کوہِ شمالي سي تا سدہور تابع اِلٰہ آباد ايک سَو پندرہ کوس شرق کي جانب اُسکي بہار شمال کي طرف پہاڑ جنوب کي سمت مانک پور مغرب کي طرف قنوج اَودہ بہرايچ خير آباد لکہنو گورکہ پور پانچ سرکارين متعلق اُنکي ايک سَو ستانوي محال آمدني چہياسٹہ کڑوڑ پينتاليس لاکہ چاليس ہزار دام

صوبہ سراپا بہارِ بہار" دار الحکومت اُسکا عظيم آباد عرف پٹنہ ہَي نہايت خوش سَواد و خوش آب و ہَوَا گنگا کي کناري اَور اُس مقام مين اِس درياؤ کو اتہارہ

مین اپنی مُعاصِرین کی بیچ لا ثانی تہا بلکہ اشعارِ عربی تو اُس فصاحت و بلاغت و بہُتایَت کی ساتہ کہ اہلِ ہند مین کِسی نی اُس سی آگی بہی نہین کہی قصائد اُسکی اِس بات پر دالّ ہَین اَور اُسکی تعریف مین فصیحانِ عرب کی زبانین لال پیدایش اُسکی گیارہ سَی چَودہ ہجری مین اَور وفات اُسکی سنِ بارہ سَی دو مین پوتا بہی اُسکا مُفتی مِیر حَیدر اِس وقت مین مغتنم زمانہ اَور اپنی مُعاصِرین مین یگانہ تہا علُومِ عربیّہ مین مہارتِ تمام اَور فنُونِ فارسی مین دستگاہِ ما لا کلام اُسکو تہی نثر کی جمیع اقسام پر قادِر تہا اَور نظم کی تمام اسرارون سی ماہر صاحِبانِ کمپنی دامَ ظِلُّہم کی سرکار مین مفتی گری کی خِدمت پر برسون سرفراز رَہا اَور صاحِبانِ عالیشان کی نزدیک اپنی ہمچشمون مین ہمیشہ ممتاز اِتفاقاً سنِ بارہ سَی سترہ مین قبایل اُسکی بلگرام کو رَوانہ ہُوئی میرِ موصُوف اُنکی پہنچانی کی لِیی آپ بہی تا عظِیم آباد ساتہ ہُوا مرشد آباد تلک پہنچا تہا کہ مرضُ الموت نی آگہیرا آخِر منزِلِ مقصُود تلک جانی ندیا مگر اَوّل منزِل پہنچایا حاصِل یہہ ہَی کہ یہانکی زمین قابِل خیز ہَی ایک نہ ایک صاحِب کمال یہان پیدا ہو رہتا ہَی قِصہ مختصر صوبۂ مذکور کی آب و ہَوَا نِہایَت خُوب ہَی اَور اناج اکثر قِسم کا یہان پیدا ہوتا ہَی خُصوصًا اِستِعمالی اَور جہنوان چانول نِہایَت خُوش ذایقہ و سُفید و پاکیزہ و

شاعِر و صاحِب طبْع هوتي هَين قصْبهٔ مذْكُور مين ايكْ كُوا هَي جو كوئي چاليس دِن مُتّصِل اُسكا پاني پِيئي خُوب گاني لگي سِواي اِسْكي اكْثر اهْلِ كمال يهان گُذْري هَين چُنانْچه سَيّد جلِيلُ آلقدْر عبْدُ آلْجلِيل بلگْرامِي بڑا شاعِرِ علْمِ عربي و فارْسي مين خُوب ماهِر فَرّخ سِير كي وَقْت مين گُذْرا هَي بلْكِه سِنْدْه كِي وَقايِع نِگاري بِهي اُسْكو حُضُورِ اعْلىٰ سي مُقرّر تِهي اِتّفاقاً سرْكارِ مذْكُور مين ايكبار اُسِي عهْدِ فَرّخ مين مينْه كي ساتْه مِصْرِي برْسِي تهي اُس بُزُرگْوار ني اِس خبرِ نادِرِ روزْگار كو بهِي حُضُورِ پُر نُور مين لِكْه بهيجا حضْرت اِس خبر كو خِلافِ قِياس سمْجهه كر نِهايَت برْهم هُوئي كِه اِفْترا كرْنا اَور بادْشاهون كي حُضُور لِكّهنا وَقايِع نِگار كو هرگِز نچاهِئي يِهه شخْص لائِق اِس امْر كي نهين غرض خِدْمت سي اُس بيچاري كو تغير كيا روزْگار اُسْكا نا حق جاتا رَها تب مِيرِ مذْكُور خبرِ مسْطُور كِي صداقت كي لِئي وَهان كي قاضِي مُفْتِي بلْكِه اكْثر اشْراف ثِقات كِي مُهْرون سي ايكْ محْضر كرْواكر حُضُور مين لي آيا اَور مَوْرِدِ الطاف هوكر اُسِي خِدْمت پر پهِر سرْفراز هُوا يِهه رُباعِي حسْبِ حال اُسْكِي طبْع زاد هَي (رُباعِي) فَرّخ سِيَر آن بادْشهِ با بركات " چرْخ از ادبِ او شُده شِيرِين حركات " در سِنْدْه زِيُمْنِ عهْدِ دَولتْمنْدش " باران بارِيد ريزهٔ قنْد و نبات " بعْد اُس بُزُرگ كي مِير غُلام علِي آزاد بهِي شِعْر و سُخَن و عِلْم و فضل

و بیرون شہر کي ہَین لیکن نعل دروازي کي پچّہم طرف کالکا کا بتخانۂ قدیم ہَي ہر پیر کو وہان ہنود جمع ہوتي ہَین اَور اُسکي پرستش کرتي ہَین پر ہولي کي بعد کَیي دِن رات کو روشني اِفراط سي وہان رہتي ہَي اَور دکّہن طرف شہر کي باہر بہوانِي کا مٹّھہ ہَي وہان بہي اٹّہواري مین ایک مرتبہ ہندو پوجا کو جاتي ہَین اَور پکوان و غیرہ بہي چڑہاتي ہَین مگر ہولي کي آٹّہوین دِن بڑا میلا ہوتا ہَي تمام شہر کي ہندو بلکہ مُسلمانان تماش بین اَور رنڈیان بہي اُسي قبیل کي ہزارون جاتي ہَین اَور جہمکڑي اپني خواہش مندون کو دکہاتي ہَین تا شام اُسکي مندر کي گرد و پیش ایک دنگل جمع رہتا ہَي بلکہ اُسکي قریب جِتني باغ ہَین وي بہي آدمیون سي معمور رہتي ہَین غرض اِس طرح کا میلا شہرِ مذکور مین دوسرا نہین ہوتا نام اُسکا آٹّہون ہَي سورج کُنڈہ ایک تالاب ہَي شہر سي چار کوس پچّہم دکّہن کي درمیان وہان بہي ہر برس برسات کي اخیر ہندو زن و مرد لاکہون نہاني جاتي ہَین بلکہ دور دور کي باشندي بہي وہان اپني تئین پہنچاتي ہَین ساتہ اِسکي مُسلمان بہي ہزارون نظر باز سجي سجائي اِدہر اُدہر" اور کسبیان بہي تمام شہر کي اپني تئین بنائي چُنائي جِدہر تِدہر جلوہ گر" غرض تا شام وہان بہیڑ بہاڑ رہتي ہَي * بلگرام ایک بڑا قصبہ ہَي اکثر وہانکي لوگ قابل و

وہان تحصیل کي واسطي آتي هین اَور فیض اُن سي اُٹہاتي هَین حق تو یہہ هَي کِه اِس شہر مین چرچا عِلم و فضل کا به نِسبت اَور بِلاد کي زِیادہ هي کیُونکِه فرِیقَین کي فاضِل یہان مَوجُود هَین لیکِن سُنّیون کي فِرقي مین مُستشنی مَولَوِي مُبین صاحِب اَور فِرقه ناجِیَه اِمامِیَه مین مَولانا سَیّد دِلدار علي سلمهُ اللّه تعالي وحِید عصر هَي تبحّر اُس بزرگ کا اُسکي تحرِیر سي هُویدا هَي " اور خوش بیَاني اُسکي تقرِیر سي پَیدا " سیکڑون اشخاص اُسکي بدَولت گمراهي سي نِکلي " اَور منزِلِ هِدایَت کو پہنچي " مذهبِ اِمامِیه کو ترقّي کامِل اُسني بخشي " اَور هِندوستان مین نمازِ جُمعه و جماعت اُسي ني کي " شُعرا بہي جِتني اُس شہر مین هَین کیا فارسي گو کیا ریختہ گو کہین نہین وجه اِسکي یہہ هَي کِه بعد برهم هوني شاهجہان آباد کي اکثر غرِیب امِیر مِیرزایانِ هِندُوستان سي نَوّاب صفدر جنگ و شُجاعُ الدّوله بہادُر کي عہد مین آکر اِس شہر مین بسُکُونت دایِمي ساکِن هُوئي پس شہر تو عِبارت اشخاص سي هَي یِہي دِلّي هو گیا اَور باشِندي بِہي اِسکي بسببِ کثرتِ صُحبت و تتبّعِ زبان تلفّظ صحِیح کرني لگي یہان تک کِه جِنکي طبع مَوزُون تہي شاعِر هو گئي با وُجُود اِسکي بِہي لہجي مین تفاوُت بہُت رهگیا لیکِن مُحاوري مین کم کِه زبان دان هِي اُسکو سمجہي اور اُسیکي طبعیّت اِس پر اگي بتّخاني بِہي اندرُون

پینتالیس برس گذری هین العلم عند الله اور چوک سي متصل دکهن طرف فرنگي محل وجه تسمیه اسکي یهه هي که اکبر بادشاه کي عهد سلطنت مین اس مکان کي بیچ ایک فراسیس سوداگر اترا تها جو که بي اذن حضور اعلی کي یهه امر وقوع مین آیا ملازمان حضور کو گوارا نهوا آخر اسکو اخراج کیا پهر اورنگ زیب کي وقت مین حسب الحکم بادشاهي مکان مسطور ملا قطب الدین شهید کي فرزندون کو ملا چنانچه ابتک بهي انکي آل اولاد کي سکونت وتهین هي لیکن وجه معاش جو انکي بند هو گیي یهه صرف قصور طالع کا هي والا آج نواب وزیر کي سرکار سي هزارون پرورش پاتي هین " وارد صادر یهان سي بهتیرا کچه لیجاتي هین " پهر یي تو استحقاق زیاده رکهتي هین کیونکه آبا و اجداد سي اس خاندان عالي کي نمک خوار و شکر گذار هین جس وقت مزاج جناب عالي کا تک ایک متوجه هوا یهه قلیل تو کیا چیز هي ما ورا اسکي نعماء کثیر پاینگي " اور مدت العمر کو بي نیاز هو جاینگي " لیکن کل امر مرهون باوقاتها (بیت) تا در نرسد وعده هر کار که هست " سودي نکند یاري هر یار که هست " حاصل یهه هي که مکان مذکور قدیم مدرسه هي بڑي بڑي فاضل مدرس وهان گذري هین بلکه ابتلک بهي سررشته درس و تدریس کا جاري هي چنانچه سواي شهر کي طلبه اطراف و اکناف سي

وزِیرُ ٱلْممالکْ شُجاعُ ٱلدَّوله بہادُر کي عہْدِ دَولت مین جَوہرِي محلّي کي مُتّصِل باقِر خان ني ایکْ اِمام باڑا بنایا اَور دونون جہان مین فایِدہ اُٹّھایا خانِ مرْحُوم مُغلِ ولایت زا عُمْدہ روزگار تہا کَئِي سَي سَوارِ مُغل و غَیرہ اُسْکي رِسالي مین تہي اب آغا فتْح علِي خلفُ ٱلصِّدْق اُسْکا قَیدِ حَیَات مین هَي لیکِن محْض بیکار و تکالیف مین گِرِفْتار پر مکانِ مسْطُور پر قابِض هَي ایکْ گاؤن بہِي اُس مُبارکْ بُنْیاد کي اِخْراجات کي لِئِي آصفُ ٱلدَّوله بہادُر ني دِیا تہا لیکِن دو برس کي بعْد اهْلِ کارون ني کِسِي حِیلي سي ضبْط کر لِیا غرض یہہ خُجسْته بِنا فِي ٱلْواقِع محلِّ قَبُولِیَت و مقامِ تعْزِیَت هَي مجْلِس مین یہانْکہِي شائِبہ رِیا کا نہِین سِواي گِریہ و زارِي اهْلِ مجْلِس کو کام دُوسْرا نہِین (بیَت) غلط هَي خلْق کِي کثْرت کہِین نہِین هوتِي " ولي بُکا کِي یِہہ شِدّت کہِین نہِین هوتِي " خُوشا حال اُسْکي بنانِي والي کا کِه دُنْیا مین نام کِیا اَور عُقْبي مین ثَوَاب لِیا قبْر بہِي اُس مرْحُوم کِي اُسِي مین هَي بلْکِه اکْثر مؤْمِنِین اغْنِیا و مساکِین اُسْکي مکانات و صحْن مین آسُودہ هَین (بیَت) اِلٰہِي قبْر مین هر ایکْ سوي چَین کي ساتْہ " بروزِ حشْر هو محْشُور پہِر حُسَین کي ساتْہ " اَور سال اُسْکي بہِي تعْمِیر کا از رُوِي تارِیخِ نظْم و نثْر دیکّہنِي مین نہِین آیا مگر بعْضي اکابِر و آغا فتْح علِي کِي زبانِي معْلُوم هُوا کِه اِسْکي بُنْیاد کو اکْتالِیس یا

لِئي بنا کیا تہا چُنانچِہ اُسکي حِينِ حَيَات مين ايک آد قبر بہي وَہان بن چُکي تہي بعد اُسکي مِرزا علِي مِرزا ابُو طالِب کي باپ ني تہوڑي سِي زمين اُس مرحُوم سي اِمام باڑي کي واسطي مانگي اُس بزرُگ وار ني سعادتِ دارين جانکر نذر کِي بلکِہ جِس مکان مين وُہ قبر هَي مُجاوِري بہي وَہانکي اُس کو دِي کيُونکِہ وُہ بيچارہ مردِ غرِيب و گُم نام تہا پر جب تلک جِيتا رَہا مکانِ مذکُور اُسِيکي قبضي مين رَہا اَور دالان اِمام باڑي کا بنايا هُوا اُسِيکا هَي بعد اُسکي وفات کي مِرزا ابُو طالِب خان سپُوت هُوا اُسني نام و نِشان روزگار مين پَيدا کِيا اِس واسطي اِمام باڑا اُسِي کي نام سي مشہُور هُوا تِين گاؤن بہي اُسکي اِخراجات کي لِئي نَوَّاب شُجاعُ ٱلدَّوله بہادُرِ مرحُوم کي عہدِ حُکُومت سي مُعَيَن هُوئي تہي ليکِن نَوَّاب آصفُ ٱلدَّوله کي دَور مين نِصفي هوگَئي تہي بِٱلفِعل نَوَّاب يمِينُ ٱلدَّوله سعادت علِي خان بہادُر دامَ اِقبالُہٗ کي وَقت مين وُہ بہي ضبط هُوئي پر مِرزا مہدِي علِي خان بہادُر دامَ ثروتہٗ سال بسال وَہانکي اِخراجات کي لِئي قدري قلِيل اپني طرف سي گُذرانتي هين فِي ٱلحقِيقت يِہ بہي وزِير هِي کِي سرکار سي مِلتا هَي کيُونکِہ خانِ موصُوف بہي اُس سرکار کا ايک مُلازِمِ مُقرب هَي حق تعالىٰ توفِيقات کو اُسکي زِيادہ کري اَور نَوَّاب وزِير کي دربار مين بعِزت و آبرُو رکہي بعد اِسکي نَوَّاب

بنایا " اَور جِتنی باغ تہی اُنکی رونق کو دُونا کر دِکہایا " خُصُوصًا وزِیر باغ اَور مُوسىٰ باغ مین اَیسی عِمارتِ انگریزی دِلچسپ بنائی کِہ بہار وَہان سی کبہو نہین جاتی اَور خِزان ہرگز آنی نہین پاتی (بیت) طِلسمات کا سا ہَی اُس مین سمان " کوئی جاکی وَہان پہیر جاوی کہان " فِی اَلواقِع ہر ایک عِمارت قابِلِ تعرِیف و لائِقِ توصِیف ہَی لیکِن بہترِین عِمارت بِنای مکانِ عِلمِ مجازِی حضرتِ عباس علیہِ السلام ہَی کِہ نوّاب رفیعُ المکان نی خُلُوصِ عقِیدت سی سنِ بارہ سَی سترہ مین از سرِ نَو کِس خُوبی سی اُس کو بنوایا " اَور ہزارہا رُپیہ اُسکی تعمِیر مین اُٹہایا " تارِیخ اُسکی بِنا کِی مِرزا قتِیل شاعِر کی اِس مِصرعی سی نِکلتی ہَی (مِصرعہ) اِین گُنبذِ جدِید بِنای سعادتست اِلٰہی اُسکی بنانی والی کی بُنیادِ دَولت کو مُستحکِم رکہیو " اَور توفیقاتِ نیک کو اُس کی زِیادہ کِیجو " پچہم طرف پائِین اُسکی لبِ دریا مِرزا ابُو طالِب خان کا اِمام باڑا ہَی بِنا اُسکی تمام شہر کی اِمام باڑون سی مُقدّم ہَی چُنانچِہ اُسکی بُنیاد کو ساٹہ برس تخمِیناً گُذری رِیاست اُس وَقت نوّاب صفدر جنگ بہادرِ مرحُوم کی تہی لیکِن مکانِ مذکُور کی مالِک پہلی کلب علی خانِ مرحُوم تہی خانِ مغفُور نوّاب سرفرازُ الدَّولہ حسن رِضا خانِ مرحُوم کا نانا تہا غرض اُس بزُرگ نی اُس مکان کو اپنی اقربا کی مدفن کی

جاگہہ عمارتین نئي نئي وضع کي خوش قطع و دلچسپ بنوائين چنانچہ سنگي بارہ دري اور باؤلي والا مکان انہين مين سي هي سواي انکي بهي بہت سي مکانات و باغات بنائي کہ هر ايک اپني وضع مين بي نظير اور نقش و نگار و صفائي مين بہ از صفحہٴ تصوير هي خصوصًا دولتخانہ کہ اشرف المکانات هي اس واسطي اس جنت مکان کي اکثر آرامگاہ وهي تها تاريخ اسکي بنا کي دولتخانہٴ عالي مؤلف کي نتائج طبع سي هي ليکن خير العمارات امام باڑا هي واقعي کہ ايسا استوار و پايدار کوئي مکان نہين " اور کسي عمارت مين اس شان کا دالان نہين " (بيت) حضيض اسکي اوج فلک سي بلند " نہ پہنچي جہان وهم کي بهي کمند " مسجد بهي وهان کي تمام شہر مين نمودار " عمارت اسکي نہايت استوار " هر ايک برج اسکا وسعت مين مسجد جامعي کي برابر اور رفعت مين برج فلک سي همسر (بيت) ملائک زمين پر هون ساکن اگر " عبادت کرين بس ونہين بيٹهکر " اب نواب آصف الدوله بهادر مغفور کي بعد نواب يمين الدوله ناظم الملک سعادت عليخان بهادر وزير ابن وزير ني جو مسند حکومت پر اجلاس فرمايا " اور افضال الٰهي سي ملک موروثي اپنا پايا " علي هذا القياس متوجہ تعمير پر هوا چنانچہ کيا کيا مکان عاليشان دلکشا بلکہ ايک رمنا بهي نہايت پر فضا

محلّه کہتي تھي شايَد يِہہ پنّج منزِله تھا اِس سبب نام اِسکا پچ محلّه هُوا قِصّه مُختصر جب نَوّاب بُرهانُ آلمُلک سعادت خانِ مرحُوم قبايِل سميت اِس شہر مين رَونق افزا هُوئي اِس مکان کو پانسو رُپي کِرائي کو لِيا چُنانچِه کِرائي نامه اُسکا نَوّابِ مرحُوم کِي مُہر سي آج تلک اُنکي اَولاد کي پاس مَوجُود هَي ليکِن کِرايَه چند روز هِي ديکر مَوقُوف کر دِيا تھا اَور اُسکي بدلي کوئي گاؤن يا جاگِير بھِي مرحمت نکي غرض نَوّاب وزِير آلممالِک صفدر جنگ ابُو آلمنصُور خان بہادُر مرحُوم کي عہدِ حُکُومت تلک بِنا اُسکي جون کِي تون رہِي جِس وَقت نَوّاب وزِيرِ اعظم شُجاعُ آلدّوله بہادُرِ مغفُور مسندِ رِياست پر بَيٹھي تب مکانات اَور شَيخ زادون کي بھِي ليکر اِس مکان کي شامِل کِئي بلکه ايک آد باره دري اَور بنوائِي پھِر عِوَض اُسکي اَور وي مکان جو آپ لِبي تھي دوگوان گاؤن مالِکون کِي جاگِير کر دِيا چند روز کي بعد وُه بھِي سرکار مين ضبط هو گيا ليکِن يي شَيخ زادي نَوّاب ابُو آلمکارِم خانِ مرحُوم سي نسبت قرابت کِي نرکھتي تھي مگر هموطني کِي پھِر نَوّاب وزِير آبنُ آلوزِير آصفُ آلدوله بہادُرِ خُلد مکان کا جب دَور آيا اُنہون ني مکانِ مسطُور نَئي سِر سي تعمِير کِيا نقشه هِي اَور کر دِيا بلکِه بہُت سِي حَويلِيان لوگون کِي جو اُسکي اطراف و جَوَانِب مين تھِين شَيخا دروازي سميت وي گِروا دِين اَور اُنکي

هَين " اَور ماش کِي کهچڑِي اَور کڑوا تيل چڑهاتي هَين " گُستاخِي مُعاف سِواي کشف و کرامت کي يي دونون بزُرگ خُوش ذايِقه بهِي کِتني تهي کِه بعدِ رِحلت اَيسِي نذر قبُول کِي " اَور کِسِي چِيز پر رُوح کو اُنکِي رغبت هُوئِي " شهر کي اُتر رخ گومتِي کي کِناري شاه پِير محمّد کا ٹِيلا هَي آگي وهِي دارُ ٱلعِلم تها اکثر طلبه و عُلما وهان پڑهتي پڑهاتي تهي " اَور اپنِي اَوقات بخُوبِي بسر ليجاتي تهي " سُنا هَي کِه شَيخِ مَوصُوف کو سِواي نِعمتِ فقر کي دَولتِ عِلم بهِي تهِي فِي ٱلجُملَه مردِ صاحِب کمال و صاحِبِ حال و قال تها زِندگِي مين وُه مقام اُسکا مسکن تها " بعدِ مرگ مدفن هُوا " اَور مسجِد بهِي اُس پر ايک نِهايَت عاليشان و وَسِيع " گُنبذ اُسکي بمرتبه بُلند و رفِيع " اَور مِينار اُسکي گومتِي کي اُس پار پچهم اَور اُتر کي آني والون کو تِين چار کوس سي نظر آتي هَين " کلس اُنکي ابتلک وَيسي هِي جگمگاتي هَين " اَور قرِيب اِس سي پُورب طرف پنچ محلّه هَي کثرتِ اِستعمال سي نُون اُسکا حذف هو گيا هَي اَور جِيم چي سي عِوَض چُنانچِه اکثر لوگ پچ محلّه کهتي هَين مکانِ مذکُور نَوّاب ابُو ٱلمکارِم خان کا دِيوانخانه تها اَور يِه بزُرگ لکهنو کي شَيخون سي هَي مگر امِير تها اَور وَجهِ تسمِيَه مکانِ مسطُور کِي يِه هَي کِه زمانۀ سابِق مين يهان دو منزِلي مکان کو دو محلّه اَور سِه منزِلي کو سِه

پڑھتي هَين اَور وَقتِ پرستِش جِس قدر چانول و غَيره اُس مين ڈالتي هَين پهر اُنکا نِشان بهي نہين پاتي * لکهنو بہُت بڑا شہر هَي گومتي کي کِناري آ گَي بهي دارُ آلحُکُومت تها ليکِن نَوّاب شُجاعُ آلدَّوله بهادُرِ مرحُوم ني بعد بکسر کي هنگامي کي يِهہ رُتبه فَيض آباد کو بخشا چُنانچه اِنتِقال بهي اِس سراي فاني سي وُنہين کِيا پهر نَوّاب آصفُ آلدَّوله بهادُرِ مغفُور ني اِسيکو نَوَازا اَور دارُ آلاِمارت تهہرايا آبادي اُسکي بہُت بڑه گَيي کہِين سي کہِين جا پہُنچي اب بهي بدستُور حاکِم نِشين يِہِي هَي ليکِن بيهڑ پر جو بستا هَي اِس سي نِہايَت نشيب و فراز اُس مين واقِع هَي (بَيت) کِسيکا گهر هَي تيلي پر هَوَا مين " کِسيکا جهونپڑا تحتُ آلثَرا مين " غرض شہرِ مذکُور مين کِتني سرائين اَور بہُت سي کٹري ٹولي محلّي آباد هَين جِس محلّي مين شَيخ مِينا کِي درگاه هَي اُسي مِينانگرِي کہتي هَين اکثر لوگ پنجشنبي کو فاتِحه کي واسطي وَهان جاتي هَين " اَور بيشتر عَوَامُ آلنّاس فاتِحه اُنکي گُڑ پيني پر دِلاتي هَين " اَور بيرُونِ شہر شرق کِي طرف لکهه پيڑِي کي قرِيب مزار پِير جلِيل کا هَي ليکِن اُسکي قبر کا چبوترا قدِ آدم بُلند و بي زينه هَي اِس باعِث کوئِي مُتصِل اُسکي جا نہين سکتا دُور هِي سي فاتِحه پڑه جاتا هَي هر جُمعي کو وَهان اکثر تماش بين جوَان براي سَير اَور اکثر جُہلا بِرَاهِ عقيدي سي جاتي

پیدا نه هوتي تو رجالون کي یهان مال خُوب جمع هوتا بلکه ایک ایک کُنجڑا قصائي لکهپتي بن جاتا * دیوکن مُدت سي پیسون کي تک سال هَي اُتر کي پهاڑون سي سونا رُوپا تانبا سُرب سُهاگه شهد چُوک کچُور سونٹه پیپل کهربا لون هینگ موم پشمینه تانگن باز جُرّه شاهین و غیره سِواي اِسکي اَور بهُت سي چیزین پهاڑ کي پهاڑیي لاتي هَین اَور بیچ جاتي هَین بسبب اِسکي لوگون کا هُجُوم اَور خرید فروخت کي دهُوم وَهان رَهتي هَي * نمکهار مصرک ایک نامي جاگه اَور هِندُوون کي بڑي پرستشگاه هَي گومتي اُسکي قلعي کي تلي جا نکلي هَي نزدیک اُسکي ایک حَوض هَي برمهاورت کُنڈه اُسکو کهتي هَین پاني اُسکا اندر هِي اندر جوش کهاتا هَي ساته اِسکي اَیسا چکّر مارتا هَي کِه آدمي کي قُدرت نهین جو اُس مین غوطه لگا سکي بلکه جو چیز که اُس مین گري في الفَور نکل پڑي هنُود کي نزدیک بڑا تیرته هَي مشهُور هي کِه جتني کتابین هِندي که گردِش فلکي سي اَور انقلابِ دَهري سي گُم هُوئین تهین تپشیون اَور مُنیون ني اپني طبیعت کي جَودت اَور ذِهن کي حِدت سي اُسکي کِناري پر نَیي سِر سي اُنهین دُرُست کیا اَور لِکها هر ایک اُنکي مطالب سي فَیضیاب هُوا قریب اُسي ایک سر چشمه چبوتي سي ندي کا هَي کِه وُه گومتي مین مِلي هَي ایک گز کا چوڑا چار اُنگل گهرا جب اُسکي کِناري برهمن بید خوان منتر

اسباب عروسي سميت اُسکي مزارپر بیٹھتا هَي اپني زُعم مين هر برس اُسکا بیاہ کرتا هَي برسون سي یہہ رسم اُسکي خاندان مين چلي آئي هَي بلکہ ابتلک بهي جاري هَي غرض رجالي کي اعتقاد سي بهي خُدا پناہ مين رکهي کہ رُسوائي سي خالي نهين اَور گرد و پیش اُسکي گُنبذ کي جتني درخت هَين اُن مين رسیان ڈال کر کوئي اپنا هاتهہ باندهتا هَي کوئي پاؤن کوئي گلا القصہ انواع و اقسام کي سانگ لاتي هَين اَور اپني گُمان مين اُسي سبب سي مُرادين پاتي هَين سواي اسکي کوئي رجالا اُس بزرگ کو گاجنا دُولہہ کهتا هَي اَور کوئي رجالي سالار چهنلا وجہ اسکي یہہ هَي کہ جو رنڈي اُسکي گُنبذ مين جاتي هَي " بد حال هوکر آتي هَي " پر وُہ مُردار یہہ سمجهتي هَي کہ صاحب قبرني مُجهي چُوس لیا " اَور یہہ احوال کردیا " تُف اُسکي سمجهہ پر اَور لعنت اُسکي بوجهہ پر حقیقت اِسکي یہہ هَي کہ گُنبذ اُسکا نهایت چهوٹا اَور دروازہ نپٹ تنگ تسير لوگون کي آمد و شد مُتصل علاوہ اسکي ایک بہُت بڑا چراغ قبر کي سرهاني جلتا هَي بسبب اسکي ایسي گرمي اُس مين هوتي هَي کہ آدمي کي چربي پگهلتي هَي مرد بهي وَهان سي جو نکلتا هَي سو عرقناک پهر عورت تو نازک هوتي هَي وُہ پسيني مين ڈوبي هُوئي حالت غش مين نکلتي هَي سواي اسکي کذب و افترا پر یہہ سچ هَي کہ اگر مدار سالار دُنیا مين

وَہان بنائی آخر اُسْکی آبادی بمرْتبہ گھٹی اَور اِسْکی بسْتی نِہایَت بڑْھی چُنانْچہ بِالْفعْل کہ سن بارہ سَی بیس ہِجْرِی ہَین اَور نَوّاب سعادت علِي خان بہادُر وزِیر اِبْنِ وزِیر دامَ اِقْبالُہٗ کِی حُکُومت کا آٹھْوان سال دونون شہْر اِسِی نہْج پر ہَین * بہرایچ ایک قدِیم شہْر ہَي سرْجُو کي کِناري نِہایَت وُسْعت و کَیفِیَّت کی ساتھ انْبرائیان اُسْکی گِرْد و نَواح مین اکْثر" اَور پھلْواریان جا بجا بیشْتر" تُرْبت رجب سالار کِی اَور درْگاہ سالار مسْعُود غازِی کِی وُہین ہَی سُنْتی ہَین کہ رجب سالار تغْلق شاہ کا بھائی تھا اَور سالار مسْعُود غازِی کی احْوال مین اِخْتِلاف ہَي بعْضی کہْتی ہَین قَوم کا سَیّد لیکِن سُلْطان محْمُود غزْنوِی سی بھِی قرابتِ قرِیب رکْھتا تھا اَور بعْضون کا قَول یِہہ ہَی کِہ ایک پٹھان تھا لیکِن شہِید ہُوا غرض درْگاہ اُسْکی ایک عالم کِی زِیارت گاہ ہَی سال مین ایک بار دُور دُور سی لوگ میدْنی کی ہمْراہ چلْتی ہَین کِتْنی سَیّاح اکْثر بیماری پر نِیہچ قَوم لال لال نیزون سمیت ہزارون دفالی گاتی بجاتی ساتھ لیکر اپْنی اپْنی بسْتیون سی نِکلْتی ہَین غرض جیٹھ کا پہلا اِتْوار اُسْکی عُرْس کا دِن ہَي یِہی اُسی دو تِین دِن پہلی وَہان آ پہُنْچْتی ہَین اَور اِعْتِقاد اِنْکا یِہہ ہَي کِہ وُہی اُسْکی بیاہ کا روز تھا چُنانْچہ شہانی کپْڑی اُسْکی گلی میں تھی کہ مارا گیا اِسِی جِہت سی ایک تیلی ردولی کا ساکِن پلنْگ پِیڑْھا کُچْھہ

بُرہانُ ٱلمُلک سعادت خان بہادُر کي نصیب ہُوئي بعد اُنکي وفات کي قایم مقام اُنکا داماد نوّاب وزِیر ٱلممالِک ابُو ٱلمنصُور خان صفدر جنگ بہادُر مغفور ہُوا کیُونکہ فرزندِ نرینہ اُنکي نتھا اُسي بُزُرگ ني بُنیاد اِسکي ڈالِي لیکِن بطَورِ چھاؤنِي کي جب نوّاب شُجاعُ ٱلدَّوله بہادُر اِبنِ صفدر جنگ وزِیرُ ٱلممالِک کو رِیاست پہُنچِي بعد ہنگامۂ بکسر کي مِزاج اُسکا اِسکي آبادِي پر آیا چُنانچِه کِتني محلّ اَور باغِ پاکِیزه و خُوش عِمارت اُسني لبِ دریا بنائي اَور ایک ترِپولیا بھِي نِہایَت بُلند و دِلکُشا مُتصِلِ قلعه اَور چوک کي قرِیب بنایا بلکِه اپني بُود و باش بھِي وُہِین مُقرّر کِي بسبب اِسکي اکثر سرداروں مُصاحِبوں ني عِمارتین تعمیر کِین یہان تلک کِه ہر ایک چھوٹي بڑي ني مُوافِق اپني مقدُور کي حَویلِي بنائِي چُنانچِه ایک معمُورۂ معقُول ہو گیا پر کھپریلین اکثر تھِین اَور پُختہ عِمارتین کم لیکِن مِعمارِ قُدرت کي اِرادي مین جو اُسکِي آبادِي کو پایداري نه تھِي بلکِه خرابِي منظُور تھِي کِه سنِ گیارہ سَي اٹھاسِي مین بعد نوّاب حافِظُ ٱلمُلک حافِظ رحمت خان کِي شِکست کي نوّابِ موصُوف کا واقِعه ہُوا اَور مقبره اُسکا وُہِین بنا پھِر مسندِ حُکُومت پر اُسکا خلفُ ٱلصِّدق نوّاب آصفُ ٱلدَّوله بہادُر وزِیر اِبنِ وزِیر بیٹھا اُسني دارُ ٱلحُکُومت لکھنَو کو بدستُورِ سابِق مُقرّر کیا بلکِه عِمارات و باغات بھِي خُوش قطع و دِلچسپ

سو اٹّھتالیس کوس کي طول اَور چھتّیس کوس کي عرض مین بسْتا تھا اَور اُسْکي سَوَاد مین جو کوئي خاک چھانْتا سونا پاتا ایک کوس پري اُسْکي گھاگھْرہ سرْجو سي مِلْکر قلْعي کي تلي جا نِکْلِي هَي اَور قرِیب شهْر کي دو بڑِي بڑِي قبْرین هَین طُول اُنْکا سات سات آٹھ آٹھ گز سي کم نہِین عَوَامّ اُنْکو حضْرتِ شیث و اَیُّوب سي منْسُوب کرْتي هَین بِنابر اِسْکي پنْجْشنْبي کو اکْثر لوگ وهان جاکر فاتِحه پڑْهتي هَین اَور بعْضون کي نزْدیک رتْن پُور مین کبِیر جُلاهي کِي قبْرهَي شخْصِ مذْکُور سُلْطان سِکنْدر لودِي کي وقْت مین تھا بنارس کي بِیچ مُدّتون جپ تپ کرْتا رَها فُقرا کي نزْدیک بڑا مُوَحّد و صاحِب کمال تھا چُنانْچه اُسْکي طبْع زاد اکْثر دوهْري اهْلِ مذاق کي وِرْدِ زبان هَین سچ هَي کِه مُحبّت و معْرِفت اُن سي ٹپْکي پڑْتِي هَي * فَیض آباد عُرْف بنْگْله تِین کوس اَوَدْه سي مغْرِب رُخ ایک آبادِي نَو اِحْداث هَي نِهایَت پُر فضا و دِلْکُشا سر زمِین وَهانْکي نِپٹ خُوب و مرْطُوب مِہنْدِي بھِي وَهانْکِي قِیامت رنْگِین چھچھِي انْگُورِ بیدانه شهْتُوت اَور سِواي اِنْکي اَور بھِي بعْضي میْوي ترْکارِیان پھُول خُوشْبو رنْگِین اِفْراط سي هوتِي هَین خُصُوصًا چنْپا و لالہ پر خربُوزہ حدّ بڑا اَور پھِیکا صُورت حرام وَجْه اُسْکي بُنْیاد کِي یِه هَي جب صُوبه دارِي مُلْکِ مذْکُور کِي اِنْتِقال پاکر مُحمّد شاہ فِرْدَوس آرام گاہ کِي سلْطنت مین نوّاب

دریاو اِس صُوبي مین گنگا جمُنا سرجُو طُول اِسکا مںجھولي § جَونپُور سي لیکر دکہن کي پہاڑ تلک ایک سَو ساٹہ کوس اَور عرض چَونسا جو گنگا کا ایک گُذر هَي اُس سي گہاٹم پُور تلک ایک سَو تِیس کوس صُوبہ بہار اِسکي پُورب طرف اکبر آباد پچّہم رخ صُوبۂ اَوَدہ اُتر طرف باندہو گڈہ دکہن طرف اِلہ آباد غازِي پُور بنارس جَونپُور چنار کالِنجر کڑا مانِک پُور و غَیرہ سولہ سرکارین مُتعلّقات اِنکي دو سَو سَینتالِیس محال اَور آمدنِي سَینتِیس کڑوڑ ساٹہ لاکہ ایک سٹّہ هزار دام

صُوبۂ اَوَدہ " هِندِي کِتابون مین نام اِسکا اجودّهیا راجا رام چندر کا مَولِد و تخت گاہ هَي اِسي جِہت سي هِندُو اِسکو بڑا معبد جانتي هَین کیُونکہ راجا مذکُور عالِي نِژاد و نیک نِہاد تہا ساتہ اِسکي دَولتِ ظاهِري و باطِني سي بہي مالامال عجایِب غرایِب افعال اُسي وُقُوع مین آئي " اَور بَہُت سي اُمُورِ نادِر اُسني دِکہائي چُنانچِہ شور دریا پر پُل باندہا اَور انگنت بندر رِیچہ کِي فَوج لیکر لنکا پُر چڑہ گیا پہر راوَن کو مار کر اپنِي جورُو کو قَید سي چہڑا لایا اِسي قبیل سي اکثر حالات اُسکي رامایَن مین لِکہي هَین غرض شہرِ مذکُور ایک

§ Perhaps incorrectly written, and intended for Manjawly.

جاوِدان ” سرائین بہي کَئي تہین لیکن بِالْفعل ایک پُختہ پُل کي جنوب رُخ اَور دو کچي شِمال رُو لیکن کُچہ۔ ایک فاصِلي سي پہلیل و عطر بہي وَہان کا نِہایَت خُوشبو ہوتا ہَي چُنانچہ اکثر بِلاد بطرِیقِ تحایُف بہیجواتي ہَین ” اَور خُوشبوئي ساز سَوداگر بہِي اطْراف مین اِسکو لیجاتي ہَین ” غرض سُگند راي اَور بیلي کا تیل تو وَہان کا سا کہِین نہوتا گُلاب خِجالت سي اُسکي آگي پاني ہو جائي ” اَور سُہاگ کي عطر کِي باس بہِي اُسکي ہوتي خُوش نہ آئي ” (بَیت) بدن مین ملي اُسکو جو مرد و زن ” تو بن جائي ہر ایک دُولہہ دُلہن ” چنبیلي کا بہِي علیٰ ہذا اَلقِیاس لیکن مشہور یون ہَي کہ چنبلي باڑہ کِي اَور بیلا جَونپور کا پر اپني تَئِین اِس مین شک ہَي اَور وَہان کي نُجبا اکثر ذہین و صاحِب عِلم و دانشمند ہوتي ہَین قِصہ کوتاہ صُوبہ مذکُور کِي آب و ہَوَا نِہایَت خُوب ہَي میوي بہِي اقسام کي ہوتي ہَین خُصوصًا انگور نِہایَت رسِیلا خُوش مزہ میٹہا بڑا بکثرت بِکتا ہَي اَور پہُول بہِي ہر فصل مین دیکہني سُونگہني کي بہُتایَت کي ساتہ خُصُوصًا موگرا بہُت بڑا و گندہ نِپٹ خُوشبو ہوتا ہَي ایک پہُول اُسکا حُکم عِطردان کا رکہتا ہَي زِراعت بہِي بہُتایَت کي ساتہ ہوتِي ہَي لیکن موٹہ کم یاب جوآر باجرا کمتر اَور کپڑے کي اقسام سي جہُونا اَور مہرِ گُل خُوب بنُا جاتا ہَي اَور دریاؤن مین بڑي

هي " خصوصًا جامع مسجد وهانكي اپني ساخت مين لا ثاني هي في الواقع پخته كارون كي ايك نشاني هي عمارت اسكي تمام و كمال سنگين " اينٹ گاري كا اس مين نام بهي نهين " (بيت) بناوي كوئي ايسي اب كيا مجال " مرمت بهي هي اسكي امر محال " تعمير اسكي سلطان شرق ابراهيم شرقي ني آٹهه سو باون هجري مين كي " اور دارين مين نيك نامي لي " تاريخ اسكي بنا كي مسجد جامع الشرق هي پل بهي وهان كا اقليم هند مين بي مانند هي ديرپائي اور پختگي اسكي اظهر من الشمس سيكڑون برس گذري هين ليكن معلوم يهه هوتا هي كه آج بنا اور ابهي تيار هو چكا هي بنا اسكي منعم خان خانخانان ني اكبر بادشاه كي سلطنت مين كي اور مهتمم اسكا نواب مرحوم كا فهيم غلام تها قطعه اسكي تاريخ كا يهه هي (قطعه) خانخانان خان منعم اقتدار " بسته اين پلرا بتوفيق كريم " نام او منعم از آن آمد كه هست " بر خلايق هم رحيم و هم كريم " ره بتاريخش بري گر افگني " لفظ بدرا از صراط المستقيم " حق تو يهه هي كه يهه تاريخ اسكي بجا هوئي كهني والي كي طبعيت خوب لگي خدا اسكي تعمير كنندي كو مستغرق درياي مغفرت كري " اور پل صراط پر اسكي دستگيري و معاونت " (بيت) هي دريا دلي كا يهه اسكي نشان " خدا اسكو قايم ركهي

نہت نرم اور میٹھا ہوتا ہی لیکن وہ ساتھ ان خوبیون کی کلانی اور گندگی
رکھتا ہی * گڑہ کالینجر سنگین قلعہ ہی نہت بی لگاو ایک بڑی اونچی
پہاڑ پر اسکی ابتدا سی کوئی واقف نہین چشمی اکثر اس مین جوش کہاتی
ہین اور تالاب بڑی بڑی آب زلال سی بہری ہوئی ایک لطف دکہاتی ہین
بہبرون کا بتخانہ وہین ہی اور قریب اسکی گہنی درختون کا ایک جنگل ہی
بیشتر اس مین آبنوس کی پیڑ لوگ وہان سی ہاتہی بہی پکڑ لاتی ہین اور
پاس اسکی لوہی کی کہان بلکہ بعضی بعضی جاگہہ سی الماس کی ٹلپین بہی
ہاتہہ لگتین ہین اور باشندی وہان کی سودمند ہوتی ہین * جون پور بڑا
شہر ہی گومتی اسکی اندر ہوکر نکلی ہی فیروزشاہ نی اسکو اپنی عہد سلطنت
مین فخرالدین محمد جونان کہ اسکا چچا تہا اسیکی نام پر آباد کیا ازبسکہ
شہر مذکور شور پشتون اور مٹھہ مردون مین واقع ہوا تہا فوجدار اسکی بیشتر
خونریزی و سفاکی مین مشغول رہتی تہی لیکن آب و ہوا اسکی باشندون
مسافرون کی مزاج سی موافق " فضا اسکی فضای گلزار سی فائق " حویلیان
اس مین اکثر پختہ و سنگین " چھپر کی مکان کہین کہین " اگرچہ آبادی
اسکی اب ویسی نہین لیکن غنیمت ہی کیونکہ باغ خزان رسید کا ایک آدہ
چمن دید کی قابل رہ جاتا ہی " اور اہل نظر کو ایک لطف دکہاتا

لیکن نشیب و فراز اُس مین بَہُت ھَي گنگا اُسکي نِیچي بہتي ھَي قرِیب اُسکي ایک قَوم عالمگیر کي وَقت تلک سر و پا برھنه جنگل مین رَہتي تِہي اَور تیر اندازِي و شمشیر زنِي مین اپني اَوقات بسر کَرتي تہِي یعنِي کِتني صحرا نشِین یا پہاڑِیي اُس وَقت مین رَہزني کَرتي تہِي لیکن بِالفعل بلکه سالہاي سال سي اُسکي مُتصِل ایک معمُوره ھَي کِه اکثر ہِندُو مُسلمان اُس مین بستي ھَین اشیا و اسباب بہِي ضرورِي مُوَافِق اُنکي بہم پہنچتي ھَین اَور قلعۂ مذکُور در چند آگي بہِي با رَونق تہا پر جب سي صاحِبانِ عالیشان کي قبضي مین آیا ھَي خُوب تیار سجا سجایا رَہتا ھَي قرِیب اُسکي قاسِم سُلیمانِي کِي درگاه ھَي نِہایَت خُوش عِمارت پُر کَیفیّت مکانات اُس مین سنگین و پُخته و مُتعدِد اپني وَضع کي اُسلُوب دار و با قرِینه ” خُصُوصًا وسط مین ایک مسجِد بَہُت بڑِي پاکِیزه و اُستوار جَیسي انگُوٹہِي مین نگِینه ” جنگلا بہِي اُسکي اطراف کا نِہایَت سُہاونا ھوا ” مرضِ خفقان کِي دَوَا (بَیت) ھَي شاداب و سرسبز وَھان کِي زمِین ” وُه جنگل ھَي گُلشن سي بِہتر کہِین ” اَور چنار سي دکہن طرف آٹہ کوس کي فاصِلي سي گنگا کي کِناري پر مِرزا پُور ھَي ھرچند کِه بستِي اُسکِي چہوٹي ھَي لیکِن خُوب آباد و خُوش سَوَاد عِمارتین پکي بیشتر ” لیکن اکثر بَیپارِیون کي گہر ” سُفَید پونڈا وَھانکا مشہُور ھَي اگرچه ھُگلي کا بہِي گنا

کُچْهه خَیرات بهِي کرْتا (بَیت) جو بقا اپْنِي فنا سمْجْهي وي دُکْهه بهرْتي نہین " مر
مِٹتي جو زِنْدگِي مین وي کبْهُو مرْتي نہین " فِي الْوَاقِع شَیخ مَمْدُوح عُلُومِ
ظاهِرِي و باطِنِي سي مالامال تها " شِعْر و سُخَن تو اُسْکا ایکْ ادْنیٰ کمال
تها " اُسْتادِ مُتاَخِرِین و اِفْتِخارِ مُتقدِمِین اُسي کیُونْکر نکہِیي کِه نظْم و نثْر اُسْکي
ظُهورِي و نظِیرِي کي برابر اَور قصِیدي قصایِدِ عُرْفِي سي بالاتر هِنْدوسْتان کي
بِیچ محمّد شاہ کي وَقْت مین آیا کَئِي برس دِلّي مین رَها پهِر بنارس مین آکر
گوشه نشِین هُوا " کِسي امِیر فقِیر کي گهر نَگَیا " اَور کِسي سي کُچْهه نَلیا " بلْکه
مُحْتاجون کو مُوَافِقِ مقْدُور آپ هِي دِیا کِیا " گُذْران اُسْکي همیشه اُجْلِي
رَهِي " اِحْتِیاج کِسي امْر کِي بَجُز خالِق کي نَهُوئِي " کہتي هَین کِه تسْخِیرِ
آفْتاب اُسْکي عمل مین تهِي یا کوئِي اَور دعْوَت غرض کشْف و کرامت سي وُه
روشن ضمِیر خالِي نتها مشْهُور هَي کِه نَوّاب شُجاعُ الدَّوله بهادُر کو لڑائِي کا
مشْوَره مُطْلق ندِیا بلْکه منْع کِیا که بِگاڑ صاحِبانِ انْگریز سي حدّ بُرا هَي " اَور
مُصالحه سر تا پا بهلا " زِنْهار اَي فرزند سِواي صُلْح کي کُچْهه نکرْنا " اَور لڑائِي پر
دهیان هرگز نه دهرْنا " کیُونْکه صُلْح مین حُصُولِ مُراد هَي " اَور جنْگ مین
فساد " غرض بعْد هنگامهٔ بکْسر وُه عارِف بي رِیا سنِ گیاره سَي اسِّي هجْرِي مین
بِہشْت نصِیب هُوا * چنار گڑْه ایکْ قلْعه هَي پهاڑ پر سنْگِین و بُلنْد و محْفُوظ

هین اور اکثر آزاد منش عبادتی تپشی اس لحاظ پر که مرنا وهان کا باعث نجات کا هی اپنی وطن چهوڑ دنیا سی هاته اٹها رام سی لو لگا وهین رهنا اختیار کرتی هین بهتیری بوڑهی کهنه سال کتنی آزاری جینی سی مایوس هوکر وهان آتی هین " اور دنیا سی اٹه جاتی هین " از بسکه لوگون کی آمد جاهر هر ایک سمت سی رهتی هی اسی سبب اسکی آبادی کم نهین هوتی کپڑا بهی وهان ریشمی و زربافی خوب بنا جاتا هی خصوصاً تاش بادله نهایت جگمگا اور مشروع و کمخواب تو واقعی بعد گجرات کی بنارس کی برابر هند مین کهین نهین بنتا اگرچه مشروع مئو مین اب تیار هونی لگا هی لیکن یه قماش و ملایمت کهان باجی اور نجیب کا سا فرق هی پچهم طرف شهر کی اورنگ آباد کی سرای پخته اور نهایت کشاده داهنی اسکی بچاس موچن کا تالاب اس سی کچه آگی بڑه کر بستی سی باهر قدم شریف اکثر وضیع و شریف پنجشنبه کی دن وهان جاتی هین شام تلک صحبت اور لوگون کی کثرت رهتی هی هر چند که نشست گاهین اور خانقاهین کم هین لیکن لطف سی خالی نهین علاوه اسکی اس قطعی مین اکثر مسلمانون کی قبرین هین چنانچه مزار شیخ محمد علی حزین گیلانی کا بهی وهین هی اس مرحوم نی اپنی حین حیات مین اسی بنوایا تها بلکه کبهو کبهو پنجشنبه کو وهان جاکر بیٹهتا اور

پرستش کر قضارا ادہر آ نکلا اُن مین ایک کہترانی چنپی رنگ نہایت چالاکی
و بیباکی سی پیش قدمی کرتی تہی اور ایک انداز و ناز سی پاؤن دہرتی تہی سراپا
اُسکا گویا سانچی مین ڈہلا تہا " ہر ایک عضو حسن و ادا سی بہرا تہا " (بیت)
ہلال ابرو منہہ چاند جثہ امول " خوش اسلوب چہب پنڈلیان گول
گول " مکہڑی کی رنگت کی آگی کندن زرد " بلکہ پکہراج بہی گرد " سونا
تو کیا مال ہی جو اُس کی روپ کی منہہ چڑہ سکی غرض تماشایون کا
دیکہتی ہی جی سنسنا گیا اور آنکہون تلی اندہیرا آگیا میر مرحوم کی بہی
دل پر دیر تلک اُس کا صدمہ رہا لیکن وہ چمک و جہمکڑا دکہاتی ہوئی
نجانین کدہر گیی پہر نہ پہری تا شام راہ دیکہی ندان سمجہی کہ تجلی
کو تکرار نہین اب بیٹہنا بیفایدہ ہی ہر ایک نی گہر کی راہ لی غرض معمورہ
مذکور کیفیت سی خالی نہین دید کی قابل ہی ساتہہ اسکی علم ہندی کا بہی
گہر ہی کیونکہ بڑی بڑی پنڈت اچہی اچہی برہمن بید کی پڑہانی والی شاستر
کی بہیدونکی جاننی والی اور جوتکی نجومی گنی ہر فن کی بکثرت اُس
شہر مین رہتی ہین اسی واسطی برہمن برہمن زادی دور دور سی تحصیل کو
آتی ہین اور مدتون پڑہتی پڑہاتی ہین چنانچہ ابتلک بہی مدرسہ ہندی
کا موجود ہی صاحبانِ عالیشان نی بہی اخراجات اُسکی بدستور جاری رکہی

کرتي هَين غرض شهرِ مذکور نِهايَت قدِيم هَي عِمارات اُسکي سنگين وپختہ و بُلند اکثر لبِ دريا ليکن حَويليون مين انگنائي ندارد سِواي اِسکي اندر باهر بستي کي هزارون بُتخاني انگنت شِوالي سَيکڑون کُنڈ اَور ٹهاکر يهان کا بِسيسر ناتهہ چُنانچہ اُسکا بڑا مندِر تها عالمگيرني تڑواکر وَهان ايک مسجد بڑي عاليشان بنائي شهر کي لوگ اُسکو بِسيسر کِي مسجِد کهتي هَين سِواي اِسکي اَور بهي کَئِي نامي بُتخاني توڑي اور مسجِدين اُنکي جاگهہ بنا کين قصہ کوتاہ شهرِ مذکور اب بهِي آباد هَي ليکن کُوچي اُسکي نِهايَت تنگ و تارِيک و بد بو بلکہ بعضي گليون مين تو دهُوپ کا بهِي گُذر نهين هوتا اِسي باعِث زمين وَهان کِي بيشتر سِيلي رَهتي هَي پر دريا کناري کِي عِمارتين سب کِي سب دِلچسپ قابِلِ سَير اَور باغات بهِي شهر کي پچهم طرف نِپٹ سُهاوني لگونهين کہ اِنسان کا وَهان جِي کبهُو اُداس نهو " هر چند اُسکي کوئِي پاس نهو " حُسن بهِي وَهانکا نِهايَت چمک تمک کي ساتهہ اگر فرِشتہ بهِي ديکهي تو دِيوانا هو جائي پريزاد تو کِس شُمار و قطار مين چُنانچہ ايک دِن کا ذِکر هَي کہ راقِم ساوَن مين ايک باغِ بي در و دِيوار کي بِيچ سرِ راہ ايک بُلندي پر بَيٹها تها اَور مِير چِراغ علِي مرحُوم حَيف تخلّص بهِي ميري ساتهہ تهي دِن اُس وَقت دو پهر سي کُچهہ کم هوگا کہ ايک جهُنڈ کا جهُنڈ پريون کا اُس باغ کي ديہري مين

هين سِواي اِسكي سركارِ والا مين بهي هر شخص كچهه رُپي داخل كرتا هَي علاوه اِسكي هُنود از بسكه وهان كي مرني كو بهتر سمجهتي هين اِسي سبب زمانهٔ سابِق مين بعضي تو نجاتِ آخِرت كي لِئي كٹتي اِس اُميد پر كِه كِسي راجا راو كي يهان جنم ليوين جيتي جي اپني تئين آري سي چرواتي تهي شاهجهان صاحِب قِران ثاني كي وَقت سي يِهه عمل موقوف هُوا ليكِن قلعهٔ شاه عالم بادشاه كي چواليس سنِ جُلوسي مين صاحِبانِ انگريز ني توڑ كر اِس اُسلوب كي ساتهه بنايا كه اُسكا نقشه هِي اَور هو گيا سچ تو يِهه هَي كِه آگي قابِلِ بزم تها اب لائِقِ رزم هُوا ليكِن يِهه معموره آگي نِهايَت آباد تها چُنانچه اِس مين بارد سرائين اَور باره دايري تهي اب تلك بهي كئي موجود هَين لاكِن وه عالم كهان شرف آلمكان بِالمكين اَور دائِره وَهانكي باشِندي خانهٔ فُقرا كو كهتي هَين پر اُسكي محوطي مين مكاناتِ مُتعدِد هوتي هَين بلكه بيشتر مسجِد و خانقاه بهي اُس مين ديكهي هَي چُنانچه شاه خُوب الله كا دائِره نِهايت وسيع و كلان اَور مشهور جهان تهان هَي پس معلوم هُوا كِه عُلما و مشايخ بهي يهان مُدت سي رهتي هين * اَور تيس كوس صُوبهٔ مذكور سي پري بنارس هَي هِندي كِتابون مين نام اُسكا بارانسي بهي لِكها هَي اِس لِئي كِه يِهه بستي درمِيان درياي برنا اَور اسي كي واقِع هَي كاشي بهي اِسكو كهتي هين اَور مهاديو سي منسوب

صُوبهٔ خُوش سَوَاد اِلٰہ آباد " ہِنْدُوِي نام اُسْکا پراگ هَي اَکثر ہِنْدُو تِربينِي
بِهِي کَہتي هَين جلالُ ٱلدِّين مُحمَّد اَکْبر ني گَنْگا جمُنا کي بيچ ايک قلعهٔ سَنگِين
و مُحْکم مکانات بِهِي اُس مين مُتعدِّد و دِلْچسْپ و مُسْتَحْکِم بناکر ايک شہر
بِهِي خُوش سَوَاد وَهان بسايا نام اُسْکا الله باش رکْها پهِر شاهْجهان ني مُسمّي
بالٰه آباد کِيا اِن دونون دريْاؤن ني قلْعي کِي جانِب شرْقِي کي مُتّصِل اِتِّصال
پايا هَي اَور ايک سوتا بهِي قلْعي سي نِکلْکر اِن مين آمِلا هَي بِنابر اِسْکي نام
اِس مکان کا تِرْبينِي ٹهہرا اَور اِس سوتي کو ہِنْدُو سرسُتِي کہتي هَين ليکِن کُتُبِ
ہِنْدِي مين يِہہ نہين لِکْها کِہ سرسُتِي يہان سي نِکْلِي هَي سِواي اِسْکي قلْعي
مين ايک درخْت هي اُسْکو اکْهَي بٹ کہْتي هَين مَعْني اُسْکي پايدار اَور ہِنْدِي
کِتابون سي يِہہ بهِي دريافْت هوتا هَي کِہ قِيام درخْتِ مذْکُور کا قِيامت تلک
هَي چُنانْچِه نُورُ ٱلدِّين مُحمَّد جهانْگير ني اُس کو کٹْواکر ايک تَوَا لوهي کا
بہُت بهارِي اُس مقام پر رکْهْوا دِيا تها چنْد روز کي بعْد وُه درخْت پهِر پهبکا
اَور اُس تَوي کو توڑ کر باهر نِکْلا حاصِل يِہہ هَي کِہ ہِنْدُو اُسْکو بڑا تيرتْهہ بلکِه
پرسْتِشْگاهون کا پادْشاه جانْتي هَين جب کِہ سُورج مکر کا هوتا هَي يعْنِي جدِي
مين آتا هَي گرُوه گرُوه زن و مرْد نزْديک دُور سي آکر وَهان جمْع هوتي هَين
ايک مهِيني تلک هر روز نهاتي هَين اَور اپْني هوت کي مُوافِق دان پُن کرْتي

مذکور کچهه بودا نتها مگر عیاش و غافل اِسي سبب سي روپانند کیمیاگر کي هاتهه سي کشته هوا قصه مختصر شورشین اور شرارتین تو یي اورنگ زیب کي وقت سي کرتي تهي چنانچه زور آور سنگ اکبر آباد و شاهجهان آباد کي قافلي اکثر لوت لیجاتا تها اور مسافرون بیچارون کو اقسام کي ایذاین پهنچاتا تها ساسني کي نواح مین ایک گڈهي بهي اسني اپني حفظ کي لیي نهایت مستحکم بنائي تهي اسکي ازتلي سي فوج بادشاهي سي بهي کتني دنون لڑا چنانچه اکبر آباد کي ناظم ني هرچند اسکي لیني کا قصد کیا پر کچهه نهو سکا لا چار دست بردار هوا آخر شاهزاده بیدار بخت ني آکر تین مهیني تک اسکا محاصره کیا جب ذخیره نبڑ چکا تب زور آور سنگ شهزادي کي خدمت مین دست بسته حاضر هوا بلکه همراه اسکي دکهن گیا اورنگ زیب بسکه اسکي هاتهه سي ستنگ تها توپ کي منهه دهرکي اڑا دیا پهر جاتون ني اپنا رئیس راجا رام کو مقرر کیا قصه کوتاه بنیاد انکي عالم گیر کي وقت سي بندهي پهر جون جون سلطنت ضعیف هوتي گیي یي قوت پکڑتي گیي چنانچه اب تلک که شاد عالم کا اتهتالیسوان سن جلوسي هي راجا رنجیت سنگ سورج مل کا بیتا اسي قوت و تسلط کي ساته اپني ملکون پر محیط هي

پور کا ارادہ نکیا بلکہ ٹال دیا بنا اُنکی راجا بدن سنگ سورج مل جاٹ کی باپ سی شروع ہوئی اور اس امر کی ترغیب راجا جی سنگ جی پور والی نی اُس کو دی بلکہ موجب اُسکی ترقی کا بھی کچھواہون ہین کا خاندان پڑا چنانچہ ایسری سنگ نی محمد شاہ فردوس آرام گاہ سی ایک لاکھ چالیس ہزار رپے پر میوات کا بھی اُس کو اجارہ کروا دیا سواے اِسکی مُلکی مالی ہرامر مین اسکا مددگار تہا وجہ اُسکی یہہ ہی کہ جی نگر کی راجاؤن نی جاٹون کو اپنا سدّ راہ ٹہہرایا تہا تالیف قلوب کی لیئی آپ بہی اُن سی بسلوک پیش آتی تہی اور حضور اعلی سی بہی رعایتین کرواتی تہی پہر تو دولت اُنکی دن بدن بڑہنی لگی اور ریاست رونق پکڑنی بدن سنگ نی اپنی جیتی جی سورج مل کو مختار کیا اور آپ الگ ہو بیٹہا اسنی اُس سی زیادہ گڑہون کی تیاری کی اور شہرون کی آبادی کو ترقی بخشی سپاہ کی احوال پر بہت متوجہ ہوا ہر ایک رسالہ دار سردار سی بیشتر سلوک کیا بنابر اسکی اکثر کارہای عمدہ اُسکی ہاتہہ سی نکلی بلکہ بعضی بہت باہری کام اُسنی کیئی چنانچہ نواب ذو الفقار جنگ سید صلابت خان میر بخشی پر غالب ہوا اور نواب حکیم خان سا بہادر اُس معرکی مین مارا گیا غرض اُنکی ریاست کو جو ایک مدت رہنا ہی بسبب اِسکی سواے راجا رتن سنگ کی جو ہوا سو مدبر اور شجاع پر راجا

پلول پچھم رخ طول صوبۂ مذکور کا گہاٹم پور اِلٰہ آباد کي متعلق سي ليکر تا پلول کہ شاہجہان آباد کي عملي سي ہي ايک سو ستر کوس اور عرض قنوج سي تا بہ چنديري کہ وہ مالوي کي مضافات سي ہي سو کوس القصہ سرکار اکبر آباد و باڑي و الور و تجارہ و ايرچ و کالپي و سانوان و قنوج و کول بروڈہ منڈلاور گوالیار و غيرہ چودہ سرکارين متعلق اُن سي دو سو اٹھ ستھہ محال آمدني اٹہانوي کڑوڑ اٹہارہ لاکھ پينسٹھ ہزار آٹھ سو دام ليکن برسون سي سرکار قنوج صوبۂ اودہ مين داخل ہي * ڈيگ کنبھير بہرت پور بہي گويا صوبۂ اکبر آباد کي متعلقات سي ہين اٹہارہ اٹہارہ يا اُنيس اُنيس کوس کا فاصلہ اُن سي اور شہر مذکور سي ہي قلعي اُنکي نہايت مستحکم و محفوظ وکلان ساتھ اِسکي اسباب جنگي اور ذخيري ہر ايک مين اِس بہتايت کي ساتھ کہ سالہاي سال قلعي والي محتاج اِن امور کي نہون خصوصًا بہرت پور مين بالفعل وہي رنجيت سنگ کا مسکن ہي قلعۂ مذکور سب سي زيادہ مضبوط و محکم چنانچہ اُسکي گرد کي کہائي ايک چہوٹي سي ندي ہي کہ ناو اُس مين چلي سواي اِسکي اور اسباب اور آثار حفاظت کي بہت سي ہين پر وسعت مين ڈيگ کا قلعہ اُس سي زيادہ ہي ليکن مستحکم و محافظ ايسا نہين چنانچہ ذو الفقار الدولہ نجف خان مير بخشي ني بہي نول سنگ کي لڑائي مار کر اُس کو چہين ليا تہا ليکن بہرت

ني اُسکي مندر کو توڑ کر وُهِين ايک مسجِد بنائي هَي اَور عبدُ آلنبي خان فَوجدار ني وسطِ شهر مين ايک مسجِدِ عالي بناکر دُنيا مين نام کِيا اَور عاقِبت مين ثَوَاب لِيا سِواي اِسکي بِسرانت مين دريا کي کِناري سي اندر تلک کَئي سَو سيڑهيان سنگين و پُخته بنائين چُنانچِه جيٹهه بيساکهه مين بهِي کُچهه اُوپر سَو پانِي مين ڈُوبي رَهتي هَين بسبب اِسکي زِينت گهاٹ کِي بڑه گَئي اَور نهاني والون کو راحت حدّ سي زِيادِه هُوئي حاصِل يِهه هَي کِه هِندُوون کو بهِي راضِي کِيا اَور شهرِ مذکُور مين نيکنام هُوا * قنَوج قدِيم شهر هَي گنگا کي کِناري نِيپٹ خُوش آب و هَوَا مَيوَه بهِي وَهان کا اکثر خُوب و با مزه هوتا هَي بلهور کِه ايک پرگنه سرکارِ مذکُور کا هَي اُسکي تعلُّقي کا ايک قصبه مکن پُور درگاه سَيِد بدِيعُ آلدِين عُرف شاه مدار کِي وُهِين هَي اکثر لوگ اُس کو مانتي هَين خُصوصًا عَوَام بيشتر ارزال قِصّه مُختصر اِس صُوبي مين بهِي دريا دو هِي نمُود کي هَين ايک تو جمُنا جِسکا احوال سابِق لِکهني مين آيا دُوسرا چنبل کِه اکبر آباد سي آٹهه کوس کي فرق سي هوتا هُوا بهداوَر و سرکارِ ايرج کي محالّ سي گُذرتا هُوا اکبر پُور کِه مُتعلِق کالپِي کا هَي وَهان پهُنچ کر جمُنا سي جا مِلا ليکِن درياي مذکُور کِي برآمد کا مقام سالوي کي مُتعلِقات سي هَي يَعني خاص پُور غرض گهاٹم پُور اِس صُوبي کي پُورب طرف گنگا اُتر رُخ چندِيرِي دکهن طرف

کي هوتي تهي اُنکا ٹهکانا وُهين تها باشندي وَهانکي بمرتبه زبان آوَر گوَيي نِهايَت
با اثر اَور محبوب دِلرُبائي مين خُوب چالاک اَور قيامت بي باک هوتي هَين
مزار شَيخ مُحمّد غَوث کا بهي وُهين هَي کهتي هَين کِه شَيخِ مذکور اپني عهد
کي صاحِب کمالون مين مُمتاز تها اَور تسخيرِ مِريخ اُسکي عمل مين تهي *
کالپي ايک شهر هَي جمُنا کي کِناري بَهُت سي صاحِب کمال درويش اُس
سرزمين مين بهي آسُوده هَين ساته اِسکي مشهُور هَي کِه بهيم کي ٹُودي کي
غار مين وهان فِيروزي اور تانبي کي کهان هَي ليکن مداخِل و مخارِج اُسکي
برابر هَين پرگرمي اپني مَوسِم مين وَهان حدّ سي زِياده پڑتي هَي يهان تک
کِه اُسکي اطراف مين بيشتر بادِ سمُوم چلتي هَي اکثر راه رَو اُسکي حِدّت سي
تَونس کر اذِيّت پاتي هَين بلکِه بعضي تو مر هي جاتي هَين اِسي ڈر سي وَهان
کي باشندي اِس رُت مين بيشتر گهرون مين بَيٹهي رَهتي هَين پهرتي چلتي
نهين مگر بضرورت گرمي کا وَقت ٹال کر مِصري بهي وَهان کي بِلادِ هِند مين
مشهُور هَي * متهرا قديم بستي هَي اِسي دريا کي کِناري پر کنهيا کي پَيدايِش
وُهين هُوئي هَي اَور هِندوي کِتابون مين بزرگي و برتري اُس طبقي کي بَهُت
لِکهي هَي فِي آلواقِع هِندوونکا بڑا تِيرته هَي آغازِ آفرينِش سي اُسکو پرستشگاه
جانتي هَين ٹهاکر وَهان کا عالمگير کي وَقت مين کيشوراي تها چُنانچه بادشاه

بمُلْکٹ لیجاتي هَین اَور اِنْتفاع اکْثر اُٹْهاتي هَین قِصّه مُخْتصر شہْرِ مذْکُور نِہایَت آباد و با رَونق هَي مزار بهِي اُس مین عُلما و اَولِیا کي اکْثر هَین اَور مقْبره مُحمّد اکْبر بادْشاه و شاهْجهان کا قرِیب اُسْکي نِہایَت اُسْلُوب و نَمُود کي ساتْهه هَي * بَیانا قدِیم زماني مین ایکٹ بڑا شہْر تها اَور قلْعه بهِي اُسْکا نِہایَت مضْبُوط و محْفُوظ اگْلي وَقْت مین گُنہْگار بنْدِیوانون کو وُهِین رکْهتي تهي مہِنْدي وَهان کي نِہیت رنْگِین اَور آم بهِي بَہُت بڑا وَزْن مین قرِیب ایکٹ سیر کي * سِیکرِي ایکٹ گاؤن هَي اُسِي کي علاقي کا اکْبر آباد سي بارہ کوس پر اکْبر بادْشاه ني شَیخ سلیم چِشْتِي کي فرْماني سي وَهان ایکٹ قلْعهٔ سنْگِین بنایا ساتْهه اِسْکي عِمارتین اچهِي خانْقاهین خُوب خُوب مسْجِدین پاکِیزہ پاکِیزہ بنائِین پهِر فتْح پُور اُسْکا نام رکْهه کر دارُ ٱلسَّلْطنت مُقرّر کِیا مُتّصِل اُسْکي ایکٹ بڑا تالاب هَي دو کوس کي پهیر مین کِناري پر اُسْکي ایکٹ بڑا اَیوان و ایکٹ مِینارِ عالِیشان علاوَہ اِسْکي ایکٹ مکان هاتْهِي لڑاني کا بَہُت بڑا اَور چَوگانْگاہ نِہیت پُر فضا قرِیب اُسْکي سنْگِ سُرْخ کي کہان چُنانْچه سُتُون اَور چٹانین سِواي اِنْکي عِمارات کي لوَازِم جس قدْر اَور جِتْني انْدازي کي درْکار هون وَهان سي نِکل سکْتي هَین * گُوالِیار نامِي قلْعه هَي آب وهَوَا اُسْکي نِہایَت خُوب اُسْتُوَارِي مضْبُوطي بهِي نِہیت مشْہُور تا اُسْلُوبِ سلْطنت جو زِنْداني قابِل حِفْظ

ایک شہر نہایت خوب بسایا اُسکي بعد بادل گڈہ مشہور ہوا پہر شاہ جلالُ
الدین اکبر ني ممالکِ محروسہ کا بیچون بیچ سمجھہ کر ایک قلعہ نہایت
مُستحکم بنایا ساتہہ اُسکي شہر بہي نہایت وسیع و خوش اُسلوب پُر عمارات
بسایا سچ تو یہہ هَي کہ کِسِي جہاندیدہ ني قلعہ اِس متانت کا اَور شہر اِس
وُسعت کا نہین دیکہا جمُنا چار کوس تلک شہر کي درمیان بہتِي هَي دونو
طرف عِمارتین عالیشان اَور رنگ برنگ کي مکان خُدا کِي قُدرت کا تماشا
دِکہاتي هَین با وُجُود اِسکي اشخاص ہر قوم کي اَور باشِندي ہر مُلک کي
کثرت سي مُجتمِع " علي ہذا القیاس اجناس و اشیا بہي ہفت اِقلیم کِي
جَیسِي چاہِیی ہر وَقت بہُتایَت کي ساتہہ مَوجُود بہانت بہانت کي میوي
ہر شہر و وِلایَت کي اَور رنگ برنگ کي پہُول ہر فصل مین بخُوبي بہم
پہُنچتي هَین پر وَہان کي خاص میوون مین خربُوزہ نہایَت شِیرین و خُوش
مزہ و خُوش بو ہوتا هَي لیکن کُچہہ چہوٹا اِسِي واسطي اکبر آباد کِي جمالِي
مشہور هَي پان بہِي وَہان کا نازکتر ساتہہ عطریَت کي سِواي اِسکي اشیا بہِي
انواع و اقسام کِي لطِیف و اعلا بنتِي هَي کارِیگر بہِي اپنِي اپنِي صنعت مین
کامِل مَوجُود خُصُوصًا کارچوب یہان کا سُنہرِي رُپہرِي نِہایَت چوکہا اَور جگمگا
ہوتا هي بِنابر اِسکي اکثر سَوداگر کارچوبِي تہان اَور چِیري خرِید کر مُلک

اِنْسانِي مين جنْم ليكر خلْق كو يهان اذِيَّت ديتي هَين فِي آلْجُمْلَه صُوبهٔ مذْكُور
كِي هَوَا قرِيب اِعْتِدال كي هَي اَور زراعت اُس مين بارانِي و سَيلابِي اَور كهين
كهين كُوؤن سي سِه فصْله هوتي هَي ميْود بهِي اِيران و تُوران تلكْ كا گُونا گُون
كثْرت سي اَور پهُول خُوشْبو اَور رنْگين طرح بطرح كي بَهُتايَت سي هر فصْل
مين هوتي هَين عِمارتين بهِي بڑِي بڑِي پُخْته سنْگين و خِشْتي اِفْراط سي بنْتي
هَين صُوبهٔ اكْبر آباد اُسْكي مشْرِق كِي طرف صُوبهٔ لاهَور مغْرِب كِي طرف صُوبهٔ
اجْمِير جانِب جنُوب كماؤن كا پهاڑ جانِب شِمال اَور پلْوَل سي اكْبر آباد
ليكر تا لُودْهِيانه كِنارهٔ دريْاي ستْلج طُول ايكْ سَو ساٹْهه كوس كا اَور سرْكارِ
ريواڑِي سي كماؤن كي پهاڑ تلكْ عرْض ايكْ سَو چالِيس كوس غرض
شاهْجهان آباد و سرْهِنْد و حِصار فِيروزه سهارنْپُور و سنْبهل و بداؤن و ريواڑِي
و نارْنَول آٹْهه سرْكارين مُتعلِّق اُنْكي دو سَو اُنْتِيس محالّ آمْدنِي اِس صُوبي كِي
چَوهتر كڑوڑ ترسٹْهه لاكْهه پَينْتِيس هزار دام اَور يِهه اِصْطِلاح مين مُتصدِّيون كِي
پچِيسْوان حِصّه پَيسي كا هَي

صُوبهٔ مُسْتقرُّ آلْخِلافةِ اكْبر آباد آگْره ايكْ گاؤن پرْگنهٔ بيَانه كي مُتعلِّقات سي
تها سُلْطان سِكنْدر لودِي ني اُس مكان كو پُر فضا ديكهه كر تختْگاه مُقرّر كِيا اَور

پہنچی ڈھاکہ بہی اُسی کا نام ہی بعد اُسکی کئی فرسخ جاکردو حصّی ہوئی ایک تو شرق رو جاکر چاٹ گام میں شور دریا سی مل گیا نام اُسکا پدماوتی تہرا دوسرا جنوب کی طرف بہکر تین ٹکری ہوا ایک کو سرستی کہتی ہیں دوسریکو جمنا تیسری کو گنگا پہر اُسکی چہوٹی چہوٹی ہزار سوتی ہوکر بندر چاٹ گام کی نزدیک دریای عمّان میں مل گئی بعد اِسکی سرستی اور جمنا بہی اُس میں آ ملین پر تحقیق یہہ ہی کہ گنگا راج محل سی آگی بڑہ کر متصل قاضی ہتّی کی جب پہنچی نام اُسکا پدّا ہوا وہیں سی ایک سوتا جدا ہوکر مرشد آباد کی طرف گیا پہر ندیا میں پہنچ جلنگی سی مل کلکتی کی نیچی ہو دریای شور سی جا ملا اُسی کا نام بہاگی رتی ہی اور پدّا کہ اصل گنگا ہی وہ چاٹ گام میں جاکر سمندر سی ملی لیکن ڈھاکی سی یہہ دریاو تین کوس پر ہی متصل اُسکی بوڑہی گنگا قصّہ کوتاہ چاٹ گام کی دریا تلک پہنچتی پہنچتی گنگا جمنا سرستی کی ہزار سوتی ہوگئی اور اکثر سیّاحوں کی زبانی سنّی میں یوں آیا ہی کہ گنگا کی کناری پر ابتدا سی انتہا تلک بیشتر ٹہگ مرد چور مفسد راہزن بستی ہیں وجہ اِسکی ایک لطف سی صاحب خلاصۃ التواریخ نی یہہ لکہی ہی کہ از بس کہ اِس میں نہانی سی گناہ لوگوں کی جسم سی دور ہوتی ہیں اغلب کہ وی ہی بطور تناسخ پیکر

ساري دریاؤن کي پاني سي هَي اِس پر خوبي يِهه کِه هر ايک کي مِزاج کو راس آتا هَي يهان تلک کِه بعضي بِيمارون کو شِفا بَلکِه کِتني مُزمِن بِيمارِيون کو فايِده دَوَا کا بخشتا هَي با وُجُود اِسکي تندرستون کو تَوَانائِي تازگِي معدي کو صفائِي قُوّتِ هاضِمه کو ترقّي ديتا هَي سِواي اِن باتون کي رُطوبتِ غرِيزي کو بڑهاتا هَي بهوکه زِياده لگاتا هَي رنگت لال کرتا هَي اَور مِزاج بحال اِسي واسطي هِندوستان کي بادشاه اَور اکثر اُمرا کهِين هوئِين پر اُسِي کا پانِي پيتي هَين قِصّه مُختصر يِهه درياؤ هرِدوار سي سادات باره کِي بستِي مين هوتا هُوا هستِناپُور کي مُتّصِل جا پهُنچا پهِر وَهان سي گڈه مکتيسر و انُوپ شهر و دکرساس و سورُون اَور بداؤن کي قرِيب اَور وَهان سي قنوج کي مُتّصِل ندان شيوراج پُور اَور کهجوي و مانِک پُور و شهزاد پُور مين هوتا هُوا قلعي اِلٰه آباد کي تلي جا نِکلا هَي وهِين جمُنا بهِي کَئِي درياؤن سميت اُس مين آمِلي پهِر گنگا چنار گڈه اَور کَئِي محالّون کي تلي هوتِي هُوئِي بنارس کي نِيچي جا پهُنچِي غرض پٹني کي تلي پهُنچتي پهُنچتي بهتر درياؤ اُتر اَور دکهن کي پهاڑون سي جُدي جُدي آکر اُس مين مِلي پر نام اُسِيکا باقِي رَها مگر پاٹ بہُت بڑه گيا کِه کِناره وَهان بدِقّت نظر آتا هَي اَور برسات مين تو دِکهائِي هِي نهِين ديتا پهِر وَهان سي راج محلّ و مُرشِداباد و مِيرداد پُور و هجراهٹي مين هوتِي هُوئِي جهانگِير نگر کي تلي

سکتي اِس واسطي گذاري کِي جاگہہ بڑي بڑي موٹي رسّي دونو کِناروں کي درختوں سي مضبوط باندھتي ہَين اَور چھینکوں پر اُن کي سہاري سي پار اُترتي ہَين غرض بدري ناتھ کِي پرستِش کو خلايِق شہر شہر سي آتي ہَي لیکِن اِس طرح کا طَور گذاریکا جو کِسي آدمي ني نہِين دیکھا بسبب اِسکي آتي جاتي اُس پر نِہایَت ڈرتي ہَين بعد اُسکي دریاي مذکور بدرِي ناتھ کي پہاڑ سي بہتا ہُوا سرِي نگر تلي آیا اَور وَہان سي رِکھِي کیش مین جاکر ہرِدوار کي پہاڑ مین جا نِکلا ہَي اگرچِہ گنگا سر تا سر ہِندُوون کي مذہب مین پُوجني کي قابِل ہَي علیٰ الخُصُوص اُس مقام کي بِیچ چُنانچِہ ہر سال بَیساکھِي کي نہان کو ہر طرف سي ایک خِلقت آکر وَہان جمع ہوتِي ہَي پر جِس سال کِہ مشترِي دلو مین آتِي ہَي زبانِ ہِندِي مین اُسي کُنبھ کہتي ہَین اُس برس دُور دُور کي لوگ کثرت سي آتي ہَین اَور وَہان نہاتي ہَین حاصِل یِہہ ہَي کِہ وَہانکا نہانا دان پُن اَور ناخُن لینا سِر مُنہہ کي بال مُنڈانا بڑا ثوَاب جانتي ہَین بلکِہ مُردون کِي ہڈِیون کو بھِي اُس جگہہ گنگا مین ڈالنا وَسِیلہ نجات کا سمجھتي ہَین اَور پانِي وَہان کا بطَورِ تُحفي کي بہنگِیون مین مُلک بمُلک پہُنچاتي ہَین لُطف یِہہ ہَي کِہ مُدّتون پانِي اُس دریا کا اگر باسنون مین رَہي مُطلق نہِین بِگڑتا کِیڑا اُس مین کبھو نہِین پڑتا ساتھ اِس کي مِیٹھا اَور ہَلکا

اِسْکي اِثنائي کي شہر و قلْعي کي نِیچي جا نِکْلا پہِر کالْپي کي مُتّصِل گَیا اُسْکي بعْد اکْبر پُور مین چُنانْچہ عِمارتین راجا بیرْبل کِي اُسي کي کِناري پر ہَین اَور راجا مذْکُور شہْرِ مسْطُور ہِي مین پَیدا ہُوا اَور اُسي شہْر کي تلي درْیاي چنْبل اَور بیتَوَد اَور استان § سِواي اِنْکي اَور بہِي درْیاو گونْڈوانی کِي طرف سي جُدي جُدي آکر اُس مین مِلي ہَین پہِر جمُنا ملْکوسي مین ہوکر اِلّہآباد کي قلْعي کي نِیچي گنْگا سي آمِلي اَور دُوسرْا درْیاو گنْگا اُسْکي بہِي سرْچشْمي سي کوئِي واقِف نہِین لیکِن ہِنْدُوون کي عقِیدي مین یُون ہَي کِہ گنگا بَیکُنْٹھ سي اُتْرِي شرْح اِسْکِي ہُنُود کِي قدِیم کِتابون مین ہَي اَور کَیلاس پرْبت پر ہو چِین کي مُتّصِل جا نِکْلِي چُنانْچہ فِرْدَوسِي کي شاہْنامي مین ہَي کِہ پتہر کي عِمارات سِیاوُش بِنِ شاہ کَیکاوُس کِي لبِ گنْگا ہَین پہِر وَہان سي کوہِسْتانِ بدْري مین آئِي وَنْہین ایکْ اِحاطہ برْف کا ہَي کِہ ہِمانْچل اُس کو کہْتي ہَین ہِنْدُو اپْنِي کایا کو اُسي مین گلانا باعِث آخِرت کِي نجات کا جانْتي ہَین چُنانْچہ پانْڈُوون نِي جاکر اپْني بدن اُس مین گلائي لیکِن کِناري اُس درْیا کي اُس پہاڑ مین اِس قدْر بُلنْد ہَین کِہ پانِي بَدِقت دِکْہائِي دیتا ہَي ناؤ پر آدْمِي پار نہِین جا

§ In a Persian MS. written دستان, and perhaps intended for the Cane River.

سوني كي هَين پهِر اَور اشيا اَور ظرُوف كا تو كيا شُمار هَي اَلقِصّه درياي مذكُور
اُس دِيار مين سي هوكر سِرمور مين آيا هَي چُنانچه وَهانكي زمِيندار سلاطِين
هِند كو بلكه وَهان كي وُزرا اُمَرا تلك دريا كي راه سي برف كِشتيون پر
بهيجتي تهي اِسي سبب عَوامُ النّاس وَهان كي راجا كو برفي راجا كهتي تهي
پهر وَهان سي پهاڑ پر هوكر اُس زمِينِ مُسطّح پر پهُنچا هَي كه شاه جهان ني
وهين اُسكي كِناري پر ايك قصرِ عاليشان بنايا هَي بلكه هر ايك امِيرِ صاحِب
منزِلت ني سِواي اُن كي بعضي بعضي اَور بادشاهي بندون ني بهِي مُوافِق
اپني قدر و حَوصلي كي عِمارتين سُتهري سُتهري دِل چسپ بنايِن هَين اِسي
جِهت سي وَهان ايك معمُوره مختصر سا لگُونهان بن گيا اَور مُخلِص پُور اُس
كا نام هُوا چُنانچه بادشاه اكثر اوقات وَهان سَير كو جاتي تهي اَور ايك حظ
اُٹهاتي تهي اُسي مقام سي شاه نهر كه آدهي جمُنا برابر هَي شاهجهان آباد
مين كاٹ كر ليگئي هَين اَور درياي مذكُور پهاڑ سي اُتركر اكثر محالّ كي تازگي
كا باعِث هُوا هَي چُنانچه قلعه ارك اَور كِتني مكان بادشاهي اميرونكي اُسي
كي كِناري هَين پهر وَهان سي متهرا اَور گوكل اَور بِندرابن مين پهُنچا بهي دار
الخلافة سي پندره فرسخ كا عرصه ركهتي هَين پهر اكبر آباد كي تلي گيا چُنانچه
وَهان بهي اكثر عِمارات بادشاهي اَور اميرونكي حَويليان لبِ دريا هَين بعد

اَور سُفَید شہَد بِھي بَہُتایَت سي وُہین مِلتا ہَي از بسکه بستِي اُسکِي محفُوظ اَور بي لگاؤ ہَي بسبب اُسکي اڑتلي کي زمِیندار وَہان کي بادشاهون سي نہین دبتي همیشه بغِي رَهتي هَین راقِم ایک مرتبي همراه نَوّاب آصفُ آلدَّوله مرحُوم کي حسن رِضا خان بہادُرِ مغفُور کِي رفاقت مین نانک متي تلک گَیا هَي لیکِن پہاڑ کِي گہاٹِي مین اِتفاق جاني کا نہِین هُوا بلکه کوئي شخص لشکر کا وَہان نہِین جا سکا فِي آلواقِع راه اُس پہاڑ کِي نہایَت سخت اَور کُٹّهب هَي لیکِن پہاڑیي وَہانکِي جِنسِ میوه اکثر لاکر لشکر مین بینچ جاتي تھي خُصُوصًا اخروٹ بَہُتایَت سي اَور نہایَت سستي الغرض اِس صُوبي مین دو دریا بڑي هَین ایک جمُنا کِه سرچشمه اُسکا معلُوم نہِین اکثر سَیّاحِ جہان گرد خُصُوصًا وي کِه چِین سي پہاڑون کِي راه آتي جاتي هَین اُنکِي زباني یُون سُنا هَي کِه یِه دریا چِین مین سي هوکر پہاڑون کو کاٹتا هُوا بشّہر مین پہُنچا هَي کہتي هَین کِه اُس مُلک مین سونا بہُت هوتا هَي وَجه اِسکِي یِه هَي کِه اکثر سنگ ریزي وَہانکي تاثِیر پارس کِي رکھتي هَین لوها تانبا اُنکو لگ کر سونا هو جاتا هَي لیکِن پہچاني نہِین جاتي اِس واسطي وَہانکي باشِندي گھوڑي ٹٹّو بَیل کي پاؤن مین نعل باندھ کر چرني کو وَہان کي پہاڑ پر چھوڑ دیتي هَین بسا اَوقات اُنکي نعل سوني کي بن جاتي هَین اَور اُس مُلک کي حاکِم کي یہان نقاري بِھي

خصوصًا سُورج گہن مین کیُونکہ اُس روز دُور دُور سي گُروہ گُروہ رنڈي مرد عام
خاص بلکہ سب چہوٹي بڑي آنکر وہان جمع ہوتي ہَین اَور نقد و جنس
انواع و اقسام کي ظاہر و مخفي خیرات کرتي ہَین ہرچند کہ اُن مین کوئي
کَیسا ہي بخیل یا مُفلس ہو پر اپني قدر و طاقت سي زیادہ دان پُن کرتا ہَي
بلکہ سِواي تالابِ مذکور کي اڑتالیس کوس تلک جِتني جہیلین تالاب حَوض
کُوئي اطرافِ شہر کي اَور وي مکانات جنکي نزدیک سرسُتي ندي بہتي ہَي
بلکہ وي بَیٹہکین بہي کہ اگلي مُنیون کي نام سي مشہور ہَین اَور قدیم
کتابون مین مسطُور اُن سب کو تیرتہ جانتي ہَین اِسي سبب پانڈو اَور
کَورَو کہ پیشوا ہندوونکي تہي آپس مین لڑکر وہین ماري گئي اَور چالیس کوس
دلي سي پري شمال رُو سنبہل ایک قدیم شہر اُس مین ہرمندر ایک پُراني
پرستشگاہ ہنُود کي ہَي کہتي ہَین کہ دَورِ آخري مین ایک اَوتار وہین سي
نکلیگا قریب اُسکي * نانک متا بابا نانک کي چیلي اَور سیوک وہان اکثر
جمع ہوتي ہین اَور جپ تپ مین مشغول رہتي ہَین اُتر طرف اُسکي
کماؤن کا پہاڑ سوني رُوپي تانبي شیشي لوہي گندک سہاگي کي کہان اُس مین
ہَي سِواي اِسکي باز و شاہین اَور چنگل گیر پرندي وہین سي آتي ہَین بلکہ
سُرہ گائي مشک کي ہرن ریشم کي کیڑي پہاڑي ٹانگن اکثر وہین ہوتي ہَین

حسب الحکم بادشاہ کي نکال دیا اور ایک باغ نہایت مطبوع خوش قطع
پانچ درجي کا بنایا عمارتین اسکي نپٹ انوٹھي اور بیٹھکین نہایت لگونہین
جي اگر کیسا ہي اداس ہو تو وہان لگ جاۓ بلکہ دل پر اداسي پھر کبھو نہ
آۓ سواي مکانات کي صنعت کي یہہ عجب کام کیا کہ دامن کوہ کي آبجو
کو اس باغ مین اس حکمت سي لایا کہ وہان جتني حوضون اور نہرون مین
فوارے تھي اسیکي پاني سي چھوٹني لگي محتاج خزانیکي نرہي اور گلاب بھي
اس کثرت سي اس مین پھولتا ہي کہ موسم مین ہر روز انگنت پھول خوش
رنگ و پاکیزہ اُترتي ہین چنانچہ خلاصۃ التواریخ کا راقم لکھتا ہي کہ مین
موسم بہار مین جس دن اس گلزار سراپا بہار کي سیر کو گیا تھا اس دن چالیس
من گلاب کي پھول اس باغ سي اترکر گلاب خاني مین گیي تھي (بیت) روش
پر بھي اسکي تھي پھولون کي ڈھیر" نہوتي تھي پر سیر سي اسکي سیر"
غرض سال بسال پھولون کي وہان ترقي اور بہار کي زیادتي تھي * تھانیسر
ایک پراني بستي ہي سرہند سي تین کوس پر جنوب رو قریب اسکي کور
کھیت نام ایک بڑا تالاب ہي ہندي کتابون مین اسکو ناف زمین لکھا ہي
اور پیدایش کي ابتدا بھي ہندوون کي نزدیک اسي مکان مین ہوئي ہي
حاصل یہہ ہي کہ اسکو بڑا تیرتھہ جانتي ہین اور نہانا اس مین ثواب عظیم

هو الغيب عند الله اور شاهجهان آباد سي تيس كوس كي مسافت پر * پاني
پت ايك قديم قصبه هي شيخ شرف بو علي قلندر وهين پيدا هوا اور چاليس
برس كا هوكي دلّي مين آيا پير خواجه قطب الدين كي خدمت مين مشرف
هوا ليكن بيس برس تلك علوم ظاهري كي تحصيل مين رها جب نور ربّاني
كي تجلّي اسكي آئينهٔ باطن مين هوئي ساري كتابين جمنا مين ڈبو دين اور
مسافرت اختيار كي جس وقت روم مين پهنچا شمس تبريز و مولوي روم سي
استفاده اٹهايا سواي انكي بهي وهان كي اكثر اوليا سي بهت سا فايده پايا ندان
اپني وطن كو پهرا جب كه وهان پهنچا كنج عزلت مين بيٹها يهان تلك كه جهان
سي اٹه گيا اسكي بهي كشف و كرامات كا ايك عالم گواه هي " اور مزار ايك
جهان كي زيارت گاه " سرهند قديم شهر هي ساماني كي متعلقات سي
فيروزشاه ني اپني سلطنت مين سن سات سو ساٹه هجري كي بيچ اسي جدا
كركي ايك عليحده پرگنه مقرر كيا آبادي و رونق اسكي پهر دن بدن بڑهتي
گئي سرهند سي بيس كوس كي فرق پر بيوانا گهاٹ ايك معبد هي بيشتر لوگ
اسكو مهاديو كهتي هين هندوون كي قديم پرستش گاه هي ليكن فدائي خان كوكه
كه امراي عظام سي تها اسني عالم گير كي سن چار جلوسي مين وهين رهنا
اختيار كيا نام اسكا بجنور ركها وهان كي راجا كو كه كئي پشت سي راج كرتا تها

سي دِيوار بهِي اُٹهائي كِه شاه عبدُ آلباقِي پِيرزادي كو يِه خبر پهُنچِي سُنتي هِي سَوار هُوا اَور سَيكڑون اشخاص خَوَاص و عَوَام سي اُسكي ساته هو لِيي آخِر آنكر ديهري كِي بُنياد ڈهائي اَور اتيت كو خُوب سزا دِي اُسني جاكر نَوّاب سي فريادِ كِي نِهايَت غُصي هُوا اَور كَئِي سَرداروں كو معه فَوج بهيجا كِه پِير زادي كِي حَويلِي ڈها دين اَور گهر لُوٹ لين ليكِن شَيخ اپني مكان مين بَاستِقلال يادِ اِلٰهِي مين بَيٹها رَها مُطلق نڈرا يهان تلك كِه وَهان كي لوگون كو منع كِيا كِه كوئِي ميرِي مدد كو نه آئي اور اپني تَيِن اِس بلا مين نه پهنسائي كِه سِواي قادِرِ لا يزال اِس وَقت كِسِي سي يارِي و مددگارِي منظُور نهين كيُونكِه جنگ و جدل فقيرونكا دستُور نهِين اَلقِصّه وي لوگ جو بَارادهٔ پرخاش آئي تهي يِه سوچي كِه دُنيا كي واسطي اِيمان كهونا اَور عاقِبت سي هاته دهونا عبث هَي چار و ناچار هر ايك شَيخ سي بِارادت پيش آيا اَور نقدِ اِيمان اپنا دُنيا كي لالچ پر كِسِي ني نه گنوايا نَوّاب ني بهِي اِس ماجرِي كو سُنكر اِنفعال كهينچا اَور اُس كارِ نا شايِسته سي هاته اُٹهايا جب احمد شاه كِي بادشاهت هُوئِي مُلك و معاش وَهانكي نُجبا كِي گهٹني لگِي جماعت مين اُنكِي تفرِقِي ني راه پائِي جِسني سُبهِتا اپنا جِدهر ديكها اُدهر كِي راه لِي آخِر شهرِ مذكُور وِيرانه بن گيا اَور جِسني چاها وَهان عمل كر لِيا اب تلك تو يِهي حالت هَي آگي ديكهِيي كيا

پر شیخ سید اکثر بلکه فضلا علما بھي محمد شاہ فردوس آرامگاہ کي وقت تلک شہر مذکور خوب آباد تھا اور عالم فاضل یہہ غالب تھي کہ ماہِ رمضان مین مقدور نہ تھا کہ دو پہر ڈھلي تلک نان بائي یا بھٹھیارا تنور گرم کري یا بھڑبھونجا بھاڑ جھونکي یا کوئي بازار مین دن دیي حقہ پیئي احیانًا اگر کسیي سي ایسي حرکت ہو جاتي تو محتسب کي ہاتھہ سي اُسکي آبرو جاتي شہر کي اندر باہر درگاہین اکثر کیونکہ ہزارون بزرگ صاحب کمال اُس سرزمین مین آسودہ ہین لیکن صاحب ولایت سید محمد ترک مزار اُس بزرگ کا بستي کي اندر ہي سالہاي سال گذري کہ کفار کي ہاتھہ سي وہ بزرگوار شہید ہوا عجیب و غریب حکایات و خرق عادات اُسکي مزار سي وہانکي باشندي منسوب کرتي ہین اور اپني مرادونکي لیئي جمیرات کو جاکر وہان چوکیان بھرتي ہین لیکن بتخانہ دیہرا اُس وقت تلک قصبۂ مذکور کي اطراف مین کوئي ہندو بنا نسکا تھا چنانچہ ایک اتیت ني نواب مظفر خان خاندوران کي بھائي کو بہت سي روپي نذرانہ دیکر چاہا تھا کہ ایک بتخانہ وہان بنائي اور بنیاد کفر کي قایم کري اتفاقًا اُس وقت نواب مرحوم کا قصبۂ مذکور سي سات کوس کي فاصلي پر ڈیرا تھا علاوہ اِسکي سرکار مذکور اُسکي جاگیر بھي تھي غرض اُس اتیت ني آبادي کي قریب بتخاني کي نیو ڈالي بلکہ تھوڑي

فِراواني " پر بسْتِي کي انْدر جَيسِي مکانات کِي کثْرت هَي " وَيسِي هِي باهر
قبْرون کِي بُہُتايَت " اکْثر بادْشاهون وزِيرون اَميرون کي مقْبري اطْراف مين
هَين پر مشْهُور تر مقْبرهٔ هُمايُون بادْشاه کا کَيقُباد کِي کِيلُوگَڑهي مين جمُنا کي
کِناري پر هَي سِواي اِسْکي وُه عُلما فُضلا فُقرا کِه اپْني عهْد مين مشْهُورِ آفاق
تهي اُنْکي مزار بهِي اِس کثْرت سي هَين کِه ايکْ شهْرِ خموشان بسْتا هَي *
سرْکارِ نارْنَول ايکْ قدِيم قصْبه هَي دِهْلِي سي پچاس کوس کي فاصِلي پر آب
و هَوَا وَهانْکِي نِهايَت خُوب سَوَاد اُسْکا هر ايکْ صاحِب طبْع کا مرْغُوب
عِمارتين اُس مين اکْثر پُخْته و سنْگين مِهنْدِي وَهانْکِي نِپٹ رنْگين کهيت
اُسْکي بسْتِي کي قرِيب اکْثر اَوقات لڑْکي وَهانْکي باشِنْدون کي کهيلْتي کهيلْتي
کهيتون پر جا نِکلْتي هَين اَور گهر کو آتي هُوئي مِهنْدِي کي پتّي اپْني جُوتيون
مين بهر ليتي هين غرض گهر پهنْچتي پهنْچتي پاُون اُنْکي لال عُنّابِي هو جاتي
هَين شِکار بهِي هر قِسْم کا بہُتايَت سي چُنانْچِه چڑِيمار پَيسي کي چار چار
تِيتر بيْنچ جاتي هَين پهِر گوشْت اَور ترْکارِي کِس کو غرض هَي کِه منْگْوائي اَور
کهائي مگر بضرُورت يا بسببِ عادت سِواي اِسْکي پهُول پهَل هر ايکْ مَوسِم
کي خُوش بو خُوش ذايِقه بَافْراط مُيَسّر آتي هَين اَور خواهِش منْدون کي دِل
و دِماغ کو راحت و آرام پَہُنْچاتي هَين مُتَوَطِّن وَهانْکي نُجبا شُرفا هر قَوم کي

سي فايده لا كلام هي كيونكه بناني والي كا دنيا مين نام اور خلق كو بلا شبهه آرام هي ليكن حمام كي تعمير هر پير و جوان كي راحت كا موجب هوتي هي اور هر شخص كي دل كي كلفت كهوتي هي چنانچه بادشاهي حمام سي اس شهر مين ايك فيض عام هي كوئي بشر محروم نهين ساخت مين وه فلاطون كي حمام سي خوبتر " در و ديوار اسكي خوش اسلوب سراسر " سطح اسكي گنبذ كي كرهٔ نار سي ملي هوئي " اور ديوارون كي نيو مركز زمين سي لگي هوئي " جامه خانه اسكا بهترين مكانات " حوض وهان كا خشك مزاجون كي ليي آب حيات " مطبخ اسكا مخزن آتش سوزان كا " ماه آئينه اسكي تابدان كا " حرارت اسكي حرارت غريزي كو بهڑكائي " اور رطوبت اسكي رطوبت اصلي كو بڑهائي " (ابيات) پاتي هين يهان چين سبهي خاص و عام " بس يهي حمام هي خير المقام " تيل ملي اس مين گر ايك بار جو " اس كو پوست كا مرض پهر نهو " ميل جو كوئي چاهي كه دل كي چهڑائي " حوض مين بس اسكي وه غوطه لگائي " اس مين نهاوي جو كوئي ايك دم " قلب پر اسكي نرهي گرد غم " وصف كري اسكا سخندان اگر " پهر نكهي شعر بجز شعر تر " اسكي جو تعريف مين كهولي دهن " گرم رهي اسكا هميشه سخن " القصه اس شهر كا هر مكان لا ثاني " ساتهه اسكي عمارات كي

بنابر اسکي مسجدين خانقاهين مدرسي پاکيزه و دلچسپ کثرت سي هين " اور
خانه باغ بهي بهتايت سي " ليکن سن ايک هزار ساٹھ هجري مين مطابق
چوبيسوين سال شاهجهاني کي ناف شهر مين ايک جامع مسجد سنگ سرخ
کي ايسي بني که اگلون ني نه ويسي ديکهي نه پچهلون ني سني " نيو اسکي
تا به سمک " مناري اسکي سر بفلک " گنبذ چرخ بلا گردان اسکي
گنبذونکا " عالم بالا تلک جلوه اسکي برجيونکا " زينه اسکي منبر کا پايهٔ
عرش سي اونچا " ستون کهکشان اسکي ستون در سي نيچا " محراب اس
کي محل اجابت دعا " نمازي وهانکا مقبول درگاه کبريا " ديوارين سد
سکندر سي بلندتر " صحن اسکا صحن فردوس کي برابر (بيت) حوض هي
ايک صحن مين اسکي لطيف " پاتي هين فيض اسي وضيع و شريف " سنگ
هر يک اسکا به از يشم هي " چشمهٔ حيوان کا وه هم چشم هي " جو که
نمازي کري اسي وضو " حشر مين محشور هو با آبرو " ايک بهي بوند اسکي
اگر جسني پي " اسکو هوا تصفيهٔ باطني " اسي طهارت هي سراپا نجات " هي
وه گنهگارون کو آب حيات " جو کوئي ايک قطره بهي اسکا پيي " پياس
نهو حشر مين بهي گرجيي " غسل جو ايک بار بهي اس مين کري " سابي
سي پهر اسکي جهنم ڈري " هر چند مسجد و باغ اور مسافر خاني کي بنا

اپني زِين پوش بِچھاٴي حُقي لگاٴي بيٹھي هين " کِسي طرف بانکي ٹيڑهي اپني مجلِس جماٴي بيٹھي هين " ايک طرف کَےٴي شُهدي شِکستي سُلفي کي دم مارتي هين " کِهين دو چار لُچي بچّني زِياده گو اپني اڑهاٴي چانوَل جُدي هي بگهارتي هين " غرض ميلي کِي سِي دهوم اَور جهڑِيون کا سا هُجُوم هر روز سِواي جُمعي کي دو پهر ڈهلي تلک رَهتا هَي (بيت) خلق کا رهتا هَي زِبس اِزدِحام " رهتي هَي نِت ميلي کِي سِي دهوم دهام " جِنس هر ايک قِسم کِي وَهان خوار هَي " گهوڑون يِهه گرمِي بازار هَي " اسپ هر ايک مُلک کي هَين بي شُمار " مانگو اگر ايک تو لا دين هزار " گوکِه يِهه کثرت هَي په قِيمت گِران " سستا اگر چاهو تو پاٴو کهان " بسکِه وَهان رهتي هَي نِت لاٴو لاٴو " بڑهتا هِي جاتا هَي سدا اُنکا بهاٴو " گهوڑيکا مت پُوچهِيي کُچھ مول تول " ٹٹّو هَي کنکاٴِي کا تُرکِي کي مول " گهوڑا هر ايک شخص کو درکار هَي " پِير و جوَان جو هَي خرِيدار هَي " بلکِه يِهه احوال هَي هر طِفل کا " داٴِي سي کهتا هَي کِه گهوڑا هِي لا " کوٴِي کهِلَونا اُسي کَيسا هِي دي " گهوڑِي سِوا يِهه نِهين مُمکِن کِه لي " ديکها کُمهارون ني جو يِهه کُچھ سُبهاٴو " مِٹّي کي گهوڑِي کِيي نُقرِي کي بهاٴو " الغرض اس مُلکِ مُبارک بُنياد کا هر ايک محلّه خُوش سَوَاد " اَور هر مقام آباد "

لیکن اردوي معلي کا عالم هین جدا هي فضا اسکي نهایت پاکیزه و وسیع " عمارات وهانکي بمرتبه اسلوبدار و رفیع " صحن اسکا رشکِ صحنِ گلزار " دوکان هر ایک بازارکي بهار " اهلِ حرفه سب کي سب مرفه احوال " کوٹهي انکي نقد و جنس و جواهر سي مالامال " نه کسي چیزکي وهان کمي " نه کوئي بشر اس آبادي مین غمي (بیت) هي دروازه اسکا گلستان کا باب " بیاضِ جهان کا هي وه انتخاب " فضا اسکي دیکهي اگر ایک نظر " تو دل تنگ هووي نه پهر عمر بهر " بهلاتي هي ایک لخت غم اسکي سیر " خوش آتي هي بس دمبدم اسکي سیر " سمان وهان کا دیکهي اگر ایک ذرا " تو ماني نه لي نام ارژنگ کا " بهت مین ني یون اسکي تعریف کي " هي اردو کي بولي کا ماخذ وهي " اور نخاس کي بازارکي طرز هي جدي " فضا اسکي فضاءي عالم سي بهي بڑي " صحن اسکا اقسام کي چارپاؤن سي مالامال " زمین اسکي نهایت صاف بتا ڈهال " هر ایک طرف خلق کا ایک دنگل " جا بجا چهل پهل " چابک سوار قسم قسم کي گهوڑون کو پهیر رهي هین " خریدار دلالون کو گهیر رهي هین " سودا وهان کا دست بدست " هر ایک دلال کوڑیالا مال مست " کوئي گهوڑي کي مول تول کي لیي هاتهه لاتا هي " کوئي کهڑا ٹٹو هي چکاتا هي " ایک طرف سپاهي پیشه بهلي آدمي چبوترون پر اپني

اعلی ہَی " پر چاندنی چوک تمام شہر کا اُجالا ہَی " ہر دُوکان اُسکی بہی
مانند " جِس جِنس کو دیکہو بادشاہ پسند " صحن یہہ کُشادہ کِہ دِل کہل
جائی " صاف اَیسا کِہ آدمی چانول بکہیرکر کہائی " دلال اُس بازار کا
سَوداگرون کو آنکہ اُٹہاکر نہین دیکہتا " بِساتی وَہان کا جَوہریون کو خاطِر مین
نہین لاتا " دُوکان ایک بزاز کی اِسطنبول کی بزازی برابر " کوٹہی ایک
صراف کی تمام اِیران کی صرافی برابر " (بَدت) رُپَی ہر ایک دُکان مین ہَین
کہنکتی " کٹوری رات بہر ہَینگی جہنکتی " لگی ہَین ہر طرف پہُولونکی
انبار " گلی کُوچہ ہر ایک ہَی رشکِ گُلزار " فَوَاکِہ کا وُفُور اِس درجہ
ہَیگا " مِلی ہَی تازہ میوہ اِصفہان کا " طعام اقسام کا جو کوئی منگوائی " بقدر
ایک فَوج کی بازار سی آئی " جو ٹہاٹ ایک سلطنت کا ہوئی درکار " تو
حاضِر کردی ونہین ایک دُکاندار " اگر اسباب چاہی ایک لشکر " تو ہاتہ
آجائی بس ایک دِن کی اندر " نہین ہَی اہلِ حِرفہ کوئی بیکار " ہَی نِت
بَیع و شِرا کا گرم بازار " جو ادنیٰ وَہان ہَی دُوکانِ جَوَاہِر " وُہی ہَی بیگمان
کانِ جَوَاہِر " گر ایک اِقلیم کا آ جائی وَہان مال " تو لی لی ایک مہاجن
اُسکو فِی الحال " کوئی بیپاری ہو کاہیکو فکری " کِہ وَہان ہر شَی کِی نِت
رَہتی ہَی بِکری " فِی الواقع اُس مقامِ فرحت انجام کو جِتنا سراہِی بجا ہَی

شہر کی آبرو دونی ہوئی " اکثر لوگون کی حویلیون مین بنبی تھنڈی پانی سی معمور رہنی لگی اور حوض و تالاب بھی دولتخانہ والا کی بھر پور باغون مین وہان کی شادابی اکثر رہنی لگی اور چمنون مین طراوت بیشتر حقا کہ وہ بزرگ بہشتی تھا کہ اسکی کمائی سی شاہ و گدا کو فیض ہوا (بیت) رکھی حشر مین اسکی حق آبرو " کہ فیض اسکا جاری ہوا کو بکو " شہر پناہ اسکی سنگی نہایت پختہ و مضبوط عرض و طول و بلندی و خوش اسلوبی اسکی عقل احاطہ نہین کر سکتی بلکہ ایک جہت کی پیمایش کا دھیان نہین دہر سکتی اندر باہر اسکی بستی حد سی باہر " چپی چپی پر آبادی جدہر تدہر " عمارتین انواع و اقسام کی خوبصورت کثرت سی " حویلیان طرح بطرح کی خوش اسلوب بہتایت سی " باغون کی بہار بی خزان " چمنون مین دایم طلسمات کا سا سمان " ہر ایک محلہ اسکا اقلیم سی زیادہ پر فضا " چھوٹی سی چھوٹا کوچہ اسکا شہر سی بڑا " ہجوم خلایق ہر سر راہ " ہر ایک مقام ایک تماشا گاہ " شہر شہر گاؤن گاؤن کی باشندون نی اپنی بہبودی اور آسایش جو دیکھی بود و باش وہین اختیار کی غرض ہر صنف کی اشخاص و ہر ملک کی اشیا جب چاہو کثرت سی دیکھ لو " کسی چیز کی کمتی کسی وقت ممکن نہین کہ ہو " اگرچہ بازار سارا ہی اسکا اپنی عالم مین

نَئي نظر آئي " اَور جِس طرف نِگاه پڑي وُنہين ره جائي " اگر رِضْوَان وَهان کِي بہار دیکْہنا تو رَوضه رِضْوان کِي دربانِي سي هاتْہ اُٹْہاتا (بَیت) جِنان کا هر مکان اُسْکا نَمُونا " خُوش اُسْلُوبِي مين بلْکِه اُسي دُونا " پہلین پہُولین همیشه وَهان کي گُلْزار" خِزان اُن تکْ نہین پاتِي کبْہُو بار " نِرالِي جگْ سي رنْگ و بو گُلونْکِي " حلاوَت اَور هِي کُچْہ هَي پہلونْکِي " وَهان کي طایِرون کا رنْگ هِي اَور " هَي اُنْکي زمْزمون کا ڈهنْگ هِي اَور " مَین هر یکْ شَي کو دُون تشْبِیه کِسي " که وُه مِلْتِي نہین اِسي اَور اُسي " گِرْد اُس قلْعه مُبارکْ کي ایکْ کہائِي نِہایَت چَوڑِي چکْلي گہْرِي بہِي ایَسِي که عمُقِ زمِین اُسْکي وري " اَور وُه اِسي کہین پري " پانِي اُسْکا اَیسا لطِیف و شفّاف اگر ایکْ خشْخش کا دانه بہِي اُسْکِي تہاه مین هوُي تو انْدهیرِي رات مین صاف نظر آئي " اَور جو انْدْها بہِي اُس مین غوطه لگا سکي تو بِلا شُبْہه نِکال لاوي " (بَیت) نظر آتِي هَي اُسْکِي ته مین رائِي " کہان یِہ آبِ گَوهر مین صفائِي " اگر پڑ جائي اُسْکي بِیچ ایکْ بال " تو یون آوي نظر موتِي کا جون بال " جمُنا بہِي اُس قلْعي کِي تِشْنه دِیدار هوکر جانِبِ شرْقِي سي آئِي اَور اُسْکي تلي نِہایَت آب و تاب سي بہْني لگِي پہِر نَوّاب علِي مرْدان خانِ مرْحُوم دریایِ مذْکُور کو کاٹ کر شاه نہْر سِرْمور پہاڑ کي اُوپر سي لایا کُوچه و بازار کِي رَونق زِیاده بڑْهِي " اَور

اِندرپرست کِي مرمّت و تعمِير کرکي دِين پناه نام رکها اَور اپني تخت گاه مُقرّر کيا پهِر شير شاه پٹهان ني کُوشک سبز کو اُجاڑ کر ايک اَور شهر بسايا اَور اُسکي بيتي سِليم شاه ني سليم گڑه بنايا ابتلک بهي وُه شاهجهان آباد مين جمُنا کي اندر قلعه ارک کي سامهني مَوجُود هَي اگرچِه هر ايک ني اُن پادشاهون مين سي ايک ايک شهر بساکر اپنا دارُ السّلطنت مُقرّر کِيا ليکن هِندُوستان کي بادشاهون کِي تخت گاه مُلک بمُلک دِلّي هِي مشهُور هَي پهِر سن ايک هزار اٹهتاليس هجرِي مين مُطابِق بارهوين برس جُلُوسِي کي شاهجهان صاحِب قِران ثانِي ني دِلّي کي قرِيب ايک شهر بنياد کِيا اَور شاهجهان آباد اُسکا نام رکها اُسکي خُوش نِيّتي سي اُس مُلک ني يِه رَونق اَور آبادِي پکڑِي کِه جِتني مُلک اگلي بادشاهون کي لِکهني مين آئي تهي گُم نام هو گئي فقط اُسيکا نام ره گيا جَيسي سمُندر مين بهُتيري بڑي بڑي درياو مِلي هَين پر نام اُسکا هِي باجتا هَي قلعه بهِي اُسکا سنگِ سُرخ کا اِس مضبُوطِي و خُوش اُسلُوبي کي ساته بنا هي کِه معمارِ قضا و قدر کِي زبان اُسکي اَوصاف مين لال هَي پهِر ساخت تو اُسکِي سِي امرِ مُحال علاوه اِسکي مکانات قِسم قِسم کي مُتعدِد پاکِيزه خاصّي " اَور باغ بهِي اُسکي گُلشن جهان کي خُلاصي " نهرين جارِي جا بجا " حَوض هر ايک مکان مين کٹورا سا بهرا هُوا " جِدهر ديکهِي کَيفيّت

شمس الدین التمش نے بعد اسکے اپنا رہنا اس مین مقرر کیا مگر سلطان غیاث الدین بلبن نے ایک اور قلعہ چھ سو چھیاسٹھ ہجری مین بنا کیا اور اسکا نام مرزغن رکھا پھر سلطان معز الدین کیقباد نے سن چھ سو چھیاسی مین جمنا کے کنارے ایک اور شہر پرفضا و عمارات اسکے دلکشا آباد کیا نام اسکا کیلوگڑھی رکھا اسیکی امیر خسرو نے قران السعدین مین تعریف کی ہے بعد از آن سلطان جلال الدین خلجی نے شہر کوشک لعل اور سلطان علاء الدین نے کوشک سبز بساکر اپنا اپنا ہر ایک کو دار السلطنت کیا پھر سلطان غیاث الدین تغلق شاہ نے سن سات سو پچیس ہجری مین شہر تغلق آباد کی تعمیر کی پھر اسکی بیٹے سلطان محمد فخر الدین جونان نے ایک اور ملک کی بنیاد ڈالی اور ہزار ستون کا ایک قصر بنایا سواے اسکی اور بھی مکانات سنگ رخام کی پاکیزہ پر فضا بنائے پھر سلطان فیروز شاہ نے سن سات سو پچپن ہجری مین شہر فیروز آباد نہایت وسعت و عظمت کی ساتھ بسایا اور جمنا کو کاٹ کر اسکی نیچے لایا ساتھ اسکی تین کوس کی فاصلے پر ایک اور محل معہ منارہء جہان نما بنایا چنانچہ وہ منارہ ابتک قایم ہے عوام الناس اسکو فیروز شاہ کی لاٹ کہتے ہین بعد اسکی سلطان مبارک شاہ نے مبارک آباد آباد کیا اور نو سے اٹھتیس ہجری مین ہمایون بادشاہ نے قلعہ

یہہ اِنْتِخاب کِیا گَیا هَي کِتابِ آرائِشِ محْفِل مین سي کِہ جو اکْثرِیّہ مُشْتمِل هَي مضْمُونِ خُلاصَۃ اَلتَّوَارِیخ پر

صُوبہ دارُ الْخِلافتِ شاہ جہان آباد " هِنْدي فارْسِي کِي تارِیخون سي یُون معْلُوم هوتا هَي کِہ شہْرِ هسْتِناپُور گنْگا کي کِناري پر اگْلي زماني مین تخْتگاہ هِنْدُوسْتان کي بادْشاهون کِي تها وُسْعت و روَنق بهِي اُسْکِي اُس عصْر مین حدّ سي باهر تهِي زبان اُسْکي بَیَان سي قاصِر هَي اگرْچه اب بهِي نِهایَت آباد هَي لیکِن جَیسا پانْڈوون اَور کَورَوون کي وقْت مین بسْتا تها سو کهان جب کِہ دونون فِرْقون مین بیراکْهیرِي هُوئِي اَور پهُوٹ پڑِي تب پانْڈوون ني اِس مُلْک کو چهوڑا اَور شہْرِ اِنْدرْپرسْت کِہ جمُنا کي کِناري پر تها اُس مین آئي بلْکِہ اپْنا دارُ السَّلْطنت بهِي اُسِي کو ٹهہْرایا بعْد ایک مُدّت کي راجا اَنکْپال تونْوَڑ ني بیر بکْرماجِیت کي چارسَو چالِیس سن مین اِنْدرْپرسْت کي نزْدِیک شہْرِ دهْلِي کو آباد کِیا اَور ایک هزار کُچْه اُوپر دو سَو سن مین بِکْرماجِیت کي راجا پتهْوَرا ني ایک قلْعه و شہْر اپْني نام کا بنایا چُنانْچِہ سُلْطان قُطْبُ الدِّین اِیبک و سُلْطان

مُنْتخباتِ هِنْدِي

هِنْدِي زبان كي طالِبون كي فائِدي كي واسْطي

اِنْتِخاب كِيا هُوا

جان شيكسپِير كا

سنه ايك هزار آٹھ سَي چَوالِيس عِيسَوِي مين

مُطابِق سنه باره سَي ساٹھ هِجْرِي كي

چَوتْهِي دفْعه سِرِ نَوسي چهاپا گَيا

دُوسْرِي جِلْد

LONDON:

PRINTED BY J. & H. COX, BROTHERS (LATE COX & SONS),

Printers to the Honourable East-India Company,

74 & 75, GREAT QUEEN STREET, LINCOLN'S-INN FIELDS.

1844.